1001 चटाकेदार चुटकुले

इस ई-बुक चुटकुला संग्रह का मुफ़्त व मुक्त इस्तेमाल व्यक्तिगत उपयोग तथा वितरण के लिए किया जा सकता है.

चुटकुलों पर क्रमांक दिए गए हैं ताकि रामायण की पोथी की तरह प्रतिदिन दस चुटकुले बांच कर अपना दिन प्रारंभ करें. कठिन परिस्थितियों में इस ग्रंथ का कोई चुटकुला याद करें और लोगों को सुनाएँ. शर्तिया आप सभी को हँसी आएगी ही.

चुटकुलों पर किसी का सर्वाधिकार नहीं होता, अतः चहुँओर हास्य फैलाने का आग्रह है. चुटकुलों का ध्येय मात्र मनोरंजन है. किसी व्यक्ति या समुदाय की भावनाओं को चोट पहुँचाना नहीं. अतः कृपया चुटकुलों को खेल भावना से लें.

इस ई-बुक पर अपनी राय से – rachanakar@gmail.com ईमेल पते पर अवश्य अवगत करावें.

****

आज का चुटकुला # 001

---**---

एक आदमी की मौत हो गई और उसे अपने कर्मों के कारण नर्क की प्राप्ति हुई. उसने वहां जाकर देखा कि हर देश के लिए अलग-अलग नर्क है.

वह अमरीकन नर्क में गया और पूछा कि यहाँ आत्माओं को किस तरह पीड़ा दी जाती है. उसे बताया गया – पहले तो वे आपको बिजली की कुर्सी पर एक घंटा बैठाकर करंट लगाते हैं. फिर आपको तीख़े कीलों वाले बिस्तर पर नंगे बदन घंटे भर सुलाते हैं. फिर अमरीकन राक्षस आता है जो दिनभर आपको चाबुक से कोड़े लगाता है.

उस आदमी को यह सारा सिलसिला पसंद नहीं आया और वह आगे बढ़ गया. उसने आगे जाकर जर्मनी, जापानी, आस्ट्रेलियाई इत्यादि तमाम देशों के नर्क देख डाले. सभी में जैसी सज़ा अमरीकन नर्क में दी जाती थी लगभग उसी क़िस्म की सज़ा नर्क में आने वाली सभी आत्माओं को दी जाती थी. हाँ, धरती पर किए पापों की गंभीरता के आधार पर समय में कुछ कमी-बेसी जरूर हो जाती थी.

घूमते घूमते वह आखीर में भारतीय नर्क में पहुँचा. वहां उसने देखा कि नर्क में प्रवेश के लिए आत्माओं की हजारों मील लंबी लाइन लगी है. आश्चर्य चकित होता हुआ उसने पूछा कि यहाँ किस क़िस्म की सज़ा आत्माओं को दी जाती है जिसके कारण इतनी लंबी लाइन लगी है? उसे बताया गया कि - पहले तो वे आपको बिजली की कुर्सी पर एक घंटा बैठाकर करंट लगाते हैं. फिर आपको तीख़े कीलों वाले बिस्तर पर नंगे बदन घंटे भर सुलाते हैं. फिर भारतीय राक्षस आता है जो दिनभर आपको चाबुक के कोड़े लगाता है.

उसे और ज्यादा आश्चर्य हुआ. उसने फिर पूछा – पर ऐसी ही सज़ा तो अमरीकन और तमाम अन्य देशों के नर्कों में भी है. वहाँ तो अंदर जाने वालों की ऐसी भीड़ नहीं दिखी.

किसी ने उसकी जिज्ञासा शांत की – चूंकि यहाँ भीड़ के कारण बदहाली है, मेंटेनेंस बहुत घटिया है, बिजली आती नहीं अतः बिजली की कुर्सी काम नहीं करती, बिस्तर से कीलों को लोग चोरी कर ले जा चुके हैं और कोड़े लगाने वाले भारतीय राक्षस, भारतीय शासकीय सेवा में रह चुके हैं जो आते तो हैं, परंतु हाजिरी रजिस्टर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर कैंटीन चले जाते हैं....

-

आज का चुटकुला # 002

दैवीय चिह्न
-=-=-=-=-=-=-=-=-=-

एक पुजारी और एक पादरी की कारें आपस में भिड़ गईं, और जरा जोरदार से भिड़ीं. दोनों ही कारें बुरी तरह से टूटफूट गईं, परंतु उतने ही आश्चर्यजनक रूप से न तो पुजारी और न पादरी को कोई खास चोटें आईं.

जब वे दोनों अपनी अपनी कारों से बाहर निकले तो पुजारी ने पादरी के लिबास को देखा और कहा – तो तुम पादरी हो! वाह! मैं भी पुजारी हूं. हमारी कारें कैसी टूटफूट गईं हैं, परंतु सौभाग्य से हमें कोई खास चोटें नहीं पहुँची. यह ईश्वर की बड़ी कृपा है और उसका यह संदेश हम दोनों के लिए है कि हम आपस में दोस्त बन जाएँ और बाकी की जिंदगी प्यार और शांति से दोस्त के रूप में साथ-साथ गुजारें.

पादरी ने कहा – हाँ मैं तुम्हारी बातों से पूरी तरह सहमत हूँ. यह तो ईश्वरीय इच्छा ही प्रतीत होती है.

पादरी ने आगे कहा – और जरा इसे देखो. एक और चमत्कार. मेरी कार पूरी तरह से बरबाद हो गई है परंतु यह ब्लैक लेबल व्हिस्की की बोतल पूरी तरह ठीक ठाक है. इसमें एक खरोंच भी नहीं आई है. अवश्य ही ईश्वर चाहता है कि हम अपनी इस नई दोस्ती का जश्न व्हिस्की पीकर मनाएँ. फिर उसने बोतल खोली और पुजारी की ओर बढ़ाई.

पुजारी ने हाथ जोड़ लिए और कहा – राम! राम!! मैंने जिंदगी में कभी भी शाकाहार और दूध घी के अलावा कुछ नहीं खाया पिया. मेरा धर्म भ्रष्ट मत करो.

परंतु पादरी ने पुजारी को फिर समझाया – देखो यदि तुम ईश्वरीय संदेश को नहीं मानोगे तो भगवान को सचमुच अप्रसन्न कर दोगे.

आखिर में पुजारी को लगा कि सचमुच ईश्वर की कृपा से उसका पुनर्जन्म हुआ है और पादरी की बातों में दम है. उसने बोतल ली और शराब की एक घूँट भरी. उसका मुँह कड़वा हो गया. जैसे तैसे उसने पहला घूंट भरा और बोतल पादरी को वापस किया.

पादरी ने कहा – देखो तुमने चूँकि पहला घूँट भरा है, इसलिए अब तुम इस बोतल का आधा हिस्सा प्रसाद के रूप में प्राप्त करो. बाकी का हिस्सा फिर मैं पी लूंगा.

प्रतिवाद करते हुए पुजारी ने दूसरा घूँट भरा. तीसरा घूँट भरते तक उसे आनंद आने लगा था. देखते ही देखते बोतल में सिर्फ दो घूँट शराब बाकी बची.

पुजारी नशे में बोला – अरे! मैंने सारा ही प्रसाद अकेले ले लिया. राम! राम!! ईश्वर तो बड़ा कुपित होगा. ये दो घूँट बचा है. इस प्रसाद को तो तुम भी अवश्य लो.

पादरी ने बोतल पुजारी के हाथों से ली और उसका ढक्कन बंद करते हुए बोला – हाँ, अभी लेता हूँ प्रसाद. जरा पुलिस को तो आ जाने दो.

-

आज का चुटकुला # 003

-

एक बार एक ग्रंथी, मौलवी और पँडित फुरसत के लम्हों में गुफ्तगू कर रहे थे। चर्चा का विषय था कि ये लोग पूजा के दौरान मिली दक्षिणा किस तरह उपयोग करते हैं। विषय बड़ा नाजुक था। सवाल व्यक्तिगत आवश्यकताओं और पूजास्थल की देखभाल के बीच दक्षिणा के धन के सामंजस्य का था।

पुजारी बोले "भाई मैं तो दैनिक आरती के बाद पूजा का थाल बीच हाल में रख देता हूँ। भक्तजन अपने स्थान से दान दक्षिणा के सिक्के उछाल देते हैं। जितने थाली में गिरते हैं उतने मेरे दैनिक खर्च के लिये उपयोग हो जाते हैं , शेष प्रभु के भोग, श्रृँगार और मँदिर के रखरखाव में।"

मौलवी जी का भी कमोबेश यही तरीका निकला। वे बोले " मैं भी नमाज के बाद अपनी चादर फैला देता हूँ। नमाजी खैरात उछालते हैं , अल्लाह के फजल से जितनी चादर मे गिरी वह इस बँदे की, बाकी अल्लाह के घर की साजोसँभाल में खर्च हो जाती है।"

ग्रँथी जी कसमसाये और तल्ख स्वर में बोले "तुम लोग ऊपरवाले की नेमत की इस तरह तौहीन करते हो, तभी तो लगता है कि महीनों से कुछ खाया ही नही।"
मौलवी जी और पँडित दोनों चौकें और पूछ बैठे " ग्रंथी जी , भला हम क्या गलत करते हैं। आप ही बताइयें आप चढ़ावे का क्या करते हैं?"

लेकिन दोनो की लाख मनौव्वल के बाद भी ग्रंथी जी ने अपनी सफेद चिकनी दाढ़ी पर हाथ फेर कर सिर्फ यही फर्माया कि " रूपया पैसा ऊपरवाला बख्शता है। उसे इस तरह उछलवा कर आप लोग ऊपर वाले की ही बेइज्जती करते हो। आप कल खुद ही गुरद्वारे आकर देख

लेना कि चढ़ावे के सही इस्तेमाल का तरीका क्या है?"

अगले दिन तड़के मौलवी जी और पँडित दोनों गुरूद्वारे पहुँचे। पूजापाठ के बाद वे देखते क्या हैं कि ग्रँथी जी ने भक्तों को एक चादर पर तमीज से पैसे चढ़ाने को कहा। फिर पोटली बाँध कर आसमान में उछाल दी और चिल्लाये " वाहे गुरू, यह तेरी नेमत है, जितनी चाहे रख ले बाकी अपने इस बँदे को बख्श दे।" उधर पोटली वापस ग्रंथी जी के हाथो में वापस गिरी इधर मौलवी जी और पँडित दोनो गश खाकर जमीन पर।

आज का चुटकुला # 004

-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-

जिंदगी जीने के लिए

बॉलीवुड बॉम्ब के रुप में मशहूर एक अभिनेत्री ने अपने आपको घायल कर लिया. इलाज के लिए वह अपने प्लास्टिक सर्जन के पास पहुँची. सर्जन ने देखा कि अभनेत्री के हाथ में एक गोलाकार छेदनुमा घाव हो गया था जो प्रत्यक्षतः किसी आग्नेयास्त्र से चली गोली के कारण हुआ था. डॉक्टर ने कहा कि इलाज तो वह कर देगा, परंतु, चूंकि यह पिस्तौल से चली गोली के कारण हुआ घाव है अतः ऐसे केसेस को वह पुलिस को रिपोर्ट अवश्य करेगा, - वह किसी लफड़े में फंसना नहीं चाहता.

अभिनेत्री ने डॉक्टर से निवेदन किया कि वह ऐसा बिलकुल नहीं करे नहीं तो उसका सारा कैरियर खतम हो जाएगा. वह बेमौत मर जाएगी.

डॉक्टर को थोड़ा तरस आया. उसने पूछा – पर आखिर हुआ क्या था? जब तक इस किस्से के बारे में मैं जान न लूं, मैं ऐसा कोई वादा नहीं कर सकता.

अभिनेत्री ने बताया – ठीक है, मैं आप पर भरोसा कर सकती हूं. दरअसल मैं आत्महत्या की कोशिश कर रही थी. सबसे पहले मैंने पिस्तौल की नाल मुँह में रखी. लिबलिबी दबाने जा ही रही थी कि विचार आया अरे, अभी तो हाल ही में मैंने अपने दाँतों में नए ब्रिज लगवाए हैं, हजारों खर्च कर रूट कैनाल ट्रीटमेंट करवाया है. उसे मैं खराब नहीं करना चाहती थी. फिर मैंने पिस्तौल अपने माथे पर टिकाई. परंतु तुरंत याद आया कि अभी तो छः महीने भी नहीं हुए थे कि मैंने अपना फेस लिफ़्ट करवाया था और नोज़-जॉब करवाया था. यह तो बरबाद हो जाता. यह सोचकर मैंने पिस्तौल अपनी कनपटी पर टिकाई. परंतु फिर खयाल आया कि जब गोली चलेगी तो आवाज बहुत जोर की आएगी और मेरे कान के पर्दे फट सकते हैं. आखीर में मैंने अपने दिल पर पिस्तौल टिकाई. गोली चलाने ही वाली थी कि मेरे मँहगे, सुंदर सिलिकॉन इम्प्लांट याद आ गए. फिर मैं क्या करती, गोली मैंने अपने हाथ में ही मार ली.

-

आज का चुटकुला # 005

-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-=-

नैसर्गिक प्रक्रिया

एक आदमी नाई की दुकान पर दाढ़ी बनवाने गया. जब नाई उसके चेहरे पर ब्रुश से बढ़िया क्रीम से उतना ही बढ़िया झाग बना रहा था तो उस आदमी ने अपने चेहरे के पिचके गालों की ओर इशारा करते हुए बोला – मेरे गालों के इस गड्ढे के कारण दाढ़ी बढ़िया नहीं बन पाती और कुछ बाल छूट जाते हैं.

कोई बात नहीं – नाई आगे बोला – मेरे पास इसका इलाज है. उसने पास के दराज में से लकड़ी की एक छोटी सी गोली निकाली और उसे देते हुए बोला – इसे अपने मुंह में मसूढ़ों और गाल के बीच रख लो.

उस आदमी ने वह गोली मुँह में रख ली जिससे उसका गाल फूल गया और नाई ने उसकी अब तक की सबसे शानदार, सबसे बढ़िया दाढ़ी बनाई.

यदि यह गोली गलती से पेट में चली जाए तो? उस आदमी ने कठिनाई से बोलते हुए पूछा. गोली उसके मुँह में ही फंसी हुई थी.

कोई बात नहीं – नाई बोला – कल लेते आना. जैसे कि बहुत से लोग अब तक लेते आए हैं.

आज का लतीफा # 006

_~_~_~_~_~_~

चूंकि मैं एक पुरूष हूँ...

** चूंकि मैं एक पुरूष हूं, जब मैं अपनी कार की चाबी कार के अंदर भूल जाता हूँ तो मैं तुम्हारे इस सुझाव को कि हमें किसी सर्विस सेन्टर वाले को तत्काल बुला लेना चाहिए, अनदेखा करते हुए कपड़े सुखाने वाले हैंगर के तार से तब तक कार का दरवाजा खोलने की कोशिश करता रहूंगा जब तक कि दरवाजे का ताला खराब न हो जाए, या मैं ही पूरी तरह पस्त न हो जाऊँ.

** चूंकि मैं एक पुरुष हूं, जब मेरी कार ठीक से चालू नहीं होती है तो मैं उसका बोनट उठाकर उसके इंजिन में तांक झांक करता हूँ. इस बीच दूसरा पुरूष कहीं से प्रकट होता है और वह भी कुछ तार वार छूकर देखता है. फिर हममें से एक, दूसरे से कहता है – मैं इन चीजों को आराम से ठीक कर लेता था. परंतु आजकल हर चीज कम्प्यूटराइज आ रही है तो यह पता ही नहीं चलता कि कहाँ से चालू करें. फिर हम दोनों बीयर पीते हुए मेकैनिक का इंतजार करते हैं.

** चूंकि मैं एक पुरूष हूं अतः जब मुझे जुकाम हो जाता है तो मैं बिस्तर पर कराहते हुए करवटें बदलते हुए चीखता चिल्लाता हूँ कि मुझे गर्म चिकन सूप चाहिए और मेरी चिंता कोई नहीं कर रहा. मैं जिस गंभीर तरीके से बीमार पड़ता हूँ उस तीव्रता से कोई भी बीमार नहीं पड़ता अतः मेरी समस्या कोई और कभी जान ही नहीं सकता.

** चूंकि मैं एक पुरूष हूँ, अतः घर या ऑफ़िस का कोई भी उपकरण खराब हो जाता है तो मैं उसे खोलकर ठीक करने लगता हूँ – पुराने अनुभवों के बावजूद कि मेरे द्वारा खोले गए उपकरणों को सुधारने के लिए मेकैनिक द्वारा दोगुना चार्ज वसूला जाता है.

** चूंकि मैं एक पुरूष हूँ, अतः टीवी देखते हुए टीवी का रिमोट कंट्रोल मेरे हाथों में ही होना चाहिए. यदि रिमोट कंट्रोल कहीं किसी कोने काने में दब कर मिल नहीं रहा होता है तो मेरा वो आवश्यक टीवी शो खत्म हो जाता है जिसकी मुझे तलाश होती है.

** चूंकि मैं एक पुरूष हूँ, अतः मैं नहीं समझता कि हम कहीं रास्ता भटक गए हैं और रुककर किसी से रास्ता पूछने की आवश्यकता है भी. क्या तुम किसी अजनबी, अपरिचित पर भरोसा करोगी? मेरा मतलब है उसे कैसे पता होगा कि हमें कहाँ जाना है.

** चूंकि मैं एक पुरूष हूँ, अतः यह बिलकुल जरूरी नहीं कि मैं किस समय क्या सोच रहा होता हूँ. उत्तर हमेशा ही या तो सेक्स होगा या कोई खेल. जब तुम कुछ पूछोगी तो मुझे मजबूरन उन मुद्दों से हटकर कुछ अलग सोचना होगा अतः अच्छा यही होगा कि मुझसे कुछ पूछो ही न.

** चूँकि मैं एक पुरूष हूं, मुझसे यह मत पूछो कि मुझे यह फिल्म कैसी लगी. अगर फिल्म के अंत में तुम्हारी आँखों में आँसू थे, तो बहुत संभव है कि उस फिल्म में मुझे बिलकुल मजा नहीं आया.

** चूंकि मैं एक पुरुष हूँ, मैं सोचता हूँ कि जो तुमने अभी पहना है वह बहुत अच्छा है. मेरे विचार में जो ड्रेस तुमने पाँच मिनट पहले पहना था वह भी बहुत अच्छा था. तुम्हारे जूतों के दोनों ही जोड़े अच्छे हैं – लेस सहित और लेस के बगैर भी अच्छे हैं. तुम्हारी हेयर स्टाइल भी बहुत अच्छी है. तुम बहुत अच्छी, खूबसूरत दिख रही हो. क्या अब चले चलें?

** चूंकि मैं एक पुरूष हूं, और वैसे भी यह इक्कीसवीं शती है, अतः घरेलूकार्य में मैं तुम्हारे साथ बराबर का हाथ बटाऊँगा. तुम कपड़े धोने, खाना बनाने, घर की साफ सफाई, गार्डनिंग, शॉपिंग के कार्य निपटाओगी बाकी का सारा काम मैं समाचार पत्र पढ़ते हुए निपटाऊँगा.

-

आज का लतीफा # 007

_~_~_~_~_~_~

गूगल आरती

+=+=+=+=

ओम् जय गूगल हरे !! स्वामी ओम् जय गूगल हरे!!
प्रोग्रामर्स के संकट, डेवलपेर्स के संकट क्षण में दूर करे!!
ओम् जय गूगल हरे !!
जो ध्यावे वो पावे, दुख् बिन से मन का,

स्वामी दुख बिन् से मन का!!

होमपेज की सम्पत्ति लावे, होमवर्क पूर्ण करावे!
कष्ट मिटे वर्क् का !
स्वामी ओम् जय गूगल हरे!!

तुम पूरन सर्च इंजिन तुम इंटरनेट यामी !
स्वामी तुम इंटरनेट यामी!!
पार करो हमारे पगार, पार करो हमारे साक्षात्कार!
तुम दुनिया के स्वामी!!

स्वामी ओम् जय गूगल हरे!
तुम जानकारी के सागर,
तुम पालन कर्ता, स्वामी तुम पालन कर्ता!!
मैं मूरख खलकामी, मैं सर्चर तुम सर्वर,
स्वामी तुम कर्ता धर्ता !!

स्वामी ओम् जय गूगल हरे!!
दीन बन्धु दुख हर्ता, तुम् रक्षक मेरे,
स्वामी तुम ठाकुर् मेरे!!
अपनी सर्च् दिखाओ, सारे रीसर्च् कराओ,
साइट पर खड़ा मैं तेरे!!

स्वामी ओम् जय गूगल हरे!!
गूगल देवता की आरती जो कोई प्रोग्रामर गावे,
स्वामी जो कोइ भी प्रोग्रामर गावे,
कहत सुन स्वामी, एम एस हरिहर स्वामी,
मनवांछित फल पावे!!

स्वामी ओम जय गूगल हरे!!
बोलो गूगल देवता की ------------- जय!

(किसी सच्चे गूगल भक्त द्वारा रोमन लिपि में लिखे गए, इंटरनेट पर बिचर रहे आरती का साभार, हिन्दी ट्रांसलिट्रेशन)

--*---*--

आज का लतीफ़ा

चुटकुला # 008

_~_~_~_~_~_

सरप्राइज़ पार्टी

-*-**

राज सारा दिन अपने व्यवसाय में व्यस्त रहता था.. रुपया कमाने के लिए आखीर मेहनत तो करनी ही होती है - वह अपनी बीवी से कहा करता था जिसे राज अकसर समय नहीं दे पाता था और इसी वजह से अकसर वह शाम और देर रात तक अपने क्लाएंटों में उलझा रहता था .

राज के जन्म दिन पर उसकी बीवी ने उसे बढ़िया, सरप्राइज़ पार्टी देने की सोची. बेचारा राज व्यवसायिक दायित्वों के चलते मौज मस्ती का भी समय जो नहीं निकाल पाता था. राज पूछता ही रहा कि कहां चल रहे हैं पार्टी के लिए मगर उसकी बीवी ने अंत तक नहीं बताया, जब तक कि वे पार्टी स्थल पर पहुँच नहीं गए.

उसकी बीवी ने एक बढ़िया, आलीशान, स्ट्रिपटीज़ डांसबार में उसके लिए पार्टी का आयोजन किया था.

डांसबार में प्रवेश के समय ही दरबान ने एक कड़क सैल्यूट, भरपूर मुस्कान के साथ - ठोंका ओर बोला – हैलो मिस्टर राज, आज मिज़ाज कैसे हैं आपके?

उसकी बीवी थोड़ी चकित सी हुई, पर उसने सोचा कि क्लाइंटों के साथ कभी आए होंगे यहाँ.

बार में ड्रिंक के बीच हलाकान होते उसके पति के पास एक बार बाला आई और अपनी बाहों को राज के गले में डाल कर बोली हाय हैंडसम, आज क्या बात है – मूड उखड़ा है?

जैसे तैसे राज ने उस बार बाला से जान छुड़ाया तो एक दूसरी बार बाला आई और उसके गाल चूमकर बोली – हाय डार्लिंग व्हाट अबाउट टुडे?

उसकी बीवी जो रोने – रोने को थी – अचानक सुबकियाँ लेते बाहर भागी. सामने स्टैंड पर जो टैक्सी दिखी उस पर सवार हुई और घर चलने को कहा. पीछे से राज भी दौड़ता हुआ आया और बगल में बैठकर उसे समझाने का प्रयत्न करने लगा. परंतु उसकी बीवी का रोना रुक ही नहीं रहा था.

इतने में टैक्सी ड्राइवर बोला – ऐसा लगता है मिस्टर राज, आज आपका पाला किसी मूडी लड़की से पड़ गया है.

-*-*-

चुटकुला # 009

_~_~_~_~

परिवार में सबकुछ

-*-**

एक सभागार में अखंड रामायण का पाठ किया जा रहा था. शाम का समय था – श्रद्धालुओं की भीड़ लगी थी और सभागार में तिल रखने को जगह नहीं थी.

पाठ चल रहा था-

सुनहु नाथ कह मुदित बिदेहू। ब्रह्म जीव इव सहज सनेहू।।
पुनि पुनि प्रभुहि चितव नरनाहू। पुलक गात उर अधिक उछाहू।।

फ़िल्मी धुनों पर रामायण की पाठों के बीच अचानक एक घनघोर गर्जना हुई और एक चमत्कार हो गया.

एक राक्षस प्रकट हो गया था वहाँ. लपलपाती, आग उगलती जिव्हा और खून से सने उसके लंबे नुकीले दाँत उसे भयानक बना रहे थे.

सभागार में भगदड़ मच गई.

जिसे जैसी जगह दिखी भाग निकला. सेकेण्डों में सभागार खाली हो गया. पुजारी जिसके निर्देशन में पाठ किया जा रहा था, भागने वालों में प्रथम था.

परंतु एक व्यक्ति निर्विकार बैठा हुआ था.

राक्षस गरजते हुए उसके पास पहुँचा और पूछा – तुम जानते नहीं मैं कौन हूँ?

उस व्यक्ति ने कहा – हाँ मैं जानता हूँ – तुम कुम्भीपाक नर्क के राक्षस हो.

राक्षस ने गरजते हुए, आग उगलते हुए फिर पूछा – तुम्हें मुझसे डर नहीं लगता?

उस व्यक्ति का जवाब था – नहीं, बिलकुल नहीं.

राक्षस का गुस्सा आसमान पर था – देवता भी तुम्हारी रक्षा नहीं कर पाएंगे मूर्ख! ये बता तुझे मेरा भय क्यों नहीं है?

उस व्यक्ति ने उसी शांति से जवाब दिया – मैं पिछले पच्चीस वर्षों से शादीशुदा हूँ.

-

साहित्यिक चुटकुले

चुटकुला # 010
_~_~_~_~_~_

दूध का मर्तबान
***********.

उत्तर भारत में सोने से पहले दूध पीने की आदत बहुत लोगों में है. पति देवता क्लब से देर से लौटते थे. इसलिए उनके हिस्से का दूध उनकी पत्नी गिलास में सुरक्षित रख अपने हिस्से का दूध पी लेती थी अन्यथा वे साथ साथ पीते थे.

एक दिन पति महोदय को बहुत विलंब हो गया तो पत्नी अपना दूध का गिलास लेने आई और उसे पीने जा रही थी कि उसने देखा कि उनके पति के दूध के गिलास में बिल्ली भोग लगा रही है. जब तक वह उसे भगाती, गिलास खाली हो चुका था.

पतिपरायणा पत्नी ने स्वयं दूध नहीं पिया और अपना गिलास अपने पति के लिए सुरक्षित रख दिया.

पतिदेव घर आए तो उन्होंने पत्नी से पीने के लिए दूध का गिलास मांगा. उनके बीच का संवाद नीचे दोहे में पढ़ें :-

तिय बोली पिय के कहत – "दूध कहाँ? दै देऊ।"
"तुम्हरौ तौ बिल्ली पियौ, पिय! हमरौ पी लेऊ।।"

- पंडित अमृतलाल चतुर्वेदी

-

चुटकुला # 011

_~_~_~_~_~_

होइहैं सोइ

*******.

मथुरा के कलेक्टर रहे श्री ग्राउस पक्के रामायणी थे. एक बार उनकी अदालत में एक अपराधी लाया गया. जिरह के दौरान अपराधी ने यह सोचकर कि ग्राउस महोदय प्रसन्न होकर उन्हें मुक्त कर देंगे, यह चौपाई कहा –

होइहैं सोइ जो राम रचि राखा।
को करि तर्क बढ़ावहि साखा।।

ग्राउस साहब ने उनकी चौपाई का जवाब कुछ यूं दिया –

कर्म प्रधान विश्व करि राखा।
जो जस करसि सो तस फल चाखा।।

---**---

चुटकुला # 012

_~_~_~_~_~_

असंगत हास्य

--*--

आगरा के साहित्यकार अमृत लाल चतुर्वेदी के पड़ोस में एक अनपढ़ व्यक्ति रहता था जो गाहे-बगाहे अपने परिवार के पत्रों को पढ़वाने के लिए उनके पास आता रहता था. उस अनपढ़ के परिवार का एक सदस्य झांसी में रहता था और थोड़ा पढ़ा लिखा था. उसे तुकबंदी की भयंकर आदत थी. पत्र भी वह तुकबंदी में ही लिखता था.

एक बार उसी व्यक्ति का लिखा पोस्टकार्ड लेकर वह अनपढ़ व्यक्ति पत्र पढ़वाने चतुर्वेदी जी के पास पहुँचा. पत्र में दोहा लिखा था –

सिद्धि श्री झांसी लिखी राम-राम प्रिय भ्रात।
अत्र कुशलं तत्रास्तु, भैया मरि गए रात।।

-

चुटकुला # 013

_~_~_~_~_~_

आदत से लाचार

---/---

श्री नारायण चतुर्वेदी के एक कांग्रेसी मित्र ट्रेन से लखनऊ होकर कहीं जा रहे थे. सौजन्यता वश चतुर्वेदी जी ने स्टेशन पर कांग्रेसी मित्र से ट्रेन पर ही मुलाकात की और उन्हें लखनऊ के स्वादिष्ट खरबूजे भेंट किए. पत्रों से हालचाल लिखने के वादों के साथ विदा हुए.

कुछ दिन बाद उन कांग्रेसी मित्र का पत्र चतुर्वेदी जी के पास आया. पत्र में दोहा लिखा था –

खरबूजा तो खा गया, लिया न एक डकार।
कांग्रेसी हूँ, क्या करूं? आदत से लाचार।।

(समस्त चुटकुले, साहित्यिक चुटकुले, लेखक श्रीनारायण चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन चावड़ी बाजार दिल्ली से साभार)

--*--

चुटकुला # 014

_~_~_~_~_~_

साहित्यिक एसएमएस

-

सवाल: पता है कि निसार भाई कैसे पैदा हुए?
सवाल: नहीं न?
(ठीक है, मैं बताती हूँ।)
जवाब: जवानी जानेमन, हसीन दिलरुबा

मिले दो दिल जवाँ...
निसार हो गया।
(मूल शायर से क्षमा याचना सहित. यह एसएमएस रविकान्त ravikant at sarai dot net ने रचनाकार को अग्रेषित किया)

संता-बंता के कुछ चुटकुले

चुटकुला # 015

प्लेटफ़ॉर्म पर रेल गाड़ी ...

बंताजी प्लेटफार्म पर खड़े थे तभी ट्रेन आने की उद्घोषणा हुई और वे रेल्वे ट्रैक पर कूद पड़े। उन्हें देखकर एक आदमी चिल्लाया-'सरदारजी क्या कर रहे हो मर जाओगे!

तो बंताजी बोले 'मरेगा तो तू! अभी-अभी सुना नहीं कि ट्रेन प्लेटफार्म पर आ रही है।

चुटकुला # 016
खुर्दबीन या दूरबीन...

बंता सिंह छत की पाँचवीं मंजिल पर खड़े थे। उन्हें लगा कि उनका दोस्त हजारा सिंह दूर से आ रहा है। उन्होंने आवाज लगाई 'हजारा सिंह इत्थे आ

हजारा सिंह के कान पर जूँ भी न रेंगी। तभी संता सिंह आ गया उसने कहा 'ले पहले दूरबीन से तो देख कि वो हजारा सिंह है या नहीं

बंता सिंह ने दूरबीन से देखा तो वो हजारा सिंह ही था और था उनकी ऑंख के बिल्कुल नजदीक। वे दूरबीन को हजारा सिंह के कान पर फोकस करके धीरे से फुसफुसाए 'हजारा सिंह इत्थे आ।

चुटकुला # 017

एक बासी खबर...

एक दो सीटों वाला विमान आज कब्रिस्तान में गिर गया। स्थानीय सरदारों ने अब तक 500 शव प्राप्त किए हैं और बाकी की तलाश के लिए अभी भी खुदाई कर रहे हैं।

चुटकुला # 018

ऐसा परिचय ...

एक सरदार पार्टी में अपने परिवार के साथ गए। अपने दोस्त से उन्होंने परिवार का परिचय इस तरह कराया-'मैं सरदार, ये सरदारनी, ये मेरा किड और ये किडनी।

चुटकुला # 019

उत्तर

आखिरकार संता सरदार ने इस लाजवाब सवाल का जवाब पा ही लिया कि पहले मुर्गी आएगी या अंडा?

'ओ यार, गल्ल कर दे हो! जिसका आर्डर पहले दोगे वो आएगा।

चुटकुला # 020

बारिश...

बारिश पड़ने लगी थी। दो सरदार भीगते हुए जा रहे थे। संतोख सिंह ने कहा - सरदारजी, बारिश चालू हो गई है। छाता खोल लो।

भाई, कोई फायदा नहीं होगा। इसमें छेद ही छेद हैं।

तो इसे लेकर क्यों चले थे?

मुझे क्या पता था कि बारिश पड़ने लगेगी?

चुटकुला # 021

कैसा बुध्दू बनाया...

बंताजी एक इमारत की दो सौंवीं मंजिल पर खड़े थे तभी एक आदमी आया और कहने लगा-'बड़ा गजब हुआ, आपका बेटा मर गया!

बंताजी बोले-'क्या कहा? चलो-चलो जल्दी चलो।

नीचे आने पर वे जोर-जोर से हाँफने के साथ-साथ हँसने भी लगे। इस पर आदमी आश्चर्य से भर गया, उसने पूछा 'आपका बेटा मर गया और आप हँस रहे हैं?

बंताजी पेट पकड़ कर हँसते हुए बोले 'दो सौ माले उतार दिए और कैसा बुध्दू बनाया, मेरी तो अभी तक शादी ही नहीं हुई।

चुटकुला # 022

सरदारजी

दो सरदारजी गाना गा रहे थे, उनमें से एक सीधा खड़ा हुआ था और दूसरा शीर्षासन में खड़े होकर गाना गाए जा रहा था। एक व्यक्ति ने जब देखा तो रुककर पूछा ''क्यों भाई, इस तरह शीर्षासन में खड़े होकर ही क्यों गा रहे हो।

इस पर सिर के बल खड़े सरदार ने जवाब दिया "अरे, समझता नहीं है? ये साइड 'ए गा रहा है तो मैं साइड 'बी गा रहा हूँ।

चुटकुला # 023

पड़ोसी का बच्चा

संता सिंह अपने बेटे को बच्चागाड़ी में घुमा रहे थे जो मिलता वही पूछता -
संता सिंह, अपने बेटे को घुमा रहे हो! इस सवाल से तंग आकर संता सिंह ने एक
व्यक्ति को जवाब दिया, 'जी नहीं पड़ोसी का बच्चा है।

'तभी मैं कहूं कि इसकी शक्ल आपके पड़ोसी से इतनी क्यों मिल रही है।

चुटकुला # 024

उपन्यास

एक उपन्यासकार ने अपनी विद्वता का रौब झाडते हुए अपने दोस्त संता सिंह से
कहा- उपन्यास लिखना कोई आसान काम नहीं है। पता है, एक उपन्यास लिखने में
कभी-कभी मुझे एक साल लग जाता है।

इस पर उपन्यासकार का दोस्त संता सिंह हंसते हुए बेफिक्री से बोला- तुम बेकार
में इतनी मेहनत करते हो यार। पता है पंद्रह रूपये में तो लिखा-
लिखाया उपन्यास मिल जाता है।

चुटकुला # 025

नाश्ता

संता (बंता से)- क्या तुम बिना खाना खाए जीवित रह सकते हो?

बंता (संता से)- लेकिन, मैं रह सकता हूं।

संता (बंता से)- कैसे?

बंता (संता से)- नाश्ता करके।

चुटकुला # 026

श्रमदान

बंता (संता से) - तुम इतने दिनों तक कहां थे?

संता (बंता से) - मैं श्रमदान करने गया था।

बंता (संता से) - मैं समझा नहीं।

संता (बंता से)- दरअसल मुझे छह महीने का सश्रम कारावास मिला था।

चुटकुला # 027
संता सिंह का ट्रक

संता सिंह एक बार ट्रक लेकर कहीं जा रहे थे। रास्ते में उनका ट्रक खराब हो गया। संता ने ट्रक ले जाने के लिए एक दूसरे ट्रक की व्यवस्था की और अपने ट्रक को खींचकर गैराज ले जाने लगे। रास्ते में एक ढाबे पर बंता सिंह दिखाई दिए। बंता, संता सिंह को ट्रक ले आते देख जोर-जोर से हंसने लगा। संता ने गुस्से में पूछा, अबे कभी तूने ट्रक नहीं देखा क्या?

'ट्रक तो देखा है, लेकिन ऐसा पहली बार देखा है कि दो ट्रक मिलकर एक रस्सी को ले जा रहे हैं। बंता ने जवाब दिया।

चुटकुला # 028
आबादी

संता सिंह (प्रीतो से)- जानती हो, जितनी देर में मैं एक सांस लेता हूं, उतनी देर में देश में एक नया बच्चा जन्म लेता है।

प्रीतो (आश्चर्य से)- हाय राम, तब तुम अपनी यह हरकत छोड़ क्यों नहीं देते? देश की आबादी पहले से ही इतनी बढी हुई है।

चुटकुला # 029
ग्रामोफोन

संता (प्रेमिका से)- तुम्हें संगीत का शौक है?

प्रेमिका (संता से)- हां।

संता (प्रेमिका से)- कौन-सा वाद्ययंत्र बजाती हो?

प्रेमिका (संता से)- ग्रामोफोन।

चुटकुला # 030
दूरबीन

संता ट्रेन से कहीं जा रहा थे। उसके हाथ में एक दूरबीन थी। वह खिड़की से लगातार बाहर तो झाँक रहा था लेकिन दूरबीन कभी नहीं लगाता था। उसके साथ के एक यात्री ने पूछा कि भाई साहब, यह दूरबीन किस काम की है? संता सिंह ने कहा कि इससे दूर की चीजें दे खी जाती हैं।

यात्री को बड़ी उत्सुकता हुई। उसने पूछा कि आप यह दूरबीन क्यों लिए हुए
हैं।

दरअसल मैं अपने एक दूर के रिश्तेदार को देखने जा रहा हूं।

चुटकुला # 031
खरगोश के जोड़

टीचर : खरगोश के दो जोड़ और दो जोड़ और दो जोड़ मिलाकर कितने हुए।

संता : सात।

टीचर : ठीक से सुनो, खरगोश के दो जोड़ और दो जोड़ और दो जोड़ मिलाकर कितने हुए।

संता : सात।

टीचर : अच्छा। बियर की बॉटल के दो जोड़ और दो जोड़ और दो जोड़ मिलाकर कितने हुए।

संता : छह।

टीचर : तो फिर खरगोश के तीन जोड़ मिलाकर छह क्यों नहीं हुए?

संता : क्योंकि एक खरगोश पहले से ही मेरे पास है।

चुटकुला # 032
पंजाबी टेलीफोन

हिन्दोस्तान से ताजा-ताजा विलायत पहुंचा एक पंजाबी जाट लंदन के एक रेस्टोरेंट में वेटर की नौकरी पर लगा। वहां उसे काम करते कुछ ही दिन हुए थे कि एक
रोज मैनेजर ने उसे अपने ऑफिस में बुलाया और बताया कि पंजाब से उसके भाई का फोन था। वेटर ने फोन रिसीव किया और काफी देर टूटी-फूटी अंग्रेजी में
अपने भाई से बात करता रहा। आखिरकार उसने फोन रखा तो मैनेजर ने उससे पूछा - अपने भाई से अंग्रेजी में बात क्यों की?
अपनी जुबान में क्यों नहीं की?

साहब जी - वेटर हकबकाया-सा बोला - अब मुझे क्या मालूम था कि आपका टेलीफोन पंजाबी भी बोलता है।

चुटकुला # 033
पोती मर गई

एक सरदारजी एक 25 मंजिला भवन की छत पर बैठे थे, तभी एक आदमी हांफता हुआ आया और कहने लगा कि 'संतासिंह आपकी पोती मर गई। सरदारजी ये खबर सुनकर बहुत हताश हो जाते हैं और बिल्डिंग से कूद पड़ते हैं। जब वो 20वीं मंजिल तक पहुंचते हैं तो उन्हें ख्याल आता है कि उनकी तो कोई पोती ही नहीं है। 10वीं मंजिल आने पर ध्यान आता है कि उनकी तो शादी ही नहीं हुई है और जैसे ही जमीन पर गिरने वाले होते हैं कि ख्याल आता है कि उनका नाम तो संतासिंह है ही नहीं।

चुटकुला # 034

निर्जन टापू

संतासिंह, उनका एक जापानी मित्र और एक ब्रिटिश घूमते हुए निर्जन टापू पर पहुंच जाते हैं। चलते-चलते उन्हें एक चिराग मिलता है। जापानी चिराग को घिसता है तो उसमें से एक जिन्न बाहर आता है। जिन्न कहता है कि मैं आप तीनों की एक-एक इच्छा पूरी करूंगा।

जापानी कहता है कि मैं अपने घर वापस जाना चाहता हूं। जिन्न हाथ घुमाता है और वो घर पहुंच जाता है। ब्रिटिश भी अपने घर जाने की इच्छा रखता है और वह भी घर पहुंच जाता है। संतासिंहजी सोच में पड़ जाते हैं और अपनी इच्छा बताते हुए कहते हैं कि भई, उन दोनों के जाने से मैं तो अकेला पड़ गया, तुम ऐसा करो उन दोनों को वापस बुला लो। जिन्न हाथ घुमाता है और वो दोनों वापस आ जाते हैं।

चुटकुला # 035

उल्लू बनाया

संतासिंह और बंतासिंह दोनों बहुत बडे दुश्मन थे। ये दोनों एक ही बिल्डिंग में रहते थे। बंतासिंह सातवें माले पर रहता था और संतासिंह पहले। एक बार बिल्डिंग की लिफ्ट खराब हो गई। बंतासिंह ने सोचा कि आज संता को सबक सिखाया जाए। उसने संतासिंह को फोन करके खाने पर बुलाया। बेचारा संतासिंह जैसे-तैसे सातवें माले पर पहुंचा और वहां जाकर देखा कि दरवाजे पर ताला लगा है और लिखा था कि 'कैसा उल्लू बनाया। संतासिंह को ये देखकर बहुत गुस्सा आया। उसने उस नोट के नीचे लिखा- 'मैं तो यहां आया ही नहीं था।

चुटकुला # 036

एक मच्छर ....

एक रात को संतासिंह सो रहे थे कि एक मच्छर उनके कान के पास आया और गुनगुन करने लगा। इससे संतासिंह की नींद खुल गई। फिर जैसे ही वो सोने की कोशिश करते मच्छर उनके कान के पास आवाज करने लगता। संतासिंह को बहुत गुस्सा आया और उन्होंने मच्छर को पकड़ लिया। मच्छर मर गया लेकिन उसमें से खून नहीं निकला। संतासिंह बोले- सो जा मच्छर बेटे, सो जा।

थोडी देर बाद उन्हें लगा कि मच्छर गहरी नींद में सो चुका है तो वे उसके पास गए और उसके कान के पास जाकर बोले- 'गुनननननन-गुननननन।

चुटकुला # 037

समझदार संतासिंह

एक द्वीप पर तीन आदमी फंसे हुए थे। उनमें एक मुस्लिम था, एक हिंदू और संतासिंह । तीनों इसी सोच में थे कि 100 मील तक तैरकर घर तक कैसे पहुंचा जाए। मुस्लिम ने हिम्मत दिखाई और तैरता हुआ 50 मील का रास्ता पार कर लिया। लेकिन थकने के कारण वो डूब गया। अब हिंदू ने सोचा कि चलो एक बार कोशिश करके देख लूं। वो भी करीब 75 मील तक तैरकर डूब गया। दोनों के जाने के बाद संतासिंह बच गए। उन्होंने सोचा अब मैं अकेला यहां क्या करूंगा मैं भी हिम्मत कर ही लूं।

ये सोचकर उन्होंने पानी में छलांग लगा दी। 50 मील तैरने के बाद उन्हें लगा कि अब मैं थक गया हूं आगे बढ़ूंगा तो डूब जाऊंगा ये सोचकर संतासिंह वापस द्वीप पर चले गए।

चुटकुला # 038
लॉटरी

एक बार संतासिंह को 20 लाख की लॉटरी खुली। संतासिंह पैसे लेने लॉटरी वाले के पास गए। नंबर मिलाने के बाद लॉटरी वाले ने कहा कि ठीक है सर हम आपको अभी 1 लाख रुपए देंगे और बाकी के 19 लाख आप अगले 19 हफ्तों तक ले सकते हैं।

संतासिंह बोले- नहीं मुझे तो अपने पूरे पैसे अभी ही चाहिए नहीं तो आप मेरे 5 रुपए वापस कर दीजिए।

चुटकुला # 039
अस्पताल

संता- मैं दुनिया के सारे अस्पतालों में होकर आ चुका हूं।

बंता- नहीं, तुम अभी तक एक अस्पताल में होकर नहीं आए होगे।

संता- हो ही नहीं सकता, तुम उस अस्पताल का नाम बताओ।

बंता- जनाना अस्पताल।

संता- अरे यार, वहां तो मैं पैदा ही हुआ था।

चुटकुला # 040
मृत्यु दर

संता- अपने देश में मृत्यु की औसत दर क्या है?

बंता- शत-प्रतिशत।

संता- वह कैसे?

बंता- अपने देश में जो व्यक्ति पैदा होता है अंत में वह मर जाता है।

संता- तो फिर दुनिया की औसत मृत्यु दर क्या है?

बंता- छोड़ यार! मुझे केवल अपने देश की ही पता है।

चुटकुला # 041
पहनने के लिए कपड़े

संता- मेरी पत्नी रोज शिकायत करती है कि उसके पास घर में पहनने के लिए कपड़े नहीं है।

बंता- तो तुमने उसे कपड़े दिलवा दिए।

संता- नहीं, मैंने घर की खिडकियों पर कपड़े लगवा दिए।

चुटकुला # 042
छतरी में छेद

संता सिंह (बंता सिंह से)- तुम्हारी छतरी में तो छेद है।

बंता सिंह - हां, पता है। और इसे मैंने ही किया है।

संता सिंह- लेकिन क्यों?

संता सिंह- अरे यार, जब बारिश बंद होती है तो पता चल जाता है ना।

चुटकुला # 043
पांच साल की सजा

संता- हमारा नॉनी कल आ रहा है।

बंता- कल आ रहा है। लेकिन उसे तो पांच साल की सजा हुई थी।

संता- हां, लेकिन उसके अच्छे व्यवहार के कारण उसकी सजा का एक साल माफ कर दिया गया है।

बंता- ओह, रब ऐसी औलाद सबको दे।

चुटकुला # 044
परेशानी

संता (बंता से) : बड़ी परेशानी है।

बंता : क्या परेशानी है?

संता : यार, जब भी मैं सोकर उठता हूं, मुझे ऐसा लगता है कि सब कुछ घूम रहा है।

बंता : इतनी सी बात, एक काम किया कर, तू उठकर सो जाया कर।

चुटकुला # 045
कम्प्यूटर विज्ञान

संता : हमारे ऑफिस में कम्प्यूटर का डास से यूनिक्स में स्थानान्तरण नहीं हो रहा है।

बंता : शिफ्ट की का प्रयोग करके देखो।

संता : आप इन्टरनेट से किसी का भविष्य कैसे बता सकते है?

बंता : जो दस घंटे इन्टरनेट को देगा उसका भविष्य निश्चय ही अन्धकारमय है।

संता : हर टी वी के अन्दर कितनी वेबसाइट्स आ सकती है?

बंता : एक भी नही, क्यों कि वे सभी कम्प्यूटर के अन्दर आती है।

संता : मैं आज दस ई-मेल भेजने वाला हूं।

बंता : ठीक है, मैं उन्हें पोस्ट बाक्स में डाल आऊंगा।

चुटकुला # 046
कम्प्यूटरी ज्ञान

संता : मैं हार्डवेअर इंजीनियर हूं।

बंता : ये कहो न कि तुम कम्प्यूटर के मैकेनिक हो।

संता : इन्टरनेट दुनियाभर के कम्प्यूटरों को एक-दूसरे से जोड़ता है।

बंता : अच्छा! लेकिन मुझे तो कहीं पर तार नजर नहीं आते।

संता : आदमी कम्प्यूटर का दीवाना क्यों होता है?

बंता : कन्ट्रोल की के कारण।

चुटकुला # 047
छूत की बीमारी

संता (बंता से) : तुमने सुना, मिसेज शर्मा की जुबान कल अचानक बंद हो गई।

बंता : मैं अभी अपनी पत्नी को उन्हें देखने के लिए भेजता हूं।

संता : क्या वे उनकी सहेली या रिश्तेदार हैं।

बंता : नहीं, लेकिन सोचता हूं। यदि यह छूत की बीमारी निकली तो मेरी आजादी का दिन नजदीक है।

चुटकुला # 048
हंसने की सजा

संता- ''क्यों मित्र, तुम्हारे दांत कैसे टूट गए?

बंता- ''हंसने के कारण।

संता- ''हंसने के कारण?

बंता- ''हां यार, कल मैं एक पहलवान को देखकर हंस पड़ा था।

चुटकुला # 049
मनोविज्ञान !

संता सिंह को मनोविज्ञान पढ़ने की सूझी। वह उसी में डूब गए। एक दिन उनका एक मित्र मिला। संता सिंह ने उससे कहा, 'मैंने सुना था कि तुम्हारा देहांत हो गया है।
मित्र ने कहा, 'लेकिन मैं तो तुम्हारे सामने जीवित खड़ा हूं।
'असंभव। जिसने मुझे यह बताया था, वह तुम्हारी तुलना में ज्यादा भरोसेमंद था। संता सिंह ने मनोविज्ञान बघारा।

चुटकुला # 050
बोलती...

भविष्यफल पढ़ते हुए विकास ने सत्यजीत से पूछा- 'तुम्हारा क्या विचार है, इस भविष्यफल के बारे में?
सत्यजीत- 'मैंने पिछले हफ्ते पढ़ा था कि इस माह आपके साथ ऐसी कुछ घटना होगी, जिससे आपकी बोलती बंद हो जाएगी।
विकास- 'तो क्या फिर वैसी कोई घटना हुई?
सत्यजीत- 'हाँ, मेरा मोबाइल गुम गया।

चुटकुला # 051
शुरुआत...

एक बेरोजगार युवक नौकरी के लिए एक कंपनी के मैनेजर के पास गया और बोला- 'सर आप मुझे महीने के एक लाख रुपए वेतन, एक फ्लैट, एक कार दे सकते हों तो मैं नौकरी के लिए तैयार हूँ।
मैनेजर बोला- 'मैं आपको दो लाख रुपए वेतन, दो कार, दो फ्लैट दूँगा।
यह सुनकर युवक बोला- 'सर, आप मजाक तो नहीं कर रहे हैं?
मैनेजर ने कहा- 'श्रीमानजी, शुरुआत तो आपने ही की थी।

चुटकुला # 052
अंतिम इच्छा...

एक हत्यारे को मौत की सजा सुनाई गई। इलेक्ट्रिक चेयर पर बैठाकर बटन दबाने से पहले जल्लाद ने पूछा- 'भैया, तुम्हारी अंतिम इच्छा क्या है?
हत्यारे ने कहा- 'मेरी अंतिम इच्छा यही है कि बटन दबाने के बाद तुम मेरा हाथ पकड़ लेना, ताकि मैं छटपटाऊँ नहीं।

चुटकुला # 053
मदहोश...

एक शराबी एयरपोर्ट के बाहर खड़ा था, तभी एक वर्दीधारी युवक वहाँ से गुजरा। यह देखते ही शराबी ने कहा- 'अरे एक टैक्सी ले आ यार।
वर्दीधारी ने नाराज होते हुए कहा- 'दिखता नहीं, मैं पायलट हूँ, टैक्सी ड्राइवर नहीं।
यह सुन शराबी ने कहा- 'तो नाराज क्यों होते हो यार, एक हवाई जहाज ही लाओ, उसी में चलते हैं।

चुटकुला # 054
गायब...

पत्र लिखते-लिखते पतिदेव रुक गए और चिंतित मुद्रा में इधर-उधर देखने लगे। पत्नी ने उन्हें चिंतित देखकर पूछा- 'आप अचानक ही चिंतित क्यों हो उठे?
'अभी-अभी वह मेरी जुबान पर था... गायब हो गया। पति ने बताया।
'परेशान क्यों होते हो, जरा फिर सोचिए, वापस आ जाएगा। पत्नी बोली।
'कैसे वापस आएगा, वह लिफाफे पर लगाने का टिकट था। पति ने अफसोस से कहा।

चुटकुला # 055
वजह...

दो दोस्त स्कूल देर से पहुँचे तो टीचर ने उनसे कहा- 'विजय, तुम लेट क्यों आए?
विजय- 'मेरे पाँच रुपए रास्ते में गिर गए थे तो मैं उन्हें ढूँढ रहा था।

टीचर- 'और अजय तुम देर से क्यों आए?
अजय- 'क्योंकि मैं विजय के पाँच रुपए के ऊपर खड़ा था।

चुटकुला # 056
आवश्यकता...

पिंटू- 'यदि तुम्हारे पास एक कोरा कागज है तथा तुम्हें एक और कोरे कागज की आवश्यकता पड़े तो क्या करोगे?
चिंटू- 'उस कोरे कागज की फोटोकॉपी करा लूँगा।

चुटकुला # 057
स्पर्धा...

जेलर (कैदी से)- 'तुम किस अपराध में जेल आए हो?
कैदी- 'सरकार से कॉम्पिटिशन हो गया था।
जेलर- 'किस बात का?
कैदी- 'नोट छापने का।

चुटकुला # 058
सुझाव...

दो मित्र आपस में बात कर रहे थे। एक मित्र ने कहा- 'यार, जब मैं सूट पहनकर
सब्जी लेने जाता हूँ तो दुकानदार मुझे महँगी सब्जी देता है और जब गंदे कपड़े पहनकर जाता हूँ तो सस्ती देता है।
दूसरे मित्र ने सुझाव दिया- 'यार तुम कटोरा लेकर जाया करो, मुफ्त में ही दे देगा।

चुटकुला # 059
फिल्मी गाना

एक व्यक्ति कान में वॉकमेन लगाए गाने सुनने में मग्न था। इतने में फोन की घंटी बजी।
पास बैठी पत्नी ने इशारे से कहा- फोन उठाओ। व्यक्ति ने फोन उठाकर दो-तीन बार
हेलो कहा। फिर खीजकर कहा- 'अबे कुछ बोलेगा भी, बस फिल्मी गाना गाए जा रहा है।

चुटकुला # 060
बस करो...

पति- 'मुन्ना रो रहा है, उसे चुप कराओ।
पत्नी- 'तुम ही चुप करा दो, मैं इसे दहेज में नहीं लाई थी।
पति- 'मैं भी इसे बारात में नहीं ले गया था।

चुटकुला # 061
नशा...

एक शराबी अखबार पढ़ रहा था। अचानक उसे लगा कि वह चश्मा लगाना भूल गया है। उसने घर में चश्मा ढूँढना शुरू किया। उसकी नजर घर के आईने पर पड़ी। वह चिल्लाकर पत्नी से बोला- 'मेरा चश्मा किसने आईने पर चिपका रखा है।

चुटकुला # 062
खरबूजे को देखकर...

रीना अपनी सहेली से- 'क्या बात है तुम्हारे भैया दिन-ब-दिन गोरे होते जा रहे हैं?
सहेली- 'दरअसल बात यह है कि पहले मेरे भैया कोयले की दुकान चलाते थे, लेकिन आजकल उन्होंने आटा चक्की लगा ली है।

चुटकुला # 063
क्लाइमेक्स...

एक फिल्म का प्रीमियर शो खत्म होने पर निर्माता ने एक पत्रकार से पूछा- 'कहानी में आपको क्लाइमेक्स कहाँ नजर आया?
पत्रकार का जवाब था- 'जब परदे पर शब्द उभरते हैं- द एंड।

चुटकुला # 064
होश...

एक आदमी दूसरी मंजिल से नीचे गिर गया। जब उसे होश आया तो उसके आसपास भीड जमा हो गई थी। लोगों ने पूछा क्या हुआ?
वह आदमी बोला- 'मुझे क्या पता, मैं तो अभी-अभी आया हूँ।

चुटकुला # 065
भिखारी कौन...

एक भिखारी ने ट्रेन में खड़े सज्जन से कहा- 'भगवान के नाम पर पैसा दे दे बाबा।
सज्जन- 'छुट्टे नहीं हैं।
भिखारी- 'कितने के छुट्टे चाहिए, पाँच सौ के या सौ रुपए के।
सज्जन बोले- 'अरे, यदि पाँच सौ रुपए के छुट्टे तेरे पास हैं तो भिखारी कौन है।

चुटकुला # 066
आदत से मजबूर...

एक आदमी (भिखारी से)- 'अगर तुम्हारी लॉटरी लग जाए तो तुम क्या करोगे?
भिखारी- 'एक कार और चाँदी का कटोरा खरीदूँगा, फिर कार में बैठकर भीख माँगा करूँगा।

चुटकुला # 067
दया

सारा दफ्तर जान गया था कि उनकी पत्नी का नाम शांति था और सेक्रेटरी का नाम दया था। जो भी आता, हकलाता वे कहते बात क्या हैं फरमाइए दबे स्वर में कहते वे अजी, आपका काम शांति से चलता रहे हमें तो बस आपकी दया चाहिए।

चुटकुला # 068
दर्शन...

एक बच्चा दौडा-दौडा घर आया और अपने दार्शनिक मुद्रा में रहने वाले पिता से बोला- 'पिताजी, मुझे वह गाली देता है।
पिता (सोचते हुए)- 'बेटा, कुछ देता ही है न, लेता तो नहीं।

चुटकुला # 069
बचत...

एक महाकंजूस रुपया बचाने के चक्कर में अपने घर की छत की मरम्मत खुद ही करने लगा। अनुभवहीनता के कारण वह छत से फिसल गया। जब वह नीचे गिर रहा था तो बीच में रसोईघर की खिड़की पड़ी। उसे देखकर उसने जोर से चिल्लाते हुए अपनी पत्नी से कहा- 'आज मेरे लिए खानामत पकाना।

चुटकुला # 070
बहुवचन...

प्रवीण (एकवचन और बहुवचन में अंतर पूछते हुए)- 'बताओ रमेश, पजामा एकवचन है या बहुवचन।
रमेश- 'पजामा ऊपर से एकवचन और नीचे से बहुवचन है।

चुटकुला # 071
समर्पण...

एक लेखक ने अपनी पुस्तक पत्नी को समपत करते हुए लिखा- 'अपनी पत्नी को, जिसकी अनुपस्थिति के कारण ही यह पुस्तक लिखी जा सकी।

चुटकुला # 072
पीछा...

एक साहब ने कपड़े की नई दुकान खोली थी। उन्होंने एक रात सपने में देखा कि एक ग्राहक बीस गज कपड़ा माँग रहा है। खुश होकर उन्होंने कपड़ा फाड़ना शुरू कर दिया। तभी पत्नी जाग गई और चिल्लाई, 'क्या कर रहे हो? मेरी साड़ी क्यों फाड़ रहे हो?

वे नींद में बडबड़ाने लगे- 'कमबख्त बीवी! दुकान में भी पीछा नहीं छोड़ती।

चुटकुला # 073
भाषा ....

माँ ने गुस्से से भरकर कहा- 'तुम्हें वह मद्रासी लिंगास्वामी चूम रहा था और तुम चुप खड़ी यह सब सहती रहीं, उसे मना क्यों नहीं किया?

'दरअसल, मैं समझ नहीं पा रही थी कि कैसे मना करूं, क्योंकि मैं तो मद्रासी भाषा जानती नहीं - बेटी ने जवाब दिया।

चुटकुला # 074
मौत की सजा...

एक पादरी, वकील और तकनीशियन को विद्रोह के कारण मौत की सजा मिली। जब अपराधियों ने आखिरी ख्वाहिश कि प्रथा बताई तो उन्हें गर्दन ऊपर और नीचे रखने के विकल्प मिले। पादरी ने ऊपर देखना स्वीकारा ताकि भगवान को देख सके और जैसे ही बटन दबाया गया तो आरी गर्दन से सिर्फ 2 इंच ऊपर रूक गई। अधिकारियों ने इसे ईश्वर की मर्जी समझ कर उसे छोड़ दिया। वकील ने भी ऊपर देखा और जब आरी रूकी तो वह बोला 'कानूनन एक व्यक्ति को दो बार सजा नहीं दी जा सकती और वो भी छूट गया। तकनीशियन ने यही चूज किया। जब बटन दबाया जा रहा था तो वो चिल्लाया एक मिनट रूको! अगर आप उस हरे और लाल तार को आपस मे बदल देंगे तो काम हो जाएगा।... और काम तमाम हो गया।
प्रमोद

चुटकुला # 075
सौदागर

एक आशिक मिजाज सौदागर जब माल की खरीददारी के दौरे से बहुत दिनों तक न लौटा और पत्नी को हर पत्र में यही लिखता रहा कि बडे जोर-शोर से खरीददारी कर रहा हूं, इसलिए जल्दी नहीं लौट सकता, जिससे पत्नी ने तंग आकर उसे तार भेजा, जिसमें लिखा था- 'तुरंत लौटो, नहीं तो आप वहां खरीद रहे हैं, मैं यहां बेचना शुरू कर दूंगी।

चुटकुला # 076
खास बात...

करनाल के एक सरकारी स्कूल की क्लास में-

मास्टरजी ने एक बच्चे से सवाल किया- 'क्यूं रे मांगीलाल, तू तीन दिन स्कूल क्यों नहीं आया?

मांगीलाल- मास्टरजी हमारी गाय ने बछड़ा दिया था।

मास्टरजी, इस को कोई खास वजह नहीं मानते हुए गुस्साकर कहा- 'इसमें क्या खास बात है?

मांगीलाल बोला- 'खास बात नहीं है तो तू दे के दिखा दे ना।

चुटकुला # 077

वेलेन्टाइन-डे

'वेलेन्टाइन-डे 14 फरवरी यानी प्रेमियों के मिलने का दिवस और 'बाल दिवस 14 नवंबर यानी बच्चों का दिवस। दोनों दिवसों के मध्य में 9 महीने का अंतर है।

चुटकुला # 078

गुण ...

'मैं ऐसी लड़की से शादी करना चाहता हूं- एक युवक बोला- 'जो किचन में कंजूसी से काम ले, ड्राइंग रूम में रईसी दिखाए और बैडरूम में तजुर्बेकार वेश्याओं को मात कर दे

अंत में उसकी जिस लड़की से शादी हुई, उसमें ये तीनों गुण थे, लेकिन इस क्रम में नहीं उसकी बीवी किचन में रईसी दिखाती थी, ड्राइंग रूम में तजुर्बेकार वेश्याओं को मात कर देती थी और बैडरूम में कंजूसी से काम लेती थी

चुटकुला # 079

प्रेमी-प्रेमिका...

एक प्रेमी अपनी प्रेमिका को लेकर किराए के मकान में रहने लगा। कुछ दिन किराए के मकान रहने के बाद एक दिन उसने प्रेमिका से गुस्से में कहा- 'हमें यह मकान बदलना होगा।

'क्यों? प्रेमिका ने हैरानी से पूछा।

'वह मकान मालिक का बदमाश लड़का चौक पर खड़ा कह रहा था कि एक को छोड़कर इस इमारत में हर औरत के साथ उसके अवैध संबंध हैं।

'एक को छोड़कर। प्रेमिका सोचती हुई बोली- 'वह जरूर बीस नंबर फ्लैट वाली नकचढी कमला होगी।

चुटकुला # 080

धोखा ...

सर्दियों की सुबह मुंह अंधेरे दूध वाले ने एक सज्जन के घर का दरवाजा जोर-जोर से खटखटाया तो वह हडबड़ाकर उठे। पत्नी सोई हुई थी। उसे जगाना उन्होंने उचित नहीं समझा और जल्दी में पत्नी का शाल ओढकर बाहर चले गए। दूध की बाल्टी उनके हवाले करने से पहले दूध वाले ने उनको बांहों में भरकर चूम लिया तो वह हैरान रह गए। कमरे में पहुंचे तो पत्नी जाग चुकी थी। उस सज्जन ने हंसते हुए कहा- 'आज बड़ी अजीब बात हुई, दूध वाले ने धोखे में मुझे चूम लिया। शायद उसकी पत्नी ऐसी शाल ओढ़ती होगी, जैसी तुम्हारी है।

चुटकुला # 081
चेतावनी ...

घर में एक युवा बिजली मिस्त्री काम कर रहा था। घर में मौजूद महिला उससे बोली- मैं चेतावनी दे रही हूं। एक घंटे में मेरा पति घर आ जाएगा।

'लेकिन, मैडम, मैं तो कुछ भी नहीं कर रहा। युवक घबराकर बोला।

'इसीलिए तो मैं तुम्हें चेतावनी दे रही हूं।

चुटकुला # 082
मच्छर ...

एक मच्छर ने दूसरे मच्छर से कहा- 'देख यार कमाल हो रहा है। चूहेदानी में चूहा है, साबुदानी में साबुन है और मच्छरदानी में आदमी सो रहा है।

चुटकुला # 083
पापा कहते हैं...

गली के दो बच्चों में परम्परागत तकरार चल रही थी।

'मेरे पापा तुम्हारे पापा से अच्छे हैं

'नहीं हैं

'मेरा भाई तुम्हारे भाई से अच्छा है

'नहीं है

'मेरी मां तुम्हारी मां से ज्यादा अच्छी है

'हां, यह हो सकता है। मेरे पापा भी यही कहते हैं।

चुटकुला # 084
दिन में चांद ...

एक गंजा जा रहा था। एक लड़के ने उसे मजाक में छेडा- 'आज तो दिन में भी चांद दिख रहा है।

गंजे ने फुर्ती से उस लड़के के सिर पर जोर का डंडा मारा और बोला- 'ले, तारे भी देख ही ले।

चुटकुला # 085
फोटोग्राफ...

फोटोग्राफर- 'श्रीमती जी, क्या आप तस्वीर खिंचवाने को बिलकुल तैयार हैं? मैं तस्वीर लूं? अच्छा, एक...दो...

बीच ही में श्रीमती जी बोल उठीं- 'जरा ठहरिए, मैं कपड़ों में थोड़ा सेंट लगा आऊं ।

चुटकुला # 086
चंदा...

गरीबों के हितैषी चंदा इकट्ठा कर रहे थे। चंदा मांगते-मांगते वे एक कवि के घर में पहुंच गए। कवि से बोले- 'हम गरीबों के लिए चंदा एकत्र करके बांट रहे हैं।

कवि - 'यह बहुत ही अच्छा हुआ। इस समय मैं बहुत गरीबी में दिन काट रहा हूं। आप सही वक्त पर आए।

चुटकुला # 087
यातायात के नियम...

यातायात के नियमों को तोडकर सड़क पार कर रही बूढ़ी औरत को रोक कर पुलिसकर्मी ने कहा- 'मैं कब से सीटी बजा रहा हूँ। तुम रुकी क्यों नहीं?

बूढ़ी औरत बोली - 'बेटा, तुम्हीं बताओ, भला यह उम्र सीटी सुनकर रुकने की है?

चुटकुला # 088
मुफ्त की सलाह

अगर दुनिया में कुछ कर दिखाना है तो मेरी बात मान
हाथी के ऊपर शीर्षासन करके फोटो खिंचवा
उस फोटो को उल्टा लटका और दुनिया को दिखा

चुटकुला # 089
देखा है पहली बार...

दो मनचले सड़क पर गाते चल रहे थे 'देखा है पहली बार, साजन की ऑंखों में प्यार। तभी वहाँ से एक मोटा आदमी साइकिल पर निकला तो उनमें से एक ने गाया 'देखा है पहली बार, साइकिल पे हाथी सवार।

चुटकुला # 090
दुश्मन...

एक फौजी अफसर ने मेज पर रखे हुए बिस्कुट के डिब्बों की तरफ इशारा करते हुए अपने सिपाहियों से कहा - जवानो, इन पर इस तरह टूट पड़ो, जैसे लडाई में दुश्मन पर टूटते हैं।

यह सुनते ही सिपाही बिस्कुटों पर टूट पड़े और उन्हें खाने में जुट गए। लेकिन एक सिपाही कुछ बिस्कुट खाता, कुछ अपनी जेब में रखता जा रहा था। अफसर ने उसे देख लिया।

पूछा - नौजवान, ये क्या कर रहे हो?

दुश्मनों को कैदी बना रहा हूं सर- जवान ने जवाब दिया।

चुटकुला # 091
दुश्मन का टैंक

सेना का एक जवान अपने अधिकारी से आठ दिन की छुट्टी माँगने गया तो अधिकारी ने उसे टालने की गरज से कहा 'जाओ पहले दुश्मन की सेना का एक टैंक ले आओ
दूसरे दिन जवान सचमुच दुश्मन का एक टैंक लेकर आ गया, इस पर अधिकारी ने आश्चर्य में भरकर पूछा 'ये तुमने कैसे किया?

'इसमें कौन सी बड़ी बात है, जवान ने सरलता से कहा 'जब उन्हें आठ दिन की छुट्टी चाहिए होती है तो वे हमसे टैंक ले जाते हैं।

चुटकुला # 092
कार चोरी ...

डैडी-एक किशोर ने पूछा- "अगर मैं कार चोरी कर लूं तो क्या होगा?

"तो तू जेल जाएगा और क्या होगा?- पिता ने उत्तर दिया।

किशोर सकपकाया, हकबकाया, उसने बेचैनी से पहलू बदला और फिर बोला-"डैडी, मेरी गैरहाजिरी में आप कार की सवस वगैरह तो कराते रहोगे न?

चुटकुला # 093
लेटर बाक्स

मम्मी (राजू से) : बेटे, टिकट लगा कर चिट्ठी को लेटर बाक्स में डाल आए हो न?

राजू : मम्मी, टिकट खरीदने की जरूरत ही नहीं पड़ी।

मम्मी : क्यों?

राजू : क्योंकि लेटर बाक्स की ओर कोई देख नहीं रहा था इसलिए मैं ने बिना टिकट लगाए चिट्ठी उस में डाल दी।

चुटकुला # 094
चख रहा है

एक बड़ा-सा कुत्ता एक छोटे से बच्चे के मुंह और हाथ को चाटने लगा। उससे एक साल बड़ा भाई मारे डर के चीखने लगा।

मां ने अंदर से पूछा-कुत्ते ने काटा तो नहीं?

बेटे ने जवाब दिया-नहीं अभी तो चख रहा है।

चुटकुला # 095
एक मौका

प्रेमिका से भेंट होने पर प्रेमी बोला - आज मैं अपने ड्राइवर की छुट्टी कर रहा हूं। उसने मुझे तीन बार मौत के मुंह में पहुंचा दिया।

छोड़ो प्यारे। प्रेमिका ने कहा - उसे एक मौका और दो बेचारा बीबी बच्चों वाला है।

चुटकुला # 096
पत्नी चाहिए

एक आदमी ने अपनी उम्र, आय आदि का ब्यौरा देते हुए अखबार में विज्ञापन दिया, 'पत्नी चाहिए।

जवाब में उसके पास दो सौ से अधिक पुरुषों के पत्र आए। उन्होंने लिखा था, 'मेरी ले जाएं।

चुटकुला # 097
पुरानी आदत

एक युवती ने अपनी शादीशुदा सहेली से पूछा "क्या तुम्हारे पति अब भी तुम्हें काटते हैं?

"नहीं। सहेली ने कहां।

"क्यों? क्या वे अपनी पुरानी आदत भूल बैठे ? युवती ने पूछा।

"नहीं, बल्कि दांत खो बैठे हैं। सहेली ने जवाब दिया।

चुटकुला # 098
हादसा ....

शाम का झुटपुटा था, झुटपटे में पेडों की छांव थी, छांव में मेरी कार खड़ी थी, कार में मैं बैठा था और पहलू में मेरी गर्लफ्रेंड बैठी थी। मैंने उसकी आंखों में आंखे डालकर एक खामोश सवाल किया, उसने खामोश जवाब दिया जिसके नीतजे के तौर पर मैंने उसे अपनी बाहों में भर लिया। फिर मैंने उसके कान में फुसफुसा कर खास सवाल किया जिसका मेरा पसंदीदा जवाब मुझे फौरन मिला।

नतीजदन अब वो उम्मीद से है।

इस वाकये से जो सबक मुझे मिला, वो ये है कि हादसा तब भी हो सकता है जबकि कार खड़ी हो।

चुटकुला # 099

पागल

एक पागलखाने के वार्डन ने रात में देखा कि एक पागल कुर्सी पर बैठा किताब पढ़ रहा था और उसका जोडीदार दूसरा पागल छत के साथ लटकते बिजली के बल्ब के करीब से तार को पकडे लटका हुआ था।
ये तुम्हारा साथी - उसने किताब पढ़ते पागल से पूछा - ऊपर क्यों टंगा हुआ है?

किताब वाला बड़ी संजीदगी से बोला - अपने आप को बिजली का बल्ब समझ रहा है।

और तुम इतनी तन्मयता से किताब पढ़ रहे हो।

जी हां।

कमाल है। इसे कहो नीचे उतरे।

नहीं, नहीं। मैं ऐसा नहीं कह सकता। आप भी मत कहना। ये नीचे उतर आया तो मैं किताब कैसे पढूंगा।

चुटकुला #10 0

बस

मुंबई की एक बस में कुछ लोग सफर कर रहे थे, जब कंडक्टर टिकट देने को आया तो एक ने पैसे निकालते हुए कहा - मोहम्मद अली।
दूसरे ने कहा - सेंट जोजफ।

एक देवीजी बोलीं - महालक्ष्मी।

पिछली सीट पर एक ऐसे साहब बैठे हुए थे, जो मुंबई में नए-नए आए थे।

जब कंडक्टर उनके पास आया तो वे बोले - मेरा नाम हमीद अली है।

चुटकुला # 101

कटी पतंग

दो दोस्त बहुत अर्से बाद एक-दूसरे से मिले।

एक ने पूछा- सुनाओ आजकल कैसी कट रही है।

खाक कट रही है, बेकार हूं, सरला भी कटी पतंग की तरह इधर-उधर डोलती फिरती है। लेकिन तुम सुनाओ?

खूब मजे से कट रही है। दूसरे ने कहा- आजकल मैं कटी पतंगें लुटता-फिरता हूं।

चुटकुला #1 02
आत्महत्या

अमेरिकन, इटालियन और सरदार खाना खाने बैठे, अमेरिकन टिफिन में कर्ॉन्ड बीफ देख बोला- 'कल से टिफिन में यही निकला तो आत्महत्या कर लूंगा। इटालियन टिफिन में, पास्ता देख वही बोला जो अमेरिकन बोला सरदारजी भी टिफिन में दाल देख आत्महत्या कर लूंगा बोले। दूसरे दिन टिफिन में वही चीजें देख तीनों ने आत्महत्या कर ली। अंत्येष्टि में अमेरिकन की पत्नी रोते हुए बोली- 'यदि मुझे पता होता तो मैं इनके टिफिन में कुछ और दे देती। इटालियन की पत्नी भी यही बोली, सरदारजी की पत्नी सकपकाकर बोली - 'सरदारजी तो अपना खाना खुद ही बनाते थे।

चुटकुला # 103
परेशान

आप परेशान क्यों हैं?

मैंने एक ऐसी दवा तैयार की थी, जिसे प्रयोग करने पर 50 वर्ष की महिला भी 25 वर्ष की लगने लगती है।

तो इसमें परेशानी वाली क्या बात है? खूब बिकी होगी?

अरे, भला कौन महिला अपनी उम्र 50 वर्ष कबूल करेगी? सो, मेरी दवा नहीं बिकी।

चुटकुला # 104
सरदार

सरदारजी यूनिवसटी की परीक्षा देने गए। प्रश्नों के उत्तर केवल 'हां या 'नहीं में देने थे। पर्चा पढ़ने के बाद सरदारजी ने जेब से सिक्का निकाला और टॉस करने लगे। हेड आता तो सरदारजी 'हां में उत्तर देते नहीं तो 'नहीं में। उन्होंने पर्चा आधे घंटे में पूरा कर लिया और बैठ गए। काफी देर तक बैठने के बाद वे फिर से टॉस करने लगे। समय समाप्त होते ही परीक्षक ने कॉपी छिन ली। जब बाहर सरदारजी से पर्चे के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा- 'अरे मैंने पर्चा आधे घंटे में ही खत्म कर दिया था लेकिन जब मैं उत्तर चेक कर रहा था तो परीक्षक ने कॉपी ही छिन ली।

चुटकुला # 105
मामा

'अपने मामा को चपत लगाते हुए तुम्हें शर्म नहीं आई? मम्मीजी ने डांटा।

गुड्डूज बोले - 'मम्मी, मैंने तो चपत भर लगाई है। भगवान कृष्ण ने तो अपने मामा को जान से ही मार डाला था।

चुटकुला #1 06

भिखारी

एक भिखारी ने दरवाजे पर आवाज लगाई- दाता के नाम पर रोटी दे दो।

भीतर से आवाज आई - मम्मी घर में नहीं हैं।

इस पर भिखारी बोला - मैं रोटी मांग रहा हूं, तुम्हारी मम्मी नहीं।

चुटकुला # 107

ट्रेवलिंग सूट

प्रेमी- डाक्ष्लग, ये सूट जो मैंने पहना हुआ है, ट्रेवलिंग सूट है।

चुटकुला # 108

प्रेमिका- कैसे?

प्रेमी- पहले पहले मेरे दादा से पहना मेरे पापा ने। और अब इसे मैं पहन रहा हूँ।

चुटकुला # 109

शिकार

टन्नू ने जंगल में शेर पर बंदूक तानी थी कि शेर ने फुर्ती से झपट्टा मारकर बंदूक दूर गिरा दी। एक झापड़ मारा टन्नू को और कहा-

'बोर्ड नहीं पढ़ा, कि यहाँ शिकार करना मना है।

टन्नू ने बोर्ड पढ़कर सॉरी कहा, और जाने लगा।

मगर शेर ने कहा ठहरो-

'अब मैं तुम्हारा शिकार करूँगा।

टन्नू ने कहा- 'ऐसा कैसे? बोर्ड पर तो मनाही लिखी है।

शेर लापरवाही से- 'लिखी होगी, बाश्शाओ। अपन तो अनपढ़ हैं।

हा-हा-हा!

और वह टन्नू पर टूट पड़ा।

चुटकुला #11 0

दौड...

तुम घोडे के बराबर नहीं दौड सकते हो?

लेकिन घोडा दौड में मुझसे आगे नहीं जा सकता।

ऐसा हो ही नहीं सकता।

क्यों नहीं हो सकता, मैं घोडे पर बैठा जो रहूंगा।

चुटकुला # 111
पिकनिक

पापा बोले- 'बेटी, पिकनिक पर जरूर जाओ, पर अंधेरा होने से पहले घर जरूर लौट आना।

युवा बेटी ने कहा- 'ओह पापा! अब मैं कोई बच्ची थोडे ही हूं।

पापा बोले- 'बेटी, इसलिए तो कह रहा हूं।

चुटकुला # 112
शादी

जुगल ने अपनी प्रेमिका से कहा, 'मैं उस युवती से शादी करूंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो।

प्रेमिका ने मुस्कुराते हुए बताया, 'मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में हैं।

चुटकुला #113
घडी

एक बार एक आदमी के घर में चोरी हो गई। वह थाने में रिपोर्ट लिखाने गया। तब दरोगा ने पूछा-

जब तुम्हारे यहां चोरी हुई थी तो कितना बजा था।

उस आदमी ने कहा कि साहब चार लट्ठ हम पर तथा एक लट्ठ हमारे भाई पर बजा था।

दरोगाजी ने कहा- मैं पूछता हूं कि घडी में कितना बजा था?

साहब घडी में तो केवल एक ही लट्ठ बजा था, तभी टूट गई थी।

चुटकुला # 114
टिकट

सुंदर युवती बनी-ठनी अपने पुरुष मित्र की बाट देख रही थी। जब वह आया तो उसका मुख दमक रहा था। वह बोला - आज हमारी रात्रि बड़ी मधुर बीतेगी। मैं खलनायक के तीन टिकट ले आया हूं।

निराश स्वर में युवती ने पूछा - तीन क्यों?

'तुम्हारे पिता, मां और भाई के लिए।

चुटकुला # 115
प्रेमी

क्लब में ताश का खेल हो रहा था। एक खिलाडी ने अपनी घडी देखी और पत्ते फेंक दिए।
क्या हुआ? दोस्तों ने पूछा।

मैं चला। आज ठीक आठ बजे पंडित रामलाल का टेलीविजन पर सितार वादन का प्रोग्राम है, मुझे ठीक आठ बजे पहुंचना है।

हमें नहीं मालूम था कि तुम संगीत के इतने बडे प्रेमी हो।

मैं संगीत का नहीं, पंडित रामलाल की पत्नी का प्रेमी हूं।

मुझे ठीक आठ बजे पंडित रामलाल के घर पहुंचना है।

चुटकुला # 116
सुहाग रात

एक बार एक लड़के की शादी होती है। जब वो सुहाग रात मनाने जाता है तो उसकी बीबी इधर से उधर भागती है। सुबह तक बीबी उसके हाथ नहीं आती और वह कुछ नहीं कर पाता। इसकी शिकायत करते हुए वह अपने पिता से कहता है कि पापा, मेरे बेड के चारों ओर दीवार बनवा दो या फिर एक मोटी रस्सी ला दो जिससे कि मैं अपनी दुल्हन को डबलबेड से बांध सकूं।

चुटकुला # 117
अंग्रेज

एक बार एक अंग्रेज हिन्दुस्तान में आया उसने एक दुकानदार से कहा कि मुझे आप हिन्दी सिखाओ। मैं आपके यहां नौकरी करुंगा। उसने कहा मेरे पास एक सेब (एप्पल) की दुकान है। यहां जो भी ग्राहक आता है वो तीन चीजें बोलता है पहली-'सेब क्या भाव हैं? दूसरी- 'कुछ खराब हैं और तीसरी-'मुझे नहीं लेने। इसके बाद दुकानदार ने अंग्रेज को बताया इनके जवाब में उसको बोलना है तीस रुपये किलो। फिर कहना है कुछ-कुछ खराब हैं और जब ग्राहक चलने लगे तो उस कहना तुम नहीं ले जाओगे तो कोई और ले जायेगा। थोडी देर बाद दुकान पर एक लड़की आई। उसने पूछा- रेलवे स्टेशन कौनसा रास्ता जाता है? अंग्रेज ने कहा तीस रुपये किलो। लड़की ने कहा- तेरा दिमाग खराब है। अंग्रेज ने कहा-कुछ-कुछ खराब है। लड़की ने कहा-तुझे थाने लेकर जाना पड़ेगा। अंग्रेज ने कहा-तुम नहीं ले जाओगे तो कोई और ले जायेगा। हम तो खड़े

ही इस काम के लिए हैं।

चुटकुला #118

बच्चा

एक दुकानदार (एक ग्राहक महिला से)- बहन जी, आपका बच्चा तो बहुत तंदरुस्त है।
महिला- हां क्यों न हो, आखिर मैं इसे दूध और संतरे के रस पर पाल रही हूं।

दुकानदार(कुछ सोचते हुए)- बहनजी, संतरे का रस किस में है।

चुटकुला #119

जवानी

एक अधेड अभिनेत्री ने ठंडी सांस लेते हुए अपनी सहेली से कहा-
जब मुझे अपनी जवानी के दिन याद आते हैं तो मुझे अपने आप से नफरत होने लगती है।

सहेली- क्यों ऐसा क्या हुआ था उन दिनों?

अभिनेत्री ने उदास होकर जवाब दिया- इसी बात का ही तो रोना है कि कुछ हुआ ही नहीं।

चुटकुला # 120

शादी का फैसला

एक दोस्त दूसरे दोस्त से- तो फिर तुमने वाकई उस लड़की से शादी करने का फैसला कर ही लिया।

दूसरा दोस्त(निराशा से)- हां यार, क्या करुं मजबूरी है।

पहला दोस्त(आश्चर्य से)- क्यों, मजबूरी किस बात की है?

दूसरा दोस्त- अरे यार, वह इतनी मोटी हो गई है कि मंगनी की अंगूठी अब उसके हाथ से उतरती ही नहीं।

चुटकुला # 121

तो-तो की बीमारी

एक बार एक शहरी आदमी दरभंगा जाने के लिए दिल्ली से चलकर पटना पहुंचा और वहां उसने एक व्यक्ति से पूछा- भाईसाहब, दरभंगा यही रास्ता जाता है? उस व्यक्ति ने जवाब दिया- तो? फिर आगे मुजफ्फरपुर पहुंचकर उसने दूसरे व्यक्ति से यही प्रश्न किया। तो उसने भी वही जवाब

दिया- तो? दरभंगा पहुंचकर भी उसने यही प्रश्न तीसरे व्यक्ति से किया, तो वहां मिले व्यक्ति ने जवाब दिया -भाई मेरे, यही दरभंगा है। इस पर शहरी आदमी ने राहत की सांस ली और उससे पूछा- भाईसाहब, आप एक बात बताएंगे कि बिहार में सबको तो-तो की बीमारी है क्या?
तीसरा व्यक्ति- वो सब अनपढ़-गंवार होंगे।
शहरी- तो आप पढे-लिखे हैं।
तीसरा व्यक्ति- तो?

चुटकुला #122
वयस्क फिल्म

एक दिन उन्नीस सरदार वयस्क फिल्म देखने गए । टिकट लेकर वे सिनेमा हाल में घुसने के लिए लाइन में लग गए। टिकट जांचने वाला गिनते हुए एक-एक कर उन्हें प्रवेश देने लगा- 'एक.... दो.... तीन.... दस.... अठारह !

उन्नीसवें सरदारजी से उसने आश्चर्य से पूछा- 'क्यों सरदारजी, आज उन्नीस के उन्नीस सरदारों को एकाएक पिक्चर देखने की क्या सूझी ?

सरदारजी ने बडे ही भोलेपन से जवाब दिया- ' ओ जी बात ये है कि आपने ही तो पोस्टर पर लिखा हुआ है कि '18 से नीचे को प्रवेश नहीं मिलेगा! इसलिए हम पूरे उन्नीस आए हैं।

चुटकुला # 123
ताश की गड्डी

एक जनरल स्टोर पर एक खरीददार ताश खरीदने के लिए गया।

उसने दुकानदार से पूछा- भाईसाहब, आपके पास ताश की गड्डी है क्या?
दुकानदार- हां है न, भैया।
खरीददार- ठीक है, एक गड्डी दे दो।

दुकानदार : क्यों, क्या खेलने लिए चाहिए?

खरीददार(खीझकर) : नहीं, दरअसल मैं घर बनवा रहा हूं और उसमें ईंट कम पड़ गई हैं इसलिए ताश की गड्डी खरीद रहा हूं।

चुटकुला # 124
याददाश्त

दो मित्र आपस में बातें कर रहे थे।

पहला मित्र : यार, मैं अपनी पत्नी की वजह से बहुत परेशान हो गया हूं।

दूसरा मित्र : क्या हो गया? वो बहुत झगडती हैं क्या?

पहला मित्र : नहीं यार, उसकी याददाश्त बहुत खराब है।

दूसरा मित्र : क्यों? काम की बातें भूल जाती हैं क्या?

पहला मित्र : अरे नहीं, वो छोटी-छोटी बातें भी याद रखती है।

चुटकुला # 125
पियक्कड

एक पियक्कड का दावा था कि वो आंख बंद करके न केवल किसी पेय का ब्रांड बल्कि उसके उत्पादक का नाम भी बता सकता है। उस पियक्कड की आंख पर पट्टी बांधी गई और उसके सामने गिलास रखा गया।

पहला गिलास पीकर वह बोला : हैवर्ड की ओल्ड टवर्न।

दूसरा गिलास : मोहन मीकिन की डिप्लोमेट।

तीसरा गिलास : यूबी की किंग फिशर।

उसकी बातों से लोग बडे प्रभावित हुए। अब उसके सामने अंतिम गिलास रखा गया। वह अंतिम गिलास पीकर बोला : अरे ये तो यूरिन है।

इस पर एक दर्शक बोला : वो तो हमें भी पता है। आप तो इसके उत्पादक का नाम बताओ।

चुटकुला # 126
शादी का फैसला

बेटी (अपनी मां से)- मां, मैं अमर से शादी नहीं करुंगी।

मां- क्यों बेटी, क्या तेरी नजर में कोई और है?

बेटी- हां मां, लेकिन अभी फैसला नहीं किया है।

मां- क्या कोई परेशानी है?

बेटी- मां, मेरे प्रेमी को तो स्वर्ग-नरक में विश्वास ही नहीं है।

मां- घबरा मत बेटी, तू पहले उससे शादी कर ले। शादी के बाद उसे अपने आप स्वर्ग-नरक में विश्वास हो जाएगा।

चुटकुला # 127

षडयंत्र

लेखक (अपने मित्र से) : मुझे ऐसा लगता है कि सभी प्रकाशकों ने मिलकर मेरे विरुध्द षडयंत्र रच रखा है।

मित्र : आपको ऐसा क्यों लगता है? आपके पास कोई प्रमाण है।

लेखक : हां, मेरे पास प्रमाण है। मेरे एक उपन्यास को दस प्रकाशकों ने बिना छापे वापस कर दिया है।

चुटकुला #128

हनीमून

कैसी रही तुम्हारी हनीमून? एक मालती ने अपनी सहेली शीला से पूछा।

शीला ने परेशान स्वर में कहा- मेरी तो जान पर बन आई है।

मालती- अरे, कैसे क्या हुआ?

शीला- ऊपर-नीचे, ऊपर-नीचे....? और फिर थकान से चूर ! गहरी सांसे!

मालती- तो फिर इसमें बुरा क्या है? तू क्या भजन करना चाहती थी

शीला- अरे यार! तू गलत समझ रही है। मैं कश्मीर की घाटियों में चढाई-उतार के साथ स्केटिंग करने की पति की जिद भी पूरी करने की बात कर रही हूं।

चुटकुला # 129

पिताजी

एक मित्र दूसरे मित्र से- तुम्हारे पिताजी क्या काम करते हैं?

दूसरा मित्र- लोगों से सुख-दु:ख बांटते हैं।

पहला मित्र- वो क्या सामाजिक कार्यकर्ता हैं?

दूसरा मित्र- नहीं, डाकिया हैं।

चुटकुला #130

जच्चा-बच्चा अस्पताल

एक महिला ने हडबड़ाहट में एक टैक्सी को रोका और बोली- जल्दी करें, मुझे जवाहर जच्चा-बच्चा अस्पताल जाना है।

इतना कहकर वह महिला जल्दी से गाड़ी में बैठ गई।

टैक्सी चालक ने भी तेज स्पीड में गाड़ी दौडाना शुरु कर दिया।

महिला बोली- सरदार जी! आराम से चलाइए मैं अपनी सहेली को देखने जा रही हूं।

चुटकुला #131
तैराक

तीन गप्पोडी सड़क पर खड़े होकर बातें कर रहे थे।

पहला बोला - मेरे पिताजी बहुत बडे तैराक हैं, वो चार घंटे तक पानी के अंदर ही तैर सकते हैं।

दूसरा बोला- बस इतनी सी बात, मेरे पिताजी तो पूरे दिन पानी के अंदर तैर सकते हैं।

तीसरा बोला- क्या बच्चों जैसी बात कर रहे हो, मेरे पिताजी तो चार साल पहले गए थे पानी के अंदर तैरने और अभी तक ऊपर नहीं आए हैं।

चुटकुला # 132
हिन्दी की जानकार

एक हिन्दुस्तानी पेरिस की सैर कर रहा था। एक दिन वहां उसे एक बुक स्टाल पर एक सुन्दर लड़की नजर आई, जो हिन्दी पुस्तक के पृष्ठ उलट रही थी। हिन्दुस्तानी का उस पर दिल आ गया। वह उससे परिचय बढाने की गरज से उसके पास गया और उससे पूछा-क्या आप हिन्दी जानती हैं ?

लड़की बोली - जी हां, कुछ-कुछ।

कुछ-कुछ आखिर कितनी ? हिन्दुस्तानी ने हंस कर पूछा।

लड़की ने जवाब दिया - जी एक रात के पांच सौ फ्रैंक।

चुटकुला #133
बहन चाहिए

बेटा अपने पापा से कहता है पापा ! पापा ! मुझे बहन चाहिए।

पापा बेटा उसके लिए तो नौ महीने लगेंगे।

बेटा नहीं, इतनी देर नहीं चलेगी। ऐसा करिए चार आदमी और काम पर लगा दो.......!

चुटकुला # 134
महिला और पुरुष

एक जानी-मानी महिलावक्ता महिला उत्थान के संबंध में भाषण दे रही थीं।

वो जोश में कहने लगीं- मैं पूछती हूं, यदि स्त्री न होती तो ये पुरूष कहां होते?

पीछे से आवाज आई - स्वर्ग में।

चुटकुला # 135
आइसक्रीम का इंतजाम

समुन्दर तट पर घूमने के बाद एक बच्चा अपने मां-बाप के पास पहुंचा तो पिता ने कहा- इतनी देर से तुम कहां थे ? तुम्हें भूख लगी होगी, चलो किसी होटल में खान खाते हैं।

बच्चे ने कहा - मुझे तो बिल्कुल भूख नहीं है, मैं चार पैकेट बिस्कुट और पांच कप आइसक्रीम खा चुका हूं।

पिता ने पूछा - वो कैसे ? तुम्हारे पास पैसे कहां से आये?

बच्चे ने कहा - पैसों की जरूरत नहीं पड़ी, मैं तो बस यूं ही इधर-उधर रोता हुआ भटकता फिरा, जैसे अपने मां-बाप से बिछड गया हूं।

चुटकुला # 136
जीमने का न्यौता

पंडिताइन ने अपनी नववधु से कहा कि जरा खटिया ठीक कर दो। पण्डितजी जीमने जा रहे है आकर तुरंन्त लेटेंगे। बहु दहाडें मार-मार कर रोने लगी। सास से पूछा कि क्यों रो रही है।

बहु ने कहा कि मेरे पिता ने मुझे कैसे भुक्खड घर में दे दिया जिन्हें यजमान के यहां जीमना भी नहीं आता। हमारे यहां पिताजी जब जीमने जाते हैं तो खटिया साथ जाती है और जीमने के बाद चार आदमी खटिया पर ही घर लाते हैं। खुद चल कर घर आ गये तो फिर जीमना क्या हुआ!

चुटकुला # 137
नौकरानी

एक साहब ने अपने दोस्त से कहा - क्यों भई, तुम्हारे घर में तो नौकरानी थी। पहले वही कपड़े धोती थी, आज तुम कैसे खुद कपड़े धो रहे हो?

मैंने उससे शादी कर ली है। दोस्त ने जवाब दिया।

चुटकुला # 138
गाड़ी धीरे चलाइए

बच्चों के स्कूल के पास तो बोर्ड लगा हुआ है - कृपया गाड़ी धीरे चलाइए। स्कूल है।

पर महिला कॉलेज के सामने कोई बोर्ड नहीं है।

हमारे अधिकारी समझदार हैं।

उन्हें पता ही है कि इस इलाके में गाड़ी अपने आप ही धीमी गति से चलने लगती है।

चुटकुला # 139
भाभी से मुलाकात

एक लड़की स्कूल ड्रेस पहन कर स्कूल जाने के लिए निकलती है... एक आवारा लड़का आकर पूछता है-' एक्सक्यूज मी! आप स्कूल जा रही हैं...???

लड़की बोली- नहीं भैया, भाभीजी अर्थात् आपकी बीबी से मिलने जा रही हूं........।

चुटकुला # 140
कार और एल अक्षर

एक लड़की(अपनी मां से) - मम्मी...बहुत सारे लोग अपनी कार के पीछे लाल रंग से अंग्रेजी का 'एल शब्द क्यों चिपका देते हैं।

मां ने जवाब दिया- बेटा, क्योंकि वो कार चलाना सीख रहे होते हैं।

लड़की तुरंत जाकर अपने छोटे भाई की पीठ पर लाल रंग से 'एल लिखकर चिपका देती है। क्योंकि उसका भाई भी चलना सीख रहा था।

चुटकुला # 141
लंबूजी की शॉपिंग

एक बार एक बहुत लंबा आदमी सब्जी खरीदने के लिए सब्जी मंडी गया और
एक सब्जी की दुकान के आगे खड़े होकर उसने सब्जी वाले से पूछा- भैया,
नींबू कैसे दिए।

लंबूजी की बात सुनकर सब्जी वाला बोला- भाईसाहब, जरा झुककर देखें।
यह नींबू नहीं संतरे हैं।

चुटकुला # 142
बहरी बीबी

एक आदमी ने एक धनी विधवा औरत से शादी कर ली तो उसके एक दोस्त ने उसकेकान में कहा - मैं तुम्हारी बात नहीं समझ सकता, यार। माना कि यह बहुत धनी महिला है। मगर शादी सिर्फ पैसों के लिये तो नहीं की जाती। इतनी बड़ी और बदसूरत औरत से शादी करना कोई बुध्दिमता की बात नहीं है। इस बेचारी के मुंह में तो दांत भी नहीं है।

वह व्यक्ति बोला - यार, यह बात कान में कहने की क्या जरूरत है ? जोर से खुल कर बोलो, वह बेचारी सुनती भी ऊंचा है।

चुटकुला #143
कमरा या लिफ्ट

ग्राहक ने होटल के बेयरे से कहा- मैं तुमसे साफ-साफ कह देता हूं कि मैं इस कमरे में नहीं रह सकता। क्या तुमने मुझे जानवर समझ रखा है, जो इस कबाडखाने में ठहरा रहे हो, जिसमें केवल एक स्टूल पड़ा हुआ है। शायद तुम यह समझते हो कि मैं पहली बार शहर आया हूं, इसलिए तुम मुझे उल्लू बनाने की कोशिश कर रहे हो।

बेयरा तनिक झुंझलाकर बोला - जनाब, यह आपका कमरा नहीं लिफ्ट है।

चुटकुला # 144
टमाटर की तलाश

एक महिला ने अपनी पड़ोसन से बेहद भेद-भरे स्वर में अपना दु:ख बताते हुए कहा-
बहन, मेरा शौहर हर शाम को घर आता है तो मुझे उसकी शर्ट पर कभी गुलाबी, कभी
सुर्ख निशान नजर आते हैं। वह भी शर्ट के कंधों और कालर पर। जब मैं अपने शौहर
से इस बारे में पूछताछ करती हूं तो वह हमेशा टालते हुए कहते हैं - यह टमाटर की
चटनी के दाग हैं। तुम ही बताओ बहन, अगर तुम्हारा शौहर ऐसा करे तो तुम क्या
करोगी?

दूसरी महिला ने ताव में भरकर कहा -सबसे पहले तो मैं उस टमाटर को तलाश करूंगी।

चुटकुला # 145
टीके के रुपये

एक युवक की नई-नई शादी हुई। नास्ते के समय उन्होंने सभी को बारी-बारी से नमस्ते की। यहां तक कि ससुराल में बर्तन मांजने वाली को भी। सालियां इस बात को ले उडीं- वाह जीजाजी ! महरी को भी नमस्ते दाग दी।

शान्त स्वर में युवक ने समझाया - 'इसके दो कारण हैं, एक तो यह कि मैं इन्सान-इन्सान में भेद नहीं रखता और दूसरा यह है कि घर से चलते समय मम्मी ने समझा दिया था कि ससुराल में सबको नमस्ते कर लेना, न जाने कौन टीके के पांच रुपये दे जाए।

चुटकुला # 146
स्त्रियों का झगडा

एक ही चाल में रहने वाली सात स्त्रियों में झगडा हो गया और इस सीमा तक बढा कि मामला अदालत तक जा पहुंचा। जब मुकदमें में आवाज लगी तब सबने जज के सामने भीड लगा ली, और अपनी-अपनी कहने लगीं। कुछ क्षणों के लिए जज भी बौखला गया।

स्त्रियों की चीखो-पुकार वहां मचती रही।

आर्डर-आर्डर ! जज ने हथौडा कई मेज पर मारा।

जब शांति हो गई, तब जज ने कहा - सबसे पहले, सबसे अधिक आयु की स्त्री अपनी बात सुनाये।

और मुकद्दमा समाप्त हो गया।

चुटकुला #147
तीन कैदी

पहला कैदी - 'शक्लें भी खूब धोखा देती हैं, एक बार एक साहब मुझे दिलीप कुमार समझ बैठे।

दूसरा कैदी - 'ठीक कह रहे हो, मेरे साथ भी ऐसा ही हुआ। मुझे देखकर एक साहब जवाहरलाल नेहरू का धोखा खा गए।

तीसरा कैदी - 'अजी यह तो कुछ भी नहीं। मैं जब चौथी बार जेल पहुंचा तो जेलर बोला- हेभगवान! तू फिर आ गया।

चुटकुला # 148

आवारगी !

एक अभिनेत्री जो आवारगी के लिए मशर थी, अपने नए फ्लैट
में पहुंची तो वहां एक नौजवान आवेश से उसे घूरता था।
अभिनेत्री कुछ दिन तो देखती रही आखिर उससे रहा नहीं गया,
उसने नौजवान से कहा - 'अगर तुमने कोई बदतमीजी की तो मैं
अपने पति को बुला लूंगी।
नौजवान ने घबराकर पूछा - 'कहां हैं आपके पति?
अभिनेत्री ने कहा - 'वे एक महीने से बाहर गए हैं।

चुटकुला #149

दूसरे ईसा मसीह !

एक युवती अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराने डॉक्टर के पास गई। डॉक्टर ने उसका चेकअप किया और
कहा कि आप अपने पति को बता दीजिए कि वह पिता बनने वाले हैं।

'लेकिन मेरी तो शादी ही नहीं हुई। युवती ने जवाब दिया।

'तो ठीक है, आप अपने मित्र को बता दीजिए कि वह पिता बनने वाला है।

'मेरा कोई मित्र भी नहीं है।

'तो आप अपने पड़ोसी को बता दीजिए।

'मेरा कोई पड़ोसी भी नहीं है।

डॉक्टर झुंझला गया। बोला, 'ठीक है। आप अपनी मां को बता दीजिए कि ईसा मसीह दोबारा आने वाले
हैं।

चुटकुला #150

चोट पे चोट !

एक युवक बड़ा निराश दिखाई दे रहा था। एक मित्र के पूछने पर उसने बताया
'मैं बिजनेस के काम से बाहर गया तो परसों सवेरे मैंने अपनी पत्नी को तार
दिया कि मैं कल रात घर आ जाऊंगा और जब मैं लौटा तो देखा कि मेरी
पत्नी के बिस्तर पर एक पड़ोसी का लड़का...।

'मैं समझ गया। मित्र उसकी बात काटकर बोला - फिर क्या हुआ?

'मैं इस बारे में सलाह करने अपनी मां के पास गया। मैंने उन्हें सारी बात

बताई। सब सुनकर मां बड़ी देर तक चुप रही फिर बोली - 'हो सकता है उस बेचारी को तुम्हारा तार न मिला हो।

चुटकुला #151
विचित्र सवाल !

एक सुंदर तरुणी गवाही देने के लिए विटनेस बॉक्स में खड़ी थी।
उसे तेज नजरों से घूरते वकील ने गरजकर बोला, ' मैं अपना प्रश्न फिर दोहराता हूं। अठारह सितंबर की रात को आप कहां थीं?

तरुणी लज्जा से सुर्ख हो गयी।
ओह! वह बोली - 'यह प्रश्न पूछें तो ही अच्छा है वकील साहब। मैं इसका उत्तर नहीं दे सकती।
वकील ने और दबाव डालते हुए कहा, 'यह तो आपको बताना ही होगा। बहाने मत बनाइए उस रात आप कहां थीं?

तरुणी के कपोल रक्तिम हो उठे। किसी तरह संभल कर उसने कहा- अच्छा, जब आप इतना जोर दे रहे हैं तो मुझे बताना ही पड़ेगा।

अठारह सितंबर की रात में मैं घर बैठी वर्ग पहेली हल कर रही थी।
वकील ने बौखलाते हुए हैरत से पूछा।

'भला इसमें शर्माने की क्या बात थी?

बात तो थी वकील साहब। उसने सुबकी भरी- 'मेरी जैसी सुंदर, जवान और कुंवारी लड़की घर बैठकर वर्ग पहेली में रात बर्बाद करे, यह शर्माने की बात नहीं है? उसने जवाब दिया।

चुटकुला #152
कहीं पे निगाहें !

मैं तुम्हारे द्वारा प्रेषित पत्रों पर लगे डाक टिकटों को चूमना नहीं भूलता, क्योंकि उसमें तुम्हारे होठो का स्पर्श शामिल रहता है। प्रेमी ने कहा।

प्रेमिका बोली - 'सॉरी डाक टिकट चिपकाने का काम तो मेरी बूढ़ी नौकरानी किया करती है।

चुटकुला # 153
हसीन सपना !

प्रेमिका को निराश देखकर एक दिन प्रेमी ने अपनी सारी हिम्मत जुटाकर प्रेमिका से कहा, प्रिये, रात मैंने एक सपना देखा। मैंने देखा कि मैं तुम्हारे सामने शादी का प्रस्ताव रख रहा हूं। क्या तुम इस सपने का अर्थ समझीं?

प्रेमिका ने कहा, जरूर। इसका अर्थ यह है कि तुम जागते रहने के बजाय सोए रहने में ज्यादा समझदारी का काम करते हो।

चुटकुला # 154
भूल-चूक लेनी-देनी !

मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकती जीतेन्द्र। विभोर होते हुए प्रीति ने कहा।

पर मैं जीतेन्द्र नहीं राकेश हूं। राकेश ने बताया।

सॉरी डॉर्लिंग ! मैं भूल गई थी कि आज रविवार नहीं, सोमवार है। प्रीति ने स्पष्ट किया।

क्या कहा? आज सोमवार है। अरे, बाप रे बाप! तुमने पहले क्यों नहीं बताया कि आज सोमवार है। अब मैं फौरन चलता हूं। पता नहीं सुनीता, कितनी गालियां दे रही होगी। जाते हुए राकेश ने बताया।

चुटकुला #155
वाह! क्या बात है

एक पार्क में तीन सुन्दर कन्याएं घास पर बैठकर बातें कर रही थी । उनमें से एक अंधी थी, दूसरी लंगडी और तीसरी गंजी । एकाएक अंधी ने जोर से कहा, ”वाह ! कितना सुन्दर फूल खिला है वहाँ पर !

लंगडी ने जवाब दिया, ”रुक, मैं अभी दौडकर फूल तोड लाती हूँ।

गंजी फटके से बोली, ”लाकर मेरे सिर पर लगा देना।

चुटकुला # 156
गंजा और हसीना !

खूबसूरत हसीना अपनी मोपेड़ पर सवार होकर बीच सड़क से गुजर रही थी । एकाएक उसके सामने एक गंजा व्यक्ति सायकल पर सवार आ टपका।

खूबसूरत हसीना ने मोपेड़ रोकने की बहुत कोशिश की पर अंतत: वह गंजे की सायकल से जा टकराई । गंजा गरजकर बोला, ” दिखता नहीं है क्या ? गाड़ी सिर पर चढाने का विचार है ?

हसीना ने जवाब दिया, ” मोपेड़ तुम्हारे सिर पर चढाकर नीचे फिसलकर गिर जाने का मेरा कोई इरादा नहीं है !!

चुटकुला # 157
वसीयतनामा !

एक आजन्म कुंआरे पुरुष ने अपनी संतुष्टिपूर्ण एवं खुशहाल आबाद जिन्दगी से किनारा करने के पूर्व अपनी वसीयत लिखी। उसने बेहद सोच-समझकर अपनी लाखों की जायदाद का अधिकांश हिस्सा उस लड़की के नाम कर दिया जिसने कि उसके साथ तीस वर्ष पूर्व शादी करने से इनकार कर दिया था एवं जिसके बाद ही उसने आजन्म कुंआरा रहने की कसम खाई थी।

वसीयतनामा के नीचे उसने यह लिखा 'मैं आपके प्रति कृतज्ञ हूं। आपके ना करने के कारण मुझे ज्ञात हुआ कि जिन्दगी पत्नी की बंदगी के बिना कितनी रंगीली है।

चुटकुला # 158
जो आज्ञा !

स्वामीजी पांडाल में प्रवचन दे रहे थे। स्त्री-पुरुष तन्मयता से सुन रहे थे। स्वामीजी ने कहा-'भक्तों! मानव का जन्म हर प्राणी से श्रेष्ठ है। मावन योनि को सर्वोत्तम मान गया है। मानव योनी पाकर भी जिसने उसका मूल्य न समझा उसका इस पृथ्वी पर आना धिक्कार है। स्वामीजी की पंक्तियां खत्म होते न होते, पुरुषों का भक्त समुदाय उठकर नारी भक्त समुदाय उठकर नारी समुदाय की दिशा में बढ़ चला था।

चुटकुला # 159
भगवानदर्शी !

मामाजी - पप्पू ये क्या बना रहे हो?
पप्पू - भगवान का चित्र मामाजी - लेकिन यह तो कोई भी नहीं जानता कि भगवान देखने में कैसे लगते हैं?
पप्पू - अब देखना, सबको मालूम हो जाएगा।

चुटकुला # 160
कायदे वाले !

तलाक के एक केस की सुनवाई अदालत में चल रही थी। पत्नी ने शिकायत की - 'योर आनर! सुबह सोकर उठने के बाद मेरा पति जब डायनिंग टेबल पर आता है, तो कुछ भी नहीं पहने होता है।

जज ने सहानुभूति जताई - 'ओहोहोहो ! और ब्रेकफास्ट के वक्त आप क्या पहने होती हैं?

वह बोली - अपनी चप्पलें, योर ऑनर !

चुटकुला # 161
लक्ष्य न चूके !

हनीमून पर आया जोडा, दिन भर पर्वतों की सैर करके जब रात में होटल में लौटा, तो उनके बीच यूं संवाद चला।

पति - थक गई हो, प्रिये?

पत्नी - हां, प्रियतम !

पति - क्या बहुत ज्यादा थक गई हो प्रिये?

पत्नी - सवाल ही पैदा नहीं होता, प्रियतम !

चुटकुला # 162

फूटी ऑंख !

नंदूजी - प्रेम के चरम क्षणों में पत्नियाँ ऑंखें क्यों मूँद लेती हैं?

चंदूजी - इसलिए क्योंकि वे अपने पार्टनर को आनंदित होते हुए नहीं देख सकतीं।

मुँहलगे कहीं के !

वेबू ने चच्चू से पूछा - 'चच्चू ! क्या आप चुंबन के हक में हैं?
चच्चू बोले - बिल्कुल नहीं !

वेबू ने पूछा - 'क्यों भला?

चच्चू बोले - बडे-बूढे कह गए हैं, औरतों को मुँह नहीं लगाना चाहिए।

चुटकुला #163

बूँद-बूँद

फुटपाथ पर भीड थी । पहलवान अपने दिलचस्प कारनामों को दिखाकर बेशुमार
तालियाँ बटोर रहा था। उसका अगला कारनामा था - 'नीबू निचोड - 2001,....
उसने पूरी ताकत लगाकर इस कदर नीबू को निचोड डाला, कि उसमें रस का एक
कतरा भी नहीं बचा। उसने सबको चैलेंज किया - तुममें से अगर कोई इस नीबू से अब एक बूँद भी
निकाल कर बता देगा, तो मैं आजीवन उसकी गुलामी करूँगा।
भीड में से एक दुबले से सज्जन निकले और नीबू हाथ में लेकर उन्होंने एक नहीं, पाँच बूँदें टपका दीं ।
यह देख पहलवान पसीना-पसीना होकर बोला - 'भाई ! आप कौन
हैं?

सज्जन बोले - 'जी....इनकम टैक्स ऑफिसर ।

चुटकुला # 164

राजी -खुशी !

मैडम जूली को खबर लग चुकी थी कि किसी लफंगे ने उसकी बेटी डॉली के साथ अनुचित हरकत की है। घर लौटने पर डॉली ने चुंबन की सात स्वीकार भी कर ली। जूली ने पूछा - कहाँ लिया उसने चुंबन?

डॉली बोली - मेरे होंठों पर ।

जूली भडकी - अरी कम्बख्त ! मेरा मतलब है, उस वक्त तू कहाँ थी?

डॉली ने बताया - उसकी बाँहों में ।

चुटकुला # 165
सीधा समाधान !

नर्सों की नियुक्ति के इंटरव्यू में पूछा गया - जुडवाँ बच्चे किस वजह से पैदा होते हैं? एक उम्मीदवार लजाकर बोली - उसी वजह से, जिस वजह से एक बच्चा पैदा होता है।

चुटकुला # 166
सुरसुरी-झुरझुरी

दो सहेलियाँ बातें कर रही थीं।
एक बोली - मेरे पति के सिर पर इन दिनों बड़ी-बड़ी मूँछें रखने का फैशन सवार हुआ है। मुझे तो हँसी आती है।

दूसरी बोली - हाँ सखी, गुदगुदी तो मुझे भी होती है।

चुटकुला # 167
लेट अराइवल !

पचहत्तर साल के जग्गूजी होटल के अपने कमरे में बैठे अखबार पढ़ रहे थे। दस्तक होने पर जब उन्होंने दरवाजा खोला तो एक अनुपम सुंदरी को खड़े पाया ।

वह उन्हें देखकर हडबड़ाई - 'सॉरी ! मैं गलत कमरे में आ गई ।

वृध्द जग्गूजी बोले - आई तो तुम ठीक कमरे में हो, लेकिन पैंतीस साल लेट आई हो !

चुटकुला #168
परिधान ध्यान!

दो युवा स्टेनोग्राफर अपने किसी सहकर्मी पुरुष के बारे में बातें कर रही थीं।

एक बोली - 'वह कपड़े कितने अच्छे पहनता है।

दूसरी बोली - 'हाँ, और कितनी जल्दी से पहनता है।

चुटकुला # 169
राज की बात !

एक रफ-टफ शक्लोसूरत वाला नौजवान बस की कतार तोडकर जब बस में चढने की कोशिश करने लगा तो कंडक्टर ने टोका - 'ऐ भाई, चल पीछे लाइन में खड़ा हो जा !

नौजवान ने गरजकर कहा - 'लाइन में खड़े हो जाओ तुम। मैं तो ऐसे ही चढ़ूँगा।
कंडक्टर ने पूछा - 'क्यों भाई, तू क्या लाट साहब का बच्चा है?
नौजवान ने सीना फुलाकर कहा - 'ओए ! शेर का बच्चा हूँ मैं, शेर का बच्चा ।
कंडक्टर ने प्रेम से कहा - 'हाँ भाई लगता तो है पर एक बात तो बता । तेरी मम्मी चिडियाघर गई थी? या शेर तेरे घर आया था। ऐं?

चुटकुला # 170
बार-बार देखो !

लूसी एक शरीफ और सात्विक विचारों वाली अध्यापिका थी। एक बार वह किसी रिश्तेदार के यहाँ शादी में गई । वहाँ एक युवक से उसकी कुछ ऐसी घनिष्ठता हुई कि उनमें एक रात, 'ऐसा-वैसा भी हो गया ।
उसके तुरंत बाद लूसी रोने लगी - 'हाय ! अब मैं अपनी कक्षा के बच्चों के सामने, इस तरह दो बार पाप करने के बाद कैसे जाऊँगी?
युवक ने हैरानी से कहा - 'दो बार? लूसी बोली - और क्या ! अभी तुम दोबारा भी तो करोगे ना?

चुटकुला # 171
हाथरस !

दो सहेलियाँ सिनेमा देख रही थीं। अचानक एक फुसफुसा कर बोली - 'ऐ! देख ना, मेरे पास बैठा लड़का 'आत्ममंथन कर रहा है।

दूसरी बोली - 'तो करने दे ! तुझे उससे क्या?

पहली ने बताया - 'पर वो नालायक मेरा हाथ इस्तेमाल कर रहा है

चुटकुला # 172
नींद न देखे टूटी खाट !

एक अमेरिकी फौजी छुट्टी पर घर आया तो अपनी पत्नी जूली को बाँहों में भरकर बोला - 'मेरी परी ! मेरी र!!

मामूली शक्ल-सूरतवाली जूली ने कहा - मैं समझ गई ! आप ये खिताब मुझे इसलिए दे रहे हैं, क्योंकि मैं ब्यूटी पार्लर में पाँच घंटे गुजार कर आ रही हूँ।

फौजी बोला - नहीं प्रिये, इसकी वजह यह है कि मैं घर से दूर वियतनाम में पाँच बरस गुजार कर आ रहा हूँ।

चुटकुला #173
पवित्र कहीं की!

पति जलता-भुनता आया और पत्नी से बोला - 'हमें यह फ्लैट बदलना पड़ेगा। क्योंकि चौक में खड़ा मकान मालिक का लड़का, जोर-जोर से कह रहा है कि एक को छोड़कर इमारत की हर औरत के साथ वह जन्नत की सैर कर चुका है।
पत्नी ने सोचकर कहा - 'वह जरूर बीस नंबर के फ्लैट वाली निगोडी शकुंतला होगी।

चुटकुला #174
चिकनी चुपड़ी !

रात में बंद कमरे से आती झगडे की आवाजें ।
झुमरू - तुम तो ऐसा लगता है आजकल कोल्ड क्रीम लगाती हो!
झुमकी - और तुम । तुमने तो न जाने कब से वेनिशिंग क्रीम लगा रखी है।

चुटकुला # 175
बॉस की सुन!

ओकलाहोमा सिटी के पास जेस्सी जेम्स ने ट्रेन पर धावा बोल दिया। उसके गिरोह ने कम्पार्टमेंट को कब्जे में ले लिया।

जेस्सी ने ऊँची आवाज में कहा- 'ओके एवरीबॉडी! तो हम इन यात्रियों में से हर औरत के साथ 'रेप करेंगे और हर मर्द को लूटेंगे।
उसके साथी ने कहा- 'नहीं जेस्सी हम औरतों को लूटेंगे, मर्दों के साथ 'रेप करेंगे।

तभी यात्रियों में से एक बला की सुंदर, कसी हुई शोख कन्या ने कहा- 'ऐई! तुम

लोग अपनी मत चलाओ। जैस्सी का कहना मानो। आखिर वह तुम्हारा बॉस है।

चुटकुला # 176
कथनसुख !

अस्सी वर्षीय डगलन से डॉक्टर से कहा - मुझमें 'अक्षमता क्यूँ आ गई है डॉक्टर ? जबकि मेरा पच्चीस वर्षीय दोस्त कहता है कि वह अभी भी 'वैसा ही समर्थ है।

डॉक्टर ने कहा - कहने में क्या हर्ज है? आप भी सबसे ऐसा ही कहते रहिए।

चुटकुला #177
उच्चाकांक्षा !

जहाज पर यात्रा कर रही एक मैडम ने बडे सवेरे जहाज के एक अधिकारी से शिकायत की - सर! कल रात मेरे केबिन में एक खलासी घुस आया था।
अधिकारी ने कहा - आप भी हद करती हैं मैडम ! थर्ड क्लास वाले केबिन में खलासी नहीं तो क्या कैप्टन आएगा?

चुटकुला # 178
पछताए होता क्या !

जच्चाखाने के लाइन से बिछे पलंगो पर 'कुछ बन चुकी और 'कुछ बनने वाली माताएँ बतिया रही थीं। लीला बोली - - क्या संयोग है! मैंने 'दो जासूस फिल्म देखी थी और मुझे जुडवाँ बालक प्राप्त हो गए।

नीना बोली - 'ओहो.. तभी मुझे तीन पुत्र हुए क्योंकि मैंने ठीक पहले 'अमर-अकबर एंथोनी देखी थी।

अचानक प्रेग्नेन्ट प्रेमा चीख पड़ी - हाय! गजब हो जाएगा। मैंने कल ही 'अलीबाबा और चालीस चोर देखी है।

चुटकुला #179
हडबड़ी-गडबड़ी!

टन्नूजी नर्सिंग होम में बेचैनी से टहल रहे थे। तभी एक नर्स एक नवजात शिशु को कपड़े में लपेटे हुए लेकर आई - 'मुबारक हो सर! लड़की हुई है।
टन्नूजी ने बेसब्री से शिशु को देखा, टटोला और बोले - कहाँ है लड़की?

यह तो लड़का है।
नर्स झल्लाकर बोली - 'देखिए मिस्टर, पहली बात तो यह सौ फीसदी लड़की है! और दूसरी बात मेहरबानी करके मेरी ऊँगली छोड़ दीजिए।

चुटकुला # 180
जान बची!

पन्नूजी का तकियाकलाम था - 'इससे भी बुरा हो सकता था। बात-बात में यही कहते रहते।
एक बार का किस्सा है। पड़ोसी पीटर जब लंबे दौरे से लौटा तो पत्नी के साथ अजनबी को सोया देख, आगबबूला हो गया। उसने पिस्तौल निकालकर दोनों को उडा दिया। पुलिस ने उसे दोहरी हत्या के जुर्म में गिरफ्तार कर लिया।
इस घटना पर पन्नूजी की प्रतिक्रिया वही थी - 'इससे भी बुरा हो सकता था।
लोगों ने पूछा - 'इतना बुरा तो हो गया। इससे ज्यादा क्या बुरा हो सकता था भला?

पन्नूजी ने फरमाया - अगर पीटर एक रोज पहले दौरे से लौट आता, तो उस अजनबी की जगह मैं मारा जाता, मैं ।

चुटकुला #181
ऊँचा सुन सायबा सुन!

रीना - मेरी हेल्प करो टीना, मैं बॉस के बच्चे की माँ बनने वाली हूँ।

टीना - बाप रे! यह हुआ कैसे?

रीना - बॉस के, ऊँचा सुनने की वजह से।

टीना - मैं समझी नहीं।

रीना - उस रोज मैं बॉस से रिक्वेस्ट करने गई थी कि मुझे परमानेंट कर दीजिए। और उस जबरजंग, अक्ल के कोल् ने 'परमानेंट को 'प्रेग्नेन्ट सुन लिया।

चुटकुला # 182
ना बाबा ना!

घन्नूजी ने सुबह ही अपनी बीवी को मैटरनिटी होम में भर्ती कराया था और दफ्तर आ गए थे। वहाँ से हर घंटे फोन करने के इरादे से उन्होंने जैसे ही पहला फोन मैटरनिटी होम लगाया नंबर गलती से क्रिकेट स्टेडियम में जा लगा और घन्नू जी को सुनाई दिया- 'सेवन आर आउट, एंड मोर आर कमिंग!

चुटकुला #183
अनावरणम् स्वागतम्!

लड़की ने एक-एक करके सारे कपड़े उतारे और समुद्र के पानी में उतरने लगी।
सिपाही दौडा-दौडा आया और बोला - 'बेबी! किनारे पर नहाना मना है। क्यूँ
जी! तुमने मुझे तब क्यूँ नहीं बताया, जब मैं अपने कपड़े उतार रही थी?
सिपाही ने रस लेकर कहा - 'कपड़े उतारना मना नहीं है, खूब उतारो। बस,
नहाने की मनाही है।

चुटकुला # 184
मेहनत बेकार!

'क्यूँ मिस्टर! अपने बाडे में मेरे जैसी मॉड लड़की को गइया दुहते देखकर तुम्हें
अंचभा नहीं हो रहा है?

किसानपुत्र ने कहा -'अचंभा नहीं, तुम्हें वक्त बरबाद करते देखकर तुम पर तरस
आ रहा है। सिटी गर्ल ने तमतमाकर कहा- क्यूँ? तरस क्यूँ?
किसानपुत्र ने कहा -'जिसे तुम गइया कह रही हो, वह बैल है।

चुटकुला # 185
रोज-रोजा-रोजी!

तीन सेल्समैन बातें कर रहे थे। एक बोला - मैंने अपनी पत्नी का नाम 'मौसमी रखा है।
क्योंकि वह मौसम की तरह नित नए रंग बदलती है।
दूसरा बोला - मैंने अपनी पत्नी का नाम 'घडी रखा है, क्योंकि वह समय की बहुत पाबंद
है।
तीसरा बोला - मैंने अपनी पत्नी का नाम 'डेली रखा है। क्योंकि एक दिन भी अगर मैं
चूक जाऊँ तो मुझे पर संदेह कर-करके मेरी जान निकाल देती है।

चुटकुला # 0186
बाँटकर खाओ!

पति : फैशन की भी हद होती है। महीने में डेढ दो किलो तो तुम
लिपिस्टिक ही खा जाती हो।
पत्नी : क्यों झूठ बोलते हो?
पौन किलो के करीब तो आपके पेट में भी जाती होगी।

चुटकुला # 0187

नाम बदनाम!

मनोचिकित्सक मन्नू को जल्दी से कहीं जाना था। मगर रिसेप्शनिस्ट ने
बताया कि अभी तीन लेडी पेशेंट और बैठी हैं। उन्हें जल्दी से निबटाने की
मंशा से मनोवैज्ञानिक दबाव डालते हुए मन्नू ने पहली से कहना शुरू किया
- 'सुनिए! आपकी समस्या क्या है? खाना, खाना, सिर्फ खाना! जबकि
मैंने पहले ही आपसे कहा था कि खुराक कम करें, खाने से जी हटाएँ।
क्या नाम है आपकी लड़की का?

स्त्री बोली - जी इमरतीकुमारी!
मन्नू बोले - 'देखा! बच्ची के नाम में भी तुम्हारे खाने के अलावा कुछ
नहीं झलकता!

फिर मन्नू दूसरी स्त्री से बोले - 'और तुम! पहले दरजे की कंजूस! पहले भी कह चुका हूँ, जब तक कंजूसी
की आदत नहीं छोड़ोगी ऐसे ही परेशान रहोगी। क्या नाम है तुम्हारी बेटी का?
वह बोली - अशर्फीदेवी!
मन्नू ने उलाहना दिया - 'देखा।
तो यह नाम भी धन-दौलत का ही परिणाम है।
तुम्हारे लगाव का ही परिणाम है।
तभी स्त्री नंबर तीन ने अपने छह वर्षीय बेटे का हाथ पकड़कर उठाया।
और बोली - चल बेटे रतिरमण!
अब अपनी खैर नहीं। और सेकंडों में वहाँ से बाहर हो गई।

चुटकुला # 0188

खड़ा हुआ सो क्या हुआ

एक बस में जब मिस रूबी दाखिल हुईं तो देखा बस खचाखच भरी हुई है। मिस रूबी ने एक नौजवान के
पास जाकर शहद घुली नरमी के साथ कहा।
'ऐ नौजवान! क्या तुम मुझे अपनी सीट नहीं दे सकते? देखो न, मैं 'प्रेग्नेंट हूँ।
नौजवान ने शराफत से सीट तो दे दी। मगर खड़े होने के बाद जब इत्मीनान से मिस रूबी का मुआयना
करना शुरू किया तो देखा कि कमर पतली है और काया एकदम छरहरी। उसने उतावली में पूछ ही
लिया- 'मैडम कितने महीने हो गए?
रूबी ने चतुरता से कहा-'महीने कहाँ जी? अभी, मुश्किल से चालीस मिनट पहले।

चुटकुला # 0189

अदृश्य सुंदरता!

दुकानदार ने उत्साह के साथ बताया -यह दूरबीन बड़ी

शक्तिशाली है। इससे आप दस किलोमीटर दूर खड़ी खूबसूरत
लड़की को देख सकते हैं।

नवयुवक ग्राहक का जवाब था -'पर जो खूबसूरत लड़की दस
किलोमीटर दूर खड़ी हो, उसे देखने का क्या फायदा?

चुटकुला # 0190
पूत के पाँव!

नंबर एक के फ्लर्ट, परम रोमांटिक और नारियों में बेहद लोकप्रिय
मिस्टर बादल 'आवारा से जब किसी ने पूछा - रोमांटिक प्रतिभा कब
से विकसित हुई?

तो मिस्टर आवारा का जवाब था -'बहुत छुटपन से विकसित हो गई
थी। जब बच्चें पैदा होते हैं तो डॉक्टर उन्हें थपथपाते हैं, पर पता है?
मेरे मामले में क्या हुआ? 'उई 'चिल्लाती हुई नर्स ने मुझे कसकर थप्पड
जमाया था।

चुटकुला # 0191
सेक्स-रे!

एक्स-रे करवाने गई महिला ने घुप्प अंधेरे मशीन रूम में एक्स-रे ऑपरेटर से पूछा- मैंने कपड़े उतार
दिए हैं। इन्हें कहाँ रखूँ?
ऑपरेटर की भर्राई आवाज आई-
वहाँ कोने में। मेरे कपड़ों के ऊपर।

चुटकुला # 0200
काम तमाम!

जब कंजूस नंदू सेठ घर आए तो देखा उनकी पत्नी एक अजनबी की बाँहों में समाई है। तडपकर सेठ
बंदूक उठा
लाया और भडककर उन दोनों से बोला- 'तुम दोनों और भी कसकर एक-दूसरे से लिपट जाओ। मैं मात्र
दो गोली में
तुम लोगों का काम तमाम करना चाहता हूँ।

चुटकुला # 0201
मोनोपॉली टूटी!

चंगू-मंगू प्लेटफॉर्म पर बैठे मूँगफलियाँ खा रहे थे। तभी उन्होंने देखा ट्रेन रुकी। सामने के डिब्बे से एक
युवती उतरी और उसने
प्लेटफॉर्म पर खड़ी दूसरी लड़की को जोर से भींचते हुए गले लगा लिया।

चंगू ने कहा- बस, इसीलिए हमारा देश पाताल में जा रहा है।
मंगू ने पूछा- 'क्यों भला?
चंगू ने बताया- 'देखा नहीं? अब महिलाओं ने पुरुषों वाले ये खास काम भी करने शुरू कर दिए।

चुटकुला # 0202
उमर निगोडी!

ट्रेन में कुछ वृध्दाएँ चर्चा कर रही थीं। अचानक उम्र पर आकर बात ठहरी। एक-दूसरे से उम्र पूछी जाने लगी। साठ वर्षीय मोहतरमा बोलीं- मैं तो अभी चालीस की हूँ।
पैंसठ साल वाली ने कहा- मैं तो अभी चौंतीस की हूँ।
सत्तर साल वाली ने फरमाया- मैं तो सत्ताईस की हूँ।
अचानक ऊपर बर्थ पर लेटा इनकी चर्चा सुन रहा एक नौजवान धम्म से इनके बीच कूद पड़ा। सब चौंक कर बोलीं- अरे, तुम कहाँ से आए?
नौजवान ने शरारत से कहा- मैं? बस, अभी-अभी पैदा हुआ हूँ।

चुटकुला # 0203
कर्मकांडी!

एक सेक्रेटरी ने दफ्तर आने से पहले बॉस को फोन लगाया- 'हलो बॉस! परसों मैं गाजर के हलुए के स्वाद वाली लिपस्टिक लगाकर आई थी, कल मैं आलू के पराँठे के स्वाद वाली लिपस्टिक लगाकर आई थी। कृपया आदेश दें, आज मैं कौन से स्वाद वाली
लिपस्टिक लगाकर आऊँ?

बॉस ने अगरबत्तियों से खेलते हुए कहा- 'आज मेरा ग्यारस का उपवास है हनी! तुम्हारे पास कोई फलाहारी लिपस्टिक है क्या?

चुटकुला # 0204
डंडा चिकित्सा!

बच्चूसिंह शराब के घनघोर नशे में एक पैर फुटपाथ पर और एक पैर सड़क पर रखते चले जा रहे थे। पीछे से थानेदार ननकू ने आकर मोटा डंडा रसीद किया और पूछा- 'क्यों रे खटखोपड़ी! कितनी पी रखी है तूने?
बच्चूसिंह संभलते हुए बोला - याद दिलाने का शुक्रिया माई बाप कि पी रखी है मैंने। वर्ना अपुन तो समझा था कि
लंगडा हो गया रे!

चुटकुला # 0205
हमाम में सब.....

मुंबई ने एक सिनेमाघर में एक युवती ने मैनेजर की कनपटी पर पिस्तौल अडा दी और कहा- 'मेरा पति अंदर बैठा

दूसरी औरत के साथ पिक्चर देख रहा है। उन दोनों को तुम जल्दी से बाहर निकालो, वरना तुम्हें गोली मार दूँगी।

मैनेजर ने डर से काँपते हुए थिएटर में अनाउंसमेंट करवाया- 'जो भी पुरुष पराई स्त्री के साथ पिक्चर देख रहा हो,
जल्दी से बाहर आ जाए। अनाउंसमेंट का होना था कि दो मिनट में सारा थिएटर ही खाली हो गया।

चुटकुला # 0206
क्या नजारा!

एक थुलथुल पत्नी ने अपने ढुलमुल पति से चेतावनी के स्वर में कहा- 'इस बाथरूम में अब परदे लग ही जाने चाहिए। मैं ठीक से नहा भी नहीं सकती, कि कहीं मुझे पड़ोसी न देख लें।

पति ने टालमटोल करते हुए जवाब दिया- 'चिंता मत करो डॉर्लिंग! अगर उन्होंने तुम्हें नहाते हुए देख लिया, तो खुद ही अपनी खिडकियों पर परदे लगवा लेंगे।

चुटकुला # 0207
वस्त्रम् समर्पयामि!

मिस रंभा ने अपने फिजियोथेरेपिस्ट को फोन लगाया -'डॉक्टर सुबह जब मैं चेकअप कराने आई थी, शायद मेरा अंतर्वस्त्र वहीं रह गया।
डॉक्टर ने कहा नहीं यहाँ तो नहीं है।
मिस रंभा ने कहा- 'ओह, तो फिर हो सकता है, वह मेरे डेंटिस्ट के यहाँ रह गया हो।

चुटकुला # 0208
खुल्लमखुल्लु!

टू पीस बिकिनी पहले एक दिलफरेब कन्या नदी की तरफ बढ़ रही थी कि वहाँ घूम रहे एक पुलिसमैन ने टोका- 'ऐई छोकरी! यहाँ दो टुकडों वाले कपड़े पहनकर तैरना और नहाना मना है।
कन्या ने नशीली अदा से कहा- 'ओहो! तो आज्ञा कीजिए इनमें से कौन सा टुकडा उतार फेंकूँ्र ?

चुटकुला # 0209
काश हम होते !

टॉम : बधाई हेनरी ! क्या जबरदस्त स्पोर्ट्स कार है! ऐ सुनो, तनखा बढ़ गई क्या तुम्हारी?
हेनरी : न रे भइया। बात दरअसल यूँ है कि परसों अपने राम पैदल चले जा रहे थे। तभी एक सुंदर सलोनी ने अपनी कार रोकी और दे दी हमें लिफ्ट।
टॉम : सुंदर सलोनी ने लिफ्ट दे दी?
फिर...?
हेनरी : फिर क्या। ले गई हमें दूर, सुनसान में और एक जगह रुककर उसने अपना एक-एक कपड़ा उतार डाला।

टॉम : फिर भइयाँ? फिर??
हेनरी : फिर बोली ऐई! ले लो, तम्हें जो भी चाहिए। और टॉम भइया, मैंने तो कार ले ली।
टॉम : हद है यार। तुम एकदम मूर्ख निकले। कार ले ली?
हेनरी : मूर्ख क्यूँ भइया? कार नहीं थी मेरे पास, तो ले ली। अगर उसके कपड़े ले लेता, तो उन कपड़ों का मैं क्या करता भला?

चुटकुला # 0210

ना-ना करते

गट्टू- जब हमारे घुमंतू प्रोफेसर की बेटी सोलह साल की हो गई, तो पता है उन्होंने सबसे पहला काम क्या किया?
पट्टू- नहीं तो! क्या किया?
गट्टू- उन्होंने सबसे पहले उसे चौदह भाषाओं में 'नहीं कहना सिखाया।

चुटकुला # 0211

मालिक मनचला!

दो नौकरानियाँ बतिया रही थीं।
पहली- 'जबसे मालिक ने पियानो बजाना छोडा है, मेरी तो शामत ही आ गई है।
दूसरी- 'क्यों भला?
पहली- अरे, पहले उनकी उँगलियाँ कम से कम पियानो में तो व्यस्त रहती थीं।

चुटकुला # 0212

जागरण!

जज : मिस्टर, चंदू! क्या यह बात सच है कि तुम पच्चीस अगस्त की पूरी रात सेठ हजारीमल की सुंदर पत्नी के साथ सोए?
चंदू : सोया? कसम ले लें हुजूर, मैंने पलक तक नहीं झपकाई।

चुटकुला # 0213

जुम्मा-चुम्मा!

प्रेमिका : चुंबन क्या है?
प्रेमी : प्रेम की भाषा
प्रेमिका : तो कुछ बोलो ना!

चुटकुला # 0214

योग...

एक लेखक महोदय किसी सभा में भाषण दे रहे थे- 'अजीब संयोग है कि जिस दिन मुंशी प्रेमचंद का निधन हुआ उसी दिन मेरा जन्म हुआ! देखा जाए तो वह दिन हिन्दी साहित्य के लिए...

'बडे दुर्भाग्य का दिन था, एक श्रोता ने लेखक महोदय का अधूरा वाक्य पूरा किया।

चुटकुला # 0215
अंजाम-ए-मदहोशी...

शराबी (दूसरे शराबी से)- 'तेरे चेहरे पर ये सूजन क्यों है?
दूसरा शराबी- 'क्या बताऊँ यार, कल रात को जब मैं पीकर घर पहुँचा तो घर के सारे दरवाजे खुले हुए थे। मुझे अंदर चोरों के होने की आशंका हुई तो मैंने घर में घुसकर चोरों को ललकारकर कहा- हिम्मत हो तो सामने आकर मुकाबला करो। दूसरे ही क्षण एक जोरदार घूँसा मेरे मुँह पर लगा और मैं दरवाजे के बाहर जाकर गिरा।
पहला शराबी- 'फिर क्या हुआ?
दूसरा शराबी- 'गिरते ही नशा दूर हो गया और पता चला कि मैं एक मुक्केबाज के घर के सामने गिरा पड़ा हूँ।

चुटकुला # 0216
सॉरी...

एक ग्रामीण जो अनपढ़ था, शहर की बड़ी-बड़ी इमारतों को देखते हुए सामने से आ रही एक महिला से टकरा गया। महिला ने कहा- 'आय एम सॉरी।
ग्रामीण ने समझा कि महिला अपने साड़ी के बारे में उसे कुछ बतला रही है, इसलिए उसे अपने कपड़ों के बारे में भी कुछ कहना चाहिए। इस पर उसने कहा- 'आय एम धोती।

चुटकुला # 0217
निजात...

एक व्यक्ति के यहाँ डकैतों ने धावा बोल दिया। जब वे सारा सामान लूटकर ट्रक में लादने लगे तो उस व्यक्ति ने एक संदूक की ओर इशारा करते हुए कहा- 'भैया इसे भी अपने साथ ले जाओ।
एक डकैत ने मजाक करते हुए कहा- 'क्या इसमें तेरी बीवी बैठी है?
व्यक्ति ने कहा- 'नहीं, वो तो गोदरेज की आलमारी में गई, इसमें मेरी सास छुपकर बैठी है।

चुटकुला # 0218
असली सेवा...

एक समाजसेवक ने एक सेठजी से कहा- 'सेठजी, आप हमारे अनाथालय के लिए क्या सेवा कर सकते हैं?
सेठजी ने जवाब दिया- 'सेवा! ठीक है, मैं कल अपने चारों बच्चों को आपके पास भेज दूँगा।

चुटकुला # 0219
वाह! क्या नाम है...

तीन खतरनाक कुत्तों के साथ घूम रहे एक सज्जन से राह चलते व्यक्ति ने पूछा-
'साबजी, इन कुत्तों के नाम क्या हैं?
सज्जन- 'राजू, मोनू और गोलू।
राहगीर- 'और आपका नाम?
सज्जन- 'अपुन का नाम टॉमी है।

चुटकुला # 0220
चिंता...

बीमा एजेंट ने एक कंजूस व्यक्ति को दुर्घटना बीमा पॉलिसी के बारे में जानकारी दी तो वह विचारों में खो गया। एजेंट ने कहा- 'आप दुविधा में दिख रहे हैं, आप तो उस धन के बारे में सोचो जो आपके न रहते पत्नी को मिलेगा।
व्यक्ति बोला- 'मैं इसी बात को लेकर चिंतित हूँ कि इतना धन मिलेगा और पत्नी फिजूलखर्ची करेगी तो उसे रोकना कैसे संभव होगा।

चुटकुला # 0221
मर्दानगी...

सर्कस का रात्रि शो समाप्त हो चुका था। काफी देर बाद भी जब रिंग मास्टर अपने तंबू में नहीं पहुँचा तो उसकी पत्नी को चिंता हुई। वह उसे खोजने निकली तो देखा कि रिंग मास्टर शेर वाले कटघरे में खर्राटे ले रहा है। यह देखते ही पत्नी चिल्लाई- 'अच्छा! मुझसे डरकर यहाँघुसे पड़े हो। कायर कहीं के, बाहर तो आओ।

चुटकुला # 0222
उपाय...

एक व्यक्ति सातवीं मंजिल का फ्लैट ढूँढने निकला। प्रॉपर्टी डीलर ने उससे पूछा- 'आपके पास अच्छा-खासा ग्राउंड फ्लोर का फ्लैट है, फिर आप सातवीं मंजिल पर क्यों जाना चाहते हैं?
पति ने खुलासा किया- 'दरअसल, मेरी पत्नी को जब भी गुस्सा आता है तो वह फौरन खिड़की से कूदकर मायके चली जाती है।

चुटकुला # 0223
जाति परिचय...

यूनिवसटी में समाजशास्त्र विभाग के कुछ छात्र ग्रुप डिस्कशन कर रहे थे। एक ने कहा- 'आज के आधुनिक युग में आप कल्पना भी नहीं कर सकते कि हम वानर जाति के वंशज हैं।

दूसरे छात्र ने चुटकी लेते हुए कहा- 'जब साक्षात दर्शन हो रहे हैं तो इसमें कल्पना करने की क्या जरूरत है।

चुटकुला # 0224

मुहूर्त...

एक ज्योतिषी के घर में चोर घुसे तो ज्योतिषी की पत्नी ने कहा कि शोर मचाओ। इतने में ज्योतिषी बोला- 'अभी मुहूर्त नहीं है, शोर कैसे मचाएँ।
छः महीने बाद जब वह शुभ मुहूर्त आया तो ज्योतिषी ने शोर मचाया- 'चोर...
चोर...। मोहल्ले के लोग दौडे आए और उन्होंने पूछा कि चोर कहाँ है तो ज्योतिषी का जवाब था- 'चोर तो छः महीने पहले ही भाग गए थे। लोगों ने पूछा- 'तो अब क्यों शोर मचा रहे हो? ज्योतिषी का जवाब था- 'मुहूर्त आज का ही था।

चुटकुला # 0225

दर्शन...

एक व्यक्ति अपने दार्शनिक मित्र के साथ प्रकृति का आनंद लेने जंगल में गया। रात को टेंट लगाकर दोनों सो गए। आधी रात को उस व्यक्ति ने दार्शनिक को जगाया और बोला- मित्र, तुम्हें कुछ दिखाई दे रहा है?
दार्शनिक ने कहा- 'मुझे आकाश में सुंदर चाँद और लाखों तारे दिखाई दे रहे हैं, ठंडी बयार चल रही है...।
मित्र- 'और क्या देख रहे हो?
दार्शनिक- 'और देख रहा हूँ कि ईश्वर कितना दयालु है। उसने हमारे लिए कितनी सुंदर प्रकृति बनाई है...।
मित्र- 'अरे यार, तुम्हें यह दिखाई नहीं देता कि हमारा टेंट चोरी हो गया है।

चुटकुला # 0226

दूरदर्शी...

एक पत्रकार ने फिल्म निर्माता से पूछा- 'आपकी फिल्म कॉमेडी है या ट्रेजडी।
निर्माता ने जवाब दिया- 'अगर बॉक्स ऑफिस फुल गया तो कॉमेडी वरना ट्रेजडी।

चुटकुला # 0227

साहित्य सेवा...

एक दोस्त दूसरे से- 'यार, आजकल मैं साहित्य सेवा कर रहा हूँ।
दूसरा दोस्त- 'तो क्या आप साहित्य लिख रहे हैं?
पहला दोस्त- 'नहीं यार, आजकल मैं पुस्तकों पर जिल्द चढा रहा हूँ।

चुटकुला # 0228

हाय रे ईमानदारी...

दो सहेलियाँ बस में सफर कर रही थीं। पहली ने कहा- 'टिकट नहीं लेते हैं।
दूसरी बोली- 'नहीं, इंसान को ईमानदार रहना चाहिए, ईश्वर उसका भला करता है। (भीड में कंडक्टर को उसने दो टिकट के 5 रुपए दिए, लेकिन कंडक्टर ने गलती से 1 रु. की जगह 6 रुपए वापस कर दिया।)
दूसरी- 'देखा, मैंने कहा था न कि ईमानदार का ईश्वर भी भला करता है।

चुटकुला # 0229
अति व्यस्त...

एक आदमी हाथ में साइकल पकडे भाग रहा था।
दूसरे आदमी ने उससे कहा- 'अरे भाई साइकल पर क्यों नहीं बैठ जाते।
उस आदमी ने जवाब दिया- 'अभी फुर्सत नहीं है, मुझे जल्दी जाना है।

चुटकुला # 0230
तीर्थयात्रा...

एक बार एक आदमी रेलगाड़ी से यात्रा कर रहा था, तभी टिकट चेकर आया और उसने टिकट माँगा।
आदमी ने जवाब दिया- 'टिकट नहीं है।
टिकट चेकर ने पूछा- 'कहाँ जाना है?
यात्री- 'जहाँ श्रीराम का जन्म हुआ था।
टिकट चेकर- 'अब चलो मेरे साथ।
यात्री- 'कहाँ?
टिकट चेकर- 'वहीं, जहाँ श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था।

चुटकुला # 0231
बात पते की...

भिखारी- 'साहब दो रुपए दे दीजिए, चाय पी लूँगा।
चाय पीने के बाद भिखारी बोला- 'साहब भूख लगी है, एक समोसा भी खिला
दीजिए।
राहगीर- 'तुम्हें एक बार में ही माँग लेना चाहिए।
भिखारी- 'ठीक है साहब, तो 100 रुपए का एक नोट दे दीजिए।

चुटकुला # 0232
ऍंधेरे में तीर...

अध्यापक (रोहन से)- 'आई डोन्ट नो का हिन्दी में अनुवाद करो।
रोहन- 'सर, मुझे नहीं पता।
अध्यापक- 'बहुत अच्छा, बैठ जाओ।

चुटकुला # 0233
मोबाइल...

ऑपरेशन खत्म ही हुआ था कि सर्जन के मोबाइल की घंटी बजी। उसने इधर-उधर जेब में हाथ डाला, मोबाइल नहीं मिला। अचानक सर्जन को कुछ याद आया और वह बोला- 'सिस्टर, फिर से ऑपरेशन की तैयारी करो, मोबाइल तो अंदर ही छूट गया है।

चुटकुला # 0234
आश्चर्य...

सुरेश (महेश से)- 'यार तुझे आश्चर्य नहीं होता कि मुर्गी के अंडों से ये चूज़े निकलते कैसे हैं?
महेश- 'आश्चर्य तो होता है, लेकिन मैं सोचता हूँ कि चूजे अंडों में घुसते कैसे हैं?

चुटकुला # 0235
जवाब नहीं...

भूगोल के शिक्षक ने कक्षा में एक छात्र से प्रश्न पूछा- 'सूरज रात में कहाँ चला जाता है?
छात्र ने जवाब दिया- 'सर, सूरज रात में कहीं जाता तो नहीं है, बस ऍंधेरे के कारण हम उसे देख नहीं पाते।

चुटकुला # 0236
कुम्भकर्ण...

क्लास रूम में मास्टरजी अपनी आदत के अनुसार बच्चों को रामभरोसे छोड़कर टेबल पर सो गए। मास्टरजी गहरी नींद में थे कि चपरासी ने जगाकर बताया- 'मास्टरजी, स्कूल के निरीक्षण के लिए उच्चाधिकारियों की टीम आई है और वह अब आपकी कक्षा की ओर ही आ रही है। मास्टरजी तनिक घबराए, लेकिन फिर कुछ सोचकर निश्चिंतता से बोले- 'ठीक है, आने दो और फिर सो गए। जैसे ही निरीक्षण टीम दरवाजे पर आई, मास्टरजी उबासी लेते हुए उठे और कहा- 'हाँ, तो बच्चों कुम्भकर्ण कैसे सोता था।
निरीक्षण टीम यह देखकर खुश हो गई कि यहाँ तो बच्चों को हर चीज प्रैक्टिकल करके बताई जाती है।

चुटकुला # 0237
सीट...

एक बार एक व्यक्ति चोट लगने पर गले पर हाथ रखे हुए घर पहुँचा तो उसकी पत्नी ने पूछा- 'कैसे लगी।
व्यक्ति ने कहा- 'जिस नगरसेवा में बैठा था, वहाँ एक कील बाहर थी, उससे लगी।
पत्नी- 'तो किसी से सीट बदल लेते।
व्यक्ति ने कहा- 'किससे बदलता, पूरी नगरसेवा तो खाली थी।

चुटकुला # 0238

अजनबी...

रेलवे स्टेशन पर खड़े शर्माजी ने एकाएक अपनी पेंट की जेब में किसी का हाथ महसूस किया। वे हाथ डालने वाले से बोले- 'यह क्या कर रहे हो।
वह बोला- 'जरा माचिस ले रहा था।
शर्माजी नाराज होकर बोले- 'मुझसे माँग नहीं सकते थे?
उसने जवाब दिया- 'मैं अजनबियों से बात नहीं करता।

चुटकुला # 0239

खयाल...

जज (गवाह से)- 'तुम्हारा क्या खयाल है, यह आदमी कैसे मरा?
गवाह- 'हुजूर, यह बचपन से ही बहुत भुलक्कड किस्म का आदमी था। मेरा खयाल है कि यह साँस लेना भूल गया होगा।

चुटकुला # 0240

विकास...

राम (श्याम से)- 'यार, तुमने जो पौधा मेरे घर के गमले में लगाया था वह अभी तक बढा ही नहीं।
श्याम- 'तुम्हें कैसे पता चला?
राम- 'क्योंकि मैं उसे रोज उखाडकर देखता हूँ।

चुटकुला # 0241

मुहूर्त...

एक ज्योतिषी के घर में चोर घुसे तो ज्योतिषी की पत्नी ने कहा कि शोर मचाओ। इतने में ज्योतिषी बोला- 'अभी मुहूर्त नहीं है, शोर कैसे मचाएँ।
छः महीने बाद जब वह शुभ मुहूर्त आया तो ज्योतिषी ने शोर मचाया- 'चोर... चोर...। मोहल्ले के लोग दौडे आए और उन्होंने पूछा कि चोर कहाँ है तो ज्योतिषी का जवाब था- 'चोर तो छः महीने पहले ही भाग गए थे। लोगों ने पूछा- 'तो अब क्यों शोर मचा रहे हो? ज्योतिषी का जवाब था- 'मुहूर्त आज का ही था।

चुटकुला # 0242

कटौती...

भिखारी- 'क्या बात है साहब, पहले आप सौ रुपए देते थे, बाद में पचास, फिर पच्चीस और अब दस रुपए देते हैं।
दानी- 'पहले मैं कुँवारा था तब सौ, फिर मेरा विवाह हो गया तो पचास, एक बच्चा

हो गया तो पच्चीस और अब दो बच्चे हो गए इसलिए दस रुपए देने लगा।
भिखारी- 'वाह साहब, आपके पूरे परिवार का खर्चा तो मेरे रुपयों से ही चल रहा है।

चुटकुला # 0243
तुलसीदासजी ...

नीरज ने अपने मित्र से कहा- 'अगर तुलसीदासजी आज जीवित होते तो एक अद्भुत व्यक्ति होते।

'हां, चार-पांच सौ वर्ष का व्यक्ति अद्भुत तो होता ही है। मित्र ने उत्तर दिया।

चुटकुला # 0244
निरक्षर ...

एक चौराहे पर टंगे बोर्ड पर लिखा था- अगर आप निरक्षर हैं तो साक्षर बनने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी के पास लिखे।

चुटकुला # 0245
मिट्टी...

एक सरकारी विद्यालय में निरीक्षण के लिए आए इंस्पेक्टर ने एक अध्यापक से पूछा- 'यह मिट्टी का ढेर कहां से आया? बहुत बुरा लग रहा है।

माली ने बीच में कहा, 'हुजूर, कुछ पौधे लगाने के लिए एक गड्ढा खोदा गया था। यह उसी की मिट्टी है।

'ऐसा करो। एक गड्ढा खोदो और यह मिट्टी उसी गड्ढे में डाल दो। इंस्पेक्टर ने कहा।

चुटकुला # 0246
पत्नी और प्रेमिका...

दो दोस्त रास्ते में खड़े-खड़े बातें कर रहे थे, तभी सामने से दो सुंदर युवतियां आती हुई दिखाई दीं।

एक ने कहा- 'गजब हो गया। मेरी पत्नी और प्रेमिका दोनों साथ-साथ आ रही हैं।

दूसरा बोल उठा- 'कितनी अजीब बात है, मैं भी यही कहने वाला था।

चुटकुला # 0247
सजा

नैना - मम्मी, हमारी बिल्ली ने मेरी एक पुस्तक चबा ली।

मम्मी - जरा डंडा लाना, उस शैतान को अभी मैं मजा चखाती हैूंहूं।

नैना - नहीं मम्मी, सजा तो मैं उसे दे चुकी।

मम्मी - वह कैसे?

नैना - उस के प्याले में रखा दूध मैं ने पी लिया।

चुटकुला # 0248
चिडियाघर

एक बच्चे को उसके मां-बाप चिडियाघर लेकर गए।

वहां बच्चे ने पहले हाथी को नहाते हुए देखा। अगले पिंजरे में शेर दहाडता हुआ दिखाई दिया। उसके बाद आगे बंदर दर्शकों का मनोरंजन कर रहे थे।

इससे आगे चले तो बच्चे ने जिंदगी में पहली बार ऊंट देखा।
ऊंट को देखते ही बच्चा बोला - 'क्या हाल कर दिया कमीनों ने घोडे का।

चुटकुला # 0249
जवानी

एक अधेड अभिनेत्री ने ठंडी सांस लेते हुए अपनी सहेली से कहा-
जब मुझे अपनी जवानी के दिन याद आते हैं तो मुझे अपने आप से नफरत होने लगती है।

सहेली- क्यों ऐसा क्या हुआ था उन दिनों?

अभिनेत्री ने उदास होकर जवाब दिया- इसी बात का ही तो रोना है कि कुछ हुआ ही नहीं।

चुटकुला # 0250
खिड़की के सामने

एक डॉक्टरके बेडरुम की खिड़की के सामने एक आदमी रोज आकर बैठ जाता था। उसकी इस हरकत से तंग आकर डॉक्टर की नई-नवेली दुल्हन ने अपने पति से उस आदमी की शिकायत की। डॉक्टर को अपनी पत्नी की बात सुनकर बहुत गुस्सा आया। अगले दिन उसने आदमी को बुलाकर फटकार लगाते हुए कहा- तुमको शर्म नहीं आती, इस तरह यहां आकर रोज बैठ जाते हो। अगर कल आए तो थाने में रिपोर्ट कर दूंगा। इसपर आदमी ने बडे ही भोलेपन से जवाब दिया- क्यों नाराज होते हो डॉक्टर साब, आप ही ने तो इस खिड़की पर जो बोर्ड लगा रखा है, उस पर लिखा है 'मिलने का समय सुबह 9.00 से 12.00 बजे तक और शाम 4.00 से 6.00 बजे तक।

चुटकुला # 0251
बहरे आदमी

एक बार एक बहरा आदमी बस स्टेंड पर खड़े होकर दूसरे बहरे आदमी से पूछता है- भाईसाहब, क्या यह बस दिल्ली जाएगी?

इस पर दूसरे बहरे आदमी ने जवाब दिया-नहीं, यह बस दिल्ली जाएगी।

पहला बहरा आदमी- अच्छा, मैं सोच रहा था कि यह बस दिल्ली जाएगी।

चुटकुला # 0252
हाथी और चूहा

एक बार चूहा हाथी के मोहल्ले में प्यार कर रहा था। तो उसे देखकर हाथी ने चूहे को धमकाया- ऐ चूहे की औलाद, मेरे मोहल्ले में ये प्यार करना छोड़ दे वर्ना मैं तुझे बहुत मारुंगा। हाथी की बात सुनकर चूहे ने जवाब दिया- अपने मोहल्ले मैं तो कुत्ता भी शेर होता है। मेरे मोहल्ले में आना तो बताऊंगा। हाथी बोला- ठीक है ऐसा ही करके देख लेते हैं। जब हाथी चूहे के मोहल्ले में गया तो तमाम चूहे तीर कमान लिए हुए बैठे थे। कुछ पेड़ पर भी चढे हुए थे। हाथी को देखकर उनका नेता बोला- मारो! मारो! चूहे की ललकार सुनकर हाथी ने कई चूहों को अपने पैर के नीचे कुचल कर मार डाला।
हाथी ने पेड़ पर चढे चूहों को गिराने के लिए पेड़ पर टक्कर मारी तो एक चूहा छिटक एक उसकी पींठ पर गिर गया। उसे पींठ पर गिरे देखकर दूसरे चूहे ने उसमें जोश भरते हुए कहा- कुचल दे साले को। बच के ना जाने पाएएएएएए!

चुटकुला # 0253
मोटी पत्नी

तीन मित्र अपनी-अपनी पत्नियों के बारे में बातें कर रहे थे।

पहला मित्र : मेरी पत्नी तो इतनी मोटी है कि यदि वह तांगे में बैठे तो तांगे के पहिये टूट जाते हैं।

दूसरा मित्र : मेरी पत्नी इतनी मोटी है कि वह रिक्शे में बैठे तो रिक्शा वाला चलाने से इन्कार कर देता है।

इस पर दोंनों की बातें सुन रहा तीसरा मित्र बोला: अरे मित्रों! क्या छोटी-मोटी बातें कर रहे हो। मेरी पत्नी तो इतनी मोटी है कि मैं उसका पेटीकोट लेकर धोबी के पास जाता ुहूं तो वह यह कहकर धोने से इन्कार कर देता है कि यहां पर तम्बू नहीं धोए जाते।

चुटकुला # 0254
कवि

एक दो कवि बीच बाजार में लड पड़े।

वहां पर ड्यूटी कर रहे हवलदार उन्हें देखा तो अपना बेंत जमीन में मारते हुए कडक आवाज में बोला-ये क्या हो रहा है? क्यों झगड रहे हो तुम दोनों?

इस पर पहला कवि बोला- हवलदारजी, इसने मुझे सरेआम झिंझोडा।

दूसरा कवि- नहीं, इसने मुझे नीबू की तरह निचोडा।

पहला कवि- इसने मेरा मुंह तोडा।

दूसरा कवि- इसने मेरा सिर फोडा।

उनकी बातें सुनकर झुंझलाकर हवलदार बोला- हे भगवान! जाओ मैंने तुम दोनों को छोडा।

चुटकुला # 0255
भाई-बहिन

एक संगीतकार का बच्चा (एक अभिनेत्री के बच्चे से) : मेरे एक भाई और दो बहनें हैं। तुम्हारे कितने भाई-बहिन हैं।

अभिनेत्री का बच्चा: मेरे भाई-बहिन तो नहीं हैं। हां, लेकिन मेरी माँ से सगे पापा और सगे पापा से चार मम्मियां जरुर हैं।

चुटकुला # 0256
उल्लू

बेटा अपनी मां से- मम्मी रात को कैसी आवाजें आ रही थीं?

मां- बेटा, रात को आवाजें मत सुना करो, रात को उल्लू बोलता है।

बेटा- मम्मी रात में आप कहां चली जाती हैं मुझे बहुत डर लगता है।

मां- उल्लू को मारने, बेटा।

मैं शेर हूं

एक आदमी दूसरे आदमी से अकडते हुए बोला मैं शेर हूं।

इस पर दूसरा आदमी पलटकर बोला हां, वो तो ठीक है लेकिन यह तो
बताओ कि शेर तेरे घर आया था या तेरी मां जंगल गई थी।

चुटकुला # 0257
अश्लील साईट

रवि : क्या तुमने इन्टरनेट में कोई अश्लील साईट देखी है?

राजू : नहीं, लेकिन तुम यह क्यों पूछ रहे हो !

रवि : तब तो ठीक है, मैं डर रहा था कि कहीं तुमने मेरी साईट तो नहीं देख
ली।

चुटकुला # 0258
तीन महिलाएं

एक बार तीन अंधी, लंगडी और गंजी महिलाएं बात कर रही थीं।

अंधी महिला बोली- देखो बहन, कितना अच्छा फूल खिला है।

उसकी बात सुनकर लंगडी महिला बोली- वाह! क्या तोड के लाऊं ।

इस पर गंजी महिला बोली- हां, मुझे बालों में लगाना है।

चुटकुला # 0259
कैसा भूत !

दो मित्र कहीं जा रहे थे। एक मकान के निकट से गुजरे, तो एक मित्र ने दूसरे से कहा - सुना है इस
मकान में भूत रहते हैं।

दूसरा बोला - सुना तो मैंने भी है। आओ, चलकर देखें।

उन्होंने दरवाजा खटखटाया तो थोडी देर बादएक व्यक्ति बाहर निकला और उसने पूछा - जी फरमाइए।

उन्होंने कहा - हमने सुना है कि इस घर में भूत रहते हैं।

वह व्यक्ति बोला - मुझे क्या मालूम? मुझे तो मरे हुए ही दस साल हो चुके हैं।

चुटकुला # 0260
डिप्लोमा का राज !

एक गांव में एक लड़का ऐसा था जिसे लोग 'डिप्लोमा के नाम से पुकारते थे। एक बार वहां पर शहर से एक सज्जन आया और लड़के का अजीबो-गरीब नाम सुनकर सरपंच से पूछने लगा, 'सरपंचजी, इसका नाम डिप्लोमा क्यों रखा गया है?

सरपंच ने अपना माथा पटककर उत्तर देते हुए कहा, ' मेरी छोरी कुछ महीने पहले गांव से शहर गई थी। कहती थी कि शहर से डिप्लोमा लेकर आएगी। कुछ महीनों बाद इसे ले आई!

चुटकुला # 0261
संगीत प्रेमी !

ट्रेन में दो लडकियां आपस में बातचीत कर रही थीं।

पहली लड़की - 'क्या तुम्हें संगीत का शौक है?

दूसरी - 'बेहद! आई लव म्यूजिक।

पहली - 'अच्छा, तुम कौन-सा वाद्य बजाती हो?

दूसरी- 'ट्रांजिस्टर।

चुटकुला # 0262
भिखारी

एक भिखारी दूसरे भिखारी से - यार! संसद में भीख मांगने मत जाना।

दूसरा भिखारी - लेकिन क्यों?

पहला भिखारी - क्योंकि वहां हमसे भी बडे भिखारी मौजूद हैं।

- देवेन्द्र कुमार

चुटकुला # 0263
अथक मेहनत!

एक व्यक्ति ने सड़क पर दो मजदूरों को काम करते देखा।एक मजदूर दो-तीन फुट गहरा गड्ढा खोदता है और आगे बढ़ जाता है। दूसरा पीछे से आकर उसी गड्ढे को भर देता है। व्यक्ति आश्चर्य में पड़ गया। उसने उनसे पूछा कि आप लोग क्या कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग सरकारी कर्मचारी हैं और अपना काम कर रहे हैं।

लेकिन आप तो एक गड्ढा खोदते हैं और दूसरा उसे भर देता है। यह कौन सा काम हुआ?

मजदूर ने बताया 'आप नही समझेंगे।दरअसल हमारी तीन लोगों की गैंग है। मैं गड्ढा खोदता हूं, दूसरा उसमें पौधा रख देता है और तीसरा उसे भर देता है। आज पौधे रखने वाला छुट्टी पर है।

चुटकुला # 0264
आंग्ल ज्ञान !

शिल्पी (सुनीता से) - मेरे भाई ने अंग्रेजी के केवल दो ही अक्षर सीखे हैं और वह आज करोडपति है।

सुनीता - क्या थे वे अक्षर?

शिल्पी - हैंड्स अप।

चुटकुला # 0265
कैसा न्याय?

सत्यपाल और मलिक के बीच मुकदमा चल रहा था। मलिक मुकदमा निबटाने से पूर्व अपने वकील से यह कहकर चला गया कि वह एक आवश्यक कार्य से बाहर जा रहा है, मुकदमे के निर्णय के बारे में उसे तार द्वारा सूचित कर दिया जाए।

दो दिन बाद उसे तार मिला - सत्य की विजय हुई।

उसने एकदम तार दिया - हाईकोर्ट में एकदम अपील दायर कर दो।

चुटकुला # 0266
पाक कला !

महिलाओं के एक क्लब में एक महिला ने अपने भाषण के दौरान कहा, अपने हाथ से रसोई बनाने में काफी बचत होती है।

आप ठीक कह रही हैं। जब से मैंने अपने हाथ से खाना बनाना शुरू किया है, तब से राजू के पापा की खुराक आधी हो गई है। श्रोताओं में बैठी एक महिला ने कहा।

चुटकुला # 0267
पाक कला !

महिलाओं के एक क्लब में एक महिला ने अपने भाषण के दौरान कहा, अपने हाथ से रसोई बनाने में काफी बचत होती है।

आप ठीक कह रही हैं। जब से मैंने अपने हाथ से खाना बनाना शुरू किया है, तब से राजू के पापा की खुराक आधी हो गई है। श्रोताओं में बैठी एक महिला ने कहा।

चुटकुला # 0268
बीवी प्रेशर !

डॉक्टर ने सलाह दी महाशय जी, यदि आप चाहते हैं आपका ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाए, तो तनाव को अपने से दूर रखिए।

महाशयजी बोले, मान ली आपकी बात ! आज ही मैंने अपनी बीवी से मायके जाने को कहता हूं।

चुटकुला # 0269
अजीबो- गरीब वधु !

एक पत्रिका के वधू चाहिए स्तम्ब में प्रकाशित विज्ञापन के जवाब में कोई पत्र नहीं आया। दरअसल विज्ञापन में लिखा था।

'पच्चीस वर्षीय युवक के लिए एक ऐसी वधू चाहिए, जो विवाह के बाद भी सुसंस्कृत, सुशील, मिलनसार और मृदुभाषी बनी रहे।

चुटकुला # 0270
विरासत !

दो बो आपस में बातें करते हैं । एक डींग मारकर बोलता है, "जब मेरे दादाजी मरे थे तब उन्होंने एक करोड रुपए हमारे लिए छोड़कर कूच कर गए थे।

इस पर दूसरे ने उत्तर दिया, "बस इतना ही ! मेरे दादाजी जब मरे थे तब उन्होंने पूरी दुनिया ही हमारे लिए छोड़ दी थी।

चुटकुला # 0271
दुनिया सिर पर !

दो दोस्त आपस में बातें कर रहे थे । एक ने दूसरे से लंबी सांस लेते हुए कहा, 'क्या बताएं, आजकल दुनिया सिर पर चढी है । देखते-देखते गंजा हो गया !

दूसरे मित्र ने जवाब दिया, 'बस इतनी सी बात । सिर पर तेल लगाना शुरू कर दो । दुनिया आप-की-आप सिर से फिसल जाएगी ।

चुटकुला # 0272
चमत्कारी गोली !

एक युवक को लन्दन में ऐसी चमत्कारी गोलियां मिलीं, जिसके सेवन से मनुष्य की उम्र कम हो जाती थी। उसने उन गोलियों का सेवन किया और एक शीशी भरकर अपनी मां के पास हिन्दुस्तान में भेज दीं। साथ में उसने चिट्ठी लिखी, 'मां मैं तुझे ये गोलियां भेज रहा हूं। एक गोली खाने पर तू फिर से युवती दिखने लगेगी।

कुछ महीनों बाद युवक लौटकर हिन्दुस्तान आया। वह घर पहुंचा। घर पर उसने अपने युवती में बदली हुई मां को देखा और पहचान लिया कि यह मेरी मां है। पर मां की गोद में लेटे बालक को वह पहचान नहीं पाया। पूछा, 'मां तेरी गोद में कौन सो रहा है ?

माँ ने बताया, 'बेटे, ये तेरे पिताजी हैं ..... इन्होंने गलती से दस गोलियां खा ली थीं।

चुटकुला # 0273
पागल और सज्जन !

एक पागल आदमी कुए के अन्दर झांककर चिल्लाता रहता है, "पच्चीस ..... पच्चीस ....पच्चीस ....

एक सज्जन उसे बहुत समय तक देखता रहता है । उसे पागल व्यक्ति के "पच्चीस..... पच्चीस कुछ समझ में नहीं आ रहे थे । वो उस व्यक्ति के पास जाता है । उसने पूछा, "भाई ये कुए में झांककर पच्चीस-पच्चीस क्या चिल्ला रहे हो ? पागल उसे बोलता है, "आप यहाँ आकर कुए में देखो तो आपको पता लग जाएगा।

सज्जन पास आता है और कुए में झांकते हुए झुक जाता है । पागल झट से उसको पीछे से लात मारकर कुए में ढकेल देता है। बाद में चिल्लाने लगता है, "छब्बीस ...... छब्बीस .... छब्बीस .....

चुटकुला # 0274
पसंद अपनी-अपनी !

राकेश पुस्तक मेले में गया । मेले में चुटकुले की किताब की तलाश में उसने सभी स्टाल छान मारे परन्तु उसे अपनी पसन्द की पुस्तक नहीं मिली ।

तभी मेले का आयोजक उसके पास आया और बोला,"जनाब, यहाँ पर इतनी अच्छी चुटकुले की पुस्तकें हैं कि सुनकर मुर्दा भी हँस पड़े ।

राकेश ने उत्तर दिया," साहब यही तो समस्या है । यदि मैं इसे खरीदकर अपनी सास को दूँ तो वह मेरा घर छोड़ने का नाम ही नहीं लेगी । कुछ ऐसी सास-दामाद पर चुटकुले की किताब बताओ जिससे पढ़कर वो तुरंत अपने घर लौट जाए !

चुटकुला # 0275
वैज्ञानिक और मकडी !

एक भारतीय वैज्ञानिक ने मकडी की एक टाँग तोडकर कहा, "चल ।

मकडी चल पड़ी।

उसने मकडी की दूसरी टाँग तोडकर कहा, ”अब चल।

मकडी फिर से चल पड़ी।

अन्त में वैज्ञानिक ने मकडी की सभी टाँगें तोडकर कहा, ”चल।

मकडी अपनी जगह से टस-से-मस नहीं हुई।

वैज्ञानिक ने निष्कर्ष निकाला कि मकडी की सभी टाँगें तोड देने पर वह बहरी हो जाती है !

चुटकुला # 0276
जान के लाले !

एक चैनल के प्रतिनिधि ने अपने रोड साइड इंटरव्यू में डॉक्टर के बच्चे से पूछा कि तुम बडे होकर क्या बनोगे? जवाब मिला कि डॉक्टर। जज के लड़के से पूछा गया कि वह बड़ा होकर क्या बनना चाहेगा? उसने कहा कि पिताजी से भी बड़ा जज।

यही प्रश्न सिपाही के बच्चे से पूछा गया तो पता चला कि वह सैनिक बनकर देश सेवा करना चाहता है। अंत में प्रतिनिधि ने यही प्रश्न एक आतंकवादी के बच्चे से किया तो जवाब मिला कि अंकल आप थोडे दिन बाद आइएगा न। यदि अमेरिकी सेना ने जिंदा रखा तो फिर सोचकर बताउंगा।

चुटकुला # 0277
गाँधीजी और घोडा !

मुंबई में दूर गाँव से आया एक नौजवान नौकरी की तलाश में दिन भर भटकता रहता है । रात में सोने की जगह नहीं होने के कारण वो गाँधीजी की एक प्रतिमा के नीचे लेट जाता है।

रात के दो बजे उसे कोई जगा देता है । ऑंखे खोलकर नौजवान देखता है कि उसके सामने गाँधीजी स्वयं खड़े हैं । वो पूछता है,'क्या बात है बापूजी ? बापूजी बोले, 'बेटा, तुमने तो देखा होगा कि जहाँ कहीं भी मेरी प्रतिमा बनी है वहाँ मुझे खड़ा हुआ या चलता हुआ बताया जाता है । इतने सालों से खड़े-खड़े मैं थक गया हूँ। तुम्हारी मेहरबानी होगी यदि तुम मेरे लिए एक घोडे का इन्तजाम कर दो। नौजवान ने बापूजी को आश्वासन दिया कि वो दूसरे ही दिन घोडे का इन्तजाम कर देगा।

दूसरी रात नौजवान अपने साथ एक नेता को बहला-फुसलाकर लाता है कि वो
बापूजी के लिए कोई अच्छे घोडे का इन्तजाम कर दे । ठीक रात को दो बजे
गाँधीजी अपनी प्रतिमा स्थल से नीचे नौजवान के पास आते हैं और नौजवान
से घोडे के बारे में पूछते हैं । नौजवान शान से बोलता है, "बापूजी, अब
आपकी समस्या का हल शीघ्र ही हो जाएगा । देखो, मैं यहाँ पर यहाँ के सबसे
बडे नेता को लेकर आया हूँ। गाँधीजी नौजवान को कसकर फटकारते हुए
बोले, 'अरे मूर्ख, मैने तुझे घोडा लाने के लिए कहा था, गधे को क्यों ले
आया है?

चुटकुला # 0278

हिन्दुस्तानी बनाम पाकिस्तानी !

ब्रिटेन में एक हिन्दुस्तानी और एक पाकिस्तानी अगल-बगल में रहते थे । हिन्दुस्तानी के घर एक
अण्डे देने वाली मुर्गी थी जो कि हर रोज एक अण्डा देती थी ।

एक दिन सुबह-सुबह हिन्दुस्तानी ने देखा कि मुर्गी ने इस बार अण्डा पाकिस्तानी के आँगन में दिया है
। जैसे ही वह अण्डा उठाने जाता है, देखता है कि पाकिस्तानी ने अण्डा उठा लिया है ।

इस पर दोनों में परंपरागत लडाई शुरू हो जाती है । आखिरकार, हिन्दुस्तानी एक सुझाव देता है : हम
दोनों बारी-बारी से एक दूसरे को लात-घूँसा मारकर बेहोश कर देंगे । जो लात-घूँसा खाने के बाद सबसे
पहले उठ खड़ा होगा, अण्डा उसी का होगा । पाकिस्तानी इस बात से सहमत हो गया और यह सोचकर
कि हिन्दुस्तानियाेहूं
में दम तो होता नहीं है उससे कहा, 'पहले तुम मारो।

हिन्दुस्तानी अपना पूरा जोर पाकिस्तानी पर आजमा देता है । लात-घूँसे की बौछार से उसे अधमरा कर
देता है । पाकिस्तानी बेहोश हो जाता है । दो घण्टे के बाद होश में आकर पाकिस्तानी हिन्दुस्तानी से
कहता है ,"अब लात-घूँसे मारने की मेरी बारी है । सयाना हिन्दुस्तानी उससे बोलता है, "अब मुझे अण्डा
नहीं चाहिए, तुम रख
लो !

चुटकुला # 0279

दिवंगत आगंतुक !

शिकार की टोह में जा रहे शिकारी की नजर घने जंगल में अचानक अपने
दोस्त परमानंद पर पड़ी।

शिकारी ने पूछा - अरे भाई! कैसे हो तुम?

परमानंद ने बताया - बहुत बुरा हाल है दोस्त । मेरी बीवी मुझे छोड़ गई ।
बेटा आवारा हो गया, जेल में है। बेटी घर से भाग गई और मैं जुए में सब

कुछ गँवा बैठा ।

शिकारी बोला - बाप रे! मैं होता, तो ऐसे हालात में अपनी गर्दन ही काटकर मर जाता।

परमानंद ने कट का कॉलर नीचे करके कहा - मैंने भी गर्दन ही काटी है भाया, देखो।
और वह गायब हो गया ।

चुटकुला # 0280
मजबूरी में चूर!

थानेदार ने कडककर मन्नू से पूछा- 'क्यो रे, सड़क पर क्यों पड़ा था?

मन्नू ने कहा- 'जी, मैं पूरी बोतल पी गया था। क्योंकि यह जरूरी हो गया था।

थानेदार ने पूछा -अरे! जरूरी क्यों हो गया था?

मन्नू ने बताया-'बोतल का ढक्कन खो गया था। इसलिए।

चुटकुला # 0281
धाक कला!

वकील - नौ जुलाई की रात आठ बजे तुम क्या कर रहे थे?

गवाह - अपनी बीवी के हाथ का गर्मागर्म खाना खा रहा था।

वकील - और नौ बजे क्या कर रहे थे?

गवाह - पेटदर्द से कराह रहा था।

वकील - कौन यकीन करेगा तुम्हारी इस बात पर।

गवाह - आप यकीन करेंगे, जिस दिन मेरी बीवी के हाथ का खाना खा लेंगे।

चुटकुला # 0282
ऑटोमेटिक महाप्रयाण !

एक अति आधुनिक प्लेन पर पांच सौ यात्री सवार थे। प्लेन उडकर हवा में
पहुंचा तो उसके लाउडस्पीकर पर घोषणा होने लगी।
लेडीज एंड जेन्टलमेन ! यह एक बेहद मॉडर्न प्लेन है। इसकी हर प्रणाली
ऑटोमेटिक है। इसीलिए इसमें कोई पायलट, होस्टेस या अन्य कर्मचारी
नहीं है। फिर भी आपको दो हजार मील की रफ्तार से उडता हुआ सुरक्षित

अमेरिका पहुंचा देगा।
चूंकि इसकी हर प्रणाली की कई बार जांच-पड़ताल हो चुकी है।
इसलिए गडबड़ी की इसमें कोई संभावना नहीं...संभावना नहीं...संभावना....संभावना.... किर्र....
खट्खट्... भडाम्...धाड-धडाम... बूम !

चुटकुला # 0283
नारे बिहार ना रे!

वाजपेयी मुशर्रफ वार्ता शुरू होती है।

दस मिनट बाद ही मुशर्रफ साहब पसीना पोंछते हुए बाहर निकलते हैं।
वाजपेयीजी घोषणा करते हैं कि मुशर्रफ साहब ने कश्मीर से अपना दावा छोड़ दिया है। पत्रकार चौंक जाते हैं कि
आखिर बात क्या है ? जो समस्या पचास साल में हाल नहीं हुई वह दस मिनिट में कैसे हल हो गई।

वाजपेयीजी ने कहा भाई लोगों मार्केटिंग का जमाना है। हमने मुशर्रफ साहब से कहा कि कश्मीर चाहते हो तो साथ
में बिहार भी मुफ्त 'स्कीम में लेना होगा। यह सुनते ही वे भाग खड़े हुए।

चुटकुला # 0284
केशप्रेमी !

एक हिप्पी बीच राह में बेहोश हो गया। भीड जमा हो गई और अलग-
अलग सलाहें दी जाने लगीं। कोई बोला - 'इसे जूता सुंघा दो, तो होश
में आ जाएगा।

किसी ने प्यास सुंघाने की राय दी, तो किसी ने पानी के छींटे मारने की।
अचानक पन्नूजी ने राय दी कि हज्जाम को बुलाओ और इसके बेइंतिहा
लंबे, रुखे और उलझे बाल कटवा दो।

यह सुनना था कि हिप्पी होश में आया और भाग खड़ा हुआ।

चुटकुला # 0285
भारी उम्मीद !

टप्पू - आशावादी किसे कहते हैं?

पप्पू - उस शख्स को, जो सिगरेट माँगने से पहले ही दिलासलाई जला ले ।

चुटकुला # 0286
कुत्ता कथा !

मैडम सुनीता कुत्ता खरीदने गईं।
फर्म के मैनेजर ने एक नायाब कुत्ता दिखाते हुए कहा - 'इस नस्ल का यही एक कुत्ता रह गया है, इसलिए सस्ता मिल जाएगा।
मैडम सुनीता ने दुखी स्वर में कहा - लेकिन इस नस्ल का कुत्ता मेरे हजबैंड को पसंद नहीं आएगा। मैं जानती हूँ।

मैनेजर ने सलाह दी - 'आप हजबैंड की परवाह क्यों करती हैं? उस नस्ल के आपको कई हजबैंड मिल जाएँगे, लेकिन इस नस्ल का जानदार कुत्ता ढूँढे से नहीं मिलेगा।

चुटकुला # 0287

पहचान का संकट !

देर रात शराबियों की एक टोली क्लब से निकलकर एक मकान के सामने जा रुकी ।
एक साहब ने बढ़कर दरवाजा खटखटाया, तो ऊपर से एक साहिबा ने झाँका और पूछा
- क्यों? क्या है?

साहब - क्या अकबर साहब का मकान यही है

साहिबा - हाँ, कहो क्या है?

साहब - आप उनकी बेगम हैं?

साहिबा - हाँ-हाँ ! मैं ही हूँ। बताइए, आप क्या चाहते हैं?

साहब - आप कृपया नीचे तशरीफ लाएँ और हम लोगों में से अकबर साहब को पहचान कर ले जाएँ ताकि बाकी लोग अपने-अपने घर जा सकें।

चुटकुला # 0288

नंबर वन !

एक चोर चाँदी का बड़ा - सा कप लेकर घर में दाखिल हुआ । पत्नी ने पूछा
- इसे कहाँ से लाए?

चोर बोला - दौड में जीता हूँ।

पत्नी बोली - अच्छा ! और कौन-कौन दौड रहा था?

चोर बोला - मैं ! मेरे पीछे पुलिस इंस्पेक्टर । फिर कपवाला और मार्केट के सारे लोग ।

चुटकुला # 0289

उधारचंद !

लल्लू जी - भाई पान वाले ! दो पान तो देना । पैसे कल ले लेना ।

पान वाला - बाबूजी ! आपने बोर्ड नहीं पढ़ा - 'उधार, अगली दुकान से।

लल्लूजी - 'भाई ! पिछली दुकान पर भी ऐसा ही बोर्ड लगा है। उसी को पढ़कर तो यहाँ आया हूँ ।

चुटकुला # 0290
निचोड !

उस्ताद - अरे शागिर्द ! तुम दो दिन से तबला, सीखने क्यों नहीं आए?

शागिर्द - जी मेरे पास एक ही कुर्ता-पाजामा है। वह मैंने धोया था
इसीलिए परसों नहीं आ पाया ।

उस्ताद - और कल काहे नहीं आए?

शागिर्द - जी कल मैं आया तो था । मगर ऑंगन में आपके कुर्ता-पाजामा
सूखते देखे, तो लौट गया था।

चुटकुला # 0291
उडन छू !

टन्नूजी को दफ्तर में बैठे-बैठे खबर मिली कि उन्होंने एक प्रतियोगिता में
'पेरिस की सैर का इनाम जीत लिया है। मारे खुशी के झूमते हुए उन्होंने
घर फोन लगाकर पत्नी से कहा - 'डार्लिंग ! क्या तुम पेरिस चलना चाहती
हो?

पत्नी ने चहककर जवाब दिया - 'जरूर, जरूर! पेरिस तो मेरे सपनों में मेरी
धडकन में बसा हुआ है। मैं जरूर आपके साथ चलूँगी । अ.. आप कौन
साहब बोल रहे हैं?

चुटकुला # 0292
सब बेकार !

राजू - मैं सौ साल जीना चाहता हूँ।

पीटर - अभी कितने के हो?

राजू - चालीस ।

पीटर - शराब, जुआ, लड़की वगैरा का कोई व्यसन?

राजू - बिल्कुल नहीं ।

पीटर - तो ऐसी नीरस जिंदगी लेकर साठ साल और क्यों जीना चाहते हो भले आदमी?

चुटकुला # 0293
इन्स्टैन्ट नॉवेल!

एक उपन्यास लेखक ने अपनी विद्वता का रौब झाडते हुए अपने दोस्त से कहा - 'नॉवेल लिखना कोई आसान काम नहीं है। पता है कभी-कभी तो एक नॉवेल लिखने में मुझे एक साल लग जाता है।

दोस्त ने बेफिक्री से हँसते हुए कहा - 'तुम बेकार में इतनी मेहनत करते हो यार। पता है, पंद्रह रुपए में तो लिखा-लिखाया नॉवेल मिल जाता है।

चुटकुला # 0294
मिथ्याचार !

टिक्कूजी - 'ओहो ! झुमकूजी !! मुझे आपसे मिलकर बड़ी खुशी हुई ।
झुमकूजी - 'मुझे तो नहीं हुई।
टिक्कूजी - 'भाई! थोडी देर के लिए मेरी तरह आप भी झूठ बोल देते तो क्या बिगड जाता।

चुटकुला # 0295
जमाने की हवा

सल्टू ने जिंदगी से बेजार होकर एक दिन खुदकुशी की गरज से जहर खरीदकर खा लिया।
लेकिन जहर में मिलावट थी, इसलिए वह मरा नहीं, बच गया। इस खुशी में उसकी पत्नी ने डिनर पार्टी दे दी।
मगर हाय! पार्टी में जिस-जिसने खाना खाया, 'फूड पॉइजनिंग के कारण मर गया। मृतकों में स्वयं सल्टू भी था।

चुटकुला # 0296
छपते-छपते!

पन्नूजी का एक साथी चल बसा। वे उठावने की खबर छपवाने अखबार के दफ्तर जा पहुँचे। पूछा - 'इस सामग्री को छापने का रेट क्या है?
जवाब मिला - पाँच रुपए प्रति इंच। यह सुनकर पन्नूजी अचंभे से गिरते-गिरते बचे-'बाप रे! तब तो बहुत महँगा पड़ेगा, क्योंकि मेरा दोस्त तो छह

फीट दो इंच का था।

चुटकुला # 0297
पतले पापड़ !

मैडम रोहिणी आईने के सामने नैल पॉलिश लगा रही थीं। अचानक बाहर दरवाजा बजा -
'महोदया ! खेद है आपके पति रोडरोलर के नीचेआकर स्वर्ग सिधार गए हैं। कृपया द्वार खोलिए। हम उनकी नश्वर देह लाए हैं।
मैडम ने चिल्लाकर कहा - 'देखो मैं अभी जरूरी काम कर रही हूँ। तुम उस देह को दरवाजे के नीचे से सरका दो।

चुटकुला # 0298
हद कर दी !

पन्नू जी- कल गजब हो गया। मैं अपनी बीवी के साथ होटल में बैठा चाय पी रहा था कि मेरी एक गर्लफ्रेंड ने वहाँ आकर कहा - हेलो!
गजब तो इधर हो गया। मैं होटल में अपनी गर्लफ्रेंड के साथ बैठा चाय पी रहा था कि मेरी बीवी ने आकर कहा - 'हलो।

चुटकुला # 0299
बेकार जीवन !

एक प्रोफेसर साहब नाव में सफर कर रहे थे। तभी उन्होंने रौब जमाने की गरज से नाविक से पूछा - क्यों तुम्हें इंग्लिश आती है?
नाविक ने कहा - जी नहीं!
प्रोफेसर बोले - तब तो तुम्हारा चार आने जीवन बेकार है।
फिर बोले 'अच्छा हिसाब-किताब आता है?
वह बोला - नहीं आता जी!
प्रोफेसर बोले - फिर तो आठ आने जीवन बेकार है।
इतने में तूफान के थपेडे नाव को झकझोरने लगे। नाविक ने पूछा - 'आपको तैरना आता है। वे बोले - नहीं।
तो नाविक ने कहा - तब तो आपके सोलह आने जीवन बेकार है और नाव से कूद गया।

चुटकुला # 0300
ऊँटक बैठक !

रेगिस्तान में एक बार बहुत तेज रेत का तूफान आया। तेज रफ्तार रेतीली हवाएँ चल रही थीं। एक ऊँट सवार चला जा रहा था कि अचानक उसे रेत

पर एक हैट नजर आया। उसने ऊँट से उतरकर हैट उठाया तो उसके नीचे आदमी का सिर नजर आया। उसने आसपास की रेत हटाई तो मुँह और कान भी नजर आने लगे। और तभी उस हैटवाले आदमी ने कहा - भाई हाथ से काम नहीं चलेगा। फावडा लाकर बहुत सारी रेत हटानी पड़ेगी। क्योंकि मैं ऊँट पर बैठा हुआ हूँ।

चुटकुला # 0301
आया सावन झूम के!

पन्नूजी नीचे स्टॉल में बैठे पिक्चर देख रहे थे। अचानक वे ऊपर देखकर चिल्लाए -'अरे!ऊपर से, मेरे ऊपर से ये शरबत कौन फेंक रहा है?
तभी उन्होंने सुना, कि बालकनी में एक महिला अपने पति से कह रही थी - 'ऐ जी, सुन लिया? इसीलिए कह रही थी मुन्ने को बाथरूम में ले जाना ठीक रहेगा। मगर तुम सुनो तब ना!

चुटकुला # 0302
अश्विनीकुमार!

छंगूजी रेस के बेहद शौकीन हैं। एक बार रेस के मैदान से लौटकर पत्नी देवी से बोले - 'आज तो गजब हो गया। मैं मैदान में घोडों के बीच खड़ा था, तभी जूता ढीला हो गया। लेस बाँधने के लिए मैं जैसे ही झुका कि एक सवार मेरी पीठ पर आ बैठा, और रेस शुरू हो गई।
पत्नी - बाप रे! फिर?

चुटकुला # 0303
छंगूजी - फिर क्या!
मैं जी-जान से दौडा और तीसरे नंबर पर आया।

चुटकुला # 0304
झबरी यादें !

एक औरत ने बस स्टॉप पर खड़ी दूसरी औरत से कहा -

'आपने गले में जो ताबीज पहन रखा है, इसमें कोई जंतर-मंतर है?

दूसरी ने कहा - 'नहीं, इसमें मेरे पति के बाल हैं।

पहली ने पूछा - ओह! क्या वे अब नहीं रहे है?

दूसरी ने बताया - 'वे तो हैं, उनके बाल अब नहीं रहे।

चुटकुला # 0305
ठन्ठन् लेखन !

एक दोस्त ने अपने नए-नए लेखक मित्र से पूछा -

'यार, सुना है तुमने नया नॉविल छपवाया है?

लेखक बोला - 'हाँ मित्र, ठीक सुना तुमने ।

दोस्त ने पूछा - कुछ बिका भी?

लेखक बोला - हाँ! मेरी साइकिल, ऍगूठी और बीवी की चूडियाँ।

चुटकुला # 0306
चश्मे की ऊष्मा !

पन्नू - अरे तुम्हारी मेज पर ये तीन-तीन चश्मे कैसे?

घन्नू - एक दूर का चश्मा, दूसरा पास का चश्मा,
और तीसरा? दोनों चश्मों को ढूँढने वाला चश्मा ।

चुटकुला # 0307
वाह री बचत!

एक आदमी की अर्थी को शववाहिनी मोटर में रखकर ले जाया जा रहा था, किंतु गाड़ी बंद थी और उसे धक्का लगाकर ले जाया जा रहा था।
एक राहगीर ने पूछा- 'क्या गाड़ी खराब है?
जवाब मिला- 'नहीं! मृतक की आखिरी इच्छा थी हर हाल में पेट्रोल की बचत ।

चुटकुला # 0308
लागी छूटे ना!

कवि सम्मेलन के मंच से उतर रहेकवि से श्रोता ने कहा - मैं जब भी आकी कविताएँ
सुनता हूँ, बहुत ही आश्चर्य करता हूँ।
कवि ने गद्गद् होकर कहा - आपका मतलब है, मैं इन्हें कैसे लिखता हूँ।
श्रोता - जी नहीं, मेरा मतलब है, आप इन्हें क्यों लिखते हैं?

चुटकुला # 0309
उम्र चालीसा!

रीटा - 'तुम्हारी सही उम्र क्या है?

डॉली - 'मैं अपनी सही उम्र किसी को नहीं बताती।

रीटा - 'अच्छा! कभी गलती से भी नहीं?

डॉली - 'नहीं! नहीं!

रीटा - 'कभी भूल से भी नहीं?

डॉली - नहीं! नहीं! नहीं! चालीस सालों से जो बात गुप्त है,
उसे बताने की भूल भला कैसे करूँगी?

चुटकुला # 0310
नाली मतवाली!

हवालदार हरिसिंह को रात बारह बजे एक शराबी नाली में लेटा मिला।
उन्होंने पूछा- 'क्यों? नाली में क्या कर रहे हो?
शराबी बोला- 'मैं सौ का नोट ढूँढ रहा हूँ।
हवालदार ने हडकाया- 'तुम्हें पक्का यकीन है कि नोट यहीं खोया था?
शराबी ने तपाक से कहा- 'हुजूर! मैंने खोने की बात कहाँ की? मैंने तो सिर्फ ढूँढने का जिक्र किया है।

चुटकुला # 0311
ऊँचे लोग!

लड़की की माँ ने लड़के की माँ को बताया- 'गाने में बड़ी दक्ष है मेरी बेटी! ऊँचे से ऊँचे स्वर में गा सकती है। लड़के की माँ ने कहा- 'वाह! तब तो जोडी एकदम जम जाएगी। मेरा बेटा भी ऊँचा सुनता है।

चुटकुला # 0312
उलटी गंगा!

वन डे क्रिकेट मैच चल रहा था। कमेंटेटर फर्राटेदार कमेंटरी कर रहा था कि तभी उसे बल्लेबाज की तरफ से एक चिट मिली- 'कृपया इतनी तेजी से कमेंटरी न बोलें। हम तेजी से रन नहीं बना पा रहे हैं।

चुटकुला # 0313
हम तो डूबेंगे सनम...!

चंदूजी की भैंस बीमार हुई तो मंगूजी के पास राय लेने पहुँचे। मंगूजी ने
कहा, मिट्टी का तेल पिला दे। तेल पिलाने पर भैंस मर गई। अगले रोज
चंदूजी रोते हुए पहुँचे -
'यार मंगू! भैंस तो मर गई। मंगूजी ने फरमाया - हाँ! मर तो मेरी भी गई
थी।

चुटकुला # 0314

नन्ही-मुन्नी!

एक महिला अपराधी पर मुकदमा चल रहा था। महिला वकील ने उससे पूछा- 'तुम्हारी उम्र!
महिला अपराधी ने कहा- 'आपसे एक दो साल कम ही होगी, बस!

यह सुन महिला वकील ने जज साहब से कहा- 'मी लॉर्ड! इस केस पर नए सिरे से विचार होना चाहिए,
क्योंकि अभी-अभी पता लगा है कि अभियुक्त अभी नाबालिग है।

चुटकुला # 0315

भविष्यफल!

ज्योतिषी ने एक खूबसूरत युवती का हाथ देखते हुए बताया -
'तुम्हारी शादी एक ऐसे नौजवान से होगी, जो खूबसूरती और
पैसे वाला होगा।
यह सुनकर युवती खुशी से उछलती हुई बोली -'अच्छा, अब
मुझे यह बता दीजिए कि मैं अपने वर्तमान पति से छुटकारा कैसे
पा सकती हूँ।

चुटकुला # 0316

मान तेरा निशाना!

एक रिपोर्टर महोदय पहुँचे, निशानेबाज नंदू का इंटरव्यू लेने। घर में
घुसते ही वे चकित हो गए। दीवारों पर पेंसिल के छोटे-छोटे घेरे थे और
उनके बीचोंबीच गोलियाेंहूं के निशान थे।

गद्गद् भाव से रिपोर्टर ने कहा -'आप महान हैं। आपका निशाना
अचूक है। बताएँ यह सब कैसे संभव हुआ?

नंदू ने कहा -'बहुत आसानी से, बाबू! पहले मैं दीवार पर गोली
चलाता हूँ। उसके बाद निशान के इर्दगिर्द, पेंसिल से घेरा बना देता हूँ।

चुटकुला # 0317

मिट्ठू मियाँ वाह!

एक बोलने वाले तोते की नीलामी हो रही थी। बोली पर
बोली लगाई जा रही थी। आखिर एक साहब ने वह तोता
पाँच सौ में खरीद लिया।

जब तोता हाथ में आया तो उन्होंने तोते वाले से पूछा- 'यह
तोता बोलता भी है? या नहीं?

जवाब मिला- 'आप बोलने की बात कर रहे हैं? अजी
जनाब, घंटे से यही तोता तो आपकी बोलियों पर बोलियाँ
लगा रहा था।

चुटकुला # 0318
कार की दरकार!

पन्नूजी ने पूछा- 'अरे वाह चंदूजी!
ये सुंदर सजीली कार आपकी है?
चंदूजी ने खुलासा किया- 'हाँ! है भी! नहीं भी!
पन्नू जी चौंके - 'क्या मतलब?
चंदूजी ने समझाया- 'भैया, जब शॉपिंग करनी होती है, यह मेरी पत्नी की कार होती है। जब साथियों के साथ पिकनिक का
प्रोग्राम बनता है यह मेरे बच्चे की कार होती है और जब इसे पेट्रोल और मरम्मत की जरूरत होती है, यह मेरी कार बन जाती
है।

चुटकुला # 0319
दो रुपए के बुजुर्ग!

पन्नूजी बाजार से निकले तो नजर पड़ी आर्टिस्ट की दुकान पर रखी किसी बहादुर
सिपाही की तसवीर पर। उन्हें वह तसवीर इतनी पसंद आई कि खरीदने का मन बना
लिया।
दुकानदार ने कीमत बताई पचास रुपए, लेकिन पन्नूजी की जेब में निकले कुल
अडतालीस रुपए। दूसरे रोज पन्नूजी जब पहुँचे, तस्वीर बिक चुकी थी।
एक-दो महीने बाद पन्नूजी अपने मित्र से मिलने पहुँचे तो बहादुर सिपाही की उसी
तस्वीर को वहाँ लगा पाया।
पूछ बैठे- क्यों मित्र यह तस्वीर किसकी?
जवाब मिला हमारे परिवार के बुजुर्ग की है।
पन्नूजी बोले- दो रुपए कम पड़ गए, दोस्त। वर्ना ये हमारे बुजुर्ग होते।

चुटकुला # 0320
जरा सामने तो आ!

शाम की शानदार पार्टी से पहले उस अरबपति ने अपने बंगले के स्वीमिंग पूल को जहरीले साँपों से
भरवा दिया था।
शाम की पार्टी में उसने ऐलान किया- 'मेहरबानों! आपमें से जो भी शख्स इस स्वीमिंग पूल को तैरकर
पार कर लेगा, मैं उसे तगडा इनाम चुनने की छूट दूँगा। या तो वह सैकडों एकड में फैले मेरे ऑइल
फील्ड ले ले या मेरी काबिल बेटी का हाथ माँग ले।

अभी वाक्य पूरा ही हुआ कि 'छपाक की आवाज गूँज गई। सबने देखा एक नौजवान फुर्ती से स्वीमिंग पूल पार कर रहा है। जल्द ही वह किनारे पर जा खड़ा हुआ। पूरा भीगा हुआ और तेज-तेज चलती हुई साँसें।

अरबपति ने उसकी पीठ थपथपाकर बधाई दी और पूछा-
'तो ऑइल फील्ड लोगे? नौजवान ने कहा- नहीं।
अरबपति ने पूछा- तो हवाई जहाज?
नौजवान चीखा- 'नहीं।
अरबपति बोला- 'ठीक है! मेरी बेटी का हाथ?
नौजवान बोला- ना बाबा, ना!
अरबपति परेशान हो गया- 'तो तुम क्या चाहते हो?
नौजवान ने आँखें निकालकर कहा-
'मैं-मैं उस कम्बख्त का नाम जानना चाहता हूँ, जिसने मुझे स्वीमिंग पूल में धक्का दिया।

चुटकुला # 0321
समाधान!

रेखा- सालभर तक तो मुझे पता ही नहीं चला कि मेरे पतिदेव शाम के वक्त कहाँ रहते हैं?
लाजो- फिर कैसे पता चला?
रेखा- एक शाम मैं ही जल्दी घर आ गई तो देखा वे घर पर ही थे।

चुटकुला # 0322
खुदा मेहरबान तो...!

एक आलसी आदमी ने अपने दोस्त से खुशी से फूलते हुए कहा- देखा कुदरत मेरी किस-किस तरह से मदद कर रही है। हाथ-पाँव जरा भी नहीं हिलाने पड़े और काम होते चले गए। मुझे पेड़ काटने थे इतने में तूफान ने आकर मेरी मदद कर दी। फिर मैं कूडे का ढेर जलाने की सोच ही रहा था कि अचानक आकाश से बिजली गिरी और कूडे में आग लग गई।
दोस्त ने पूछा- तो अब क्या प्रोग्राम है?
आलसी बोला- 'मुझे जमीन से आलू और गाजरें निकालनी हैं, इसलिए अब भूकंप का इंतजार कर रहा हूँ।

चुटकुला # 0323
चीन में होने की सजा!

चीन की जेल में तीन कैदी, एक-दूसरे से जेल में आने की वजहें पूछ रहे थे। एक ने बताया 'मैं हर रोज काम पर पाँच मिनट देर से आता था, इसलिए वक्त की कद्र न करने के जुर्म में सजा हुई।
दूसरे ने बताया- 'मैं पाँच मिनट पहले काम पर पहुँचता था, इसलिए मुझे भी वक्त की बरबादी के आरोप में सजा दी गई।

तीसरे ने रुआँसा होकर कहा- 'मैं, नसीब का मारा, हर रोज दफ्तर में ठीक समय पर हाजिर होता था। और मुझे अमेरिकन घडी रखने के संदेह में सजा हो गई।

चुटकुला # 0324
अर्थ का अनर्थ!

गुल्लू- 'रज्जू तुम उदास क्यों हो?
रज्जू- 'क्या बताऊँ यार, मैंने पिताजी को चिट्ठी लिखी थी कि हिन्दी और अंग्रेजी के शब्दकोश खरीदने के लिए पैसे
भेज दीजिए। मगर उन्होंने तो अनर्थ ही कर दिया।
गुल्लू- 'कैसा अनर्थ?
रज्जू- 'पिताजी ने शब्दकोश ही भिजवा दिए।

चुटकुला # 0325
देख भाई देख!

पीटर, पप्पू को लड़की दिखाने ले गया। पप्पू ने एक नजर लड़की पर डाल ली तो पीटर ने पूछा- 'क्यों? कैसी लगी?

पप्पू ने कुढकर कहा- 'एकदम भद्दी, मोटी, काली-कलूटी, फूहड।
लड़की के छोटे से भाई ने कहा- 'फुसफुसाने की जरूरत नहीं है। मेरी दीदी बहरी भी है।

चुटकुला # 0326
सूक्ष्म दृष्टि!

पुलिस इंस्पेक्टर: पन्नूजी! जिस मोटर ने आपको टक्कर मारी उसका रंग और नंबर क्या था?
पन्नूजी : रंग और नंबर तो मुझे याद नहीं, अलबत्ता उस गाड़ी को जो मैडम चला रही थीं, उनकी साड़ी का बॉर्डर लाल था।
कानों में मोती के झुमके थे। गले में सोने का लॉकेट और दाएँ हाथ पर जोजो वॉच बँधी थी। और हाँ श्रीमान उसकी ठोडी पर
एक नन्हा सा तिल भी था।

चुटकुला # 0327
लो बच्चू!

एक शेखीखोर अमेरिकन जब भारत आया तो यहाँ के दर्शनीय स्थल देखने पहुँचा। ताज की भव्यता देखी तो उसने गाइड से पूछा- 'इसे बनाने में कितना समय लगा था?
गाइड ने जवाब दिया- 'बीस बरस!
अमेरिकन बोला- 'बीस बरस सुस्ती के कारण लगे होंगे। हमारे यहाँ तो यह चीज चार साल में तैयार हो जाती।

जब ये लोग लाल किले पर पहुँचे तो वहाँ भी उसने यही प्रश्न पूछा। गाइड के जवाब पर उसने दंभ से कहा- 'हमारे यहाँ तो यह चीज पाँच साल में बनकर खड़ी हो जाती।

गाइड यह सुनकर चिढ रहा था। उबल रहा था। जब अमेरिकी पर्यटक के साथ अगले दिन वह कुतुब मीनार पर पहुँचा तो पर्यटक ने पूछा- 'यह इतना ऊँचा टॉवर क्या चीज है?
गाइड ने शान से सीना तानकर कहा- पता नहीं हुजूर, यह क्या है? परसों शाम जब मैं इधर से निकला था, यहाँ कुछ भी नहीं था। सपाट मैदान था यहाँ पर, आपकी कसम!

चुटकुला # 0328
मद्य (रण)नीति!

जब पार्टी खत्म हुई तो कर्नल ने देखा, एक धुत्त सार्जेन्ट अपने कपड़ों में शराब की बोतलें छपाए जा रहा है।

कर्नल ने गुस्से से टोका- 'ए!
यह क्या कर रहे हो?
सार्जेन्ट ने विनीत भाव से कहा- 'आप ही के हुक्म की तामिल कर रहा हूँ सर। कि जिन दुश्मनों को हम मार न सकें, उन्हें कैदी बना लेना चाहिए।

चुटकुला # 0329
मिसअंडर (वियर) स्टैंडिंग!

एक बार एक चूहा दौडता हुआ नदी के किनारे गया और हाथी को नहाता देख, चिल्लाया- औ हाथी रे! बाहर आ! हाथी
हडबड़ाकर बाहर आया, तो चूहा बोला चल नहा ले, नहा ले! मेरी एक अंडरवियर खो गई है। मैंने सोचा कहीं तूने तो
नहीं पहनी।

 रविन्द्र

चुटकुला # 0330
सॉरी शनि नो मनी!

ज्योतिषी : बच्चा, शनि तेरा सर्वनाश करने वाला है। यदि तू सौ रूपए
देगा, तो उपाय निकाल दूँगा।
चंदूजी :महाराज, सौ नहीं हैं।
ज्योतिषी : तो मैं सस्ता जाप करा दूँगा,
पच्चीस रूपए ही दे दो।

चंदूजी : नहीं है, महाराज।
ज्योतिषी: अच्छा, चल घर पर चाय-नाश्ता ही करा देना।

चंदू जी : घर नहीं है महाराज। मैं तो फुटपाथ पर रहता हूँ।
ज्योतिषी : ओहो! तब तो जा बच्चा और मौज कर। शनि तेरा कुछ भी
नहीं बिगाड सकता।

चुटकुला # 0331

एक बेचैनी!

ब्रह्माजी ने ब्रह्माण्ड की रचना की। फिर आराम किया इसके बाद उन्होंने पुरुष को बनाया। फिर आराम किया। इसके बाद उन्होंने नारी की रचना की।
और बस। तबसे न ब्रह्माजी को आराम है, न पुरुष को।

चुटकुला # 0332

समय ही समय!

चंदूजी- तुम पाँच मिनट में अपने शब्द वापस ले लो। वरना...
पहलवान- और अगर पाँच मिनट में शब्द वापस ना लूँ तो....?
चंदूजी- अच्छा तो कितना समय चाहिए तुम्हें? नि:संकोच माँग लो।

चुटकुला # 0333

बाल-बाल!

नाई (हजामत बनाते हुए) -
चंदूजी! आप कितने भाई हैं?
चंदूजी- अभी तो चार समझो। मैं तुम्हारे उस्तरे से बच गया तो पाँच।

चुटकुला # 0334

बुरे से बुरा!

एक थे कंजूस सेठजी।
एक बार दिल्ली गए, तो जेब कटने के डर से डीटीसी की बस में नहीं बैठे। अभी चाँदनी चौक के नजारे देखकर खुश हो
ही रहे थे कि ड्रायवर ने घोषणा कर दी- 'सेठजी! बुरा हो गया, इस गाड़ी के ब्रेक फेल हो गए।
सुनकर सेठजी जोर से चीखे - अरे! फटाफट टैक्सी का मीटर बंद कर दो, सरदारजी! वर्ना इससे भी बुरा हो जाएगा।

चुटकुला # 0335

ठंड -अखंड!

कब्रस्तान में एक आदमी एक कब्र खोद रहा था। खोदते-खोदते शाम हो
गई और ठंड भी बढ़ गई। उस आदमी ने आवाजें दे-देकर एक राहगीर
को पास बुलाया और कहा-

'ऐ भाई! बहुत ठंड लग रही है। नुक्कड की दुकान से जरा चाय तो
भेजते जाना।

राहगीर ने कुछ और ही तुक्का जड दिया। 'भाई ठंड तो तुम्हें लगेगी ही।
भाई लोगों ने तुम्हें कब्र में तो उतार दिया, मगर तुम पर मिट्टी डालना
बिल्कुल ही भूल गए।

चुटकुला # 0336

डबलडेकर अक्ल!

गंगाराम मुम्बई की सैर करके जब वापस गाँव पहुँचे तो लोगों ने घेर लिया - 'मुम्बई कैसी है? हमें उसके
हाल सुनाओ!
गंगाराम हुक्का गुड़गुड़ाकर बोले - 'मुम्बई है तो जोरदार नगरी, पर वहाँ की सरकार बड़ी कंजूस है। पता
है एक ड्रायवर की तनख्वाह बचाने के लिए बस के ऊपर, बस रखकर चलाती है। हाँ!

चुटकुला # 0337

हाय राम!

जु के किनारे कॉलेज की दो लडकियाँ आपस में बातें कर रही थीं।
पहली ने दूसरी से पूछा, "पता नहीं लड़के अकेले में कैसी-कैसी बातें
किया करते हैं?
दूसरी- 'इसी तरह की जैसी हम करती हैं और कैसी?
पहली-'सच ?
दूसरी-'तो और क्या ?
पहली-'हाय राम। ये लड़के कितने बेशर्म होते हैं।

चुटकुला # 0338

ना बाबा!

हमारे एक प्रोफेसर मित्र हैं जो बहुत भावुक हैं। वे हिन्दी पढ़ाते हैं और
उनकी एक खास आदत है कि वे किसी नवयुवती के नमस्कार का उत्तर
नहीं देते, चुपचाप आगे बढ़ लेते हैं। एक दिन उनके साथ जा रहा था।
रास्ते में कॉलेज की एक लड़की ने उन्हें नमस्कार किया। आदत के
मुताबिक उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया। लड़की ने आखिर साहस करके
पूछ ही लिया, "सर आप नमस्ते का जवाब क्यों नहीं देते ? "प्रोफेसर ने
उत्तर दिया-" दस साल पहले एक नमस्ते का जवाब दिया था। आज
तक भुगत रहा हूँ। पाँच बच्चे हैं, रोज सुबह उठकर उन्हें नमस्कार करना
पड़ता है।

चुटकुला # 0339

जवानी जिन्दाबाद!

एक युवक को लन्दन में ऐसी चमत्कारी गोलियाँ मिलीं, जिसके सेवन से मनुष्य की उम्र कम हो जाती थी। उसने उन गोलियों का सेवन किया और एक शीशी भरकर अपनी माँ के पास हिन्दुस्तान भिजवा दी, इस आशा से कि इनके सेवन से वह भी युवती दिखने लगेगी।
कुछ महीनों बाद जब वह लौटकर हिन्दुस्तान आया तो उसने अपनी माँ को तो पहचान लिया, पर अपनी माँ की गोद में लेटे हुए बालक को न पहचान सका। कौतूहलवश उसने माँ से पूछा, "माँ तेरी गोद में कौन-सो रहा है?
बेटे, ये तेरे बाप हैं-इन्होंने दस गोलियाँ खा ली थीं।

चुटकुला # 0340

राइट चॉइस आहा!

चीकूजी ने जासूस की नौकरी के लिए अर्जी दी थी। दूसरे उम्मीदवारों के साथ-साथ इन्हें भी कंपनी ने इंटरव्यू के लिए बुलाया था। वहाँ पहुँचने पर सभी उम्मीदवारों को एक-एक सीलबंद लिफाफा देकर कहा गया कि इसे चौथी मंजिल पर ले जाएँ।
सब तो चले गए। पर चीकूजी उस लिफाफे को लेकर बाथरूम में घुस गए। बहुत सावधानी से जब उन्होंने लिफाफा खोल लिया तो अंदर से एक कागज निकल आया। जिस पर लिखा था हमें आप जैसे की ही तलाश थी। पाँचवीं मंजिल पर आकर नियुक्ति पत्र ले लीजिए।

चुटकुला # 0341

खबरदार!

सिनेमा हॉल में दो औरतें इतनी जोर से बातें कर रही थीं कि पास बैठा दर्शक खीझकर बोल ही पड़ा- 'देखिए ! आपकी बातचीत में
मुझे कुछ भी सुनाई नहीं दे रहा।
उनमें से एक ने तपाक से कहा- 'हम तुम्हें सुना भी नहीं रहे, मिस्टर ! हमारी बातचीत एकदम प्रायवेट है।

चुटकुला # 0342

डीसेंट, मिस्टर अब्सेंट !

मिस छुईमुई के तार कोई लफंगा 'जरा जमकर छेड गया था। उन्होंने झनझनाते हुए थाने में जाकर शिकायत की। कर्त्तव्यपरायण
पुलिस ने दस-बारह गुंडों को संदेह में गिरफ्तार कर मिस छुईमुई को बुला भेजा।

लाइन से गुंडे खड़े थे और मिस छुईमुई को उस रोज वाला शख्स पहचानना था। वे एक-एक के पास से गुजरती गईं- 'ऊँहूँ ! यह
नहीं था। ना, यह भी नहीं था। नहीं, यह चूहा तो हो ही नहीं सकता।

आखिर सातवें नम्बर पर खड़े एक गठीले-गबरू नौजवान के पास मिस छुईमुई रुक गईं और आँखों में खुमार और देह में मस्ती भरकर
इंस्पेक्टर से बोलीं 'यह था तो नहीं ! मगर यह ..... हो सकता था....!

चुटकुला # 0343
वाह रे भगवान!

सैनिक विद्यार्थी लंच के लिए लाइन में लगे थे। चलते-चलते उन्होंने देखा एक टोकरी में ढेर सारे लाल सेब रखे हैं।
मगर वहाँ तख्ती लगी है 'केवल एक-एक सेब उठाएँ, इससे ज्यादा नहीं। क्योंकि भगवान सबको देख रहा है। एक-
एक सेब फल लेकर जब सब आगे चले तो एक बड़ी सी तश्तरी में खूब सारे बिस्किट रखे देखे। वहां भी तख्ती रखी
थी। लिखा था- 'जितने चाहिए, बिस्किट ले लो। डरो मत भगवान तो उधर सेबों की निगरानी कर रहा है।

चुटकुला # 0344
दास्तान-ए-चेक

बैंक की टेलर विण्डो पर बदहवास से चंदूजी पहुँचे। बोले- 'सर! यह चेक मेरी पत्नी के नाम जारी हुआ है, मगर वह
बेचारी हॉस्पिटल में है। यहाँ आ नहीं सकती। क्या ऐसी कोई सूरत नहीं, कि चेक मैं भुनवा सकूँ ?
जब समझाया गया कि ऐसी कोई भी सूरत असंभव है, तो वह चला गया। मगर अगले दिन तो उसने कमाल ही कर
दिया। पत्नी की पहचान के रूप में वह ऐसी-ऐसी हैरतअंगेज चीजें लाया कि चकराए हुए बैंक अधिकारियों को
उसकी पत्नी का चेक, कैश करना ही पड़ा। पता है वह क्या-क्या लाया था? एक फोटोग्राफ जिसमें उसकी पत्नी
हॉस्पिटल के बेड पर लेटी हुई है। पास में लेडी डॉक्टर खड़ी है। फिर था एक बर्थ सर्टिफिकेट जिसमें नीचे नवजात
शिशु के पैरों की छाप भी अंकित थी। उसके नीचे लेडी डॉक्टर का लिखा नोट था-'यह मैडम स्मिथ हैं। मैं इनकी
डॉक्टर जोना हूँ। हाल ही में इन्होंने एक बच्चे को जन्म दिया है। कृपया इनका चेक कैश कर दें।

चुटकुला # 0345
चाची की चिल्लर

बस में भीडभाड थी।
धक्का-मुक्की से तंग आकर एक युवती ने अपनी खीझ पाँच बच्चों वाली एक बुजुर्ग महिला पर निकाली-

'ओ चाची! अपनी चिल्लर को ठीक से क्यों नहीं सँभालतीं ?
बड़ी महिला ने शांति से कहा-
'सँभाल लूँगी भतीजी! पर....हाँ, लगता है, अभी तुमने अपना रुपया नहीं तुड़वाया! क्यों ?

चुटकुला # 0346
खस्ता हालत

क्या इस बार आप मेरे साथ डांस करेंगी? एक नवयुवक ने पूछा।
'मुझे खेद है मैं एक बच्चे के साथ डांस नहीं कर सकती। घमंडी युवती ने उत्तर दिया।
'ओह ! माफ करें, मुझे आपकी हालत का पता न था।

चुटकुला # 0347
जियो बहादुर !

अंधेरे में एक आदमी सहमा सा खड़ा था। तभी आ गया एक कडक हवलदार। पूछने लगा-
'क्यों ? क्या नाम है तेरा ?
'जी शेरसिंह!
'बाप का नाम ?
'दिलेरसिंह!
'दादा का नाम?
'शमशेरसिंह!
'यहाँ क्यों खड़े हो?
'देखते नहीं, सामने कुत्ते का पिल्ला घूम रहा है। अगर उसने मुझे देख लिया तो ?

चुटकुला # 0348
हमारा सिध्दांत

दफ्तर में दो दोस्त बतिया रहे थे।
पहला- अच्छा हुआ कि 'पाँच दिन काम, दो दिन आराम का सिध्दांत, पश्चिम से हमने ले लिया, वरना दफ्तर में काम कर करके कमर टूट जाती।
दूसरा- चाहे इसे पश्चिम का सिध्दांत कह लो, लेकिन भाई, इस सिध्दांत पर चलकर सुखी जीवन जीने का उदाहरण हमारे महाभारतकाल में पहले से मौजूद है।
पहला- क्या कहते हो ?
दूसरा- ठीक कह रहा हूँ। द्रोपदी का गृहस्थ जीवन याद करो।

चुटकुला # 0349
खूब बचे!

चंदूजी बात-बात में बस यह बात बोलते थे- 'इससे भी बुरा हो सकता था।

एक बार उनका एक दोस्त घबराया हुआ आया और बोला- चंदू! आज तो गजब हो गया। मैंने अपनी बीवी को पड़ोसी के साथ रोमांस करते देख लिया, तो दोनों का खून
कर दिया...!
चंदूजी ने अपना परिचित वाक्य दोहराया- 'दोस्त इससे भी बुरा हो सकता था।
दोस्त जल-भुनकर बोला- 'हद है यार- मेरे हाथों दो का खून हुआ, पुलिस मेरे पीछे लगी है। मैं भागता फिर रहा हूँ....! तुम्हीं कहो, इससे भी बुरा और क्या हो सकता था?
चंदूजी ने कहा- 'अगर तुम एक घंटा पहले घर पहुँचते तो बजाय पड़ोसी के मैं मारा जाता।

चुटकुला # 0350

टरम्पम्पम्!

सेल्समैन- 'सुना है, आप मक्खियों से परेशान हैं। हमारी दवा ' टरमपम्पम् आजमाइए।
तुरंत राहत पाएँगे।
पन्नूजी- 'क्या यह दवा गजब की मक्खीमारक है?
सेल्समैन- 'मक्खीमारक नहीं, गजब की उत्तेजना कारक है।
पन्नूजी- 'मतलब?
सेल्समैन- 'दवा मक्खियों को इतना सेक्सी बना देती है कि आप आसानी से दो मक्खियाँ एक साथ मार सकते हैं।

चुटकुला # 0351

अंधा प्यार...

पति- 'क्या खाना बनाया है तुमने, सब्जी कच्ची और रोटी जली हुई है।
पत्नी- 'तुम स्वयं कहते नहीं हो कि प्रेम...।
पति- '...अंधा होता है, पर इतना तो नहीं कि कच्चा-जला भी न दिखे।

शहर

प्रेमी तो पक्का है न कि हम आज रात 2 बजे शहर छोड़कर भाग जाएँगे। तुम लेट
मत होना।
प्रेमिका तुम फिक्र मत करो, मेरे पति मेरा सामान बाँध रहे हैं।

डर...

मोनू- 'पापा, आप हाथी से डरते हैं?
पिता- 'नहीं बेटा।
मोनू- 'आप शेर से डरते हैं?
पिता- 'नहीं बेटा।
मोनू- 'भूत से?
पिता- 'नहीं।

मोनू- 'यानी आप मम्मी के सिवा किसी से नहीं डरते।

चुटकुला # 0352
जिम्मेदारी...

एक बच्चे ने अपने पापा से पूछा- 'पापा मुंबई कहाँ है?
पापा का जवाब था- 'बेटे अपनी माँ से पूछो, वे ही सारी चीजें संभालकर रखती हैं।

चुटकुला # 0353
खोया

हलवाई ने कविता लिखी यो, तुम्हारे रूप की चाशनी में मन को डुबोया है
मक्खन-सी देह, मलाई-सा रंग है, मन 'खोया-खोया है।

चुटकुला # 0354
नई-नवेली दुल्हन

एक नौजवान अपनी नई-नवेली दुल्हन के साथ कार से कहीं चला जा रहा था कि रास्ते में अचानक कार के नीचे (पहिये में) एक मुर्गी आ गई।
'यह तीस रुपए रख लो भाई, तुम्हारी मुर्गी की कीमत। नौजवान ने मुर्गी के मालिक को रुपए देते हुए कहा।
'पचास रुपए और दीजिए। मुर्गीवाले ने कहा।
'पचास रुपए वो किसलिए? हैरत से नौजवान ने पूछा।
'मुर्गे को जब यह पता चलेगा कि उसकी नई-नवेली दुल्हन दबकर मर गई है, तो वह भी खुदकुशी कर लेगा हुजूर। मुर्गीवाला बोला।

चुटकुला # 0355
चमत्कार...

लडाई के दिनों में जब एक सैनिक को पता चला कि उसकी प्रेमिका नर्स बन गई है तो उसने पत्र लिखा- 'दुआ करो प्रिये, यहां मेरे साथ कोई दुर्घटना हो जाए और मुझे तुम्हारे हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़े।

दो दिन बाद पत्र का उत्तर मिला- 'दुर्घटना नहीं, कोई चमत्कार ही तुम्हें मेरे पास पहुंचा सकता है, क्योंकि मेरी डयूटी अस्पताल के मेटरनिटी वार्ड में है।

खुदा ने जिस रोज तुझे बनाया होगा ...

प्रेमी प्रेमिका से : खुदा ने जिस रोज तुझे बनाया होगा इक सुरुर सा उसके दिल पे छाया होगा।

प्रेमिका : वाह क्या बात है !

प्रेमी : आगे तो सुनो और भी तारीफ है। पहले तो उसने सोचा होगा के तुझे स्वर्ग में रख लूँ, लेकिन फिर उसे झू का ख्याल आया होगा।

चुटकुला # 0356

पहाड ....

एक बार दो प्रेमी पहाड चढने के लिए जाते है। चढते-चढते बहुत रात हो जाती है, तो दोनों सो जाते हैं। इस बीच प्रेमी उन दोनों के बीच एक तकिया रख देता है ताकि कुछ हो न जाए। सुबह होती है और प्रेमी अपनी प्रेमिका से कहता है कि चलो अब सिर्फ 2 घंटे मे पहाड चढना है। प्रेमिका ने कहा, क्या खाक पहाड चढें रातभर में एक तकिया तो पार कर नहीं सके पहाड क्या खाक चढोगे!

चुटकुला # 0357

जरूरत

संता (प्रेमिका से)- यदि तुम मुझसे शादी कर लो तो मैं तुम्हारी छोटी से
छोटी जरूरतों को पूरा करूंगा।

प्रेमिका (संता से)- लेकिन बड़ी जरूरतों का क्या होगा?

चुटकुला # 0358

उम्र

प्रेमी (प्रेमिका से) - तुम्हारे दांत देखकर लगता है कि तुम्हारी उम्र 15 साल होगी। घने
बालों को देखकर लगता है कि 20 साल और चंचलता देखकर लगता है कि तुम
सिर्फ सोलह साल की होगी।

प्रेमिका - अच्छा मेरी सही उम्र बताओ तो जानूं।

प्रेमी - कुल इक्यावन वर्ष।

चुटकुला # 0359

सुंदरता

प्रेमी : 'प्रिये, तुम्हारी सुंदरता, तुम्हारी सरलता और सादगी हमारे प्रेम को कितना वास्तविक बनाते हैं।

प्रेमिका : 'हां, प्रिये तुम्हारी संपत्ति और तुम्हारा बैंक बैलेंस भी इसमें पूरा सहयोग देते हैं।

चुटकुला # 0360
उपहार

प्रेमिका- यह क्या बेमतलब का उपहार लाए हो तुम वेलेंटाइन डे पर। चाय के कप तो हमारे घर में भी भरे पड़े हैं।

प्रेमी- यह बेमतलब का नहीं, मतलब का उपहार है प्रिय! यह सदा तुम्हारे होंठों को चूमता रहेगा।

चुटकुला # 0361
पत्थर दिल

प्रेमिका ने प्रेमी की छाती पर हाथ रखते हुए कहा - 'अरे, आपका दिल तो पत्थर के समान कडा है।

'नहीं डाक्षलग! प्रेमी ने मुस्कुराकर कहा, 'तुम्हारा हाथ मेरी जेब में पड़े लाइटर पर है।

चुटकुला # 0362
प्रेमी- प्रेमिका

प्रेमिका- यदि दुनिया में औरत न होती तो तुम्हारी पैंट में बटन कौन टाँकता?

प्रेमी- अगर दुनिया में औरत न होती तो आदमी को पैंट पहनने की जरूरत न होती।

चुटकुला # 0363
धोबी का गधा

एक बार एक धोबी का गधा खो गया। उसे ढूंढते-ढूंढते उसका पूरा दिन निकल गया लेकिन गधा नहीं मिला। परेशान होकर धोबी एक पेड़ पर चढकर चारों तरफ गधे को देखने लगा। इस बीच एक प्रेमी युगल आकर पेड़ के नीचे बैठ गया और प्रेमी ने प्रेमिका की आंखों में आंखें डालकर कहा- डार्लिंग! तुम्हारी आंखों में मुझे सारी दुनिया दिखाई दे रही है।

उनकी बातों को सुन धोबी निवेदन करते हुए बोला-भैया, अगर आपको हमारा गधा दिखाई दे तो बता देना। कहीं खो गया गया है।

चुटकुला # 0364
उदासी

प्रेमिका- क्या बात है जानू, बहुत उदास लग रहे हो।

प्रेमी- हां, मैंने अभी करुणान्त पुस्तक पढी है।

प्रेमिका- कौनसी पुस्तक?

प्रेमी- बैंक की पास बुक।

चुटकुला # 0365

प्यार

प्रेमिका(शरमाते हुए)- तुम मुझे बहुत प्यार करते हो।

प्रेमी- हां, मैं तुम्हें बहुत प्यार करता हूं।

प्रेमिका- जब मैं मर जाउंगी तो तुम बहुत रोओगे।

प्रेमी- हां, मैं बहुत रोऊंगा।

प्रेमिका- तुम कैसे रोओगे, मुझे रोकर बताओ?

प्रेमी-ठीक है, पहले तुम मर कर बताओ।

चुटकुला # 0366

शादी

प्रेमी(प्रेमिका से)- प्रिय, क्या तुम मुझसे शादी करोगी?

प्रेमिका(शरमाते हुए)- हां, हां क्यों नहीं।

इसके बाद दोनों लोग चुपचाप बैठे रहे।

प्रेमिका ने चुप्पी तोडी- अरे तुम तो चुप हो गए, कुछ तो बोलो।

प्रेमी- अब बोलने को रहा ही क्या है।

चुटकुला # 0367

टायर पंचर

प्रेमिका- प्रिय, यह टायर पंचर कैसे हो गया?

प्रेमी- एक कांच की बोतल पर चढ गया था।

प्रेमिका- अच्छा, क्या वह बोतल तुम्हें दिखाई नहीं दी थी।

प्रेमी- नहीं, वह तो उस आदमी की जेब में थी जो मेरी कार के नीचे आ गया था।

चुटकुला # 0368

चुम्बन लेने की कोशिश

एक प्रेमिका अपने प्रेमी से बोली-" अगर तुमने मेरा चुम्बन लेने की कोशिश की तो मैं अपने भाई को आवाज लगा दूंगी।

भाई का नाम सुनकर प्रेमी का जोश ठंडा पड़ गया।

उसने प्रेमिका से पूछा- " कितना बड़ा है तुम्हारा भाई?

प्रेमिका- " अगले महीने एक साल का हो जाएगा।

चुटकुला # 0369
लड़की का हाथ

एक युवक झिझकता हुआ अपनी प्रेमिका के पिता के सामने पहुंचा।

और उसके पिता से बोला- मैं आपसे आपकी लड़की का हाथ मांगने आया हूं।

लड़की का पिता बोला- सिर्फ हाथ नहीं मिल सकता।

लड़का डर गया और धीरे से बोला- तो फिर?

लड़की का पिता मुस्कराया और बोला-मांगनी है, तो पूरी लड़की मांगो।

चुटकुला # 0370
सिस्टर

नई-नई नौकरी पर लगी प्रेमिका नर्स ने प्रेमी को बताया - हॉस्पिटल में मुझे कोई नर्स नहीं कहता।

प्रेमी- तो क्या कहते हैं।

प्रेमिका-सब 'सिस्टर कहते हैं।

प्रेमी (चुटकी लेते हुए) : पर खयाल रहे, अगली तरक्की में कहीं 'मदर मत बन जाना।

चुटकुला # 0371
पकाने के लिए

प्रेमी और प्रेमिका ने जब एक-दूसरे को शादी का वचन दे दिया तो प्रेमिका बोली - डियर, मैं एक बात पहले ही साफ कर दूं कि मुझे खाना बनाना नहीं आता।

प्रेमी बोला - कोई बात नहीं डार्लिंग, एक बात मैं भी पहले साफ कर देता हैूहूं- मैं एक

कवि हूं। मेरे घर में पकाने के लिए कुछ है ही नहीं।

चुटकुला # 0372
ब्यूटी क्लीनिक में नौकरी

प्रेमिका - तुम तो कह रहे थे कि इस ब्यूटी क्लीनिक में तुम्हें नौकरी मिल गयी है। तुम फिर बाहर खड़े क्या कर रहे हो ?

प्रेमी - यहां बाहर खड़ा रहना, भीतर जाने वाली नारियों की उपेक्षा करना है, जब श्रृंगार कराकर बाहर निकले तो सीटी बजाना-यही तो मेरी नौकरी है।

चुटकुला # 0373
बेटी का हाथ

प्रेमी (प्रेमिका के पिता से) : मैं आपकी बेटी का हाथ मांगता हूं।

प्रेमिका का पिता : लेकिन मैं नही चाहता कि मेरी बेटी एक गधे के साथ सारी उम्र गुजारे।

प्रेमी : इसलिए ही तो मैं आपकी बेटी का हाथ मांग रहा हूं।

चुटकुला # 0374
मंगेतर के दांत

एक युवती ने अपनी सहेली से अपने मंगेतर को मिलवाया तो बाद में सहेली बोली -लड़का तो ठीक है, लेकिन जब हंसता है तो उसके ऊबड-खाबड दांत बडे बुरे लगतेहैं।

तो क्या हुआ ? युवती इत्मीनान से बोली - शादी के बाद मैं उसे हंसने का मौका ही कब दूंगी।

चुटकुला # 0375
गजब सरप्राइज !

विजय - 'डार्लिंग, आज हमारी शादी की पच्चीसवीं वर्षगांठ है, मैं तुम्हें एक सरप्राइज देनेवाला हूं।

रेशमा - 'अच्छा, क्या है?

विनय, 'तुमयह जो हीरे की अंगूठी पहने हो, याद है मैंने सगाई के समयतुम्हें मैंने दी थी। अब यह बिल्कुल तुम्हारी है, क्योंकि आज मैंने इसकी आखिरी किश्त चुका दी है।

चुटकुला # 0376
प्यार स्वर्ग से?

वेलेन्टाइन डे के अवसर पर एक सर्वे में लोगों से पूछा कि आप स्वर्ग से प्यार करते हैं या नर्क से? केवल एक व्यक्ति को छोड़कर सभी का उत्तर स्वर्ग था। प्रश्नकर्ता ने कहा कि ताज्जुब है कि आप अकेले व्यक्ति हैं जिन्होंने स्वर्ग के बजाय नर्क को चुना है। क्या आप बताएंगे कि ऐसा क्यों?

मासूमियत से उन्होंने जवाब दिया कि यह धरती नर्क से भी बदतर है और मैं यहीं बहुत खुश हूं। बाकी सब लोगों को आप स्वर्ग जाने दीजिए।

चुटकुला # 0377

प्रेम विवाह !

प्रेमिका - मैं तुमसे विवाह नहीं कर सकती।

प्रेमी - विवाह को मारो गोली! प्रेम तो कर सकती हो?

प्रेमिका - अवश्य कर सकती हूं।

प्रेमी - मगर कब?

प्रेमिका - विवाह के बाद।

चुटकुला # 0378

हसीन सपना !

लड़का - कल रात मैंने सपने में देखा कि मैं संसार की सबसे सुंदर लड़की से बातें कर रहा हूं।
लड़की - अच्छा क्या सचमुच?
लड़का - हां, मैं सच कह रहा हूं।
लड़की - अच्छा तो यह बताओ, कि मैं तुमसे क्या कह रही थी?

चुटकुला # 0379

कारनामा!

बंसी की लंबे अरसे से बेबी से कोर्टशिप चल रही थी। एक दिन जब बेबी बंसी के साथ उसकी कार में बैठी हुई थी बंसी ने कहा - आज मैं तुम्हें राज की एक ऐसी बात बता देना चाहता हूं, जो अब तक मैंने तुमसे छुपा रखी थी।

बेबी ने शंकित होकर पूछा - कौन सी बात?

बंसी ने बताया - यही, कि मैं शादीशुदा हूं।

बेबी ने कहा - ओहो! बंसी! तुमने तो मुझे डरा ही दिया था। मैं समझी कि तुम कहोगे, यह कार तुम्हारी नहीं है।

चुटकुला # 0380
घडी-घडी दिल धडके !

अफलातून - लडकियाँ घडी क्यों पहनती हैं?

पेन्टालून - क्योंकि उन्हें सजना का इंतजार रहता है।

अफलातून - और लड़के घडी क्यों पहनते हैं?

पेन्टालून - क्योंकि उन्हें समय पर सजनी के पास पहुँचना होता है।

चुटकुला # 0381
जानवर जानू !

मालिनी ने अपने प्रेमी की छेडछाड से तंग आकर कहा - तुम तो एकदम जानवर हो, जानवर !
प्रेमी झटका खा गया और गुमसुम होकर पार्क की घास के तिनके उखाडने लगा । मालिनी को उसकी ये अदा भा गई और प्यार से बोली - और पूछो मत, मुझे जानवर कितने पसंद हैं।

चुटकुला # 0382
धडाम ! धूम !!

एक बेकार फिल्म के डायरेक्टर ने आलोचक से पूछा - मेरी इस फिल्म पर
चुटकुला # 0383
आपकी क्या राय है?

आलोचक बोला - मेरी राय में फिल्म के आखिर में हीरो को जहर देने के बजाय उसे गोली मारकर खत्म करना था।

डायरेक्टर ने पूछा - मगर इससे क्या फायदा होता?

आलोचक ने फरमाया - यही फायदा होता कि सोए हुए दर्शक गोली की आवाज सुनकर जाग जाते और अपने-अपने घर चले जाते।

चुटकुला # 0384
दि एंड

पीटू - मैंने प्यार-मोहब्बत से तौबा कर ली है दोस्त ।
किसी हसीन लड़की की तरफ ऑंख उठाकर भी नहीं देखूँगा अब ।

घसीटू - क्यों? क्या किसी लड़की ने तुम्हें ठुकरा दिया?

पीटू - नहीं दोस्त । मुझसे शादी कर ली उसने ।

चुटकुला # 0385
प्रेम गणना !

मोहिनी - 'डार्लिंग मोहन, मुझसे पहले कितनी लडकियाँ तुम्हारे जीवन में आ चुकी हैं?

उत्तर देने के बजाय मोहन ने एक सिगरेट सुलगा लिया । काफी समय बीत गया, तो मोहन ने कहा - मोहन, मैं अभी भी तुम्हारे जवाब का इंतजार कर रही हूँ।

मोहन ने कहा - ठहरो प्रिये ! मैं अभी भी गिन ही रहा हूँ ।

चुटकुला # 0386
शादी की रट !

पीटर अपने दफ्तर की खूबसूरत स्टेनो को बाँहों में समेटे उसके कानों में शहद घोल रहा था - 'तुम मेरी रूह हो। मेरा जीवन हो। मेरा प्रेम पर्वत हो । मुझे तुमसे इतनी मुहब्बत है...इतनी मुहब्बत है कि...
स्टेनो ने उम्मीद के साथ बीच में ही पूछ लिया - 'यानी तुम मुझसे शादी कर लोगे ना?
पीटर ने सिर पीटकर कहा - 'तुम लडकियों में यही बड़ी खराबी है। झट से टॉपिक बदल देती हो।

चुटकुला # 0387
ज्ञानी तोता !

नीना अपने ड्राइंग रूम में अशोक के साथ बैठी थी । मौसम मादक था । रोशनियाँ मध्दिम थीं और घर में पूरा एकांत था । धीमा उत्तेजक संगीत लहराया, तो अशोक ने हिम्मत करके नीना को अपनी बाँहों में भरकर उसके अधर चूम लिए । नीना ने बड़ी अदा से कुछ कहने को मुँह खोला ही था कि कोने में टंगे का पिंजरे का तोता पहले ही बोल पड़ा - 'सुनो तुम पहले मर्द हो जिसने मेरा चुंबन लिया है।

चुटकुला # 0388
प्यासा !

एक लंबी चौडी पार्टी में एक मेहमान ने मेजबान महिला से पूछा - 'वह खूबसूरत बला किस तरफ गई, जो अभी-अभी शरबत बाँटती फिर रही थी?

मेजबान ने पूछा -' क्या आपको शरबत चाहिए?

जवाब मिला - 'जी नहीं, अपना पति चाहिए। वह जरूर शरबत पे शरबत पिए

जा रहा होगा ।

चुटकुला # 0389
मां और उसकी बेटी

एक बंगाली मां और उसकी बेटी बात कर रहे थे।

लड़की को उसकी मां ने डाटते हुए कहा - तुम उस लड़के को मना नहीं कर सकती थीं, जब वह तुम्हारी किस ले रहा था!

लड़की (बड़ी मसूमियत से अपनी मां से बोली) - मां आप तो जानती हैं कि मुझे बंगाली भाषा नहीं आती है।

फिर मैं उसे कैसे डांटती?

चुटकुला # 0390
पीछा करने वाला लड़का

दो लडकियां आपस में बात करती रहती हैं।

पहली लड़की(दूसरी लड़की से)- शीला, वो नीली जींस वाला लड़का है ना, कल से मेरे पीछे पड़ा है। बता ना मैं क्या करुं?

शीला थोडी समझदार रहती है, वह बोली देख वो लड़का .. तेरे पीछे आता है ना .. उसको आने देना, जब वह ज्यादा नजदीक आ जाए तो निकालना चप्पल और सट् से मार देना उसके मुंह पर।

पहली लड़की बोलती है हां यार, कल मैंने ऐसा ही किया था। उसको पीछा करने दिया जब वह नजदीक आ गया तब निकाली चप्पल और जैसे ही मारने को पलटी, तो उफ्!

शीला तो क्या हुआ? बता ना जल्दी।

पहली लड़की वो इतना हेंडसम था कि मैं ही मर गई उस पर और उसे मारने की इच्छा ही नहीं हुई।

चुटकुला # 0391
गरीबी ने किया गंजा ...

गरीबी ने किया गंजा नहीं तो चांद पर जाता!
तुम्हारी मांग भरने को सितारे तोडकर लाता!

बहा डाले तुम्हारी याद में आंसू कई गैलन!
अगर तुम फोन न करती तो यहां सैलाब आ जाता!
तुम्हारे नाम की चिट्ठियां तुम्हारे बाप ने खोली!
उसे उर्दू अगर आती तो वो कच्चा चबा जाता!
तुम्हारी बेवफाई से बना हूं टॉप का शायर!
तुम्हारे इश्क में पड़ता तो सीधा आगरा जाता!

तरकश (http://www.tarakash.com/joglikhi/?p=55) के कुछ जोगलिखे तीर :-

चुटकुला # 0392
डॉक्टर साहब

आधी रात को डॉक्टर के घर फोन फोन आता है." आप घर आ कर देखने की कितनी फीस लेते हैं?"
"सौ रूपैये"
"और क्लीनिक पर देखने के?"
"चालीस रूपैये"
"ठीक हैं फिर आप तैयार हो कर क्लीनिक पहुंचिए, मैं एक घंटे में आ रहा हूँ."

***
चुटकुला # 0393
मरीज का निरीक्षण करते हुए डॉक्टर ने पूछा," आप क्या पीते हैं चाय, कॉफी, सिगरेट, शराब…"
"आप बेकार तकल्लुफ कर रहे हैं, मैं खा-पी कर आया हूँ" मरीज ने कहा.

***

चुटकुला # 0394
पत्नी: 'डॉक्टर साहब मेरे पति को रात में बड़बड़ाने की आदत है, कोई उपाय बताएं".
डॉक्टर:"आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें".

***
चुटकुला # 0395
डॉक्टर वृद्धाश्रम में तीन वृद्ध व्यक्तियों का परिक्षण कर रहा होता है.
डॉक्टर पहले से:." अच्छा बताईये 3 को 3 से गुणा करने पर कितना मिलता है?"
पहला : ," जी 52"
डॉक्टर दुसरे से : " अच्छा आप बताईये 3 को 3 से गुणा करने पर कितना मिलता है?"
दुसरा : " जी बुधवार"
डॉक्टर तीसरे से : " अच्छा अब आप बताईये 3 को 3 से गुणा करने पर कितना मिलता है?"

तीसरा : " 9 मिलता है"
डॉक्टर खुश होकर : "आप को कैसे पता चला?"
तीसरा : " कुछ नहीं मैंने 52 को बुधवार से घटा दिया था"

***

चुटकुला # 0396
मरीज : " डॉक्टर साहब मुझे भूलने कि गम्भीर बीमारी है"
डॉक्टर : "यह बीमारी आपको कब से हैं?"
मरीज : " कौन सी बीमारी? "

***

चुटकुला # 0397
मनोचिकित्सक : "आपको क्या समस्या है"
मरीज : " मुझे लगता है मैं मुर्गा हूं"
मनोचिकित्सक : "आपको ऐसा कब से महसूस हो रहा है"
मरीज : " तभी से जब मैं अण्डा था."

***

चुटकुला # 0398
"डॉक्टर ने कहा था कि वो मुझे एक महीने में पैदल चलने लायक कर देंगे"
"सचमुच? क्या ऐसा हुआ"
" हाँ, मुझे उनके बिल चुकाने के लिए अपनी कार बेचनी पड़ी"

***

चुटकुला # 0399
महिला : "डॉक्टर साहब मेरे पति को लगता हैं कि वे डिश एंटीना हैं"
डॉक्टर : " कोई बात नहीं, मैं उनका ईलाज कर देता हूँ"
महिला : "नहीं नहीं आप केवल उन्हें ठीक से सेट कर दें, ताकि मैं स्टार प्लस देख सकूं"

***

चुटकुला # 0400
गुरू-गुरूघंटाल

शिक्षक : "तो बच्चों, आपकी समझ में आ गया होगा कि मनुष्य की उत्पति कैसे हुई"
बुद्धीधन : "पर मास्टरजी पिताजी तो कहते हैं कि हमारी उत्पति बन्दरों से हुई हैं"
शिक्षक : "बेटा, इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता, यह तुम्हारा पारिवारीक मामला हैं."

***

चुटकुला # 0401

शिक्षक : "तुम्हे आने में देर क्यों हुई?"
विद्यार्थी : "जी, रास्ते में बोर्ड लगा हुआ था, 'आगे स्कुल हैं-कृपया धीरे चलें'"

***

चुटकुला # 0402

शिक्षक : "राम तुम्हे आने में देरी क्यों हुई?"
राम : "जी, मेरे दो रूपैये रास्ते में गिर गये थे, मैं उन्हे ढुंढ रहा था"
शिक्षक : "और श्याम तुम्हे देरी क्यों हुई? क्या तुम्हारे भी रूपैये खो गये थे?"
श्याम : " जी नहीं, मैं तो राम के रूपैये को पावँ के नीचे दबा कर खड़ा था."

***

चुटकुला # 0403

शिक्षक : "ऐसा कोई उदाहरण बताओ जो साबित करे कि गरमी से चीज़े फैलती हैं तथा ठंड में सिकुड़ती हैं."
विद्यार्थी : "गर्मीयों में दिन बड़े होते हैं तथा सर्दीयों में छोटे."

***

चुटकुला # 0404

"उठो बेटा, स्कूल जाने में देरी हो जायेगी"
"नहीं माँ, मैं स्कूल नहीं जाऊंगा."
"क्यों नहीं जाना चाहते, जरा दो कारण भी बता दो."
"एक सारे विद्यार्थी मुझसे नफरत करते हैं, दो सारे टीचर भी मुझसे नफरत करते हैं'
"यह तो कोई कारण नहीं हुआ'
"तो फिर तुम भी कोई दो कारण बताओ कि मुझे स्कूल क्यों जाना चाहिए"
"एक तुम 52 वर्ष के हो, दो तुम स्कूल के प्रिंसीपल हो"

***

कुछ इधर उधर की (http://www.kaulonline.com/chittha/?p=122) से चुटकुलों जैसे विचारों के बेलगाम प्रवाह -

चुटकुला # 0405

विवाह के विषय में कुछ सुभाषित (पुरुषों की नज़र से)

मैं ने सुना है कि प्रेम रसायनशास्त्र की तरह है। शायद यही वजह है मेरी पत्नी मुझे विषैले पदार्थ के समान समझती है।

- डेविड बिसोनेट

कोई व्यक्ति यदि आप की पत्नी को चुरा लेता है, तो उस से बदला लेने का सब से बेहतर तरीका है कि उसे ही रखने दो।

- साचा गिल्ट्री

विवाह के बाद पति पत्नी एक ही सिक्के के दो पहलू बन जाते हैं — वे एक दूसरे का मुँह नहीं देख सकते हैं पर सदा साथ रहते हैं।
विवाह आप के लिए हर तरह से लाभकारी है — यदि अच्छी पत्नी मिली तो सुखी रहेंगे, बुरी मिली तो फिलासफर बनेंगे।

- सुकरात
सफल विवाह में कुछ लेना होता है, कुछ देना। पति का देना और पत्नी का लेना।
नारी हमें महान कार्य करने की प्रेरणा देती है, और उन्हें अंजाम देने से रोकती है।

- ड्यूमास
जीवन का सब से दुष्कर प्रश्न, जिस का मुझे उत्तर नहीं मिल पाया है….. "आखिर नारी चाहती क्या है?"

- फ्रायड
हमारा वार्तालाप हुआ — मैंने कुछ शब्द कहे, और उस ने कुछ पृष्ठ कहे।
"कुछ लोग मुझ से हमारे सफल दांपत्य जीवन का राज़ पूछते हैं। हम हर सप्ताह में दो बार रेस्तराँ जाने का समय निकालते हैं — कैंडल-लाइट डिनर, कुछ संगीत, कुछ नाच। वह हर मंगल जाती है, मैं हर शुक्र।"

- हेनरी यंगमैन
"मैं आतंकवाद से नहीं ड़रता। मैं दो साल तक शादीशुदा रहा हूँ।"

- सैम किनिसन
"बीवियों के बारे में मेरी हमेशा किस्मत ख़राब रही है। पहली मुझे छोड़ कर चली गई, और दूसरी नहीं गई।"

- पैट्रिक मरे
यह सही है कि सब लोग आज़ाद और बराबर जन्म लेते हैं, पर कुछ लोग शादी कर लेते हैं!
विवाह एक ऐसी विधि है जिस के द्वारा आप यह मालूम करते हैं कि आप की पत्नी को किस तरह का व्यक्ति दरकार था।
विवाह को आनन्दमय रखने के दो राज़

1. जब आप गलत हों तो गलती मान लें
2. जब आप सही हों तो चुप रहें

- नैश
मेरी पत्नी को बस दो शिकायतें हैं — पहनने को कुछ नहीं है, और कपड़ों के लिए अलमारियाँ काफी नहीं हैं।
मैं शादी से पहले क्या करता था? …. जो जी में आता था।

- हेनरी यंगमैन
मेरी पत्नी और मैं बीस साल तक बहुत खुश रहे। फिर हमारी मुलाकात हुई।

- रॉडनी डेंजरफील्ड
एक अच्छी पत्नी हमेशा अपनी ग़लती के लिए अपने पति को माफ कर देती है।

- मिल्टन बर्ल
शादी एक अकेला ऐसा युद्ध है जिस में आप अपने शत्रु के साथ सोते हैं।

- अनाम
"मैं ने अपनी पत्नी से कई वर्षों से बात नहीं की। मैं बीच में नहीं टोकना चाहता था।"

- रॉडनी डेंजरफील्ड

***
यह है रीडर्स कैफ़े का निठल्ला चिंतन (http://www.readers-cafe.net/nc/?p=72)

चुटकुला # 0406

एक सोफ्टवेयर प्रोग्रामर मरने के बाद यमराज के पास पहुँचा, उसे बताया गया कि उसके कर्मो के आधार पर उसे ये च्वाइस दी जाती है कि वो स्वर्ग या नर्क में से एक चुन ले। उसने कहा कि वो पहले दोनो जगह देखना चाहेगा। उसे जब दोनो जगह दिखाई गयी तो उसने देखा कि नर्क में लोग क्या मजे से हैं, अप्सरायें नाच रही है, सुरा की नदियां बह रही है, चारों तरफ मस्ती और मजे का आलम है जबकि स्वर्ग में लोग आराम से बैठे तो हैं, लेकिन ना सुरा है ना अप्सरायें, सिर्फ खाने के लिये फल वगैरह है। तो उसने यमराज को नर्क जाने को बोल दिया। कुछ दिनों बाद यमराज जायजा लेने पहुँचे तो देखते है सोफ्टवेयर प्रोग्रामर को जंजीरों से बाँध लटकाया हुआ है, नीचे आग जली है, पीठ पर कोड़े पर रहे हैं वो चीखे जा रहा है। यमराज उसके पास पहुँचे तो वो देखते ही बोला ये क्या नाइंसाफी है आपने तो कुछ और दिखाया था ऐसा तो कुछ नही था। यमराज छुटते ही बोले जो तुमने देखा दरअसल वो स्क्रीन सेवर था।

चुटकुला # 0407

संता सिंह अंडरवियर खरीदने करने दुकान पर पहुँचे, जब एक पसंद करी तो दुकानदार ने उसका दाम बताया 150 रूपये। संता बोले अरे भाई डेलीवियर दिखाओ पार्टी वियर नही चाहिये।

चुटकुला # 0408

एक बार संता 'वांटेड' का पोस्टर देखके सोच में पड़ गये, सोचने लगे कि साला वांटेड था तो फोटो खींचने के बाद उसे जाने क्यों दिया।

चुटकुला # 0409

संता सिंह जी कार की बैटरी बदलवाने गये, मैकनिक बोला कि एक्साइड (Exide) कि डाल दूँ, संता बोले नही यार दोनो साइड की डालना नही तो बाद में फिर प्रोब्लम करेगी।

चुटकुला # 0410

संता के भाई बंता एक बार बुक्स वापस करने लाइब्रेरी पहुँचे, मेज पर पटक कर बोले, क्या बकवास है - सारी बुक पड़ ली, इतने सारे करेक्टर थे, कोई कहानी ही नही थी। लाईब्रेरियन बोला अच्छा तो वो तुम थे जो टेलिफोन डायरेक्टरी ले गया था।

चुटकुला # 0411

बंता सिंह एक बार संता को बोले ओये तु हर एस एम एस (SMS) को दो बार क्यों भेज रहा है। संता ने जवाब दिया कि क्योंकि तुझे अगर एक फोरवर्ड करना पड़े तो दूसरा तेरे पास रहे।

चुटकुला # 0412

संता सिंह जी अपने एक दोस्त को बोले यार मैं ट्रेन में सारी रात नही सो पाया। दोस्त ने पूछा, क्यों? संता बोले, अरे वो ऊपर की बर्थ जो मिली थी। दोस्त ने कहा कि तुमने बदली क्यों नही। संता बोले, ओये नीचे की बर्थ में कोई था ही नही बदली करने को।

चुटकुला # 0413

टीचर ने क्लास में जनसंख्या के बारे में बताया कि भारत में एक औरत हर दस सैकंड में एक बच्चे को जन्म देती है। संता खड़े होकर बोले, हमें तुरंत ही उसे ढूँढ कर रोकना चाहिये।

चुटकुला # 0414

संता ने एक आदमी से पूछा, ये सारे लोग दौड़ क्यों रहे हैं? आदमी ने जवाब दिया कि ये दौड़ है जो जितेगा उसे कप मिलेगा। संता बोले कि अगर सिर्फ जीतने वाले को कप मिलेगा तो बाकी लोग क्यों दौड़ रहे हैं।

चुटकुला # 0415

संता ने एक लड़की को प्रपोज किया, लड़की बोली मैं तुम से 1 साल बड़ी हूँ। संता बोले, ओये नो प्रोब्लम सोणिये, मैं तुम से अगले साल शादी करूँगा।

चुटकुला # 0416

संता एक बार अपनी आखिरी इच्छा बता रहे थे कि मैं अपने दादा की तरह शांति के साथ नींद में ही जन्नत को प्यारा होऊँ ना कि जिस गाड़ी को मेरे दादा चला रहे थे उसमें बैठे चीखते चिल्लाते पैसेंजरों की तरह।

चुटकुला # 0417

संता आर्ट गैलरी में पहुँच बोले, इस खतरनाक सी दिखने वाली तस्वीर को आप मार्डन आर्ट कहते हो। गैलरी वाला बोला, 'माफ कीजिये सर, ये तो मिरर (दर्पण) है।

चुटकुला # 0418

एक बार संता बहुत धीरे धीरे लिख रहे थे, दोस्त ने कहा इतने धीरे क्या लिख रहे हो। संता बोले अपने 6 साल के बेटे को लैटर लिख रहा हूँ वो तेज नही पढ़ सकता ना।

चुटकुला # 0419

एक आदमी ने एक बार संता सिंह से पूछा, ये मनमोहन सिंह जी वॉक पर शाम को क्यों जाते हैं सुबह क्यों नही? संता ने जवाब दिया, "अरे भई मनमोहन इज पीएम (PM) नोट ए एम (AM)।

***

ये हैं चुटकुलों के कुछ मंतव्य (http://www.tarakash.com/mantavya/2006/07/21.html)

चुटकुला # 0420

एक बार मैरे सागर भाई सा. साइबर कैफे में बैठे बाहर सडक की ओर देख रहे थे. अचानक उन्हें सामने से आता एक सुमो पहलवान दिखा. इत्ता बडा आदमी तो उन्होंने जिन्दगी में कभी देखा ही नहीं था. जैसे ही वो पास आया, भाई सा. पूछ बैठे, "भाई तू कौन?" सुमो पहलवान बोला ,"सुमो पहलवान" और चला गया.

उसके पीछे पीछे सुमो पहलवान की बीवी निकली. कद में थोडी छोटी थी पर माशाअल्ला वो भी खाते पीते घर की हट्टी कट्टी थी. भाई सा. तो चौंक गए, बोले "अरे तू कौन?" वो बोली,"सुमो पहलवान" और चली गई.

इतने उनका बच्चा पीछे पीछे आया. कद में तो छोटा पर था सांड जैसा.
भाई सा. बोले,'अरे भैया तू कौन?" वो बोला,"सुमो पहलवान" और चला गया.

भाई सा. हैरत मे तब पड गए जब उनके पीछे पीछे डेढ फुटिया बच्चा निकला. थोडा मनचला था. भाई सा. को ठोकर देता निकल गया. भाई सा. धड़ाम से गिरे. चीख निकली और भाई सा. बोले,"हे भगवान, अरे बाबा तु कौन?" बच्चा खी खी करता बोला,"सुमो पहलवान. और आप कौन?"

भाई सा. कराहते हुए बोले," हूँ तो मै भी सुमो पहलवान. आजकल थोडा बीमार चल रहा हूँ."

चुटकुला # 0421

डॉ. सुनील के पास एक आदमी भागा भागा आया. बोला," डोकटर साहेब, देखो मेरी बीवी को क्या हो गया है. कब से चिल्लम चिल्ली कर रही है."

डॉक्टर बोले,"कोई गल्ल नहीं, अन्दर इनकी जाँच करते हैं" थोडी देर बाद डॉक्टर बाहर आए और बोले,"नर्स जल्दी से पेचकश दो". आदमी डर गया – ओये यह क्या?

थोडी देर बाद डॉक्टर साहेब फिर बाहर आए और बोले,"धत्त तेरे कि पत्ता नही कै हो गया है, नर्स जल्दी से हथौडा दो." अब तो बेचारा आदमी बुरी तरह डर गया. बोला,"मालिक मेरी बीवी को हुआ क्या है?"

डॉक्टर साहेब बोले," अरे बापु चेक तो करने दो. यहाँ तो मेरी बेग ही नही खुल रही है."

चुटकुला # 0422

मेरा दोस्त रवि कामदार एक शुक्रवार को अपनी नई नवेली गर्लफ्रेंड को लेकर एक ज्वैलर के शोरूम में गया और कहा,"भईया, मेरी स्वीट हार्ट के लिए एक सुन्दर सी अंगूठी दिखाओ."

सेल्समेन ने एक अंगूठी निकाली और कहा,"ये देखिए सर, कितनी सुन्दर है. सिर्फ 5000 रूपये." रवि बोला, "बस! अरे यार थोड़े ढंग की दिखाओ"

सेल्समेन खुश हो गया. एक और अंगूठी निकाली और बोला,"ये देखिए सर. एकदम आपके क्लास की. कीमत 25000 रूपये." रवि बोला,"बस यह ठीक है. ये लीजिए 25000 का चेक. आप सोमवार को बेंक में एकबार चेक करवा लेना. हम अंगूठी फिर ले जाएंगे."

सोमवार को सेल्समेन ने रवि को फोन किया,"सरजी, आपकी बेंक में तो बेलेंस ही नही है!" रवि बोला, "कोई बात नहीं, लेकिन मैरा वीकेंड बडा मजेदार गुजरा"

चुटकुला # 0423

एकबार मैं, अमित और संजयभाई दुनिया से कल्टी हो लिए और पहुँच गए स्वर्ग नरक जंक्शन पर. वहाँ बही खाता लिए चित्रगुप्त से भिडंत हो गया.

चित्रगुप्त,"चलो अपना अपना नाम बोलो"
अमित,"नही बताएंगे. पैचान कौन?"
चित्रगुप्त,"अच्छा ये बात है, तो बताओ वो कौन सी प्रोग्रामिंग लेंग्वेज है जो एक पेय भी है?"
अमित हँसा और बोला,"लो कर लो गल्ल. ए तो जावा है."
चित्रगुप्त बोला,"वाह वाह आप तो अमित गुप्ता हैं, आओ आओ. अच्छा अब आप बताओ सिंगापुर पहले क्या था?"
अब संजयभाई बोले,"भईया, सिँहपुर था".

चित्रगुप्त झट पहचान गया. बोला,"अहोभाग्य संजयभाई आओ आओ."

अब मै बचा. शक्ल से ही झंडु बाम लगता हुँ.
चित्रगुप्त बोला,"तेरे लिए इजी लेता हुँ. बोल भारत के प्रधानमंत्री कौन."
मैं बोखलाया, सर खुजाया, मुहँ बनाया, गाल सहलाया और बोला,"सरदारजी"

चित्रगुप्त: "हम्म.. पंकज बेंगाणी. आजा इधर साइड में. नर्क की लाइन में लग जा"
***
पंकज भाई अंबाले वाले (http://ms.pnarula.com/200607/हिन्दी-चुटकले-अनुगूँज-21/) के यह चुटकुले भी खूब रहे-
***
चुटकुला # 0424

संता बंता पेड़ पर बैठे हैं। बंता गाना गाना शुरु कर देता है। चार पांच गाने गाने के बाद वह थोड़ा चुप होता है व फिर चमगादड़ की तरह उलटा लटक कर फिर गाना शुरु कर देता है। संता पूछता है - ओ भाई की कर रिहा है। बंता - यार पहले साइड ए के गा रहा था अब साइड बी के गाने गा रहा हूँ।

चुटकुला # 0425

दो लड़किया बातें कर रही हैं। ए शीना, ए शीना ते को पता है जब लड़किया बातें कर रही होती हैं तो लड़को के कान खड़े हो जाते हैं। दूसरी लड़की - हैं बहन उसे कान भी कहते हैं।

चुटकुला # 0426

तमिल, गुजराती व पंजाबी इक्कठे काम करते हैं व रोज लंच पर मिलते हैं। तीनो एक ही तरह का खाना खा खा कर पक चुके होते हैं। तमिल कहता है कि गर कल फिर लंच में बीवी ने इडली रखी तो वह कूद कर जान दे दे गा। गुजराती कहता है कि अगर उसे फिर एक बार खाकरा खाने को मिला तो वह भी बनाने वाले के पास चला जाएगा। पंजाबी भी परांठों के बारे में यही विचार जाहिर करता हैं। अगले दिन तीनों मिलते हैं व लंच में वही देख कर तीनों कूद कर जान दे देते हैं। शम्शान में तीनों की बीवियाँ बात कर रही हैं। तमिल बीवी - हाय अगर मुझे पता होता कि ये इडली के कारण जान दे देंगे तो में उतपम्म बना कर भेजती। गुजराती - हाय मुझे भी खाकरा ले डूबा। हाय रे। आखिर में पंजाबी बीवी के चेहरे पर बहुत परेशानी के भाव हैं व वह कहती पर मेरे सरदार जी तो सुबह आप ही लंच बनाते थे।

चुटकुला # 0427

एक ग्रामीण शहर में आ कर घूम रहा है व घूमने के बाद थक कर कुछ खाने की जगह ढूढंता है। शहर के बाहर बाहर होने की वजह से वहाँ कुछ मिलता नहीं और वह भटकता हुआ

कचहरी पहुँच जाता है। उसे कचहरी के बारे में जानकारी नहीं होती और व किसी जिरह चल रहे केस की कार्यवाही में पहुँत जाता है। कार्यवाही के दौरान शोर मचने पर जज चुप कराने के लिए कहता है - ऑडर ऑडर। अपना ग्रामीण भाई - हाँ हाँ दो कुलचे ते इक छोलयाँ दी प्लेट (यह मेरा बचपन का सबसे पहला याद किया चुटकला है)

चुटकुला # 0428

आजादी की लड़ाई के दिनों में महात्मा गाँधी के खादी प्रेम के चलते सभी को खादी ही प्रयोग करनी पड़ती थी। पंडित नेहरु को सर्दियों में लग गया जुकाम अब खादी का रुमाल होता है खुरदरा। बस जब नाक पोंछनी नाक पर खादी रेगमार जैसे काम करती। इस मारे नाक एक दम लाल हो गया। गाँधी जी ने नेहरु के लाल नाक को देख कर कहा कि - क्यूँ भई जूकाम कैसा है। नेहरु बोले - चिंता की बात नहीं आप के खादी के रुमालों से कुछ दिनों में नाक ही नहीं रहेगा फिर जुकाम ही न होगा।

चुटकुला # 0429

लाँग रुट की बस का कंडक्टर एक गाँव वालो से बड़ा परेशान था। गाँव वाले हाथ देकर अगले गाँव जाने के लिए भी बस रुकवा लेते थे जबकि वह बस का स्टॉप भी नहीं था। अब बस जा रही है व वह गाँव आने वाला है। कंडक्टर पीछे से ड्राइवर को आवाज लगाता है कि - रै भाई इब के ना रोकिए, कोई रस्ते माँ हो तो सालयाँ ने पेल दिए। ड्राइवर भी जोश में आकर गाड़ी की स्पीड बढ़ा देता है। फिर क्या देखता है की गाँव आने पर एक बुढ़िया एक छोटे से लड़के, जिस ने सिर्फ बुशर्ट ही पहन रखी है, के साथ सड़के के बीचो बीच खड़ी है। ड्राइवर को गाड़ी में ब्रेक लगानी पड़ी जाती है। ड्राइवर थोड़ा सा साइड मार कर अपनी खिड़की से सर निकाल कर गुस्से में पूछता है - रै माई कित जा गी। बुढ़िया - ना बेटे जाणा तो कोनी, बालक रोवे था इसने भोपूं बजा के दिखा दे।

***

मेरा पन्ना (http://www.jitu.info/merapanna/?p=559) की दुकान के कुछ भयंकर मीठे चुटकुले -

चुटकुला # 0430

पंजाब के एक रेलवे स्टेशन पर एक सरदारजी दौड़ते हुए स्टेशन मास्टर के पास आए, और बोले " साहब! वहाँ प्लेटफ़ार्म नम्बर १ की पटरी पर लगभग १०० सरदार ट्रेन के नीचे आ गए है।चलिए" स्टेशन मास्टर का माथा ठनक गया।तो दौड़े दौड़े प्लेटफ़ार्म पर पहुँचे तो देखा लगभग १०० सरदार ट्रेन से कटकर मर चुके थे।स्टेशन मास्टर ने दौडकर आने वाले सरदार से मामला पूछा:

स्टेशन मास्टर :क्या हुआ था?

सरदार : साहब! एक मिनिस्टर आने थे, ट्रेन से। सारे सरदार उस मिनिस्टर के स्वागत के लिये प्लेटफ़ार्म पर खड़े थे।अचानक एनाउन्समेन्ट हुई, कि ट्रेन प्लेटफ़ार्म नम्बर एक पर आ रही है। बस फिर क्या था,सारे सरदार पटरी पर उतर पड़े, अपने नेता के स्वागत के लिये और कट कर मर गए।

स्टेशन मास्टर : अच्छा तो ये बात है, लेकिन तुम कैसे बच गए तुम भी तो सरदार हो।
सरदार : साहब मै तो स्टेशन पर आत्महत्या करने आया था, इत्ते सारो के ऊपर कैसे कूदता?

चुटकुला # 0431

एक छोटा सा जोक है:
एक सरदार कान पर मोबाइल लगाए, बात करते हुए जा रहे थे, अचानक उनके मोबाइल की घन्टी बज उठी।

चुटकुला # 0432

एक जनाब अक्सर अपनी बीबी को छेड़ा करते थे। जब भी वे काम पर जाते तो बोलते:
"गुड बाय! चार बच्चों की अम्मा। "
बीबी बहुत परेशान, एक दिन उसने भी जवाबी हमला बोल दिया। जैसे ही पति बोला,
"गुड बाय! चार बच्चों की अम्मा।
बीबी बोलो : "बाय बाय, दो बच्चो के बापू।"

चुटकुला # 0433

मानो या ना मानो, सन्ता सिंह और बन्ता सिंह एक दिन शतरन्ज खेलते हुए पाए गए।

चुटकुला # 0434

एक शेर मुलाहिजा फरमाए :
जिसके दिल मे दर्द है वो दिलदार है
जिसके दिल मे दर्द है वो दिलदार है
जिसके दिल मे दर्द है वो दिलदार है
जिसके सर मे दर्द है वो सरदार है।

अब कुछ निरन्तर के पुराने अंक से :

चुटकुला # 0435

समाचार वाचक सुक्खी ने समाचार चैनल पर एक ब्रेकिंग न्यूज़ कुछ यों दी

एक दो सीटर जहाज आज पंजाब के एक कब्रिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्थानीय सरदारों को पाँच सौ लाशें मिली है और वे अभी बाकी यात्रियों को खोद खोद कर ढूँढ रहे हैं।

चुटकुला # 0436

सुक्खी एक बीमार चीनी दोस्त कि मिजाजपुरसी करने देखने अस्पताल गये। जब वे बस जा ही रहे थे कि उसी पल उनका दोस्त उनके सामने ही तीन शब्द "चिन यू यान" कह कर खुदा को प्यारा हो गया। सुक्खी बड़े परेशान हुये। पुस्तकालय जाकर तुरंत एक चीनी शब्दकोश देखा उस वाक्य का मतलब पता करने के लिये। मतलब पता चला, "नामुराद! तू मेरी आक्सीजन ट्यूब पर पाँव रक्खे खड़ा है।"

चुटकुला # 0437

अध्यापक: सुक्खी, तुम्हारा कुत्ते पर लिखा निबंध तुम्हारे भाई के निबंध जैसा क्यो हैं? क्या तुमने नकल की?
सुक्खी:ओ नइ जी नइ, बात यह है कि हम दोनों ने एक ही कुत्ते पर निबंध लिखे हैं।

चुटकुला # 0438

टीचर : राजू अपने पिताजी का नाम अंग्रेजी मे लिखो
राजू : ब्यूटीफुल रेड मेल अन्डरवियर
टीचर : ये क्या बदतमीजी है
राजू मासूमियत से बोला : "मास्साब मेरे पिताजी का नाम सुन्दर लाल चड्ढा है।"

चुटकुला # 0439

एक बार एक सरदार जी, हिन्दू,मुस्लिम और अंग्रेज हनुमान के मन्दिर के बाहर बैठे थे।सभी हनुमान को अपने अपने धर्म का बता रहे थे।
हिन्दू बोला: "हनुमान जी हमारे ईष्ट देव है। रामायण मे इसका उल्लेख है।
मुसलमान : "हनुमान शब्द, सुलेमान से बना है, इसलिए हनुमान मुसलमान हुए"
अंग्रेज बोला: "हनुमान, हैनीमैन, सुपरमैन शब्द से बना है, इसलिए हनुमान अंग्रेज हुए।"
सरदार बहुत देर तक बकझक सुनता रहा, आखिर मे बोला : "हनुमान सरदार थे"
सभी : "कैसे?"
सरदार : देखो, बीबी किसकी गयी थी? राम की। लेकर कौन गया था? रावण। लंका मे जाकर कौन पिला था? हनुमान। सिर्फ़ एक सरदार ही बिलावजह कंही भी पिल सकता है। इसलिए हनुमान सरदार थे।
***

और ये हैं फ़ुरसतिया (http://hindini.com/fursatiya/?p=158) के कुछ प्राचीन, वजनदार चुटकुले

चुटकुला # 0440

.एक मियाँ साहेब परदेस में सरिश्तेदारी पर नौकर थे। कुछ दिन पीछे घर का एक नौकर आया और कहा कि मियाँ साहब,आपकी जोरू राँड हो गई। मियाँ साहब ने सिर पीटा,रोए

गाए,बिछौने से अलग बैठे, सोग माना, लोग भी मातम-पुरसी को आए। उनमें उनके चार पाँच मित्रों ने पूछा कि मियाँ साहब आप बुद्धिमान हो के ऐसी बात मुँह से निकालते हैं, भला आपके जीते आपकी जोरू राँड होगी। मियाँ साहब ने उत्तर दिया-"भाई बात तो सच है,खुदा ने हमें भी अकिल दी है,मैं भी समझता हूँ कि मेरे जीते मेरी जोरू कैसे राँड होगी। पर नौकर पुराना है,झूठ कभी न बोलेगा।

चुटकुला # 0441

.दो कुमारियों को एक जादूगरनी ने खूब ठगा,उनसे कहा कि हम एक रुपये में तुम दोनों को तुम्हारे पति का मुख दिखा देंगे और रुपया लेकर उन दोनों को एक आईना दिखा दिया। बिचारियों ने पूछा," यह क्या"? तो बह डोकरी बोली-"बलैया ल्यौ जब ब्याह होगा तो यही मुंह दूल्हे का हो जायेगा।"

चुटकुला # 0442

एक नामुराद आशिक से किसी ने पूछा,"कहो जी तुम्हारी माशूक तुम्हें क्यौ नहीं मिली?"बेचारा उदास होके बोला,"यार कुछ न पूछो। मैंने इतनी खुशामद की कि उसने अपने को सचमुच की परी समझ लिया और हम आदमियों से बोलने में भी परहेज किया।

चुटकुला # 0443

लाला रामसरन लाल ने देर होने पर रामचेरवा से खफा होकर कहा,"क्यौं बे नामाकूल आज तू इतनी देर कर आया कि और नौकरों के काम शुरू किये एक घंटा से ज्यादा गुजर गया"। वह नटखट झट बोला,"तब लालाजी ओमें बात को हौ ! सांझ के हम और लोगन से एक घंटा अगौंऐं चल जाब हिसाब बराबर होय जाइब"।

चुटकुला # 0444

.एक धनिक के घर उसके बहुत से प्रतिष्ठित मित्र बैठे थे,नौकर बुलाने को घंटी बजी। मोहना भीतर दौड़ा पर हंसता हुआ लौटा और नौकरों ने पूछा,"क्यौं बे हंसता क्यौं है?" तो उसने जबाब दिया,"भाई,सोलह हट्टे-कट्टे जवान थे उन सभी से एक बत्ती बुझाये न बुझी। जब हम गये तब बुझाई।"

चुटकुला # 0445

किसी अमीर ने जरा सी शिकायत के लिये हकीम को बुलाया। हकीम ने आकर नब्ज देखी और पूछा-

आपको भूख अच्छी तरह लगी है?

अमीर ने कहा- हाँ।

हकीम ने फिर सवाल किया-आपको नींद भरपूर आती है?

अमीर ने जवाब दिया-हाँ।

हकीम बोला- तो मैं कोई दवा ऐसी तजबीज़ करता हूँ जिससे यह सब बातें जाते रहें।

चुटकुला # 0446

अमेरिका के एक जज ने किसी गवाह की हाजिरी और हलफ लाने के लिये हुक्म दिया।

वकीलों ने इत्तिला दी कि वह शख्स बहरा और गूंगा है।
जज ने कहा,"मुझे इससे कोई गरज़ नहीं कि वह बोल सकता है या नहीं। यूनाइटेड स्टेट्स का कानून यह मेरे सामने मौजूद
है। इसके मोताबिक हर आदमी को अदालत में बोल सकने का हक हासिल है और जब तक मैं इस अदालत में हूँ हर्गिज कानून के बखिलाफ तामील होने की इजाजत न दूंगा जिसमें किसी की हकतलबी हो। जो कानून की मनशा है उस पर उसको जरूर अमल करना पड़ेगा।"

चुटकुला # 0447
.मिलटन की बीबी निहायत बदमिजाज थीं मगर खूबसूरत भी हद से ज्यादा थी। लार्ड बकिंगहेम ने एक रोज मिलटन के सामने उसकी नजाकत की तारीफ करते हुये उसकी उपमा गुलाब के फूल से दी।
मिलटन ने कहा ,"चूंकि मैं अंधा हूँ और नजाकत नहीं देख सकता तो भी आपकी बात की सचाई पर गवाही देता हूँ। हकीकत में वो गुलाब का फूल है क्योंकि कांटे अक्सर मेरे भी लगते रहते हैं।

चुटकुला # 0448
एक डाक्टर साहिब कहीं बयान कर रहे थे कि दिल और जिगर की बीमारियाँ औरतों से ज्यादा मर्दों को होतीं हैं।

एक जवान खूबसूरत औरत बोल उठी," तभी मर्दुए औरों को दिल देते फिरते हैं।"

चुटकुला # 0449
एक शख्स ने किसी से कहा कि अगर मैं झूठ बोलता हूँ तो मेरा झूठ कोई पकड़ क्यों नहीं पाता?

उसने जवाब दिया -आपके मुंह से झूठ इस कदर जल्दी-जल्दी निकलता है कि कोई उसे पकड़ नहीं सकता।

चुटकुला # 0450
एक वकील ने बीमारी की हालत में अपना सब माल और असबाब पागल, दीवाने और सिड़ियों के नाम कर दिया।

लोगों ने पूछा, "यह क्या किया?"

उसने जवाब दिया," यह माल मुझे ऐसे ही आदमियों से मिला था इसीलिये अब उनका माल उनको ही दिये जाता हूँ।"

चुटकुला # 0451

एक काने ने किसी आदमी से यह शर्त बदी कि जो मैं (काना) तुमसे(आदमी से) ज्यादा देखता हूँ तो पचास रुपया जीतूँ और जब शर्त पक्की हो चुकी तो काना बोला कि लो मैं जीत गया।

आदमी ने पूछा-कैसे?

काने ने जवाब दिया-"मैं तुम्हारी दोनों आंखे देखते हो और तुम मेरी एक ही देख पाते हो।"

चुटकुला # 0452

एक राजपूत बहुत अफीम खाता था। संयोग से उसे विदेश जाना पड़ा। वहां किसी अड्डे पर रुका तो लोगों ने सावधान किया-ठाकुर साहब!यहाँ चोरी बहुत होतीं हैं। आप चौकसी से रहियेगा। यह बात सुनकर रात तो उसने जागकर काटी,पर यह बात जी में रखी कि चोरी बहुत होती है। भोर होते ही वो घोड़े की पीठ लगाकर एक नगर के बीच चला जाता था कि एका एकी पीनक से चौंक कर पुकारा,अरे रमचेरा!अरे रमचेरा! घोड़ा कहाँ? वह बोला महाराज! घोड़े पे तो बैठेही जाते हो,और घोड़ा कैसा? अफीमची ठाकुर साहब बोले," ये तो हमें भी पता है कि हम घोड़े पर ही बैठे हैं। इस बात की कुछ चिंता नहीं पर सावधान रहना अच्छा है।"

चुटकुला # 0453

.किसी बड़े आदमी के पास एक ठठोल आ बैठा था,और इनके यहां कहीं से गुड़ आया।उसने ठठ्ठे में कहा कि महाराज! मैंने जनम भर में तीन बिरिया गुड़ खाया है।

बोला,बखान कर। ठठोल बोला,'एक तो छठौ के दिन जनमघूंटी में खाया था ;और एक कान छिदाये थे; और एक आज खाऊंगा।

उन्ने कहा,जो मैं न दूं तो? वो ठठोल बोला तो दो ही सही!

चुटकुला # 0454

एक सौदागर किसी रईस के पास एक घोड़ा बेचने को लाया और बार-बार उस की तारीफ में कहता ,"हुजूर यह जानवर गजब का सच्चा है"।

रईस साहब ने घोड़े को खरीदकर सौदागर से पूछा कि घोड़े के सच्चे होने से तुम्हारा क्या मतलब है।

सौदागर ने जवाब दिया"हुजूर जब कभी मैं इस घोड़े पर सवार हुआ तो इसने हमेशा गिरने का खौफ दिलाया और सचमुच इसने आज तक कभी झूठी धमकी नहीं दी।"

चुटकुला # 0455

.एक दिल्लगीबाज शख्स एक वकील से ,जिसने किसी मजनून पर एक वाहियात सा रिसाला लिखा था, राह में मिला और बेतकुल्लफी से कहा,"वाह जी तुम भी अजब आदमी हो कि मुझसे आज तक अपने रिसाले का जिकर भी न किया। अभी कुछ वरक जो मेरी नजर से

गुजरे उसमें मैंने ऐसी उम्दा चीजें पाईं कि जो आज तक किसी रिसाले में देखने में न आईं थीं।

वह शख्स इस लाइक आदमी की ऐसी राय सुनकर खुशी के मारे फूल उठा और बोला,"मैं आपकी कद्रदानी का निहायत ही शुक्रगुजार हुआ-मेहरबानी करके बतलाइये कि वह कौन-कौन सी चीजें हैं जो आपने उस रिसाले में इस कदर पसंद कीं।"

उसने जवाब दिया ,"आज सुबह को मैं एक हलवाई की दुकान की तरफ से गुजरा तो क्या देखा कि एक लड़की आपके
रिसाले के वरकों में गर्मागर्म समोसे लपेटे लिये जाती है। ऐसी उम्दा चीज आज तक किसी रिसाले में देखने में न आईं थीं।"

चुटकुला # 0456
मोहिनी ने कहा-न जानैं हमारे पति से ,जब हम दोनों की राय एक ही है, तब फिर क्यों लड़ाई होती है।
क्योंकि वह चाहते हैं कि मैं उनमें दबूं और यही मैं भी चाहती हूँ।

चुटकुला # 0457
एक मौलवी साहब अपने एक चेले के यहाँ खाने गये। जब मेज पर खाना लग चुका तो चेले ने मौलाना साहब से दुआ मांगने को कहा।
एक लड़के ने जो वहाँ हाजिर था घबड़ाकर अपने बाप से पूछा,"बाबा जब यह कहीं खाने आते हैं तब हमेशा हाथ उठा कर बड़ी मिन्नत करते हैं। क्यो जो आरजू न करें तो लोग बुला कर भी इन्हें भूखा फेर(लौटा) दें।"

चुटकुला # 0458
किसी लायक मौलवी ने एक बार निहायत उम्दा और दिलचस्प तौर पर तकरीर की कि खैरात के बराबर दुनिया में कोई अच्छा काम नहीं है।
एक मशहूर कंजूस जो वहां मौजूद था बोला,"इस तकरीर में यह अच्छी तरह साबित हो जाता है कि खैरात करना फर्ज है इसलिये मेरा भी जी चाहता है कि फकीर हो जाऊं।"

चुटकुला # 0459
लार्ड केम्स अक्सर अपने दोस्तों से एक शख्स का किस्सा बयान किया करते थे जिससे उनके मुलाकाती होने का बड़ा पक्का पता बतलाया गया था। लार्ड साहब जिन दिनों जज थे एक बार किसी सफर में राह भूल गये और एक आदमी से जो सामने पड़ा दर्खास्त की कि भाई हमें रास्ता बता देना।

उसने बड़ी मोहब्बत से जबाब दिया,"हुजूर मैं निहायत खुशी से आपकी खिदमत में हाजिर हूँ। क्या हुजूर ने मुझे पहचाना नहीं ? मेरा जान ...है और मैं एक बार बकरी चुराने की इल्लत में हुजूर के सामने पेश होने की इज्जत हासिल कर चुका हूँ।"

“अहा जान,मुझे बखूबी याद है। और तुम्हारी जोरू किस तरह है? उसने भी तो मेरे सामने होने की इज्जत हासिल की थी क्योंकि उसने चोरी की बकरियों को जानबूझकर घर में रख छोड़ा था।”

हुजूर के इकबाल से बहुत खुश है।हम लोग उस बार काफी सबूत न होने की बदौलत छूट गये थे। अब तक हुजूर की बदौलत वही पेशा किये जाते हैं।

लार्ड केम्स बोले,”तब तो हम लोगों को एक दूसरे से मुलाकात की फिर भी कभी इज्जत हासिल होगी।”

चुटकुला # 0460

एक नौजवान जोड़ा किसी हिल स्टेशन में हनीमून के लिये गया। होटल में खाने के रेट वगैरह तय हो गये। संयोग कुछ ऐसा हुआ कि वे रोज बाहर घूमने जाते तो रात का खाना बाहर ही खाकर आते । तथा इस दौरान वे होटल में मना भी नहीं कर पाते कि वे रात का खाना नहीं खायेंगे।

होटल से चलते समय जब बिल मिला तो उसमें डिनर के पैसे जुड़े थे। पति बोला-भई डिनर तो हमने कभी लिया नहीं। ये डिनर के पैसे कैसे जोड़ दिये?

मालिक बोला-आपने तो मना भी नहीं किया। हम रोज बनाते रहे कि हमारे ग्राहक भूखे न रहें। आपके लिये खाना तो तैयार था। आप न खायें तो हमारा क्या दोष ? पैसे तो डिनर के बिल में जुड़ेंगे।

आदमी ने पैसे दे दिये। सूटकेस उठाकर बाहर की तरफ चलने लगा। अचानक उसने होटल मालिक की गरदन पकड़ ली।

बोला ,”तुमने मेरी बीबी को छेड़ा कैसे? पांच हजार रुपये दो तुरंत नहीं तो पुलिस को रिपोर्ट करता हूँ।”

होटल वाला बोला मैंने कहां छेड़ा? मैंने तो उसकी तरफ आंख उठाकर भी नहीं देखा।

पति गरदन दबाते हुये बोला-”तुमसे उसे छेड़ा नहीं तो इसमें उसकी क्या गलती? वो तो तैयार थी!”

चुटकुला # 0461

एक मूर्ख से लड़के की शादी हो गयी। शादी के बाद ससुराल वालों को पता चला कि लड़का बेवकूफ है। लेकिन न इसकी पुष्टि हो पायी न खंडन। लिहाजा वे चुप रहे। शादी के कुछ दिन बाद गौने के लिये अपनी दुलहन को लेने के लिये लड़का ससुराल जाने लागा तो उसकी समझदार मां ने समझाया-बेटा ससुराल में सब बडों को प्रणाम करना ,आदर केसाथ बोलना तथा छोटों से प्यार से बोलना।

लड़के ने कहा -अच्छा अम्मा। अउर कुछ?

मां बोली-हां बेटा । एक बात और करना कि वहां जो बोलना शुद्ध-शुद्ध बोलना ।

लड़का बोला-शुद्ध-शुद्ध बोलना ! यहिका का मतलब है?

मतलब यह कि बेटा वहां जब कोई पूछे खाना कइस बना है ? तो यह न कहना कि खाना नीक (अच्छा)बना है। कहना-भोजन बड़ा स्वादिष्ट है। और हां,पानी को पानी न कहना जल कहना ताकि लोग समझें कि दामाद पढ़ा-लिखा विद्वान है।

लड़के ने बात गांठ बांध ली तथा ससुराल के चल पड़ा।

ससुराल में उसके सभ्य व्यवहार से सब लोग चकित रह गये। वे समझे कि किसी ने उनको भड़काने के लिये दूल्हे के बारे में अफवाह उड़ा दी है कि वह पागल है। ऐसा विनयी,मितभाषी दामाद उन लोगों ने आसपास कहीं नहीं देखा था।

फिर भी गांव की महिलाओं में उत्सुकता थी सो वे खाना खिलाने के समय किसी न किसी बहाने आंगन में जमा थीं।

खाने के दौरान सास ने पूछा-बेटा ,खाना कइस बना है?

दामाद जी विनम्रता से बोले-माताजी ,भोजन तो बड़ा स्वादिष्ट बना है।

इस पर सास से अपनी प्रसन्नता छिपाये नहीं छिपी- वह आसपास की महिलाओं से उलाहने के स्वर में बोली- देखा,झुट्ठै सब लोग कहत रहलीं कि हमार दमाद पागल है,हमार दमाद पागल है। सबके दमाद तो कइसी अइली-गइली बतियात हैं। हमार दमाद तो देखा केतना बड़ा ज्ञानी है कहत है -'भोजन बड़ा स्वादिष्ट है।'

लड़के ने भी इस कनफुस-वार्ता को सुन लिया। उससे भी रहा न गया। वह बोला-तू त इतनैं मा छिटकै लगलू। अगर हम जो कहूँ पानी का जल कहि देब तौ तो तुम्हार छतियै फाटि जाई।
(तुम तो इतने में ही उछलने लगी। अगर मैं पानी को जल कह दूंगा तो तो तुम्हारी जान ही निकल जायेगी।)

चुटकुला # 0462

एक ट्रक के पीछे बहुत से कुत्ते हांफते हुये भाग रहे थे। किसी ने एक कुत्ते से पूछा, "तुम कहां जा रहे हो?" कुत्ता हांफते हुये बोला, "मेरे आगे वाले से पूछो। जहां वह जा रहा है, वहीं मैं भी जा रहा हूं"। आगे वाले ने भी यही जवाब दिया। जब सबसे आगे वाले से पूछा गया तो वह हांफते हुये बोला, "यह तो नहीं पता हम कहां जा रहे हैं। बस इस ट्रक के पीछे लगे हैं। ट्रक में लदे हैं बांस। यह ट्रक जहां तक जायेगा हम वहां तक जायेंगे। जहां ट्रक रुकेगा, बांस उतारे जायेंगे, फिर गाड़े जायेंगे। जहां बांस गड़ेंगे हम वहीं मूत के भाग आयेंगे।"

(निरंतर के अप्रैल ,२००५ के अंक में पूर्व प्रकाशित)

चुटकुला # 0463

.एक बार देखादेखी जंगल के जानवरों को भी चुनाव का चस्का लग गया।वहां भी जनता कीकी बेहद मांग पर चुनाव कराये गये।वोट पडे।संयोग कुछ ऐसा कि सबसे ज्यादा वोट बंदर को मिले।लिहाजा बंदरराजा बन गया।शेर ने बंदर को चार्ज दे दिया।

एक दिन बंदर के पास एक बकरी आयी।बोली —महाराज शेर मेरे बच्चे को उठा ले गया है।आप कुछ करो नही तो मेरा बच्चा मारा जायेगा।

बंदर बोला—शेर की यह हिम्मत?ऐसा कैसे किया उसने?अब वो कोई राजा तो है नहीं कि जो मन आये करता रहे।राजा तो मैं हूं।बताओ कहां है शेर ?मैं अभी उसे देखता हूं।

बकरी उसको ले के गयी शेर के पास।शेर एक पेड के नीचे मेमने को अपने पंजे में दबोचे बैठा था।खाने की तैयारी में।

बकरी ने कहा–महाराज बचाइये मेरे बच्चे को।

बंदर ने त्वरित निर्णय लिया और उसी पेड के ऊपर चढ गया जिसके नीचे शेर बैठा था।वह एक डाल से दूसरी डाल,दूसरी से तीसरी डाल कूदता।पसीने -पसीने हो गया पर कूदना जारी रखा।

काफी देर हो जाने पर बकरी बोली —महाराज, कुछ करिये नही तो मेरा बच्चा मारा जायेगा।

इस पर बंदर हांफते हुये बोला–"देखो ,तुम्हारा बच्चा रहे या मारा जाये।हमारी दौड-धूप में कोई कमी हो तो बताओ।"

***

खाली पीली (http://www.ashish.net.in/khalipili/?p=89) चुटकुलों की गूंज कुछ यूँ रही-

चुटकुला # 0464

लालु और सुवर का बच्चा

लालुजी अपने ड्रायवर के साथ एक बार कार से जा रहे थे। एक गांव से पहले उनकी कार के निचे एक सुवर का बच्चा कुचल कर मर गया। लालुजी दुखी हुये। ड्रायवर को कुछ पैसे दिये और कहा कि "गांव मे जाओ और सुवर के मालिक को मुआवजा दे आओ"

डायवर पैसे लेकर गांव चला गया। एक घंटा बीत गया, दो घंटे बीत गये ड्रायवर वापिस नही आया। लालुजी बैचेनी से टहलते रहे। तिसरे घंटे के आखिर मे ड्रायवर एक बोरा सिर पर लादे आते दिखा। पास आने पर लालुजी ने पूछा "का रे ड्रायबर , अतना देर काहे लगा दिये ? अउर इस बोरा मे का लाये हो"

ड्रावर "इस बोरा मै पैसा है मालिक"

लालु " क्यो गांव मे का हुवा, तुम्हे अतना पईसा किसने और काहे दे दिया ?"

ड्रायवर "हमको कुछ नाही पता, हम तो गांव मे जाके इतना ही बोला कि हम लालु का ड्रायवर हूं और हमने उ सुवर का बच्चा मार दिया हूं"

****

चुटकुला # 0465

दवा

कुत्ता और पत्नी दोनों के बीमार होने पर एक व्यक्ति दवा खरीदने गया। व्यक्ति ने दुकानदार से कहा, 'दवाइयों को अलग-अलग लिफाफे में रखकर उस पर लिख दें कि कौन-सी मेरी बीवी के हैं और कौन-सी मेरे कुत्ते की। मैं नहीं चाहता कि दवा बदल जाए और मेरे कुत्ते को कुछ हो जाए।'

****

चुटकुला # 0466

मित्र

रेखा ने अपने पति रोहित से कहा, 'हमारी शादी में तो आपके बहुत से मित्र आए थे, अब उनमें से कोई नहीं आता।' रोहित ने कहा, 'सुख के सब साथी, दुख में न कोय...।'

****

चुटकुला # 0467

पदयात्रा

मत्री जी की पदयात्रा सुबह सुबह एक गांव से गुजरने वाली थी। दोपहर को निरज दिवान जी उस गांव मे भागते हुये पहुंचे और एक व्यक्ति से पोछा " क्या नेताजी गुजर गये ?" उसने जवाब दिया "काश नेताजी गुजर जाते ?"

****

चुटकुला # 0468

धुलाई

रमेश धोबी को डांटते हुए, 'एक तो तुमने मेरी पेन्ट गुम कर दी, ऊपर से धुलाई के पैसे मांग रहे हो?' धोबी ने कहा, 'साहब, पेन्ट धुलने के बाद गुम हुई थी।'

****

चुटकुला # 0469

स्कूल

कसाई बकरे को लेकर काटने जा रहा था। बकरा चिल्ला रहा था। इसे देख सोहन अपने पिता से बोला, 'पिता जी, यह बकरा क्यों चिल्ला रहा है?' पिता ने कहा, 'बेटा, कसाई इसे काटने जा रहा है।' सोहन ने कहा, 'मैंने सोचा यह स्कूल जा रहा है।'

****

चुटकुला # 0470

किराये का मकान

किरायेदार ने मकान मालिक से कहा, 'भाई साहब, आपने कैसा मकान मुझे किराये पर दिया है, वहां चूहे ही दौड़ते रहते हैं।' मकान मालिक ने कहा, 'तो क्या इतने कम किराये में आप घोड़ों की रेस देखना चाहते हैं।'

****

चुटकुला # 0471

प्रेम

कमला ने हरीश से कहा, 'मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकती रमेश।' हरीश ने कहा, 'लेकिन मैं रमेश नहीं हरीश हूं।' कमला ने कहा, 'सॉरी डार्लिंग, मैं भूल गई थी कि आज रविवार नहीं सोमवार है।' हरीश ने कहा, 'क्या कहा, सोमवार है? अब मैं चलता हूं, पता नहीं सीमा कब से मेरा इंतजार कर रही होगी।'

****

चुटकुला # 0472

नाम

एक ड्राइवर को तेज मोटर चलाने पर सिपाही ने रोका और डायरी निकालकर पूछा, 'आपका नाम?' ड्राइवर ने कहा, 'मेरा नाम है कपालामत चंद्रा तसकल काततीमयु नाकु दा...।' सिपाही ने कहा, 'बस, बस। जाओ, आगे से इतनी तेज गाड़ी मत चलाना।'

****

चुटकुला # 0473

गुस्सा

सोहन ने राहुल से पूछा, 'यार, तुम्हारी बीवी को जब गुस्सा आता था तो वह काटना शुरू कर देती थी। अब काटती है या नहीं?' राहुल ने कहा, 'नहीं।' सोहन ने पूछा, 'क्यों, क्या उसे अब गुस्सा नहीं आता?' राहुल ने कहा, 'ऐसी बात नहीं है। गुस्सा तो आता है, पर अब दांत नहीं रहे।'

****

चुटकुला # 0474

प्रश्नपत्र

अध्यापक ने परीक्षा से पहले विद्याथियों से कहा, 'बच्चों, परीक्षा नजदीक है, प्रश्न पत्र छपने के लिए जा चुके हैं। फिर भी अगर किसी को कुछ पूछना हो तो, वह पूछ सकता है।' सौरभ ने कहा, 'सर, एक प्रश्न है।' अध्यापक ने कहा, 'पूछो?' सौरभ ने कहा, 'सर, ये प्रश्नप्रत्र कहां छप रहे हैं।'

****

चुटकुला # 0475

मंहगाई

पिंकी की मां ने डाक्टर से कहा, 'डाक्टर साहब, पिंकी बढ़ नहीं रही है, इसके लिए कोई दवा बताएं।' डाक्टर ने दवा के बदले उपाय बताते हुए कहा, 'इसका नाम बदल कर महंगाई रख लो, फिर इसे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।'

****

चुटकुला # 0476

मौके की तलाश

एक व्यक्ति बहुत देर से एक दुकान का चक्कर लगा रहा था। दुकानदान ने कहा, 'भाई साहब, आखिर आपको चाहिए क्या?' व्यक्ति ने कहा, 'कुछ सामान ले जाने का मौका।'

****

चुटकुला # 0477

दांत में दर्द

सिनेमा हॉल का गेट कीपर दांत के डाक्टर के पास गया। डाक्टर ने पूछा, 'तुम्हारे कौन से दांत में दर्द हो रहा है?' गेट कीपर ने कहा, 'ऊपर की बॉलकानी में दूसरे नंबर के दांत में।'

****

चुटकुला # 0478

फिजूलखर्च

कंजूस पति ने अपनी पत्नी से कहा, 'तुम फिजूलखर्ची बहुत करती हो। भगवान न करे, यदि मुझे कुछ हो गया तो तुम्हें भीख मांग कर गुजारा करना होगा।' पत्नी ने कहा, 'तुम इसकी चिंता मत करो। तुम से मांगते-मांगते मुझे अब भीख मांगने की आदत पड़ गई है।'

****

चुटकुला # 0479

नजर

एक मरीज की आंखे कुछ ज्यादा ही कमजोर थीं। एक भी अक्षर पढ़वा पाने में नाकाम डाक्टर ने हारकर मरीज से आंखों के ठीक सामने थाली अड़ाकर पूछा, 'क्या यह चीज तुम्हें दिखती है?' मरीज ने कहा, 'जी, दिखती है।' डाक्टर ने पूछा, 'क्या है?' मरीज ने कहा, 'ठीक-ठीक नहीं बता सकता, चवन्नी है कि अठन्नी है।'

****

चुटकुला # 0480

शर्म

मिस्टर वर्मा ने भिखारी से कहा, 'भीख मांगते हुए तुम्हें शर्म आनी चाहिए। मेरे साथ चलो, मेरे घर काम करना। मैं तुम्हें दस रुपये दूंगा।' भिखारी ने कहा, 'अच्छा ठीक है, तुम मेरे साथ बैठ जाओ। मैं तुम्हें बीस रुपए दूंगा।'

****

चुटकुला # 0481

दिल

एक व्यक्ति पायलट के लिए इंटरव्यू देने पहुंचा। इंटरव्यू में उससे पूछा गया, 'आपका दिल कहीं कमजोर तो नहीं?' व्यक्ति ने कहा, 'जी नहीं साहब, मेरा दिल तो इतना मजबूत है कि पिछले तीन सालों ने मुझे तीन-तीन दिल के दौरे पड़े फिर भी मैं जिंदा हूं।' उस व्यक्ति से फिर पूछा गया, 'दौरे तुम्हें कब-कब पड़े?' व्यक्ति ने कहा, 'जी जब श्रीदेवी, माधुरी और काजोल की शादी हुई थी तब।'

****

चुटकुला # 0482

कैदी

जेलर ने कैदी से पूछा, 'जेल से छूटने के बाद क्या करोगे?' कैदी ने उत्तर दिया, 'जी, जौहरी की दुकान खोलूंगा।' जेलर ने पूछा, 'लेकिन जौहरी की दुकान खोलने के लिए इतना रुपया कहां से लाओगे?' इस पर कैदी ने कहा, 'जेलर साहब आप भी कमाल करते हैं, किसी जौहरी की दुकान खोलने के लिए तो मुझे सिर्फ एक हथोड़े की जरूरत होगी।'

****

चुटकुला # 0483

रिकार्ड

हरीश ने अपने मित्र से कहा, 'यार, यह आदमी अपने-आप को जूते क्यों मार रहा है?' मित्र ने कहा, 'यह गिनीज बुक में जूते खाने का रिकार्ड अपने नाम करवाना चाहता है।'

****

चुटकुला # 0484

लाल-पीला

बबलू ने राम से कहा, 'यार, तुम छोटी-छोटी बातों पर लाल-पीले हो जाते हो।' राम ने कहा, 'क्या करूं, मेरा जन्म ही होली के दिन हुआ था।'

***

चुटकुलों के दस्तक (http://sagarnahar.blogspot.com/2006/07/1.html
http:// sagarnahar.blogspot.com /2006/07/blog-post_13.html) भी हँसी और ठिठोली से भरपूर रहे-

चुटकुला # 0485

गब्बर की धमकी से डर कर चुटुकुलों की अगली कड़ी प्रस्तुत है।

एक छोटे बच्चे से शिक्षिका ने पूछा " क्यों टिंकू तुम दो दिन स्कूल क्यों नहीं आये ?

टीचर वो क्या है कि मेरे पास एक ही ड्रेस है और वो परसों मम्मी ने धोकर सुखाई थी तो मैं स्कूल कैसे आता ? पूरे दिन बिना कपड़ों के घर पर रहना पड़ा।

अच्छा फ़िर कल क्यों नहीं आये ?

कल मैं आ रहा था टीचर पर जब मैं आपके घर के बाहर से निकला तो देखा कि आपके कपड़े भी सूख रहे थे।

*****

चुटकुला # 0486

एक बार एक वैज्ञानिक ने एसे कम्प्युटर का अविष्कार किया जो सब कुछ बता सकता था
एक आदमी ने सवाल किया मेरे पिताजी अभी कहाँ है ?
कम्प्युटर ने जवाब दिया अभी वे कलकत्ते के एक बार में शराब पी रहे हैं
आदमी ने कहा गलत " मेरे पिताजी को गुजरे कई वर्ष हो गये है"
कम्प्युटर ने फ़िर कहा तुम्हारी माँ के पति को गुजरे कई वर्ष हो गये हैं पर तुम्हारे पिता अभी कलकत्ते के बार में शराब पी रहे हैं ।

*****

चुटकुला # 0487

बॉटनी (कृषि विज्ञान) में स्नातक हो कर एक युवक घर आया तो देखा उसके पिताजी पेड़ों को पानी पिला रहे थे।
उसने कहा पिताजी आप ये क्या कर रहे हो इस तरह पत्तों पर पानी डालोगे तो इस पेड़ पर कभी भी चीकू नहीं लगेंगे।
पिता ने कहा बेटा वो तो तब भी नहीं लगेंगे जब मैं इस की जड़ों में पानी लुंगा क्यों कि यह चीकू का नहीं केले का पेड़ है।

*****

चुटकुला # 0488

ट्रेन में एक यात्रा के दौरान एक प्रेमिका ने कहा " जानू मेरे सर में दर्द हो रहा है"
प्रेमी ने उसके सर को चूम लिया बस अब ठीक है प्रेमिका ने कहा " हाँ"
कुछ देर के बाद फ़िर प्रेमिका ने कहा जानू मेरे हाथ में दर्द हो रहा है" प्रेमी ने फ़िर वैसा ही किया और पूछा अब ठीक है?
प्रेमिका ने फ़िर कहा " हाँ"उपर की बर्थ पेर बैठे एक सज्जन से रहा नहीं गया उन्होने प्रेमी से पूछा
"क्यों जी क्या आप पाईल्स (मस्से) का भी इलाज करते हो ? "

*****

चुटकुला # 0489

बाथरूम में धमाके की आवाज सुन कर पत्नी घबरा गई और पूछा क्या हुआ?
पति अन्दर से बोले कुछ नहीं जरा बनियान गिर गई थी।
बनियान गिरने से इतनी तेज धमाके की आवाज?
हाँ मैने पहन जो रखी थी।

******

चुटकुला # 0490

७५ वर्ष की उम्र में चीनी भाषा सीख रहे संता सिंह जी से मित्रों ने जब इसकी वजह पूछी तो संता सिंह ने बताया उन्होनें कल ही एक अनाथ २ महीने के चीनी (Chiness) शिशु को गोद लिया है।

******

चुटकुला # 0491

सावधान अगर आप बस, ट्रेन, प्लेन या कहीं से भी जा रहे हो और किसी महिला/ लड़की के हाथ में धागा, फूल, चैन या कोई भी चमकती चीज़ दिखाई दे तो वहाँ से तुरंत भाग जाईये, यह चीज राखी भी हो सकती है, आपकी जरा सी लापरवाही आपको भाई बना सकती है।

........पुरूष हित में जारी......

******

चुटकुला # 0492

जज ने वकील को कहा "तुम अपने सीमा से बाहर जा रहे हो , मैं तुम्हें कोर्ट की अवमानना के जुर्म में गिरफ़्तार करवा सकता हुँ"

कौन साला कहता है ?

ज ने कहा तुमने मुझे साला कहा

नहीं मी लोर्ड मैने यह कहा कौन सा ला (Law) कहता है

******

चुटकुला # 0493

एक बार एक हवाई यात्रा के दौरान एक भारतीय सेना के मेजर संता सिंह और पाकिस्तानी सेना के दो मेजर पास पास की सीट पर बैठे थे, अचानक पाकी सेना के एक मेजर ने कहा मैं ठंडा लेकर आता हुँ, संता सिंह जी ने विनम्रता से कहा आप बेठिये मैं लेकर आता हुँ।

संता सिंह जी ने जूते उतारे हुए थे सो भूल से जूतों को पहने बिना ही ठंडा लेने चले गये, तब तक पाकी मेजर ने मौका देख कर जूतों में पान की पिचकारी मार दी, थोड़ी देर बाद दूसरे ने भी एसा ही किया, संता सिंह जी को पता नहीं चला, लंदन एयरपोर्ट पर जब उन्होने जूते पहने तो उन्हे पता चल गया कि उनके साथ क्या हुआ है,

उन्होने उन दोनो मेजर को अपने पास बुलाया और बोले

यार हम कब सुधरेंगे "कब तुम जूतों में पान की पीक की पिचकारी मारना और हम तुम्हारे कोल्ड ड्रिंक में माय ओन कोला (my own cola -Urin) मिलाना बन्द करेंगे।

******

चुटकुला # 0494

एक बार एक सेठ डॉक्टर के पास गये और बोले साहब मुझे नींद कम आती है और कुछ कब्जियात भी रहती है

डॉक्टरने दो पुड़िया देते हुए कहा सुनो इसमें एक पुड़िया में नींद लाने और दूसरे में पेट साफ़ करने की दवाई है, ध्यान रखना ये दोनो दवाई साथ साथ मत ले लेना

*****
चुटकुला # 0495

लुधियाना के संता सिंह जी ने डॉक्टर को फ़ोन किया
डॉक्टर साहब मैं ६ साल पहले कब्जियात का इलाज करवाने के लिये आपके पास आया तब आपने कहा था रोज ३ किलोमीटर चलने के लिये ?
डॉक्टर ने कहा तो, अब तुम कहाँ से बोल रहे हो ?
साहब अब मैं त्रिवेन्द्रम तक तो पहुँच गया हुँ।

*****
चुटकुला # 0496

लुधियाना के संता सिंह जी ने एक बार फ़िर से डॉक्टर को फ़ोन किया
डॉक्टर साहब मैं ६ साल पहले आपके पास सर्दी जुकाम के इलाज के लिये आया तब आपने मुझे नहाने से मना किया था"
डॉक्टर ने कहा तो,
संता सिंह जी ने पूछा क्या अब मैं नहा सकता हुँ

_
चुटकुला # 0497
एक बार संजय भाई की दुर्घटना वश एक पाँव की हड्डी टूट गई, अस्पताल में पास के बिस्तर पर सागर चन्द लेटे थे जिनकी दोनो पाँव की हड्डी टूटी हुई थी,
संजय भाई से रहा नहीं गया सागर से पूछ बैठे " आप की दो पत्नियाँ है क्या?
******
चुटकुला # 0498

एक आदमी कार का दरवाजा खोल कर दौड़ कर एक मेडिकल स्टोर में गया और उसने कहा जल्दी से हिचकी बन्द करने की दवा दो"
दुकानदार काऊँटर कूद कर बाहर आया और उस आदमी को एक कस कर थप्पड़ मार दिया और बोला अब आप की हिचकी बन्द हो गई होगी ?
उस बेचारे ने कहा कि आप भी दवा किसी को भी दे देते हो हिचकी मुझे नहीं गाड़ी में बैठी मेरी पत्नी को हो रही है।
******
चुटकुला # 0499

होमियोपेथ डॉक्टर ने एक महिला को दवा देते हुए कहा ये तीन पुड़िया दवा दे रहा हुं रात को सोते समय लेना है।
महिला ने कहा डॉक्टर साहब इस बार जरा पतले कागज में बाँधना पिछली बार पुड़िया निगलने में बड़ी तकलीफ़ पड़ी थी।
******
चुटकुला # 0500

एक मालिक ने अपने क्लर्क से पूछा आप मृत्यु के बाद जीवन में विश्वास करते हो?
क्लर्क ने कहा जी हाँ साहब!
बहुत अच्छी बात है तो हुआ युँ कि तुम्हारे जिन दादा की अन्तिम क्रिया में जाने की बात कह कर तुम दो दिन की छुट्टी लेकर गये थे; तुम्हारे दादा तुम्हारे जाने के बाद तुमसे मिलने यहाँ आये थे ।
******

चुटकुला # 0501

एक गरीब आदमी ने रात को सोते समय अपने भूखे बच्चों को कहा आज रात जो बिना खाना खाये सो जायेगा उसे पाँच रुपये का इनाम मिलेगा।
बेचारे बच्चे पाँच पाँच रुपये ले कर सो गये,
अगली सुबह उसने फ़िर बच्चों से कहा आज खाना उसे मिलेगा जो मुझे पाँच रुपये देगा।
******

चुटकुला # 0502

एक व्यक्ति अपने मित्र से कह रहा था वाकई मुझे पता चल गया है कि पूरे भारत में एकता और अखंडता है।"
दूसरे ने पूछा कैसे पता चला?
उसने कहा मैं जब दिल्ली गया तब वहाँ के लोग मुझे देखकर हंसते थे, मुंबई गया तब भी,कोलकाता और चेन्नई गया तब भी।

_

प्रतिभास (http://pratibhaas.blogspot.com/2006/07/blog-post.html
http://pratibhaas.blogspot.com /2006/07/2.html
http://pratibhaas.blogspot.com /2006/07/3.html) ने तीन तीन दफ़ा हँसाने की कोशिशें कीं-

चुटकुला # 0503

एक नौजवान ने बहुत सारी कोशिशे की पर बच्चा पैदा करने में सफल नहीं हो सका। किसी ने उसे सलाह दी कि एक महात्मा हैं जो भभूत देतेे हैं, उससे तुम भी सन्टान-सुख प्राप्त कर सकते हो। वह महात्मा के पास गया। महात्मा ने उसे भभूत दी और बोले,"केवल भभूत के भरोसे मत रहना, हाथ-पैर भी चलाना।"

चुटकुला # 0504

एक पुलिस वाले को एक दिन किसी लाल बत्ती इलाके में उसका अपना ही बेटा रंगे हाथों मिल गया। उसने उसको बहुत डाँटा और फिर समझाया,"तुम नहीं समझते हो कि एड्स कितनी खतरनाक बिमारी है। और अगर तुमको लग गयी तो नौकरानी को लग जायेगी; नौकरानी को लग गयी तो नौकर को पकड़ लेगी; नौकर को हो गयी तो तुम्हारी बहन को पकड़ लेगी; और अगर उसको लग गयी तो पूरे मुहल्ले में कोई न बचेगा।"

चुटकुला # 0505

एक नवविवाहिता ने अपनी सहेली से कहा,"मेरी और मेरे पति की सोच बिल्कुल समान है, फिर भी पता नहीं क्यों हममे कभी नहीं पटी।
सहेली ः क्यों, तुम क्या चाहती हो और तुम्हारे पतिदेव क्या चाहते हैं?

नवविवाहिता ः मैं चाहती हूं कि मैं उनसे उपर रहूं और वे भी यही चाहते हैं कि वे मुझसे उपर रहें।

चुटकुला # 0506
सैनिकों की भर्ती चल रही थी। पहले एक पंजाबी लड़के की बारी आयी। जाँच करने वाले ने कहा,"अपनी छाती दिखाओ।" लड़के ने कहा,"छाती क्या डिखाऊं, छाती तो युद्ध में डिखाऊंगा। भर्ती करने वाला इस पर बहुत खुश हुआ और उसको चुन लिया। उसके तुरन्त बाद एक बंगाली लड़के की बारी आयी। जाँच करने वाले ने कहा,"पीठ दिखाओ।" लड़के ने टपाक से कहा,"पीठ क्या दिखाऊँ, पीठ तो युद्ध में दिखाऊँगा।"

चुटकुला # 0507
एक अरबी शेख भारत आया। यहाँ उसे तैराकी सीखने की तीव्र इच्छा हुई। बडे उत्साह के साथ तालाब तक आया। अति उत्साह में तालाब के किनारे उसका पैर फिसल गया और कुछ चोट भी लग गयी। इस पर गुस्सा होकर बोला,"जब तक तैरना नहीं सीख जाता, तब तक पानी में पैर नहीं डालूँगा।"

चुटकुला # 0508
किसी सरदार जी ने एक छोटी लडकी से शादी की क्योंकि किसी ने बताया था कि छोटी चीज की समस्यायें भी छोटी होती हैं

चुटकुला # 0509
एक सरदार जी को यह बात कभी समझ में नहीं आयी कि कैसे उनका एक ही भाई है जबकि उनकी बहन के दो भाई हैं।

चुटकुला # 0510
एक सरदार जी ने सडक के किनारे केले का छिलका देखा। बोल उठे,"ओह! आज फिर गिरना पडेगा।"

चुटकुला # 0511
अगले दिन उन्होने दो छिलके देखे। सोचने लगे,"इस पर गिरूँ या उस पर?"

चुटकुला # 0512
और उसके अगले दिन बहुत से छिलके देखे। पत्नी को फोन करके बताया,"आज घर देर से आऊँगा।"

चुटकुला # 0513
जार्ज बुश : 'असम्भव' शब्द मेरी डिक्शनरी में नहीं है

सरदार जी : तो डिक्शनरी देख के लेना चाहिये था।

चुटकुला # 0514

एक बार बिजली गयी हुई थी।

सन्ता : अरे यार बन्ता, जरा पंखा चलाना ! बडी गरमी हो रही है।

बन्ता : कर दी ना सरदारों वाली बात! पंखा लगाऊँगा तो मोमबत्ती बुझ ना जायेगी?

चुटकुला # 0515

ग्राहक : इस शीशे की गारैन्टी क्या है?

सरदार : ९९ प्रतिशत अगर सौ फीट से नीचे फेकोगे तो निन्यानबे फीट तक कुछ नहीं होगा।

चुटकुला # 0516

किसी रंगीन मिजाज वाले तमिलभाषी को क्या कहेंगे? रंगराजन!

चुटकुला # 0517

एक गाँव से होकर एक बारात जा रही थी। मोटा काला दूल्हा हाथी पर बैठा था। उसे देखकर गाँव के बच्चे उसके पीछे लग गये और शोर करते हुए चलने लगे। गुस्सा होकर दूल्हे ने कहा, "क्या पीछे-पीछे चले आ रहे हो , हाथी नहीं देखा है ?"

बच्चों ने कहा, "हाथी तो बहुत देखा है, लेकिन हाथी के उपर हाथी नहीं देखा। "

चुटकुला # 0518

एक पहलवान की शादी हुई। सुहागरात को धीरे से बीबी के कमरे में घुसे। बीबी घूँघट काढे हुए सम्भल कर पलंग पर बैठी रही। पहलवान जी को कुछ भी नही सूझा। उन्होने पलंग का एक चक्कर लगाया, फिर दूसरा चक्कर लगाया, फिर तीसरा चक्कर लगाया, और फिर चौथा लगाया; पर कुछ भी नही हुआ।

पाँचवाँ चक्कर लगाने के बाद पहलवान जी बोले, "पंजा लडायेगी ?"

चुटकुला # 0519

एक बहरे ने किसी दूसरे बहरे को कहीं से आते देख पूछा, "बाजार से आ रहे हो?"

दूसरा बहरा : नहीं, बाजार से आ रहा हूँ।

पहला बहरा : ओह ! मैने समझा बाजार से आ रहे हो।

चुटकुला # 0520

एक सरदार जी अपनी पत्नी और छोटी बच्ची के साथ खरीदारी करने निकले। बच्ची ने पपीता देखकर कहा, "पापा पपीता खरीद दीजिये।" सरदार जी ने कहा, "अरे ये कोई पपीता है, ये तो पपीती है; पपीता तो अपने पंजाब में होता है।" आगे चलकर बच्ची को सन्तरा दीखा। बच्ची ने फिर कहा, "पापा सन्तरा खरीद दीजिये।" सरदार ने फिर वही दोहराया, "अरे यह कोई सन्तरा है, ये ते सन्तरी है ; सन्तरा तो अपने पंजाब में होता है।" कुछ और आगे चलने के बाद बच्ची को केला दीखा। बच्ची ने अब केला खरीदने का आग्रह किया। सरदार जी ने फिर

वही रवैया अपनाया और बोले," अरे ये कोई केला है, ये तो केली है; केला तो अपने पंजाब में होता है।"
इस बार सरदार जी की पत्नी आपे से बाहर हो गयी। बोली, "चुप रह बेटी ! ये कोई पापा हैं, ये तो पापी हैं ; पापा तो अपने पंजाब में हैं "

चुटकुला # 0521
एक नवविवाहिता को अंगरेजी सीखने का शौक चर्राया तो पडोस के एक मास्टर साहब से अंगरेजी सीखने लगी। मास्टर साहब ने पहले ही दिन बता दिया कि अपनी बोलचाल में अधिक से अधिक अंगरेजी का इस्तेमाल करो तो अंगरेजी जल्दी सीख जाओगी। एक दिन जब पत्नी थोडा देर से घर पहुँची तो पति ने झल्लाकर पूछ लिया, "अभी तक क्या कर रही थी?"
पत्नी ने कहा, "अरे गुस्सा क्यों होते हो? एस्से लिखने के बाद मास्टर साहब से करप्शन कराने चली गयी थी।"

चुटकुला # 0522
एक गंजे ने किसी नाई से बाल कटवाया। उसने बाल कटवाने के बाद नाई से पूछा, "कितने पैसे हुए?" नाई ने बीस रूपये बताये आश्चर्य करते हुए आदमी ने कहा, "क्यों? सबसे तो पन्द्रह रूपये ही लेते हो, हमसे पाँच रूपये ज्यादा क्यों?"
नाई ने कहा, "पाँच रूपये बाल खोजने के हैं, बाकी काटने के। "

चुटकुला # 0523
एक धोबी का गदहा देर रात तक चरकर घर नहीं आया तो धोबी उसको अंधेरे गाँव मे ढूढने लगा । ढूढते-ढूढते उसे एक टूटी झोपडी के अन्दर अंधेरे में कुछ सुगबुगाहट सुनाई दी। वह झोपडी के एक कोने में बैठ कर आहट लेने लगा। उस झोपडी में एक लडका किसी लडकी के साथ भिडा हुआ था।
चरमोत्कर्ष पर पहुँच कर लडके ने पूछा, "कैसा लग रहा है?"
लडकी बोली, "तीनो लोक दिखाई पड रहे हैं।"
धोबी चौंककर बोला, "जरा देखना मेरा गदहा कहाँ है?"

चुटकुला # 0524
एक नौजवान ने बहुत सारी कोशिशे की पर बच्चा पैदा करने में सफल नहीं हो सका। किसी ने उसे सलाह दी कि एक महात्मा हैं जो भभूत देते हैं, उससे तुम भी सन्टान-सुख प्राप्त कर सकते हो। वह महात्मा के पास गया। महात्मा ने उसे भभूत दी और बोले,"केवल भभूत के भरोसे मत रहना, हाथ-पैर भी चलाना।"

चुटकुला # 0525
एक पुलिस वाले को एक दिन किसी लाल बत्ती इलाके में उसका अपना ही बेटा रंगे हाथों मिल गया। उसने उसको बहुत डाँटा और फिर समझाया,"तुम नहीं समझते हो कि एड्स कितनी खतरनाक बिमारी है। और अगर तुमको लग गयी तो नौकरानी को लग जायेगी;

नौकरानी को लग गयी तो नौकर को पकड़ लेगी; नौकर को हो गयी तो तुम्हारी बहन को पकड़ लेगी; और अगर उसको लग गयी तो पूरे मुहल्ले में कोई न बचेगा।"

चुटकुला # 0526

एक नवविवाहिता ने अपनी सहेली से कहा,"मेरी और मेरे पति की सोच बिल्कुल समान है, फिर भी पता नहीं क्यों हममे कभी नहीं पटी।
सहेली ः क्यों, तुम क्या चाहती हो और तुम्हारे पतिदेव क्या चाहते हैं?

नवविवाहिता ः मैं चाहती हूं कि मैं उनसे उपर रहूं और वे भी यही चाहते हैं कि वे मुझसे उपर रहें।

चुटकुला # 0527

सैनिकों की भर्ती चल रही थी। पहले एक पंजाबी लड़के की बारी आयी। जाँच करने वाले ने कहा,"अपनी छाती दिखाओ।" लड़के ने कहा,"छाती क्या डिखाऊं, छाती तो युद्ध में डिखाऊंगा। भर्ती करने वाला इस पर बहुत खुश हुआ और उसको चुन लिया। उसके तुरन्त बाद एक बंगाली लड़के की बारी आयी। जाँच करने वाले ने कहा,"पीठ दिखाओ।" लड़के ने टपाक से कहा,"पीठ क्या दिखाऊँ, पीठ तो युद्ध में दिखाऊँगा।"

***

चुटकुलों की कुलबुलाहट (http://vijaywadnere.blogspot.com/2006/07/blog-post.html)
भी खूब रही-
****

चुटकुला # 0528

बन्ता सिंह (अपनी बीबी से): आज मैने पानी को बेवकुफ़ बना दिया.
सरदारनी: वो कैसे जी?
बन्ता सिंह: मैने नहाने के लिये पानी गरम किया, मगर मैं उससे नहाया ही नही और ठंडे पानी से ही नहा लिया.

चुटकुला # 0529

बंता सिंह जी ने लंदन के एक बार में प्रवेश किया और एक साथ ३ बीयर का आर्डर दिया. बीयर आने के बाद उन्होने तीनो में से बारी बारी एक एक घूंट ले ले कर बीयर खत्म की, फ़िर बैरे को बुलाया और ३ बीयर फ़िर से आर्डर की.
बैरा जो यह देख रहा था, बोला - साहब, अपने बार में काफ़ी स्टॉक है बीयर का, आप एक-एक कर के ही आर्डर करो, और बीयर का आनन्द लो.
बंता सिंह बोले - अरे नहीं, दरअसल, हम तीन भाई हैं, एक कनाडा में है, एक दुबई में है, और मैं यहाँ लंदन में हूँ. जब हम साथ रहते थे तो हम लोग बार में जाकर इकठ्ठे ही बीयर पिया करते थे. और जब हम अपनी अपनी नौकरी धंधे की वजह से बाहर निकले तो हमने आपस में यह वादा किया कि हम जहाँ भी
रहेंगे, इसी तरह अपने पुराने दिनों को याद करके बीयर पिया करेंगे.

बंता सिंह जी उस बार में नियमित रुप से आने लगे और उसी तरह,हर बार ३ बीयर आर्डर करते, १ १ करके तीनो खतम करते और चले जाते.
लगभग एक साल बाद, बंता सिंह जी बार में आये, मगर इस बार उन्होने सिर्फ़ २ ही बीयर आर्डर की. यह देख कर बार के सभी नियमित ग्राहक और बैरे चकित रह गये, और किसी अनैष्ट की आशंका करते हुये शांत हो गये. थोडी देर बाद एक बैरा आया और बोला - साहब, मैं आपके गम को और बढाना नहीं चाहता मगर,
हमारी पुरी सहानुभूति आपके साथ है.
बंता सिंह जी ने थोडा चकित होते हुये बैरे को घुरा फ़िर जोर से हँस पड़े - हो हो हो ...!! अरे नहीं जी. मेरे सभी भाई बिल्कुल सही सलामत हैं. बात बस इतनी सी है कि, कल ही से........मैने बीयर छोड़ दी है.

चुटकुला # 0530

एक बार एक व्यक्ति बार में पहुँचा और एक लार्ज बीयर का आर्डर दिया. अभी बह पुरी भी खत्म नहीं कर पाया था कि उसे "प्राकृतिक बुलावा" आया. वह अपनी बीयर यूँही छोडकर नहीं जाना चाहता था, उसे डर था कि अगर उसने अपना ग्लास टेबल पर छोडा तो कोई और आके उसे पी जायेगा.
उसने एक तरकीब निकाली, अपने ग्लास के पास टेबल पर उसने एक नोट लिख कर छोडा - "मैंने इस बीयर में थूका हुआ है, इसे ना पियें"और बाथरूम की तरफ़ चला गया.
जब वापस आया तो बीयर तो उसे वैसे कि वैसे ही मिली, साथ ही एक नोट और मिला, जिसपर लिखा था - "मैंने भी थूक दिया है"

चुटकुला # 0531

बन्तासिंह बार में बैठे हुये सबको झिला रहे थे कि उनकी बहुत पहुँच है, और वो सबको जानते हैं. सन्तासिंह ने सोचा चलो देखते हैं. उसने बन्तासिंह से १० रू की शर्त लगाई कि बार में अब जो भी पहला व्यक्ति आयेगा वो बन्तासिंह को नहीं पहचानता होगा.
तभी एक आदमी बार में घुसा और घुसते ही बन्तासिंह को देख कर आवाज दी - हे बन्तासिंह, कैसे हो?
शर्त हारने के बाद सन्तासिंह बोला कि चलो १०० रू की शर्त, जो भी सड़क पर पहला व्यक्ति मिलेगा वो तो तुम्हे नहीं जानता होगा.
दोनो सड़क पर निकले, एक आदमी पास से गुजरते हुये बोल गया - बन्तासिंह क्या हाल चाल?
खीज कर सन्तासिंह बोला कि शर्तिया अपने प्रधानमंत्री तो तुम्हे नहीं पहचानते होंगे. चलो १००० रू की शर्त.
दोनो प्रधानमंत्री निवास पहुँचे, वहाँ पहुँचते ही वहाँ तैनात सिपाही चिल्लाया - बन्तासिंह, तुम्हे पता है ना कि कोई भी इस तरह यहाँ नहीं आ सकता?
तभी प्रधानमंत्री का काफ़िला वहाँ से निकला, प्रधानमंत्री के सचिव ने चलती गाड़ी से हाथ हिला कर कहा - ओ बन्तासिंह, बडे दिनों बाद दिखे?

सन्तासिंह का दिमाग खराब. उसपर बन्तासिंह बोले, देखो मैं अभी जाके प्रधानमंत्री के साथ उपर उनकी बालकनी में आता हूँ.
बन्तासिंह कहे अनुसार प्रधानमंत्री के साथ उपर बाल्कनी में नजर आये. उन्होने नीचे सन्तासिंह को देख कर हाथ हिलाया और नीचे आये.
नीचे आकर देखा कि सन्तासिंह बेहोश पडे थे, सन्तासिंह को होश में लाकर पुछा कि क्यों मुझे प्रधानमंत्री के साथ देखकर बेहोश हो गये?
सन्तासिंह बोले - नहीं, जब तुम उपर थे तो कोई मेरे पीछे से आया और उपर इशारा कर के पुछा कि - ये बन्तासिंह बालकनी में किसके साथ खड़ा है?

चुटकुला # 0532

एक 'बार' में एक बन्दा बड़ी खुबसूरत सी शर्ट पहन के आया. बारटेन्डर ने कहा - वाह! क्या कमीज़ है? कहाँ से ली?आदमी बोला - 'जार्जियो अरमानी'
थोड़ी देर बाद एक दूसरा आदमी अन्दर आया, उसकी पतलून देख कर बारटेन्डर ने कहा - वाह! क्या पतलून है? कहाँ से ली?दूसरा आदमी बोला - 'जार्जियो अरमानी'
थोड़ी देर बाद एक तीसरा आदमी अन्दर आया, उसके जूते देख कर बारटेन्डर ने पुछा- वाह! क्या जुते है? कहाँ से लिये?तीसरा आदमी बोला - 'जार्जियो अरमानी'
तभी एक आदमी नंग-धडंग बार में घुस गया, उसे देख कर बारटेन्डर चिल्लाया - ओ ओ, कहाँ घुसे आ रहे हो? कौन हो तुम?वो आदमी बोला - अरे मैं ही जार्जियो अरमानी हूँ.

चुटकुला # 0533

एक बार एक पादरी 'बार' घुसा और जोर से चिल्लाया - "जो भी स्वर्ग जाना चाहता है, खड़ा हो जाय"
'बार' के सभी लोग खडे हो गये, बन्तासिंह को छोड कर.
पादरी उनके पास पहुँचा और बोला - बेटे, तुम मरने के बाद स्वर्ग नहीं जाना चाहते?
बन्तासिंह बोले - मरने के बाद?? मैं तो समझा आप अभी के अभी एक लॉट ले जा रहे हो..!

चुटकुला # 0534

बन्तासिंह को सुबह सुबह उनकी मम्मी ने उठाया और कहा - "उठो बेटे, ७ बज गये हैं, तैयार हो जाओ, स्कूल जाना है".
बन्तासिंह बोले - "नहीं, मैं स्कूल नहीं जाउंगा".
माताजी बोलीं - "चलो मुझे कोई २ कारण बताओ स्कूल ना जाने के".
बन्तासिंह बोले - "सारे बच्चे मुझे चिढाते हैं, और सारी की सारी टीचर भी मुझसे नफ़रत करती हैं".
माताजी बोलीं - "चलो चलो, बहाने मत बनाओ, और जल्दी तैयार हो जाओ".
बन्तासिंह बोले - "चलो आप मुझे कोई २ कारण बताओ स्कूल जाने के".
माताजी बोलीं - "पहला तो ये कि तुम ५२ साल के हो. और दूसरा ये कि तुम स्कूल के प्रिंसीपल हो".

चुटकुला # 0535

सन्ता और बन्ता रात को एक बैंक में चोरी की नीयत से घुसे. अंधेरे में उन्हे बैंक में दो बडे भारी थैले मिले. जिन्हे वे उठा लाये, और एक एक थैले आपस में बाँट कर अपने अपने घर चले गये.

चोरी के लगभग एक महीने बाद दोनो फ़िर मिले.

सन्ता - तुम्हारे थैले में क्या निकला?

बन्ता - करीब १० लाख.

सन्ता - वाह! क्या बात है? तुमने उनका क्या किया?

बन्ता - एक घर खरीद लिया और एक सेकण्ड हेण्ड कार भी मिल गई. तुम्हारे थैले में क्या निकला?

सन्ता - कुछ नहीं यार, बिल ही बिल थे.

बन्ता - फ़िर तुमने उनका क्या किया?

सन्ता - क्या करता, ढेर सारे हैं यार, धीरे धीरे करके भर (चुकता कर) रहा हूँ.

चुटकुला # 0536

सन्ता घर पहुँचा तो देखा कि उसकी बीबी अपना सामान बाँध रही है.

सन्ता - अरे! कहाँ जा रही हो?

श्रीमति सन्ता - लास वेगास!

सन्ता - लास वेगास? क्यों?

श्रीमति सन्ता - मुझे एक आदमी मिला है जो मुझे $400 देगा उस काम के जो तुम फ़्री में करते हो.

सन्ता कुछ देर सोचने के बाद अपना भी सामान बाँधने लगा.

श्रीमति सन्ता - तुम कहाँ जा रहे हो?

सन्ता - लास वेगास!

श्रीमति सन्ता - लास वेगास? क्यों?

सन्ता - ये देखने के लिये कि सिर्फ़ $800 में तुम साल भर कैसे निकालती हो.

चुटकुला # 0537

लालू दाढी बनवाने के लिये नाई की दुकान में बैठा. नाई को लालू की दाढी बनाने में तकलीफ़ हो रही थी क्योंकि लालू के बाल वैसे ही छोटे छोटे थे.तो नाई ने अपने बक्से में से लकड़ी की एक छोटी सी गेंद निकाली और लालू को मुँह में रखने के लिये दी, जिससे दाढी अच्छे से बन सके.

दाढी बनने के बाद लालू ने पुछा - अगर यह गेंद मुँह से पेट में चली जाती तो क्या होता?

नाई बोला - क्या होता? तुम इसे अगले दिन सुबह (शौच के बाद) मुझे वापस कर देते, जैसे और लोगों ने दी थी.

चुटकुला # 0538

एक बार एक आदमी कहीं जा रहा था कि उसे एक आवाज आई.
उसने देखा कि एक मेंढक उसे पुकार रहा था, मेंढक कह रहा था - अगर तुम मुझे 'किस' करोगे तो मैं एक खुबसूरत लड़की में बदल जाउंगा.
उस आदमी ने मुस्कुरा कर मेंढक को देखा और उसे उठा कर अपनी जेब में रख लिया.
थोड़ी देर बाद मेंढक फ़िर बोला - अगर तुम मुझे 'किस' करोगे तो मैं एक खुबसूरत अमीर लड़की में बदल जाउंगा और तुम मुझसे शादी कर सकते हो.
आदमी ने मेंढक को अपनी जेब से निकाला, उसे देखा और मुस्कुरा कर वापस अपनी जेब में रख लिया.
थोड़ी देर बाद मेंढक फ़िर बोला - अगर तुम मुझे 'किस' करोगे तो मैं एक खुबसूरत लड़की में बदल जाउंगा और तुम मुझसे शादी कर सकते हो, और मेरी सारी दौलत भी तुम ले सकते हो.
आदमी ने मेंढक को फ़िर अपनी जेब से निकाला, उसे देखा और मुस्कुरा कर वापस अपनी रखने लगा.
मेंढक चिल्लया - अरे, कैसे मर्द हो तुम? मैं तुमसे कह रहा हूँ कि अगर तुम मुझे 'किस' करोगे तो मैं एक खुबसूरत लड़की में बदल जाउंगा और तुम मुझसे शादी कर सकते हो, और फ़िर मेरी सारी दौलत भी तुम ले सकते हो.तुम मुझे 'किस' क्यों नहीं करते?
आदमी बोला - क्योंकि मैं एक सॉफ़्टवेअर इंजीनियर हूँ, प्रेमिका और बीबी के लिये मेरे पास समय नहीं है, मगर एक 'बोलने वाला' मेंढक वाकई 'कूल' है.

-
छाया (http://chhaya-e-shadow.blogspot.com/2006/07/blog-post_12.html http://chhaya-e-shadow.blogspot.com/2006/07/blog-post_14.html) के ठहाके बड़े छाया दार, मस्त मस्त रहे-

चुटकुला # 0539

सरदार जी दिल्ली गये। घंटाघर के पास उन्हे लगातार घडी की ओर निहारता देख एक व्यक्ति ने उन्हे प्रस्ताव दिया "आप यह घडी खरीद सकते हैं, लाइये हजार रुपये"। सरदार जी प्रसन्न हुए, फौरन हजार रुपये निकाल दिये। वह व्यक्ति "अभी सीढी लाता हूँ" कहकर गायब हो गया। काफी देर इंतजार करने के बाद सरदार जी को भान हुआ कि वे ठगे गये हैं। निराश वे सराय वापस चले गये। अगले दिन उसी जगह फिर से घडी देखते हुए वही व्यक्ति उन्हे मिल गया और उसने फिर से वही प्रस्ताव उन्हे दिया, सरदार जी सतर्क थे बोले "लेकिन इस बार सीढी लेने मै जाऊंगा"।

चुटकुला # 0540

दो सरदार एक क्लिनिक के बाहर बैठे थे, उनमें से एक जोरों से रो रहा था।
उनके बीच का संवाद
दूसराः "क्यों रो रहा है?"
पहलाः "मै खून की जॉच कराने आया था"
दूसराः "तो, डर गया क्या"
पहलाः "अरे उन्होने मेरी उंगली में छेद कर दिया"
अब दूसरा सरदार जोरों से रोने लगा
पहलाः "अब तुझे क्या हुआ"
दूसराः "अरे मै पेशाब की जॉच कराने आया हूं"

चुटकुला # 0541

दो सरदार एक होटेल पंहुचे और चाय के साथ जेब से सैन्डविच निकाल कर खाने लगे। "आप अपने खुद के सैन्डविच यहां नही खा सकते", होटेल मालिक ने विरोध किया। दोनों सरदारों ने तुरंत सैन्डविच बदल लिये।
|---

चुटकुला # 0542

जसमीत कौर ने अपने पति संता को टी वी के आस पास पागलों की तरह कुछ ढूंढते हुए देखा।
जसमीतः "क्या खो गया"
संताः "मै देख रहा हूं कि कैमरा कहॉ छुपा रखा है इन लोगों ने"
जसमीतः "कैमरा, किसने, तुम्हे कैसे लगा कि कैमरा है"
संताः "अरे उन्हे कैसे पता कि मै क्या कर रहा हूँ"
जसमीतः "किसे कैसे पता"
संताः "अरे इन स्टार प्लस वालों को, वो महिला बार बार कैसे कहती है, आप स्टार प्लस देख रहे हैं, उसे कैसे पता चला?"

चुटकुला # 0543

बंदर और गेंद

कुछ महाशय एक मधुशाला में बैठे बियर की चुस्कियां ले रहे थे। एकाएक एक महाशय एक बंदर के साथ वहाँ प्रविष्ट हुए। बंदर ने लोगों को तो परेशान नही किया, लेकिन वहाँ रखी वस्तुओं से छेडछाड करनी शुरू कर दी। उसके मालिक ने मधुशाला के कर्मचारियों को

आश्वस्त किया "घबराइये नही, वैसे तो वह कुछ तोडेगा फोडेगा नही, ज्यादा से ज्यादा कुछ खा जायेगा, उसका पैसा मै दे दूंगा"। बंदर तीन चार बियर पी गया, प्याले तोडकर खा गया, ऐसा करके वह छोटा छोटा कुछ कुछ सामान खा गया। उसका मालिक मुस्कराता रहा, उसे आश्वस्त देख बाकी लोग भी निर्विकार भाव से बंदर को देखते रहे। अचानक बंदर को एक बडी क्रिकेट की गेंद मिल गई। इसके पहले कि कोई कुछ समझ पाता बंदर उसे भी गडप कर गया। खैर, उसका मालिक उठा, उसने पैसे दिये और रुखसत हुआ। लोगों ने भी चैन की साँस ली। कुछ दिनों बाद वही महाशय उसी बंदर के साथ मधुशाला में हाजिर हुए। बंदर पुनः वस्तुयें निगलने लगा, लेकिन इस बार वह हर वस्तु को पीछे ले जाकर पहले पीछे से अंदर डालता, फिर खाता। लोगों को कौतूहल हुआ। उनके सवाल का जवाब देते हुए बंदर के मालिक ने बताया "जब से उसे वह गेंद निकालनी पडी, वह हर वस्तु को खाने से पहले उसका पहले पीछे ले जाकर माप लेता है, फिर खाता है"।

_

इन्द्रधनुष (http://saptrang.blogspot.com/2006/07/blog-post_17.html) के चुटकुले, जाहिर है रंगीन ही रहे-

_

चुटकुला # 0544

हर सफ़ल पुरुष के पीछे एक महिला का योगदान होता है
हर असफ़ल पुरुष ले पीछे....कई महिलाओं का

****

चुटकुला # 0545

अगर आपके पिताजी गरीब हैं तो ये आपकी बदकिस्मती है,
अगर आपके ससुर गरीब हैं तो ये आपकी बेवकूफ़ी है.

****

चुटकुला # 0546

आपका भविष्य आपके सपनों पर निर्भर करता है.
ठीक है..मैं चला सोने.

****

चुटकुला # 0547

खुदी को कर बुलन्द इतना और इतनी ऊंचाई पर पहुंच जा,

कि खुदा खुद तुझ से पूंछे.....
अबे गधे, नीचे कैसे उतरेगा...

****

चुटकुला # 0548

खिडकी खुली, जुल्फ़ें बिखरी,
दिल ने कहा दिलदार निकला.
पर हाय रे मेरी फ़ूटी किस्मत,
नहाया हुआ सरदार निकला.

****

चुटकुला # 0549

कहते हैं, इश्क में नींद उड जाती है.
कोई हमसे भी इश्क कर ले.......
कम्बख्त नींद बहुत आती है

****

चुटकुला # 0550

जिन्दगी में तुम बहुत आगे जाओगे.
क्योंकि जहां भी तुम जाओगे,लोग कहेंगे...
चल बे,आगे चल.

****

चुटकुला # 0551

घडी बिगड्ती है तो बन्द हो जाती है,
लडकी बिगडे तो चालू हो जाती है.

****

चुटकुला # 0552

अटल जी जनसंख्या समस्या पर भाषण दे रहे थे,
भाषण में परिवार नियोजन जैसे उपाय अपनाने पर भी जोर दे रहे थे.

लालू जी पीछे बैठे बहुत देर तक सुनते रहे...आखिरकार उनसे रहा नही गया,
बोले:"अटल जी,आप चुप रहिये. बडे बुजुर्ग कह गये हैं, जिस काम का अनुभव नही हो, उसके बारे में बोलना भी नही चाहिये." ***

***

इंटरनेट से विविध फ़ॉन्टों की साइटों से उतारे गए तथा यूनिकोडित किए गए कुछ चुटकुले

चुटकुला # 0553

पत्नी (पति से)- जब मैं मर जाऊंगी, तो तुम क्या करोगे?
पति (पत्नी से)- मैं भी मर जाऊंगा।
पत्नी (पति से)- क्यों?
पति (पत्नी से)- क्योंकि ज्यादा खुशी से आदमी मर जाता है।

चुटकुला # 0554

एक वृद्ध महिला अपनी सहेली से बोली - मैंने अपने पति की दांतों से

नाखून काटने की आदत छुड़ा दी है।
सहेली ने पूछा- कैसे?
वृद्धा ने जवाब दिया-मैंने उनके दांत छुपाकर रख दिए है।

एक बेवकूफ पति ने अपनी पत्नी से पूछा- बताओ, शादी में दूल्हा घोड़ी की

जगह गधे पर चढ़कर क्यों नहीं आता?
पत्नी ने जवाब दिया- ताकि दुल्हन एक साथ दो गधो को देखकर बेहोश न

हो जाए।

चुटकुला # 0555

पत्नी अपने पति के खर्चीले स्वभाव से बहुत परेशान थी।
पति ने अपनी पत्नी से पैसे मांगे तो पत्नी ने खीजकर कहा- तुमको मैंने

कितनी बार कहा है कि बजट से आगे जाकर खर्च मत किया करो। हर

महीने भीख मांगने की नौबत आ जाती है।
पति- वैसे भी तो हर महीने मैं तुमसे भीख ही मांगता हूं।

चुटकुला # 0556

पत्नी (पति से)- तुम बहुत फिजूलखर्ची करते हो।
पति(पत्नी से)- तुम यह कैसे कह सकती हो?
पत्नी(पति से)- तुम जो आग बुझाने वाला यंत्र खरीदकर लाए हो, वह अभी

तक एक बार भी काम नहीं आया।

चुटकुला # 0557

पति (पत्नी से)- कल रात मैंने बहुत ही अच्छा सपना देखा।
पत्नी (पति से)- ऐसा क्या देख लिया तुमने?
पति (पत्नी से)- कल रात मैंने देखा कि मुझे भारत की ओर से अंतरिक्ष में

भेजा गया।
पत्नी (पति से)- हां-हां, तुम्हें तो भेजना ही चाहिए था क्योंकि अंतरिक्ष में

परीक्षण के लिए जानवरों को ही भेजा जाता है।

चुटकुला # 0558

पत्नी ने पति से पूछा, 'क्यों जी, इतनी देर तक आप कहां रहे?'
'देखो, समझदार पत्नी अपने पति से ऐसे प्रश्न नहीं पूछती।' पत्नी को

समझाते हुए पति ने कहा।
लेकिन पत्नी शांत नहीं हुई और बोली, 'मगर, समझदार पुरुष भी तो अपनी

पत्नी से.....'
'बस रहने भी दो, समझदार पुरुष की पत्नी नहीं होती।' पत्नी की बात बीच

में ही काटकर पति ने कहा।

चुटकुला # 0559

व्यवसायी पति एक सप्ताह के लिए शहर से बाहर जाने वाला था। उसने

पत्नी को समझाया, 'देखो कल से जो भी चिट्ठी आए, तो उस पर लिख

देना, कि वह कब आई।'
पत्नी ने कहा, 'आप चिंता न करें।'
जब पति लौटकर वापस आया और डाक देखने लगा, तो हर चिट्ठी के

कोने में लिखा था, 'आज आई।'

चुटकुला # 0560

पति (पत्नी से)- समझ में नहीं आता, कि आखिर तुम कुत्ता ही क्यों

खरीदना चाहती हो?
पत्नी (पति से)- इसलिए कि आपके दफ्तर चले जाने के बाद मेरे

आगे-पीछे घूमने वाला कोई तो हो।

चुटकुला # 0561

पत्नी (पति से)- जानते हो संगीत में कितनी शक्ति होती है?
पति (पत्नी से)- कितनी?
पत्नी (पति से)- संगीत मे इतनी शक्ति है कि पानी गरम हो सकता है।
पति (पत्नी से)- अरे भई, जब तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल

सकता है,तो पानी क्या चीज है।

चुटकुला # 0562

पति (पत्नी से)- आज किसी ने मेरी जेब काट ली।
पत्नी (पति से)- तो पुलिस में रिपोर्ट की?
पति (पत्नी से)- नहीं, मैंने गलती कर दी।
पत्नी (पति से)- वह क्या?
पति (पत्नी से)- जेब कटने के तुरंत बाद मैंने उसे दर्जी से सिलवा लिया।

चुटकुला # 0563

पत्नी (पति से)- मुझे आज तक एक बात समझ नहीं आई।
पति (पत्नी से)- कौन सी बात?
पत्नी (पति से)- यही कि जब भी तुम अपने ससुराल जाते हो, बहुत सहमे

से रहते हो? जब शादी करने गए थे, उस दिन तो बहुत अकड़ रहे थे।
पति (पत्नी से)- उस दिन मैं अकेला नहीं था, पूरी बारात के साथ था।

चुटकुला # 0564

एक महिला अपने पति से कार चलाना सीख रही थी।
पत्नी (पति से)- देखिए कार का शीशा ठीक से नहीं लगा हुआ है।
पति (पत्नी से)- क्यों, क्या गड़बड़ है?
पत्नी (पति से)- इसमे मैं पीछे से आ रहा ट्रैफिक तो देख पाती हूं पर

अपना चेहरा नहीं।

चुटकुला # 0565

पति (पत्नी से)- देखो, कभी-कभी गुस्सा भी लाभदायक होता है।
पत्नी (पति से)- अरे नहीं, ये कैसे हो सकता है?
पति (पत्नी से)- देखो कल तुम गुस्से में थी और तुमने सारा गुस्सा कपड़ो

पर उतार दिया। मेरे सारे कपड़े कितने साफ और उजले हो गए।

चुटकुला # 0566

पति (पत्नी से)- तुम इतनी अच्छी रोटियां नहीं बना सकतीं, जितनी अच्छी

मेरी मां बनाती थीं।
पत्नी (पति से)- और तुम भी उतना अच्छा आटा नहीं गूंथ सकते, जितना

अच्छा मेरे पिताजी गूंथते थे।

चुटकुला # 0567

पत्नी (पति से)- तुम बहुत फिजूलखर्ची करते हो।
पति (पत्नी से)- तुम यह कैसे कह सकती हो?
पत्नी (पति से)- तुम जो आग बुझाने वाला यंत्र खरीदकर लाए हो, वह

अभी तक एक बार भी काम नहीं आया।
चुटकुला # 0568

पत्नी (पति से)- क्या बात है, आप आधी रात को इस तरह पेरशान होकर

कमरे में क्यों टहल रहे हैं?
पति (पत्नी से)- अपने ससुरजी की बात याद कर रहा हूं।
पत्नी (पति से)- कौन सी बात?
पति (पत्नी से)- जब मैं तुम्हारे घर शादी का प्रस्ताव लेकर गया था, तब

उन्होंने मुझसे कहा था कि यदि मैंने तुमसे शादी करने की हिम्मत की तो

वह मुझे उम्रकैद करा देगे।
पत्नी (पति से)- हां, पर अब इस बात का क्या लेना देना?
पति (पत्नी से)- अरे अब जाकर ही तो समझ में आया कि उम्रकैद ज्यादा

बेहतर थी?

चुटकुला # 0569

एक दिन पत्नी ने पति से बड़े शिकायती लहजे में कहा - अब मुझे पक्का

यकीन हो रहा है कि आपको मुझसे पहले जैसी मोहब्बत नहीं रही।
पति (पत्नी से)- तुम्हें यह गलतफहमी कैसे हुई?
पत्नी (पति से)- गलतफहमी नहीं, असलियत है। पहले जब आप खाना

खाने बैठते थे, तो खुद कम खाते थे और मुझे ज्यादा खिलाते थे।
पति (पत्नी से)- अरे....अरे। बात दरअसल, यह है कि अब तुम पहले जैसा

बेस्वाद खाना नहीं बनाती।

चुटकुला # 0570

पति-पत्नी आपस में बात कर रहे थे, तभी पत्नी ने पति से पूछा- क्या तुम

मुझसे सच में प्यार करते हो।
पति (पत्नी से)- यह भी कोई पूछने की बात है।
पत्नी (पति से)- वायदा करो कि मेरी मौत के बाद तुम हर रोज मेरी कब्र

पर आया करोगे।
पति (पत्नी से)- हां-हां, निश्चिंत रहो। कब्रिस्तान मेरे दफ्तर के रास्ते में ही

पड़ता है।

चुटकुला # 0571

एक व्यक्ति घर में बैठकर गाना गा रहा था यह देखकर उसकी पत्नी ने

कहा-
पत्नी (पति से)- मेरे पिता जी जब गाते थे तो उड़ते हुए पंछी गिर जाया

करते थे।
पति (पत्नी से)- क्या तुम्हारे पिता जी मुंह में कारतूस भर कर गाते थे।

शराब के नशे में डूबे हुए पति से पत्नी ने कहा - क्या कहा, तुम मुझे

पहचान नहीं रहे हो, मैं तुम्हारी बीवी हूं।
इस पर पति ने लड़खड़ाती जुबान में कहा - जानम, शराब पीकर हम सभी

गम भूल जाते है।

चुटकुला # 0572

पत्नी (व्यापारी पति से)- हमारी बेटी अब शादी लायक हो गई है। उसके

लिए लड़का देखना शुरू कर दीजिए।
पति (पत्नी से)- कितने साल का लड़का देखूं?
पत्नी (पति से)- हमारी बेटी 18 साल की है, तो लड़का कम से कम 20

साल का तो होना ही चाहिए।
पति (पत्नी से)- अगर 20 साल का सही लड़का न मिले तो क्या दस-दस

साल के दो लड़के ले आऊं?

चुटकुला # 0573

पत्नी (पति से)- मैंने दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला को देखा, उस पर

वो कपड़े खूब फब रहे थे।
पति (पत्नी से)- अच्छा, फिर?
पत्नी (पति से)- फिर क्या? मैं आईने के सामने से हट गई।

चुटकुला # 0574

पत्नी (पति से)- यह लीजिए, बालों को मजबूत करने वाले तेल की

शीशी...।
पति (पत्नी से)- पर मेरे बाल तो झड़ते ही नहीं।
पत्नी (पति से)- ये आपके लिए नहीं, आपकी सेक्रेट्री के लिए है।

चुटकुला # 0575

पत्नी (पति से)- आज आप बहुत देर से घर आए।
पति (पत्नी से)- और तुम इतनी रात तक जाग कर क्या कर रही हो।
पत्नी (पति से)- मैं पांच घंटे से आपके इंतजार में जाग रही थी।
पति (पत्नी से)- और मैं पांच घंटे से इसी इंतजार में बाहर खड़ा था कि

तुम सो जाओ तो मैं अंदर आऊं।

चुटकुला # 0576

पति (पत्नी से)- आज किसी ने मेरी जेब काट ली।
पत्नी (पति से)- तो पुलिस में रिपोर्ट की?
पति (पत्नी से)- नहीं, मैंने गलती कर दी।

पत्नी (पति से)- वह क्या?
पति (पत्नी से)- जेब कटने के तुरंत बाद मैंने उसे दर्जी से सिलवा लिया।

चुटकुला # 0577

पति (पत्नी से) - चलो आज किसी होटल में चलकर खाना खाते है।
पत्नी (पति से) - क्यों, क्या मेरे हाथ के बने खाने से बोर हो गए हो?
पति (पत्नी से)- नहीं। दरअसल, आज बर्तन साफ करने का मन नहीं कर

रहा।

चुटकुला # 0578

पति (पत्नी से)- क्यों जी आज तुमने मेरा कोट नहीं झाड़ा?
पत्नी (पति से)- झाड़ा तो था, क्यों क्या हुआ?
पति (पत्नी से)- बात कोई विशेष नहीं है। मेरे कोट की जेब में सौ का नोट

रखा हुआ था और वह अब भी है।

चुटकुला # 0579

पति (पत्नी से)- आज मैंने दस रुपए बचाए।
पत्नी (पति से)- वो कैसे?
पति (पत्नी से)- मैं दफ्तर से घर बस के पीछे-पीछे दौड़ते हुए आया हूं।
पत्नी (पति से)- तभी तो कहती हूं कि तुम मूर्ख हो, टैक्सी के पीछे दौड़ते

तो पच्चीस रुपए बचते।

चुटकुला # 0580

पति (पत्नी से)- जब भी मैं पिताजी की तलवार देखता हूं तो मेरा लड़ाई

पर जाने का दिल करता है।
पत्नी (पति से)- तो चले क्यों नहीं जाते?
पति (पत्नी से)- क्या करूं, इसके बाद तुरंत उनकी नकली टांग की याद

आ जाती है।

पति-पत्नी फिल्म देखने गए, तो पति ने एक पान पत्नी के लिए खरीदा।
पत्नी (पति से)- एक अपने लिए भी तो ले लो।
पति (पत्नी से)- मैं बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूं।

चुटकुला # 0581

नवविवाहिता पत्नी (पति से)- यदि ससुराल पहुंचने के बाद घरवालो ने मुझे

गाना गाने के लिए कहा तो मैं क्या करूंगी?
पति (पत्नी से) - तब तुम गाना सुना देना, ताकि फरमाइश करने वालो

को अपनी गलती का एहसास हो जाए।

चुटकुला # 0582

पत्नी (पति से)- आज तो इस वॉल क्लॉक ने मेरी मां को मार ही दिया

था। मेरी मां के उठने के कुछ सेकंड बाद यह गिर पड़ी।
पति (पत्नी से)- मैं तो पहले ही कह रहा था कि यह घड़ी आजकल धीरे

चल रही है।
चुटकुला # 0583

पति (पत्नी से)- स्कूल के जमाने में मैं जिधर से गुजरता था, लड़कियो की

नजरे मुझ पर ही टिकी रहती थी।
पत्नी (पति से)- मैं तो आज भी यही कहती हूं कि तुम्हें किसी अजायबघर

में होना चाहिए था।

चुटकुला # 0584

पत्नी(पति से)- अजी सुनते हो, बबलू तो आजकल झूठ पर झूठ बोलना

सीख रहा है। जैसे सच बोलना तो उसे आता ही नहीं है।
पति(पत्नी से)- मां के गुण तो बच्चा पहले सीखता है, पिता के गुण तो

उसमें धीरे-धीरे ही आएंगे।

चुटकुला # 0585

पत्नी (पति से)- यह लीजिए बालों को मजबूत करने वाले तेल की

शीशी....।
पति (पत्नी से)- पर मेरे बाल तो झड़ते ही नहीं।
पत्नी (पति से)- अजी, आपके तो नहीं, आपकी खूबसूरत सेक्रेट्री के तो

झड़ते हैं।

चुटकुला # 0586

पत्नी (पति से)- सुनो जी, आपकी वह नीली शर्ट मुझसे जल गई है।
पति (पत्नी से)- कोई बात नहीं डार्लिंग, मेरे पास वैसी एक और शर्ट है।
पत्नी (पति से)- पता है, तभी तो मैंने उस शर्ट में से कपड़ा काटकर जली

हुई शर्ट पर पैबंद लगा दिया है।

चुटकुला # 0587

पत्नी (पति से)- तुम जब दफ्तर चले जाते हो, तो मुझे बहुत घबराहट

होती है।
पति (पत्नी से)- तुम चिंता न करो। मैं इतनी जल्दी लौट आऊंगा कि तुम्हें

पता भी नहीं चल पाएगा।
पत्नी (पति से)- यही सोचकर तो और घबराहट होने लगती है।

चुटकुला # 0588

पति (अपनी खुशी व्यक्त करते हुए)- कल रात मुझे सपने में भारत की

ओर से अंतरिक्ष में भेजा गया।
पत्नी (पति से)- हां-हां, तुम्हें तो भेजना ही चाहिए था क्योंकि अंतरिक्ष में

परीक्षण के लिए जानवरो को ही भेजा जाता है।

चुटकुला # 0589

पत्नी (पति से)- जो आदमी चोरी करता है, वह अपनी जिंदगी में कभी न

कभी जरूर पछताता है।
पति (पत्नी से)- हां ठीक कहती हो, शादी से पहले मैंने तुम्हारा दिल

चुराया था। आज तक पछता रहा हूं।

चुटकुला # 0590
पति (पत्नी से)- आज संडे है, तो मैंने सोचा कुछ ऐश की जाए।
पत्नी (पति से)- वह कैसे?
पति (पत्नी से)- यह लो पिक्चर की तीन टिकट।
पत्नी (पति से)- तीन किसके लिए?

पति (पत्नी से)- एक तुम्हारे लिए और दो तुम्हारे मम्मी-पापा के लिए।

चुटकुला # 0591

पत्नी (पति से)- कल रात तुम नींद में मुझे गालियां क्यों दे रहे थे?
पति (पत्नी से)- तुमको गलतफहमी हुई है।
पत्नी (पति से)- कैसी गलतफहमी?
पति (पत्नी से)- यही कि मैं सोया हुआ था।

चुटकुला # 0592

पत्नी (पति से)- डियर, क्या कभी तुम्हारे दिल में यह ख्याल आया है कि

मेरी शादी किसी और से हो जाती तो अच्छा होता।
पति (पत्नी से)- बिल्कुल नहीं।
पत्नी (पति से)- सच।
पति (पत्नी से)- मैं किसी और का बुरा क्यों चाहूंगा ?

चुटकुला # 0593

लंबी बीमारी के बाद रमेश की जब आंख खुली तो उसने पास खड़ी अपनी

बीवी से पूछा - मैं कहां हूं? क्या स्वर्ग में।
पत्नी ने जवाब दिया- नहीं अभी तुम नरक में ही हो।
रमेश ने पूछा- इसका क्या सबूत है?
पत्नी ने कहा- क्या मैं सबूत के तौर पर काफी नहीं हूं।
चुटकुला # 0594

पति (पत्नी से)- मैं तुमसे एक बात कहना चाहता हूं।
पत्नी (पति से)- क्या?
पति (पत्नी से)-शादी से पहले मेरे दस अफेयर थे।
पत्नी (पति से)- अब जब कुंडली मिली है तो गुण तो मिलेंगे ही।
चुटकुला # 0595

एक महाशय अपने पड़ोसी के बेटे को मिट्टी के खिलौने बनाना सिखा रहे

थे।
बच्चे ने उत्सुकता से पूछा - अंकल आप हाथ से इतना अच्छा गीली

मिट्टी का गोला कैसे बना लेते है?

अंकल (बच्चे से)- बेटा नियमित प्रैक्टिस से।
बच्चा (अंकल से)- वह कैसे अंकल?
अंकल (बच्चे से)-क्या बताऊं बेटा अगर गोल रोटी नहीं बना पाता तो

तुम्हारी आंटी नहीं खाती।

चुटकुला # 0596

संजीव (धावक मित्र हरीश से)- तुम हर बार दौड़ने की प्रतियोगिता में

प्रथम आते हो, इसका क्या राज है?
हरीश (संजीव से)- यार, मैं जब भी दौड़ना शुरू करता हूं तो यह मान

लेता हूं कि मेरी बीवी मेरे पीछे आ रही है।

चुटकुला # 0597

अजी सुनते हो, बबलू तो आजकल झूठ पर झूठ बोलना सीख रहा है। जैसे

सच बोलना तो उसे आता ही नहीं है। पत्नी ने पति से कहा।
'मां के गुण तो बच्चा पहले सीखता है, पिता के गुण तो उसमें धीरे-धीरे

ही आएंगे।' पति ने मुस्कराते हुए जवाब दिया।

चुटकुला # 0598

नए मकान मालिक के पास एक शख्स गया और कहने लगा, 'साहब,

आपकी इमारत की तीसरी मंजिल पर जो औरत रहती है, वह अपने शौहर

से लड़ती रहती है, जिसकी वजह से सारे पड़ोसियों को तकलीफ होती है।

आप मकान मालिक की हैसियत से उस औरत को समझाएं कि वह अपने

शौहर से लड़ाई-झगड़ा न किया करे।'
मकान मालिक ने पूछा, 'क्या आप उस औरत के पड़ोसी है?'
जी नहीं मैं उसका शौहर हूं, उस शख्स ने जवाब दिया।

चुटकुला # 0599

मिस्टर एंड मिसेज शर्मा की कार को ट्रैफिक हवलदार ने रोक लिया और

कहा- जुर्माना निकालो, बगैर हैडलाइट के गाड़ी चलाते हो?

शर्मा जी बोले - दरअसल गाड़ी के ब्रेक कमजोर है इसलिए कल एक्सीडेंट

में हैडलाइट खराब हो गई थी।
कांस्टेबल बोला- यह तो दो जुर्म हुए। लाइसेंस दिखाओ।
'वह तो अभी बनवाना है। ' शर्मा जी बोले।
कांस्टेबल बोला- तीन जुर्म किए हुए ऐसे ही घूम रहे हो? चलो सीधे पुलिस

स्टेशन।
तभी मिसेज शर्मा बीच में बोली - अरे साहब, इनकी बातों पर यकीन न

कीजिएगा। शराब पीकर ये ऐसी ही बहकी-बहकी बातें करते है।

चुटकुला # 0600

रेखा (मीना से)- मैंने सुना है कि तुम्हारे पति को नींद में चलने की

बीमारी है।
मीना (रेखा से)- हां...... है तो, मगर घबराने की बात नहीं है।
रेखा (मीना से)- क्यों?
मीना (रेखा से)- क्योंकि वे इतने आलसी है कि दो-चार कदम चलकर फिर

लेट जाते है।

चुटकुला # 0601
पति (पत्नी से)- प्रिय, कान में कुछ ऐसी मीठी बात कह दो, जिससे कि

मेरे पांव जमीन पर ही न पड़े।
पत्नी (कान के पास जाकर झुंझलाते हुए)- जाओ फांसी लगा लो।

चुटकुला # 0602

पत्नी (पति से)- शादी पर जो तुमने सोने की अंगूठी दी थी, वह आज कही

गिर गई।
पति (पत्नी से)- आज ही मेरे कोट की जेब से सौ रुपए चोरी हुए, खैर कोई

बात नहीं।
पत्नी(पति से) - क्यों?
पति (पत्नी से)- तुम्हारी अंगूठी मिल गई।
पत्नी (खुश होकर)- सच कहां मिली?
पति (पत्नी से)- उसी जेब में से, जिसमें से सौ रुपए गायब हुए है।

चुटकुला # 0603

पत्नी (पति से)- इस बस के कंडक्टर ने मेरी बेइज्जती की है।
पति (पत्नी से)- भला वह कैसे?
पत्नी (पति से)- जब मैं बस से उतरी तो कंडक्टर ने कहा तीन सवारियां

इस सीट पर आ जाए।

चुटकुला # 0604

मुकेश ने अपने दोस्त सुरेश से पूछा- पत्नी को पति के जीवन की

आधारशिला क्यों माना जाता है?
'इसलिए कि वह शिला पति से टकराती रहती है।' सुरेश ने मुस्कराते हुए

जवाब दिया।

चुटकुला # 0605

पत्नी (पति से)- इतनी देर हो गई, आखिर क्या ढूंढ रहे हो?
पति (पत्नी से)- कुछ नहीं।
पत्नी (पति से)- कुछ तो खोया है! चार घंटे से मैरिज सर्टिफिकेट को

उलट-पलट रहे हो।
पति (पत्नी से)- देख रहा हूं कि इसकी एक्सपायरी डेट कहां है?

चुटकुला # 0606

मुकेश ने अपने दोस्त सुरेश से पूछा- पत्नी को पति के जीवन की

आधारशिला क्यों माना जाता है?
'इसलिए कि वह शिला पति से टकराती रहती है।' सुरेश ने मुस्कराते हुए

जवाब दिया।

चुटकुला # 0607

चिंटू (मां से)- आपने कहा था कि परियो के पंख होते है और वह उड़

सकती है?
मां (चिंटू से)- हां, वह उड़ सकती है।

चिंटू (मां से)- कल रात डैडी नौकरानी से कह रहे थे कि तुम परी हो, वह

कब उड़ेगी?
मां (गुस्से से)- बेटा वह कल सुबह होते ही उड़ जाएगी।

चुटकुला # 0608

बीमा कंपनी के एक एजेट से एक साहब ने आकर पूछा- यदि मैं अपनी

पत्नी का बीमा कराऊं और कल वह मर जाये तो मुझे क्या मिलेगा?
बीमा एजेट ने बड़े इत्मीनान से उत्तर दिया- जेल या फांसी।

चुटकुला # 0609

नाई ने एक ग्राहक से पूछा, 'बाल कितने छोटे कर दूं, साहब?'
'इतने छोटे कर दो कि मेरी श्रीमति जी की पकड़ में न आएं। ग्राहक ने

बालों पर हाथ फेरते हुए जवाब दिया।

घर में कलह होने के बाद पति ने गुस्से में पंखे से रस्सी का फंदा

लटकाया और स्टूल पर चढ़कर गले में डालने को तैयार हो गया, पत्नी

बोली- जो कुछ करना है जल्दी तय कर लो।
पति (पत्नी से)- मुझे तुम शांति से मरने भी न दोगी?
पत्नी (पति से)- मुझे स्टूल की जरूरत है।

चुटकुला # 0610

रेखा (मीना से)- 'मैंने सुना है कि तुम्हारे पति को नींद में चलने की

बीमारी है।'
मीना (रेखा से)- 'हां...... है तो, मगर घबराने की बात नहीं है।'
रेखा (मीना से)- 'क्यों?'
मीना (रेखा से)-'क्योंकि वे इतने आलसी है कि दो-चार कदम चलकर फिर

लेट जाते है।'

चुटकुला # 0611

मीता (सीमा से)- तुम्हारी हैदराबाद यात्रा कैसी रही?
सीमा (मीता से)- अरे क्या बताऊं। रास्ते में मेरे पति पानी लेने उतरे

और गाड़ी चल दी। वह स्टेशन पर ही रह गये।
मीता (सीमा से) मैं समझ रही हूं तुम्हारी पीड़ा। इतने लंबे सफर में तुम्हें

प्यासा ही रहना पड़ा।

चुटकुला # 0612
एक शराबी की पत्नी मर गई, तो उसके रिश्तेदारों ने पूछा- क्यों भाई, दवा

दारू नहीं की थी क्या?
शराबी (रिश्तेदारो से) - दारू पीकर ही तो दवा दी थी!

चुटकुला # 0613

बीमा कंपनी के एक एजेंट से एक साहब ने आकर पूछा- यदि मैं अपनी

पत्नी का बीमा कराऊं और कल वह मर जाये तो मुझे क्या मिलेगा?
बीमा एजेंट ने बड़े इत्मीनान से उत्तर दिया- जेल या फांसी।

चुटकुला # 0614

पत्नी (पति से)- 'शादी पर जो तुमने सोने की अंगूठी दी थी, वह आज

कही गिर गई।'
पति (पत्नी से)- 'आज ही मेरे कोट की जेब से सौ रूपए चोरी हुए, खैर

कोई बात नहीं।'
पत्नी (पति से)- क्यों?
पति (पत्नी से)- तुम्हारी अंगूठी मिल गई।
पत्नी (खुश होकर)- सच कहां मिली?
पति (पत्नी से)- उसी जेब में से, जिसमें से सौ रूपए गायब हुए थे।

चुटकुला # 0615

पति ने पत्नी से एक कप चाय बनाने के लिए कहा।
पत्नी (पति से) - तुम खुद बना लो।
पति (पत्नी से)- मेरे सिर में दर्द है।
पत्नी (पति से)- मेरे गले में दर्द है।
पति (पत्नी से)- ठीक है तो तुम मेरा सिर दबा दो, मैं तुम्हारा गला दबा

देता हूं।

चुटकुला # 0616

मीता (अपनी सहेली सीमा से) - तुम्हारी हैदराबाद यात्रा कैसी रही?
सीमा (मीता से)- अरे क्या बताऊं। रास्ते में मेरे पति पानी लेने उतरे

और गाड़ी चल दी। वह स्टेशन पर ही रह गये।
मीता (सीमा से)- मैं समझ रही हूं तुम्हारी पीड़ा। इतने लंबे सफर में तुम्हें

प्यासा ही रहना पड़ा।

चुटकुला # 0617

पत्नी (पति से) - अजी, क्या यह सच है कि रुपये-पैसे बोलते है?
पति (पत्नी से)- हां, कहते तो ऐसा ही है।
इस पर पत्नी बोली- तो फिर तुम मुझे कुछ पैसे दे जाना। मैं घर में

अकेली बैठी बोर होती रहती हूं।

चुटकुला # 0618

पत्नी ने उलाहने भरे स्वर में कहा, 'अगर तुम अक्ल से काम लेते तो हर

महीने इतनी बचत कर लेते कि मेरे लिए कम से कम दो साड़ियां अवश्य

खरीद लेते।'
'अगर मैं अक्ल से काम लेता तो मुझे साड़ियो को खरीदने की कभी नौबत

ही नहीं आती।' पति ने मुस्कुरा के जवाब दिया।

चुटकुला # 0619

पत्नी (पति से)- जब भी तुम स्कूटर मोड़ते हो, तो मुझे बहुत डर लगता

है।
पति (पत्नी से)- तो इसका मतलब यह है कि तुम भी मेरी तरह डरपोक

हो। मैं तो मोड़ पर आंखे बंद कर लेता हूं। आगे से तुम भी ऐसा ही किया

करो।

चुटकुला # 0620

एक साहब ने कैमिस्ट से दवाइयां खरीदते समय उससे कहा, 'दवाइयों को

अलग-अलग लिफाफे में रखकर उस पर लिख दीजिए कि कौन सी मेरी

बीवी की है और कौन सी मेरे कुत्ते की।
मैं नहीं चाहता कि दवाएं बदल जाएं और मेरे कुत्ते को कुछ हो जाये।'

चुटकुला # 0621

पति-पत्नी फिल्म देखने गये, तो पति ने एक पान पत्नी के लिए खरीदा।
पत्नी (पति से)- 'एक अपने लिए भी तो ले लो।'
पति (पत्नी से)- 'मैं बिना पान खाये भी खामोश रह सकता हूं।'

चुटकुला # 0622

नाई ने एक ग्राहक से पूछा, 'बाल कितने छोटे कर दूं, साहब?'
'इतने छोटे कर दो कि मेरी श्रीमती जी की पकड़ में न आएं। ग्राहक ने

बालों पर हाथ फेरते हुए जवाब दिया।'

चुटकुला # 0623
बस में बैठे एक साहब को बार-बार छीक आ रही थी लेकिन हर बार वे

उसे जबरदस्ती रोक लेते थे। उनकी हालत देखकर बगल में बैठे एक

सज्जन ने उनसे कहा, 'आप एक बार कायदे से छींक क्यों नहीं लेते?'
'कैसे छीकूं.... मेरी बीवी ने मुझसे कहा था कि जब आपको छींक आए तो

समझना कि मैं तुम्हें याद कर रही हूं और जल्द ही तुम्हें अपने पास

बुलाने वाली हूं।' साहब बोले। 'तो इसमें दिक्कत क्या है?'
बगल वाले सज्जन ने फिर पूछा।
'अब क्या बताऊं, असल में मेरी बीवी को मरे दो साल हो गए है और

फिलहाल मैं मरकर उसके पास नहीं जाना चाहता।'

चुटकुला # 0624

पत्नी (पति से)- तुमने कभी सोचा है कि मेरी शादी किसी और से हो

जाती तो क्या होता?

पति (पत्नी से)- मैं कभी दूसरों का बुरा नहीं सोचता।

चुटकुला # 0625

शीला (रमा से)- तुम्हारे हसबैंड पाइप से चढ़कर ऊपर अपने घर में क्यों जा रहे है?

रमा (शीला से)- जब तक इनकी टांग का प्लास्टर खुल न जाए, डॉक्टर ने इन्हें सीढ़ियां चढ़ने उतरने से मना किया है।

चुटकुला # 0626

जज (महिला से)- तुमने अपने पति के सिर पर कुर्सी दे मारी और वह टूट गयी?

महिला (जज से)- जी हां, मगर यह मेरा इरादा नहीं था।

जज (महिला से)- यानी तुम्हारी नीयत पति पर हमला करने की नहीं थी।

महिला (जज से)- जी नहीं, मेरी नीयत कुर्सी तोड़ने की नहीं थी।

चुटकुला # 0627

वृद्ध पति की पत्नी अपनी सहेली से बोली- 'मैंने अपने पति की दांतों से नाखून काटने की आदत छुड़ा दी है।'

सहेली ने पूछा - 'कैसे?'

'मैंने उनके दांत छिपाकर रख दिये है।

चुटकुला # 0628

पत्नी (पति से)- जब मैं मर जाऊंगी, तो तुम क्या करोगे?

पति (पत्नी से)- मैं भी मर जाऊंगा।

पत्नी (पति से)- क्यों?

पति (पत्नी से)- क्योंकि कई बार ज्यादा खुशी से भी आदमी मर जाता है।

चुटकुला # 0629

पत्नी (पति से) - क्या बात है, जब भी तुम अपने ससुराल जाते हो, बहुत सहमे से रहते हो? जब शादी करने गए थे, उस दिन तो बहुत अकड़ रहे थे।

पति (पत्नी से)- उस दिन मैं अकेला नहीं था, पूरी बारात के साथ था।

चुटकुला # 0630

पति (पत्नी से)- यह शीशा तुम्हारे कारण टूटा है।
पत्नी (पति से)- बिल्कुल नहीं, तुम्हारे कारण टूटा है। मैंने तुम्हें फूलदान

फेककर मारा था, यदि तुम अपनी जगह से नहीं हटते तो शीशा कभी नहीं

टूटता।

चुटकुला # 0631

पत्नी (पति से)- तुम बहुत फिजूलखर्ची करते हो।
पति (पत्नी से)- तुम यह कैसे कह सकती हो?
पत्नी (पति से)- तुम जो आग बुझाने वाला यंत्र खरीदकर लाये हो, वह

अभी तक एक बार भी काम नहीं आया।

चुटकुला # 0632

लंबे आपरेशन के बाद बेहोशी टूटने पर एक मरीज ने आंखे खोलकर

कमजोर लहजे में कहा- मैं कहां हूं, क्या स्वर्ग में पहुंच गया हूं?
पत्नी (पति से)- नहीं प्यारे, अभी फिलहाल तुम नरक में हो।
पति (पत्नी से)- सबूत?
पत्नी (पति से) - क्या मैं सबूत के तौर पर कम हूं?

चुटकुला # 0633

सैनिको की पत्नियां अपने पतियों की बहादुरी का बखान कर रही थी।
एक बोली, ‘मेरे पति ने हाल ही के युद्ध में बहुत बहादुरी का परिचय दिया

था। उन्होने तो एक दुश्मन की टांग ही काट डाली थी।‘
दूसरी महिला ने पूछा, ‘पर टांग क्यों?‘ सिर क्यों नहीं?
इस पर पहली बोली, ‘क्योंकि उसका सिर तो पहले से ही कटा हुआ था।‘

चुटकुला # 0634

मीना (राकेश से)- उसने आत्महत्या कर ली और उसे आत्महत्या करनी

पड़ी। इन दोनो में अंतर बताओ।
राकेश (मीना से)- पहले वाक्य से व्यक्ति के अविवाहित होने और दूसरे

वाक्य से उसके विवाहित होने का पता चलता है।

चुटकुला # 0635

पत्नी (पति से)- मेरे पिताजी जब गाते थे तो उड़ते हुए पंछी गिर जाया

करते थे।'
पति (पत्नी से)- 'क्या तुम्हारे पिताजी मुंह में कारतूस भर कर गाते थे।'

चुटकुला # 0636

पति (पत्नी से)- 'अभी मीना की शादी की क्या जल्दी है? बहुत समय पड़ा

है। जब तक कोई अच्छा लड़का न मिले तब तक हमें बाट देखनी चाहिए।'
पत्नी (पति से)- 'बाट भी कब तक देखी जा सकती है? जब मैं शीला की

उम्र की थी तो मेरे घरवालों ने ही अच्छा लड़का मिलने का इंतजार कहां

किया था?'

चुटकुला # 0637

राकेश (मीना से)- उसने आत्महत्या कर ली और उसे आत्महत्या करनी

पड़ी। इन दोनो में अंतर बताओ।
मीना (राकेश से)- पहले वाक्य से व्यक्ति के अविवाहित होने और दूसरे

वाक्य से उसके विवाहित होने का पता चलता है।

पत्नी (पति से)- मैंने दुनिया की सबसे खूबसूरत महिला को देखा, उस पर

वो कपड़े खूब फब रहे थे।
पति (पत्नी से) अच्छा, फिर?
पत्नी (पति से)- फिर क्या? मैं आइने के सामने से हट गई।

चुटकुला # 0638

पति (पत्नी से)- आज ऑफिस में सारा दिन तनाव रहा।
पत्नी (पति से)- क्यों?
पति (पत्नी से)- पहले मिला काम का ढेर, फिर बॉस की डांट और फिर

टिफिन में कद्दू की सब्जी।

चुटकुला # 0639

पति (पत्नी से)- मैं बेवकूफ था, जो मैंने तुमसे शादी की।
पत्नी (पति से)- बिल्कुल। दरअसल, मैं प्यार में इस कदर डूबी थी, कि

मैंने नोटिस ही नहीं किया।

चुटकुला # 0640

पति (पत्नी) - सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे है, दोनों रोज यहां

आते है। संग-संग बैठते है, चहचहाते है और एक हम है, हमेशा लड़ते ही

रहते है।
पत्नी - तुमने एक चीज पर ध्यान नहीं दिया। यहां बैठने वाले जोड़े में से

तोता तो रोज वही होता है पर मैना हमेशा नई होती है।

चुटकुला # 0641

पी (पति से) - अगर कोई बदमाश मुझे भगाकर ले जाएगा तो तुम क्या

करोगे?
पति (पी से) - मैं उससे कहूंगा कि भगाने की क्या जरूरत है ऐसे ही ले

जाओ।

चुटकुला # 0642

पति (पत्नी से)- पिछले एक घंटे से चाय का इंतजार कर रहा हूं। इतनी देर

तक तुम बालकनी में क्या कर रही थी?
पत्नी (पति से)- पड़ोस वाली मिसेज शर्मा से बातें कर रही थी।
पति (पत्नी से)- इतनी देर तक जब बात करनी थी तो उन्हें घर ही क्यों

नहीं बुला लिया?
पत्नी (पति से)- मैंने उनसे कहा था, पर वह बोली मेरे पास समय नहीं है।

चुटकुला # 0643

पत्नी (पति से)- कितनी बार कहा है कि अपने बालों में खिजाब लगाओ,

बुड्ढे नजर आते हो।
पति (पत्नी से)- अरे भाग्यवान! अगर मैंने बालों में खिजाब लगा लिया तो

लड़कियों से बेधड़क बात नहीं कर पाऊंगा।

चुटकुला # 0644

पति - 'ऐसे जीवन से तो अच्छा है कि मैं मर जाऊं प्रभु, तू मुझे उठा

ले।'
पत्नी - 'भगवान इनसे पहले मुझे उठा ले।'
पति - 'प्रभु, तू इसकी सुन, मैं अपनी अर्जी वापस लेता हूं।'

चुटकुला # 0645

पति (पत्नी से)- 'कल तुम मायके गई थी कि रात घर में चोर घुस आए।

उन्होने मुझे खूब मारा-पीटा, यहां तक कि मुझे मुर्गा भी बना दिया।'
पत्नी - 'क्या आपने शोर नहीं मचाया?'
पति - 'मैं कोई डरपोक था जो शोर मचाता।'

चुटकुला # 0646

पत्नी (पति से)- आज तो नयी कंघी खरीदनी ही पड़ेगी। पुरानी कंघी का

एक दांत टूट गया है।
पति (गुस्से मे) एक दांत टूट गया तो क्या तुम नयी कंघी खरीदोगी?
पत्नी (पति से)- चीखो मत। खरीदनी तो पड़ेगी ही। वह कंघी का आखिरी

दांत जो था।

चुटकुला # 0647
घर में कलह होने के बाद पति ने गुस्से में पंखे से रस्सी का फंदा

लटकाया और स्टूल पर चढ़कर गले में डालने को तैयार हो गया।
पत्नी (पति से)- जो कुछ करना है जल्दी तय कर लो।
पति (पत्नी से)- मुझे तुम शांति से मरने भी न दोगी?
पत्नी (पति से)- मुझे स्टूल की जरूरत है।

चुटकुला # 0648

मरते हुए पुरूष ने अपनी पत्नी को अपने पास बुलाया और धीमें से बोला-

रमा, मेरे मरने पर दुकान मोहन के सुपुर्द कर देना।
पत्नी (पति से)- मोहन! उससे अच्छी तो मुकेश दुकान चलायेगा।

पति ने बात मान ली। ‘अच्छा, अच्छा। राम को मेरी कार दे देना।‘
पत्नी ने फिर सलाह दी- पर मेरे ख्याल में कार संजीव के पिता को चाहिए

उन्हें रोजाना सात मील दूर काम पर जाना पड़ता है।
पति - चलो, कार संजीव के पिताजी को ही दे देना, लेकिन मेरा यह

मकान महेश को दे देना।
इस पर पत्नी बोली- महेश को तो यह शहर पसंद ही नहीं है, मेरे विचार

में..........
पति से अब नहीं रहा गया। वह कराहा- रमा! एक बात बताओ, मर कौन

रहा है- मैं या तुम?

चुटकुला # 0649

पति (पत्नी से)- आज किसी ने मेरी जेब काट ली।
पत्नी (पति से)- तो पुलिस में रिपोर्ट की?
पति (पत्नी से)- नहीं, मैंने गलती कर दी।
पत्नी (पति से) - वह क्या?
पति (पत्नी से)- जेब कटने के तुरंत बाद मैंने उसे दर्जी से सिलवा लिया।

चुटकुला # 0650

पार्टी चल रही थी, मीना ने अपने पति को उंगली से अपनी ओर आने का

इशारा किया। पति आ गया और पूछने लगा, ‘क्या कोई काम था?‘
मीना (पति से)- काम तो कुछ नहीं था। बस मैं देखना चाहती थी कि

मेरी इस उंगली में कितनी ताकत है।‘

चुटकुला # 0651

सेठ जी (पत्नी से)- ‘कल तुम मायके गई थी कि रात घर में चोर घुस

आए। उन्होने मुझे खूब मारा-पीटा, यहां तक कि मुझे मुर्गा भी बना

दिया।‘
पत्नी - ‘क्या आपने शोर नहीं मचाया?‘
सेठ जी - ‘मैं कोई डरपोक था जो शोर मचाता।‘

चुटकुला # 0652

पत्नी से तंग आकर रामलाल एक साधु के पास गया। रामलाल ने साधु से

कहा, 'महाराज, बीवी ने परेशान कर रखा है। इसका कोई उपाय बताइए।'
साधु (रामलाल से)- अबे, अगर बीवी से बचने का तरीका मालूम होता, तो

मैं ही साधु क्यों बनता।

चुटकुला # 0653

मोहन लाल एक बुक देखते हुए बुरी तरह रोने लगा। तभी उसकी पत्नी आ

गई और बोली, 'क्या हुआ इस तरह क्यों रो रहे हो, शर्म नहीं आती?'
मोहन लाल (अपनी पत्नी से)- 'कुछ नहीं हुआ दरअसल इस बुक का अंत

ही इतना दुखदाई है कि मैं अपनी रुलाई न रोक सका।'
पत्नी तेजी से बोली, 'कौन सी बुक है जी?'
मोहन लाल ने धीरे से कहा, - 'पासबुक।'

चुटकुला # 0654
पत्नी (पति से) - कुछ साल पहले तुमने मुझसे कहा था कि तुम स्वर्ग में

मेरे बिना रहने की बजाय मेरे साथ नर्क में रहना पसद करोगे।
पति (पत्नी से) - बदकिस्मती से मेरी इच्छा पूरी हो गई।

चुटकुला # 0655

पति (पत्नी से) - शादी से पहले मैं काफी आवारागर्दी किया करता था।

क्या तुम भी ऐसा ही करती थी?
पत्नी (पति से) - 'अब बिना गुण मिले शादी थोड़े ही होती है।' पत्नी

शरमाते हुए बोली।

चुटकुला # 0656

पत्नी (पति से) - आप नींद में बहुत बोलते है इस वजह से मेरी नींद

खराब हो जाती है।
पति (पत्नी से) - तो क्या अब मैं अब नींद में भी नहीं बोल सकता, उसमें

भी केवल तुम्हारी सुनूं।

पति (पत्नी से)- तुम इतनी अच्छी रोटियां नहीं बना सकती, जितनी अच्छी

मेरी मां बनाती थी।
पत्नी (पति से)- और तुम भी उतना अच्छा आटा नहीं गूंथ सकते, जितना

अच्छा मेरे पिताजी गूंथते थे।

चुटकुला # 0657

पत्नी (पति से) - शादी के पहले तो तुम कहा करते थे कि मैं तुम्हारे लिए

आसमान से तारे तोड़कर ला दूंगा। अब लाकर क्यों नहीं देते।
पति (पत्नी से) - अब आसमान के तारे कहां से ला सकता हूं। शादी के

बाद सारे तारे गर्दिश में जो चले गए।

चुटकुला # 0658

एक कंजूस व्यक्ति की पत्नी मरणासन्न अवस्था में थी। इतने में घर की

बत्ती चली गई। कंजूस व्यक्ति शिकायत दर्ज करवाने बिजली घर गया।
जाते-जाते पत्नी से बोला, 'मैं बाहर जा रहा हूं, यदि तुम मरने लगो, तो

मोमबत्ती बुझा देना।'

चुटकुला # 0659

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो

गई। बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब

मेरे पिता ने दहेज में दिया है।'
संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए। बीवी की आंख खुल गई। वह

मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर में चोर घुस आए है।'
मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मैं क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही

क्या?'

चुटकुला # 0660

पत्नी (पति से)- 'शादी पर जो तुमने सोने की अंगूठी दी थी, वह आज

कही गिर गई।'

पति (पत्नी से)- 'आज ही मेरे कोट की जेब से सौ रूपए चोरी हुए, खैर

कोई बात नहीं।'
पत्नी (पति से)- क्यों?
पति (पत्नी से)- तुम्हारी अंगूठी मिल गई।
पत्नी (खुश होकर)- सच कहां मिली?
पति (पत्नी से)- उसी जेब में से, जिसमें से सौ रूपए गायब हुए है।

चुटकुला # 0661
एक साहब ने कैमिस्ट से दवाइयां खरीदते समय उससे कहा, 'दवाइयो को

अलग-अलग लिफाफे में रखकर उस पर लिख दीजिए कि कौन सी मेरी

बीवी की है और कौन सी मेरे कुत्ते की।
मैं नहीं चाहता कि दवाएं बदल जाएं और मेरे कुत्ते को कुछ हो जाये।'

एक बार शर्मा जी के पेट के ऊपर से चूहा निकल गया तो वह उठकर

चिल्लाने लगे।
शर्मा जी की पत्नी (पति से)- 'इसमें इतना चिल्लाने की क्या बात है?'
शर्मा जी (पत्नी से)- 'आज तो चूहा गुजरा है। कल हाथी, घोड़े, बैल, मोटर

सभी गुजरेगे। इस तरह तो मेरा पेट आम रास्ता बन जाएगा।'

चुटकुला # 0662
पति-पत्नी शॉपिंग के लिए बाजार गये तो पत्नी बोली- कितनी अजीब सी

बात है कि मेरे पास साड़ी का बार्डर है पर साड़ी नहीं, शीशी है पर सैट

नहीं, अंगूठी है पर नेकलेस नहीं।
यह सुनकर शांत स्वभाव से पति महोदय ने कहा- मेरा भी यही हाल है।

मेरे पास पर्स है पर पैसे नहीं।

चुटकुला # 0663

पत्नी (पति से)- 'वह कौन सी चीज है जो औरतों को पसंद नहीं पर मर्दो

को पसंद है?

पति (पत्नी से)- 'खामोशी।'
* * *
तेज-तर्रार पत्नी ने पति से पूछा- यदि तुम साड़ी पहनकर घर में रहो तो

क्या होगा?
दब्बू पति का जवाब था- कुछ भी नहीं।
पत्नी ने आंखे तरेर कर पूछा- क्यों?
पतिदेव ने जरा धीरे से कहा- क्योंकि मैं घर के कपड़े और बर्तन आज भी

धोता हूं और तब भी धोऊंगा।

चुटकुला # 0664

पति (पत्नी से)- पिछले एक घंटे से चाय का इंतजार कर रहा हूं। इतनी देर

तक तुम बालकनी में क्या कर रही थी?
पत्नी (पति से)- पड़ोस वाली मिसेज शर्मा से बातें कर रही थी।
पति (पत्नी से)- इतनी देर तक जब बात करनी थी तो उन्हें घर ही क्यों

नहीं बुला लिया?
पत्नी (पति से)- मैंने उनसे कहा था, पर वह बोली मेरे पास समय नहीं है।

चुटकुला # 0665
पत्नी (पति से)- इस बस के कन्डक्टर ने मेरी बेइज्जती की है।
पति (पत्नी से)- भला वह कैसे?
पत्नी (पति से)- जब मैं बस से उतरी तो कंडक्टर ने कहा, तीन सवारियां

इस सीट पर आ जाए।

चुटकुला # 0666

पत्नी ने अपने पिता को घर आया देख पति से पूछा, क्यों जी मेरे पिताजी

अचानक घर कैसे आ गए कही आपने तो नहीं बुलाया।
पति (पत्नी से)- नहीं।
पत्नी (पति से)- तो फिर क्यों आए है?
पति (पत्नी से)- मैंने कुछ दिन पहले आपके घर जो पत्र लिखकर डाला था,

उसे पढ़वाने के लिए क्योंकि मेरी लिखाई मेरे अलावा कोई नहीं पढ़

सकता।

चुटकुला # 0667

पत्नी (पति से)- प्रिय कुछ साल पहले तुमने कहा था कि तुम स्वर्ग में मे

ेरे बिना रहने के बजाय मेरे साथ नरक में रहना पसंद करोगे।
पति (पत्नी से)- बदकिस्मती से मेरी यह इच्छा पूरी हो गई है।

चुटकुला # 0668

एक व्यक्ति थाने आया और थाना इंचार्ज से बोला- जी, मेरी लड़ाकू बीवी

एक साल पहले कही गुम हो गई थी। उसी की रिपोर्ट लिखानी है।
एक साल पहले? और आप अब रिपोर्ट लिखा रहे है? थाना इंचार्ज ने

आश्चर्यचकित होकर पूछा।
'जी, वास्तव में मुझे यकीन ही नहीं हो रहा था कि मैं इतना भाग्यवान

भी हो सकता हूं।' व्यक्ति ने जवाब दिया।

चुटकुला # 0669

पत्नी (पति से)- 'आप बहुत देर से घर आए हो।'
पति ने भी पत्नी पर इल्जाम लगाते हुए कहा, 'और तुम इतनी रात तक

जाग कर क्या कर रही हो।
पत्नी (पति से)- मैं पांच घंटे से आपके इंतजार में जाग रही थी।
पति (पत्नी से)- और मैं पांच घंटे से इसी इंतजार में बाहर खड़ा था कि

तुम सो जाओ तो मैं अंदर आऊं।

चुटकुला # 0670

पत्नी ने अपने पति से शिकायती अंदाज में कहा, 'आप नींद में बहुत बोलते

है, कई बार तो मेरी नींद ही खुल जाती है........'
'तो क्या मैं नींद में भी न बोलूं, तुम्हारी ही सुनता रहूं।'

चुटकुला # 0671

पत्नी (पति के हाथ से एक पैकेट छीनते हुए)- 'अच्छा तो तुम इस पैकेट

में सोने की चीज लाए हो। जरा देखूं तो तुम मेरे लिए क्या बनवा कर

लाए हो?'
पति (झल्लाकर)- 'अरे भाग्यवान। इसमें सोने की गोलियां है। सोने के

जेवर नहीं।'

चुटकुला # 0672

राकेश खाना खाते वक्त अचानक रुक गया और अपनी पत्नी से पूछने लगा,

'आज का खाना क्या तुम्हारी मां ने बनाया है?'
पत्नी खुश होकर बोली, 'हां, खाना बड़ा स्वाद बना है ना?'
राकेश (पत्नी से)- 'नहीं रोज खाने में काले बाल मिलते थे लेकिन आज

सफेद मिल रहे है।'

चुटकुला # 0673

पति (पत्नी से)- 'अभी मीना की शादी की क्या जल्दी है? बहुत समय पड़ा

है। जब तक कोई अच्छा लड़का न मिले तब तक हमें बाट देखनी चाहिए।'
पत्नी (पति से)- 'बाट भी कब तक देखी जा सकती है? जब मैं शीला की

उम्र की थी तो मेरे घरवालों ने ही अच्छा लड़का मिलने का इंतजार कहां

किया था?'

चुटकुला # 0674
पति (गुस्से से)- मैं पूछना चाहता हूं कि इस घर में मेरा हुक्म चलता है

या तुम्हारा?
पत्नी (पति से)- यह बात न ही पूछे तो अच्छा है क्योंकि इसका जवाब

सुन कर आपको कोई खास खुशी नहीं मिलेगी।

एक साहब नशे में चूर रात को तीन बजे घर पहुंचे। घर पहुंचते ही वे

देखते है कि उनकी पत्नी किसी दूसरे आदमी के साथ बैठी बातें कर रही है।

वे कुछ बोलते उससे पहले ही पत्नी उन पर बरस पड़ी। 'कहां थे अब तक?

ये कोई घर आने का समय है? आवारागर्द कही के ।'
पति (पत्नी से)- 'लेकिन तुम्हारे साथ ये आदमी कौन है?'

पत्नी (पति से)- 'चुप रहो, टॉपिक बदलने की कोशिश मत करो।'

चुटकुला # 0675

अपनी नवविवहिता पत्नी से पति ने पूछा- शादी से पहले कितने आदमियों

से तुम्हारी दोस्ती थी?
पत्नी की खामोशी देखकर पति ने फिर पूछा- क्या उत्तर नहीं दोगी।
मैं अभी गिन ही रही हूं- पत्नी ने जवाब दिया।

चुटकुला # 0676

आपके शो-केस में जो साड़ी टंगी है, क्या आप इसे मेरे लिए निकाल सकते

है? एक युवक ने दुकानदार से कहा।
दुकानदार- 'क्यों नहीं, मैं अभी निकलवाकर आपके लिए पैक करवा देता

हूं।'
युवक - 'जी, पैक करवाने के लिए नहीं, मैं तो वहां से निकलवाने के लिए

कह रहा था। दरअसल जब भी हम यहां से गुजरते है मेरी पत्नी उस साड़ी

को खरीदने की जिद करने लगती है।'

चुटकुला # 0677
मंजीत ने मोहिनी को पुरानी बातें याद दिलाते हुए कहा, 'तुम तो कहा

करती थी कि शादी के बाद तुम मेरे जीवन में हरियाली ला दोगी।'
मोहिनी - अरे, 'वही तो कर रही हूं।' ये जो ढेर सारे गमले मैं लाई हूं, वे

सब हरियाली के लिए ही तो है।

चुटकुला # 0678
एक सज्जन ने अपने मित्र से पूछा- बताओ, शादी के बाद चैन की नींद

कौन सोता है- पति य पत्नी?
मित्र - दोनो। फर्क सिर्फ इतना सा है कि पत्नी घर में सोती है और पति

ऑफिस में।

चुटकुला # 0679

ज्योतिषी ने एक खूबसूरत युवती का हाथ देखकर कहा- तुम्हारी शादी एक

ऐसे युवक से होगी, जो सुंदर तो होगा ही साथ ही, पैसे वाला भी होगा।
यह सुनकर युवती खुश होकर बोली- अब यह भी बता दीजिए कि मैं अपने

वर्तमान पति से छुटकारा कैसे पा सकती हूं।

चुटकुला # 0680
एक लेखक की शादी हो गई। पत्नी थी संपादक। कुछ समय बाद पत्नी

मायके चली गई। लेखक ने पत्नी को पत्र लिखा और साथ में टिकट लगा

लिफाफा भी भेज दिया। लेखक का एक मित्र यह सब देख रहा था। उसने

पूछा- 'पत्र के साथ यह लिफाफा क्यों भेजा है?'
लेखक महोदय बोले- 'आप नहीं जानते, पत्र के साथ टिकट लगा लिफाफा

न लगा हो, तो संपादक जवाब नहीं देते।'

चुटकुला # 0681
पति (अपनी नवविवाहिता पत्नी से)- प्रिय जरा अपना चंद्रमा रूपी चेहरा तो

दिखाओ।
चेहरा देखते ही पति आग बबूला हो गया और गुस्से से बोला- अरे तुम्हारे

चेहरे पर तो काले धब्बे और गड्डे है। तुम्हारे मां-बाप ने हमें धोखा दिया

है।
पत्नी (पति से)- डियर, नई खोजे चंद्रमा का यही रूप सामने लाई है।

चुटकुला # 0682
मृत पति की कब्र पर पत्नी ने संगमरमर का पत्थर लगवाया और उस पर

खुदवाया- 'शांति से सोओ।'
परंतु दो दिन बाद जब वसीयत खुली तो पत्नी को पता चला कि पति

उसके नाम कुछ नहीं छोड़ गया है। तब वह कब्रिस्तान गयी और पत्थर

पर आगे खुदवाया- 'जब तक मैं नहीं आती।'

चुटकुला # 0683

हेमा (राकेश से)- शादी से पहले तो तुम कहा करते थे कि मैं तुम्हारे लिए

आसमान के तारे तक तोड़ कर ला दूंगा, अब लाकर क्यों नहीं देते?
राकेश (हेमा से)- अब आसमान के तारे तोड़ कर कैसे ला सकता हूं? शादी

के बाद सारे तारे गर्दिश में जो चले गए है।

पत्नी (ताना मारते हुए)- 'मैं यदि न होती तो आपकी यह फटी कमीज

कौन सिलता?'
पति (पत्नी)- 'तब इसकी जरूरत ही नहीं पड़ती। मैं ढेर सारी कमीजें

सिलवा लेता।'

चुटकुला # 0684

पत्नी (पति से)- मैं तुमसे जो भी कहती हूं, तुम एक कान से सुनकर दूसरे

कान से निकाल देते हो।
पति (पत्नी से)- किंतु मैं जो तुमसे कहता हूं वो तुम दोनो कानो से

सुनकर मुंह से निकाल देती हो।

चुटकुला # 0685

पति (पत्नी से)- 'तुम हमेशा मुझे बेकार की चीजे खरीदने का ताना देती

हो। मैंने ऐसी क्या चीज खरीदी है, जो बेकार है?'
पत्नी (पति से)- 'पिछले साल आग बुझाने का सिलेंडर लाए थे वो अभी

तक बेकार ही तो पड़ा है।'

चुटकुला # 0686

पति-पत्नी चाय की चुस्कियों के साथ अखबार पढ़ रहे थे। पत्नी को एक

चटपटी खबर दिखी तो उसने पति से कहा, 'देखो खबर छपी है कि एक

अस्सी साल के कुंवारे बूढ़े ने शादी कर ली।'
पति ठंडी सांस भरते हुए बोला, 'बेचारे ने लगभग पूरी जिंदगी समझदारी

दिखाई पर बुढापे में बेवकूफी कर ही दी।'

चुटकुला # 0687

पत्नी (शर्माते हुए)- सुनो जी! तुम्हें मुझमें सबसे ज्यादा क्या अच्छा लगता है? मेरा खूबसूरत चेहरा या मेरी अक्लमंदी।
पति (पत्नी को देखते हुए)- मुझे तो तुम्हारी मजाक करने की आदत ज्यादा अच्छी लगती है।

चुटकुला # 0688

झगड़े के आखिर में पत्नी ने थककर कहा, 'मैं कितनी बड़ी मूर्ख थी कि मैंने तुमसे शादी की।'
पति ने शांत भाव से कहा, 'हां! पर मैं तुम्हारे प्यार में इतना पागल था कि यह भी न देख पाया।'

चुटकुला # 0689

पत्नी मर रही थी। उसने पति को अपने पास बुलाया और भर्राए स्वर में बोली- प्राणनाथ, मैं जा रही हूं। मैंने ही आपके सेफ से दस हजार रूपये चुराये थे। मैं आपके दोस्त से छुप-छुपकर मिला करती थी। मैंने ही आपके काले धन की सूचना इनकम टैक्स विभाग को दी थी। मैंने ही......।
पति (प्यार से)- छोड़ो डार्लिंग, अब बीती बातों को बिसार दो। जो हो गया सो हो गया। वैसे, मैंने ही तुम्हें जहर दिया है जिसकी वजह से तुम मर रही हो।

चुटकुला # 0690

पति - 'ऐसे जीवन से तो अच्छा है कि मैं मर जाऊं प्रभु, तू मुझे उठा ले।'
पत्नी - 'भगवान इनसे पहले मुझे उठा ले।'
पति - 'प्रभु, तू इसकी सुन, मैं अपनी अर्जी वापस लेता हूं।'

चुटकुला # 0691

पत्नी ने पति से शिकायत की- 'आप नींद में बहुत बोलते है।'
पति (पत्नी से)- 'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही

सुनता रहूं।'

चुटकुला # 0692
राकेश (मनोवैज्ञानिक से)- 'कोई ऐसा उपाय बताइए कि मेरा और मेरी

पत्नी की आपस में कहां सुनी न हो।'
मनोवैज्ञानिक (राकेश)- 'इसका सबसे अच्छा उपाय यह है कि आपकी बीवी

जो कहती रहे आप उसे सुनते रहिए।

नवविवाहिता ने अपने पति से पूछा- आपने पड़ोसियों से यह क्यों कहा कि

मेरे अच्छा खाना बनाने की वजह से ही आपने मुझसे शादी की, मुझे तो

ठीक से चाय बनानी भी नहीं आती है।
'प्रिय, कोई न कोई वजह तो बतानी ही थी न।' पति महोदय गंभीर होकर

बोले।

चुटकुला # 0693
एक कुएं के बारे में मशहूर था कि उसमें एक सिक्का डालने से मन की

मुराद पूरी होती है। पति-पत्नी भी उस कुएं पर जा पहुंचे। सबसे पहले पति

ने एक सिक्का डाला और कुएं में झांककर कुछ बुदबुदाया।
फिर पत्नी सिक्का डालकर ज्यों ही झुकी, संतुलन बिगड़ने के कारण कुएं में

जा गिरी। पति शांत स्वर में बोला, 'हे भगवान, ऐसी मान्यताओं पर मुझे

तो विश्वास ही नहीं था, पर अब करना पड़ रहा है।'

चुटकुला # 0694
ज्योतिषी ने खूबसूरत रमा का हाथ देखकर कहा- तुम्हारी शादी एक ऐसे

युवक से होगी, जो सुंदर तो होगा ही साथ ही, पैसे वाला भी होगा।
यह सुनकर रमा खुश होकर बोली- अब यह भी बता दीजिए कि मैं अपने

वर्तमान पति से छुटकारा कैसे पा सकती हूं।

चुटकुला # 0695

अब तो मुझे पक्का यकीन हो गया है कि आपको मुझसे पहले जैसी

मोहब्बत नहीं रही। पत्नी ने पति से शिकवा किया।
पति (पत्नी से)- 'तुम्हें यह गलतफहमी कैसे हुई?'
पत्नी (पति से)- 'गलतफहमी नहीं असलियत है। पहले जब आप खाना

खाने बैठते थे तो खुद कम खाते थे और मुझे ज्यादा खिलाते थे लेकिन

अब.....'
पति (पत्नी से)- 'बात दरअसल यह है कि अब तुम पहले जैसा बे-स्वाद

खाना नहीं बनाती।'

चुटकुला # 0696

पत्नी (वकील पति से)- तुम इतने सालों से वकालत कर रहे हो। मुझे

बताओ कि उम्रकैद से बड़ी सजा क्या होती है?
वकील पति (पत्नी से)- वही तो काट रहा हूं।

चुटकुला # 0697

पति ने अपनी नई-नवेली पत्नी से कहा- शादी से पहले मैं काफी

आवारागर्दी किया करता था। क्या तुम भी ऐसा ही करती थी?
'अब बिना गुण मिले शादी थोड़े ही होती है।' पत्नी शरमाते हुए बोली।

चुटकुला # 0698

पति ने पत्नी को समझाते हुए कहा- 'प्रिये! देखो, इस बार अपने जन्मदिन

पर सामान कम मंगवाना। महंगाई बहुत बढ़ गई है। इसलिए हमें अपने

खर्चों में कमी करनी चाहिए।'
पत्नी (पति से)- 'आपने तो मेरे मुंह की बात छीन ली। मैं भी यही सोच

रही हूं कि इस बार जन्मदिन पर मोमबत्तियां कुछ कम मंगवाऊं।'

चुटकुला # 0699

पति (पत्नी से)- तुम इतनी अच्छी रोटियां नहीं बना सकती, जितनी अच्छी

मेरी मां बनाती थी।
पत्नी (पति से)- और तुम भी उतना अच्छा आटा नहीं गूंथ सकते, जितना

अच्छा मेरे पिताजी गूंथते थे।

चुटकुला # 0700
पत्नी (पति से)- सुनो जी, तुम मेरा नाम मत लिया करो, मुन्ना भी मुझे

नाम लेकर पुकारने लगा है।
पति (पत्नी से)- इसका मतलब, क्या मैं तुम्हें मम्मी कहकर पुकारूं?

चुटकुला # 0701
रमेश (अपनी सास से)- आपने तो कहा था कि आपकी लड़की शाकाहारी

है।
सास (रमेश से)- पक्की शाकाहारी है बेटा।
रमेश (सास से) - घर पर तो दो-दो घंटे तक मेरा दिमाग खाती रहती है,

फिर शाकाहारी कैसे हुई?

चुटकुला # 0702
पति (पत्नी से)- पता नहीं, क्यों आजकल रात में मुझे बड़े मीठे-मीठे सपने

आ रहे है?
पत्नी (पति से)- खबरदार जो अब तुमने कभी मीठे सपने देखे। तभी मैं

कहूं कि तुम्हारी डॉयबिटीज बार-बार क्यों बढ़ जाती है।

चुटकुला # 0703
पति (पत्नी से)- 'आज तुम्हें मेरा बांसुरी बजाना बुरा लगता है लेकिन एक

दिन मेरे बांसुरी बजाने पर रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।'
पत्नी गुस्से से, 'हां की थी लेकिन बांसुरी बजाने पर रीझकर नहीं बल्कि

यह सोचकर की थी कि जिस तरह तुम बांसुरी में फूंक मारते हो उसी तरह

चूल्हा भी अच्छी तरह फूंकोगे।'

चुटकुला # 0704

मुकेश (राजेश से)- 'तुम्हें बंदूक अधिक सावधानी से चलानी चाहिए।

तुम्हारी गोली मेरी पत्नी को लगते-लगते बची।'
राजेश (मुकेश से)- 'मुझे माफ कर दो भाई।' ये लो मेरी बंदूक आप मेरी

पत्नी पर एक नहीं, दो-दो गोलियां चला दो।

चुटकुला # 0705

पति (पत्नी से)- डॉक्टर ने कहा है कि तुम्हें कोई बीमारी नहीं है। फिर तुम

इतनी दुखी क्यों लग रही हो?
पत्नी (पति से)- इसलिए कि फीस के 150 रुपये यूं ही बेकार चले गए।

चुटकुला # 0706

अपने कमरे में पहुंचकर पत्नी ने देखा कि उसका पति बड़ी तेजी से कुछ

ढूंढ रहा है। उसने कमरे की हर चीज को उलट-पुलट कर रख दिया है।
पत्नी (पति से) 'क्या ढूंढ रहे है, आप?'
पति (पत्नी से)- 'यहां कही न कही कैमरा छुपा हुआ है!'
पत्नी (पति से)- 'आपको कैसे पता चला कि यहां कोई कैमरा छुपा हुआ

है!'
पति (पत्नी से)- टीवी पर आने वाला यह लड़का जानता है कि मैं क्या देख

रहा हूं। हर पंद्रह मिनट में वह कहता है कि आप देख रहे है स्टार टीवी

अब तुम्हीं बताओ बिना कैमरे के वह कैसे जान सकता है कि मैं क्या देख

रहा हूं?

चुटकुला # 0707

पत्नी (पति से) - सुनो जी मैं मर जाऊंगी तो क्या तुम दूसरी शादी

करोगे?
'विकट प्रश्न है।' पति विचलित स्वर में बोला, 'इसका जवाब देना ठीक

नहीं होगा।'
पत्नी (पति से)- क्यों भला?

पति (पत्नी से)- क्योंकि मेरे 'हां' करने पर तुम नाराज हो जाओगी और

'न' करने पर 'वह' नाराज हो जाएगी।'

चुटकुला # 0708

पत्नी (पति से)- 'यदि किसी दिन मैं भीड़ में गुम हो जाऊं तो आप क्या

करेगे?'
पति (पत्नी से) - 'अखबार में विज्ञापन दूंगा।'
पत्नी (उत्सुकता से)- 'अच्छा! क्या विज्ञापन देगे?'
पति (पत्नी से)- 'यही कि जहां भी रहो, खुश रहो।'

चुटकुला # 0709

क्लिनिक से लौटते हुए पत्नी ने पति से शिकायती लहजे में पूछा- डॉक्टर

के पूछने के बावजूद तुमने अपने सिरदर्द का कारण नहीं बताया क्यों?
पति (पत्नी से)- क्योंकि मैं डॉक्टर के सामने तुम्हें शर्मिंदा नहीं करना

चाहता था।

चुटकुला # 0710

पत्नी (पति से)- आज हमारे क्लब में एक कंपटीशन है, जिसमें हर औरत

को अपने साथ एक-एक फालतू चीज लानी है।
पति (पत्नी से)- अच्छा, तो तुम क्या ले जा रही हो?
पत्नी (पति से)- अब तक तो मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा है। मैं सोच

रही थी कि अगर तुम ही मेरे साथ चलते तो अच्छा रहता।

चुटकुला # 0711

एक नवविवाहित जोड़ा एक बार बस से मेरठ जा रहा था। बस में भीड़

बहुत थी। मियां बार-बार एक खूबसूरत लड़की से सटे जा रहे थे। बीवी को

उनकी हरकत बुरी लगी। थोड़ी देर बार लड़की तेजी से घूमी और मियां को

एक जोरदार चांटा मारते हुए बोली, 'लो लड़कियो को चुटकी काटने का

मजा चखो।' मियां हक्के-बक्के रह गए। जब वे बस से उतरे तो बीवी से

बोले, 'सुनो, उसे चुटकी मैंने नहीं काटी थी।'
'हां, मैं जानती हूं क्योंकि वो चुटकी मैंने काटी थी।' बीवी मुस्कराते हुए बोली।

चुटकुला # 0712

नवविवाहित जोड़े ने शादी के बाद यह तय किया कि जब कभी उनके बीच एक दूसरे को धोखा देने की नौबत आएगी तो वे बक्से में अपनी गोल्फ की एक बॉल रख दिया करेगे। तीस साल बाद जब बक्सा खोला गया तो उसमें तीन गोल्फ की बॉल और दस हजार रूपये मिले। पति ने पत्नी को वे तीनों गोल्फ बॉल देते हुए कहा, 'सॉरी, तीस साल में मुझे तीन बार तुम्हें धोखा देना पड़ा।'
'कोई बात नहीं, उम्मीद है तुम भी मुझे माफ कर दोगे।' पत्नी ने कहा।
'लेकिन क्यों? तुम्हारी तो कोई भी बॉल यहां नहीं है।' पति ने पूछा।
'नहीं बॉल तो मेरी भी थी लेकिन वे सब इस बक्से में नहीं आ रही थी इसलिए मैंने उन्हें बेचकर ये रुपये रख दिये थे।' पत्नी बोली।

चुटकुला # 0713

शर्मा जी के बचने की अब कोई संभावना नहीं थी। डॉक्टरो ने भी जवाब दे दिया था। एक दिन शर्मा जी अपनी बीवी से बोले, 'सुनो, तुम्हारे पास इस वक्त जो सबसे अच्छी साड़ी और गहने हों, सब पहनकर आ जाओ।'
शर्मा जी की बात पर बीवी को गुस्सा आया बोली, 'सजने संवरने का ये कौन सा मौका है?'
शर्मा जी बोले, 'तुम नहीं समझोगी भाग्यवान, मैं चाहता हूं कि मुझे लेने जब यमराज आएं तो तुम इतनी खूबसूरत लगो कि यमराज मेरी जगह तुम्हें ही ले जाएं।'

चुटकुला # 0714

एक अभिनेता रोज शराब पीकर घर आता था। एक दिन जब वह शराब

पीकर घर आया तो उसकी पत्नी बिगड़ कर बोली- तुम फिर शराब पीकर आ गए हो। मैंने कितनी बार कहा है कि शराब पीकर आए तो मैं खुदकुशी कर लूंगी।
अभिनेता (पत्नी से)- तुम मुझे रोज-रोज यही धमकी देती हो लेकिन न तो तुम अपना वादा पूरा करती हो और न मैं शराब छोड़ता हूं।

चुटकुला # 0715
चिंता में डूबे पति को पत्नी ने सीख दी- स्वस्थ रहना चाहते हो तो सोच-विचार और चिंता छोड़ो।
तुम क्या जानो, सोच-विचार के लिए बुद्धि की जरूरत होती है। पति ने सफाई दी।
वही तो कह रही हूं! जो बुद्धिमान होगा, वह तुम्हारी तरह अपन स्वास्थ्य चौपट क्यों करेगा? पत्नी झल्लाकर बोली।

चुटकुला # 0716
पति (पत्नी से)- अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगी?
पत्नी (पति से)- वही अगर मैं मर जाऊं तो जो आप करते।
इस पर पति आगबबूला होते हुए बोला- मुझे मालूम था कि तुम दोबारा शादी किये बिना नहीं रहोगी।

चुटकुला # 0717
अपनी शादी की पच्चीसवीं सालगिरह की पार्टी में एक गायक को बात-बात पर हंसते देख उसके दोस्त ने उससे कहा, 'यार, तुम जितने अच्छे गायक हो, उतने ही अच्छे अभिनेता भी।'
गायक (दोस्त से)- 'यह आपने कैसे जाना?'
दोस्त (गायक से)- 'जो आदमी शादी की पच्चीसवीं सालगिरह पर भी हंस सकता है उससे बढ़िया अभिनेता भला और कौन होगा।'

चुटकुला # 0718

पत्नी (पति से)- आप कितना बदल गए है। कुछ साल पहले तो आप कहा करते थे कि आप स्वर्ग में मेरे बिना रहने के बजाय नरक में मेरे साथ रहना पसंद करेगे।
पति (पत्नी से)- हां दुर्भाग्य से मेरी वही इच्छा पूरी हो गई।

चुटकुला # 0719
एक व्यक्ति घबराया हुआ पुलिस स्टेशन आया और थानेदार से बोला- मुझे गिरफ्तार कर लीजिए, मैंने अपनी पत्नी के सिर पर लाठी मारी है।
थानेदार - तो क्या तुम्हारी पत्नी मर गई?
पति - जी नहीं मेरी पत्नी मरी नहीं बल्कि वही लाठी लिए मेरे पीछे आ रही है।

चुटकुला # 0720
सिपाही की पत्नी ने अपने पति के पर्स में से कुछ रुपये निकाले ही थे कि सिपाही की नजर उस पर पड़ गयी। उसने आगे बढ़कर पत्नी की कलाई पकड़ी और गुस्से से बोला- 'मैं तुम्हें अरेस्ट कर सकता हूं।'
पत्नी ने उन रुपयो में एक पांच रुपये का नोट सिपाही के हाथ पर रखते हुए कहा- 'चलो भी, बात यही खत्म कर दो।'

चुटकुला # 0721
चुनाव के टिकट के लिए एक सप्ताह से डेरा डाले नेता से उसकी पत्नी ने कहा- 'रेल में तो आप बिना टिकट ही सफर तय कर लेते है, क्या चुनाव के लिए टिकट वाकई जरूरी है।

पति (पत्नी से)- मैंने ऑफिस से कई बार फोन मिलाया, पर हर बार इंगेज जा रहा था। फोन खराब है क्या?
पत्नी (पति से)- आश्चर्य की बात है, मैंने दिन भर में 30 फोन मिलाए और कोई भी लाइन व्यस्त नहीं थी।

चुटकुला # 0722

एक कंजूस ने अपनी पत्नी से कहा, 'तुम कुछ पढ़ने जा रही हो?' पत्नी ने जवाब दिया, 'नहीं।'

कंजूस ने फिर पूछा, 'कुछ सिलने-बुनने जा रही हो?' कंजूस की पत्नी ने कहा, 'अरे नहीं।'

कंजूस ने झुंझलाकर पूछा, 'तो फिर बेवजह चश्मा पहन कर फिजूलखर्ची क्यों कर रही हो।'

चुटकुला # 0723

पति शराब पीकर रात को घर लौटा तो पत्नी भड़ककर बोली, 'देखो, मैं कहे देती हूं, अगर फिर तुम कभी शराब पीकर आए तो मैं फांसी लगाकर जान दे दूंगी, समझे!'

पति लड़खड़ाते हुए स्वर में बोला, 'बस, यही सब तो मेरी किस्मत में है- वादे, वादे और सिर्फ वादे।'

चुटकुला # 0724

पति (पत्नी से)- अरी भागवान, देखो कभी-कभार गुस्सा भी लाभदायक होता है।

पत्नी (पति से)- अरे नहीं, ये कैसे हो सकता है?

पति (पत्नी से)- कल तुम गुस्से में थी और तुमने सारा गुस्सा मेरे कपड़ो पर उतार दिया। देखो मेरे सारे कपड़े कितने साफ और उजले हो गये है।

चुटकुला # 0725

किसी बात पर अनबन होने पर पति ने गुस्से में आकर अनपढ़ पत्नी को एक तमाचा जड़ दिया।

पत्नी की आंखो में आंसू देखकर पति को उस पर दया आ गई। वह पत्नी को प्यार से समझाते हुए बोला, 'प्रिये! हाथ उसी पर उठता है जिसे हम प्यार करते है।'

इतना सुनते ही दोगुने उत्साह के साथ पति को तमाचा मारते हुए पत्नी ने कहा, 'आप क्या समझते है, मेरा प्यार आपसे कम है।'

चुटकुला # 0726

पति अपनी बीमार पत्नी के बिस्तर के पास बैठा उसे दिलासा दे रहा था।

एकाएक पत्नी ने पति का हाथ अपने हाथ में लेते हुए कहा, 'प्रिय, मैं तुमसे एक वादा चाहती हूं।'

'कैसा वादा?' पति ने घबराकर पूछा!

पत्नी ने कहा, 'यदि मैं मर जाऊं और तुम दूसरी शादी करो तो मेरे कपड़े अपनी दूसरी पत्नी को मत पहनने देना।'

'मैं वादा करता हूं कि ऐसा ही होगा। वैसे भी रेखा तुमसे दुबली है, उसे तुम्हारे कपड़े आएंगे ही नहीं।'

पति ने विश्वास दिलाते हुए कहा।

चुटकुला # 0727

पत्नी (पति से)- देखो जी, मेरी जीभ पर छाले निकल आए है।

पति (पत्नी से)- तुम कभी इसे आराम तो करने नहीं देती। आखिर यही होना था।

चुटकुला # 0728

पत्नी (पति से)- 'मेरी तो किस्मत ही खराब थी जो मैंने तुमसे शादी की। मुझे तो तुमसे अच्छे और ज्यादा अक्लमंद लड़के मिल रहे थे।'

पति (पत्नी से) 'तुम ठीक कह रही हो वो सब मुझसे ज्यादा अक्लमंद होगे तभी तो तुम्हारे चंगुल में नहीं फंसे।'

चुटकुला # 0729

बच्चे से परेशान पत्नी (पति से)- जब देखो मुन्ना इधर-उधर भागता रहता है। एक पल भी चैन से नहीं बैठता।

पति (पत्नी)- और खिलाओ फास्ट फूड....! मैं हमेशा मना करता हूं मगर

तुम मेरी बात मानो तब न।

चुटकुला # 0730

पत्नी (पति से)- सुनो! ऑफिस जाने से पहले पांच सौ रूपये देते जाना,

मुझे साड़ी खरीदनी है।
पति (पत्नी से)- तुम्हें रकम की नहीं अक्ल की जरूरत है।
पत्नी (पति से)- लेकिन तुमसे वह चीज मांगने से क्या फायदा जो तुम्हारे

पास है ही नहीं।

चुटकुला # 0731

पति-पत्नी स्टेशन पहुंचे तो ट्रेन छूट चुकी थी और दूसरी ट्रेन देर से आने

वाली थी। पति ने अपनी पत्नी को गुस्से से कहा, 'अगर तुमने

सजने-संवरने में इतनी देर न लगाई होती तो यह ट्रेन हमें मिल जाती।'
पत्नी ने तुनककर कहा, 'ये क्यों नहीं कहते कि अगर तुमने जल्दी-जल्दी

की रट न लगाई होती, तो अगली ट्रेन के लिए हमें इतना इंतजार न

करना पड़ता।'

चुटकुला # 0732

पीसीओ पर एक आदमी काफी देर से फोन पकड़े खड़ा था। उसे देखकर

दूसरे लोग खिसिया रहे थे। अचानक उनमें से एक व्यक्ति गुस्से से बोला,

'क्यों भाई साहब आप इतनी देर से रिसीवर पकड़े खड़े है और एक भी

शब्द आपके मुंह से नहीं निकल रहा। अच्छा हो कि आप फोन छोड़ दे तो

मैं बात कर लूं।'
इस पर पहला आदमी बोला, 'भाई साहब, आप समझते क्यों नहीं, मैं फोन

पर अपनी बीवी से बात कर रहा हूं।'

चुटकुला # 0733

अफसर (उम्मीदवार से)- देखो, हमें ऐसा चौकीदार चाहिए जो सेहतमंद हो,

चुस्त, चालाक और चौकन्ना हो, जरूरत पड़ने पर धमकी भी दे सके ।

यदि तुम्हारे अंदर ये गुण है तभी तुम्हें ये नौकरी मिल सकती है।
उम्मीदवार (अफसर से)- साहब ये गुण मुझमें तो नहीं है, पर मेरी बीवी में

ये सभी गुण है। मैं अभी उसे बुलाता हूं।

चुटकुला # 0734
एक आदमी की आदत थी कि जब भी कोई कार उसके पास से गुजरती तो

वह बिदक जाता। उसके दोस्त ने इसकी वजह पूछी तो उसने कहा, 'दो

महीने पहले मैं अपनी बीवी के साथ सड़क पार कर रहा था, तभी कार से

आए दो-तीन आदमी मेरी बीवी को उठाकर ले गए। मैं इस ख्याल से

बिदक जाता हूं कि कही वे मेरी बीवी को वापस न ले आएं हो।'

चुटकुला # 0735
मीना ने अपनी मां से पति की शिकायत की, 'मैं तो इनकी आवारगी से

तंग आ गई हूं।'
'क्यों, क्या हुआ? मां ने पूछा।'
'क्या बताऊं, अभी कल ही मैंने इन्हे सिनेमाहॉल में एक लड़की के साथ

बैठे देखा था।' मीना ने कहा।
'तो तुमने उसे रंगे हाथो क्यों नहीं पकड़ा।' मां ने फिर पूछा। मीना ने इस

पर एक गहरी सांस ली और अफसोस जताते हुए कहा, 'कैसे पकड़ती मां,

मैं भी तो उस समय अपने दोस्त के साथ फिल्म देख रही थी।'

चुटकुला # 0736
पत्नी (पति से)- क्यों जी, शादी से पहले तो तुम कहा करते थे कि मेरी

छोटी से छोटी इच्छा भी पूरी करोगे। अब क्या हुआ?
पति (पत्नी)- हां, जरूर कहा करता था। अब तक मैं यही जानने की

कोशिश कर रहा हूं कि तुम्हारी कौन सी इच्छा इतनी छोटी है कि मैं उसे

पूरा कर सकूं।

चुटकुला # 0737

पति (पत्नी से) : आजकल रात में मुझे अजीब-अजीब से सपने दिखने लगे

है। कभी मैं तुम्हारे लिए हीरे जड़े जेवरो का सेट खरीदता हूं तो कभी

बेशकीमती साड़ियां।
पत्नी (पति से): इसका मतलब तुम केवल सपनो में ही ठीकठाक सोच पाते

हो।

चुटकुला # 0738

पत्नी (पति से)- तुम्हें तो नरक में भी जगह नहीं मिलेगी।
पति (पत्नी से)- अच्छा है, वरना सब जगह तुम्हारे साथ रहते-रहते तो मैं

पागल ही हो जाता।

पत्नी (पति से) : जो आदमी चोरी करता है, वह कभी न कभी जरूर

पछताता है।
पति (पत्नी से): हां, ठीक कहती हो। शादी से पहले मैंने तुम्हारा दिल

चुराया था, इसलिए अब तक पछता रहा हूं।

चुटकुला # 0739

नई-नवेली दुल्हन (अपने पति से)- यदि मैं रसोइए को हटाकर पूरे एक

महीने आपको अपने हाथो से खाना बनाकर खिलाऊं तो मुझे क्या मिलेगा?
पति - मेरे जीवन बीमा की पूरी रकम।

टी.वी.मेकैनिक (ट्रैफिक पुलिसमैंन से)- साहब आपका टी.वी. ठीक हो गया।
ट्रैफिक पुलिसमैंन (टी.वी.मेकैनिक से)-क्या ठीक किया है तुमने, टी.वी.पर

फोटो आती है तो आवाज नहीं आती, और आवाज आती है तो फोटो नहीं

आती।
मैंकेनिक (ट्रैफिक पुलिसमैंन से)- साहब, आपको देखकर वन-वे ट्रैफिक ही

चलेगा न।

चुटकुला # 0740

मालिक (नौकर से)-तुम शराब पीते हो?
नौकर (मालिक से)-जी नहीं।
मालिक (नौकर से)-तुम सट्टा खेेलते हो?
नौकर (मालिक से)-जी नहीं।
मालिक (नौकर से)- और कोई खराब आदत।
नौकर (मालिक से)-जी बस झूठ बोलने की आदत है।

चुटकुला # 0741

पहला दोस्त (दूसरे दोस्त से)- क्या तुम कोई ऐसा शब्द बता सकते हो,

जिसमें 1000 से भी ज्यादा लेटर हो?
दूसरे दोस्त (पहले दोस्त से)- अरे इसका जवाब तो बिल्कुल आसान है

'पोस्ट ऑफिस'।

तीन व्यक्ति गप्पें मार रहे थे कि वह मरने के बाद किस तरह दफनाया

जाना पसंद करेगे।
पहला बोला- अगर मुझे अरस्तु के पड़ोस में दफनाया जाएगा, तो मुझे

ज्यादा अच्छा लगेगा।
दूसरा बोला- आइंस्टीन के पड़ोस में दफनाया जाना पसंद करूंगा।
तीसरा बोला - काश, मैं रेखा कीपड़ोस की कब्र में दफनाया जाऊं।
इस पर पहले ने सवाल किया- लेकिन रेखा तो अभी जिंदा है?
तीसरा बोला- तो मैं ही कौन सा मर गया हूं।

चुटकुला # 0742

एक आदमी रेल के डिब्बे में एक बड़े से संदूक को ऊपर वाले बर्थ पर रखने

लगा तो नीचे बैठी महिला बोली- इसको किसी और जगह रखिए कही यह

मेरे सिर पर न आ गिरे।
आदमी ने जवाब दिया- चिंता न कीजिए, इसमें टूटने वाली कोई चीज नहीं

है।

चुटकुला # 0743

मालकिन (रामू से)- रामू मैंने कहा था, पूजा के लिए धूप ले आना।
रामू (मालकिन से)- लाता कहां से मालकिन,आज तो दिनभर बादल छाए

रहे।

चुटकुला # 0744

यात्री (ड्राइवर से)- क्यों भाई ड्राइवर साहब आप बस में कितने घंटे रहते

है?
ड्राइवर (यात्री से)- चौबीस घंटे।
यात्री (ड्राइवर से)- यह कैसे संभव है।
ड्राइवर (यात्री से)- आठ घंटे सरकारी बस में और सोलह घंटे अपनी बीवी

के बस में।

चुटकुला # 0745

दुकान का मालिक (सेल्समैंन से)- कोई भी चीज बेचते हुए उसके गुणो का

बार-बार बखान करो। एक बार से काम न चले, तो दूसरी बार करो। फिर

तीसरी... चौथी बार बताओ। यहां तक दोहराओ कि ग्राहक के दिमाग में

तुम्हारी बात बैठ जाए। अच्छा बताओ, तुम क्या कहना चाहते हो।
सेल्समैंन (मालिक से)- मैं चाहता हूं कि आप मेरा वेतन बढ़ा दीजिए...

बढ़ा दीजिए।

चुटकुला # 0746

ग्राहक (दुकानदार से)- तुम्हारी ब्रेड बहुत खराब होती है।
दुकानदार (ग्राहक से)- जनाब, मैं तब से ब्रेड तैयार कर रहा हूं, जब आप

पैदा भी नहीं हुए होगे।
ग्राहक (दुकानदार से)- यह तो ठीक बताया आपने, पर तब की ब्रेड अब

क्यों बेच रहे है?

चुटकुला # 0747

होटल में खाना खाते ही एक साहब का मूड बिगड़ गया। उन्होने मैंनेजर

को बुलवाया। मैंनेजर ने आते ही पूछा- सर! क्या बात है?
साहब गुस्से से बोले- आपके यहां ऐसा खाना बनता है, जिसे गधे भी नहीं

खा सकते।
मैंनेजर ने बैरे को बुलाकर कहा- फौरन ऐसा खाना लाओ, जिसे गधे भी

खा सकें।

चुटकुला # 0748
पत्नी (पति से)- जानते हो संगीत में कितनी शक्ति होती है?
पति (पत्नी से)- कितनी?
पत्नी (पति से)- संगीत में इतनी शक्ति है कि पानी गरम हो सकता है।
पति (पत्नी से)- अरे भई, जब तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल

सकता है,तो पानी क्या चीज है।

चुटकुला # 0749
पहली महिला (दूसरी महिला से)- हमारा कुत्ता बहुत समझदार है। वह

रोज सवेरे हमारा अखबार उठाकर हमारे घर लाता है।
दूसरी महिला (पहली महिला से)- लेकिन हमारा कुत्ता उससे भी ज्यादा

समझदार है। वह अपना नहीं,बल्कि दूसरो का अखबार उठाकर लाता है।

चुटकुला # 0750
शेर (बूढे व्यक्ति से)- आज मैं तुम्हारा खून पी जाऊंगा।
बूढा व्यक्ति (शेर से)- मेरा खून तो ठंडा हो गया है। देखो एक नौजवान आ

रहा है, उसका गर्म खून पिओ।
शेर (बूढे व्यक्ति से)- आज गर्मी बहुत है। मैं कोल्ड ड्रिंक पीना चाहता हूं।

चुटकुला # 0751
नौकर (मालिक से)- अगर आप मुझ पर विश्वास नहीं करेगे, तो मैं

नौकरी छोड़ दूंगा।
मालिक (नौकर से)- ऐसा क्यों कह रहे हो? मैंने तो तुम्हें घर की चाबियां

दे रखी है।
नौकर (मालिक से)-हां तभी तो कह रहा हूं, क्योंकि उनमें सेफ की चाबियां

नहीं है।

चुटकुला # 0752
एक महिला (भिखारी से)- तुम रोज दोपहर के वक्त ही मेरे घर खाना

मांगने क्यों आते हो?
भिखारी (महिला से) - दरअसल, मुझे डॉक्टर ने दोपहर के भोजन में

तीखी तली, मसालेदार और तेल वाली चीज खाने से मना किया है।

चुटकुला # 0753
बॉस (मुकेश से)- अरे मुकेश! फिर तीन दिन की छुट्टी? पिछले दो सालों

में तुमने न जाने कितनी बार छुट्टियां ली है। कभी सगाई, कभी हनीमून,

बच्चे की बीमारी, कभी नामकरण... अब क्या है?
मुकेश (बॉस से)- जी कल मेरी शादी है।

चुटकुला # 0754
मोटे राम एक शहर घूमने गए वहां प्लेटफार्म पर रखी वजन करने वाली

मशीन पर लिखा था 'मैं आपका वजन कर सकती हूं।' कृपया रुपया

डालिए।
मोटे राम उस पर चढ़ गए और रुपया डाला।
मशीन से फौरन कार्ड निकला, जिस पर लिखा था- सावधान, कृपया

एक-एक करके खड़े हो एक साथ नहीं।

चुटकुला # 0755
शर्माजी (नेता दोस्त से)- यार आजकल मैं बहुत परेशान हूं।
नेताजी (शर्माजी से)- क्यों क्या हुआ?
शर्माजी (नेता दोस्त से)- दरअसल मेरे बच्चे का विकास रुक गया है।

खाने-पीने पर भी यह मोटा नहीं होता। किसी अच्छे डॉक्टर का नाम

बताओ।
नेताजी (शर्माजी से)- डॉक्टरो के पास जाने से कुछ नहीं होगा। इसका

नाम भ्रष्टाचार रखो। फिर देखना इसका विकास किस रफ्तार से होता है।

चुटकुला # 0756
शर्माजी (दुकानदार से)- कहां है मेरा गिफ्ट?
दुकानदार (शर्माजी से)- कौन सा गिफ्ट?
शर्माजी (दुकानदार से)- कल जो मैंने मिनरल वाटर की बोतल खरीदी थी

उस पर फ्री गिफ्ट था, वो कहां है?
दुकानदार (शर्माजी से)- उस पर कोई गिफ्ट नहीं है।
शर्माजी (दुकानदार से)- बेवकूफ समझते हो! बोतल पर साफ -साफ लिखा

था: 100 प्रतिशत बैक्टीरिया फ्री।

चुटकुला # 0757
मोहन (सोहन से)- तुमने तो कहा था कि तुम बहुत से नेताओ को जानते

हो। कही मेरी भी नौकरी लगवा दो।
सोहन (मोहन से)- लेकिन मैंने यह कब कहा था कि वे भी मुझे जानते है।

चुटकुला # 0758
राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?
मोहन (राम से)- अपने दोस्त को पत्र लिख रहा हूं।
राम (मोहन से)- लेकिन तुम्हें तो लिखना नहीं आता।
मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है।

चुटकुला # 0759
एक बूढा आदमी घने जंगल से जा रहा था। उसे एक शेर ने देख लिया।
शेर (बूढे आदमी से)- ठहरो मनुष्य, मैं तुम्हारा खून पीऊंगा।
बूढा आदमी (शेर से)- अरे महाराज मेरा खून तो ठंडा पड़ गया है। किसी

नौजवान का गरम खून पिओ।
शेर (बूढे आदमी से)- चुप रहो, आज मेरा कोल्ड ड्रिंक पीने का मूड है।

चुटकुला # 0760

चींटी (हाथी से)- अरे हाथी भैया तुम्हारी उम्र क्या है?
हाथी (चीटी से)- चार साल।
चीटी (हाथी से)- क्या चार साल, तब भी तुम इतने बड़े!
हाथी (चीटी से)- आई एम कॉम्प्लॉन ब्वॉय!
हाथी (चीटी से)- चीटी बहन, तुम्हारी उम्र क्या है?
चीटी (हाथी से)- सात साल।
हाथी (चीटी से)- तब भी तुम इतनी छोटी?
चीटी (हाथी से)- मेरी खूबसूरत त्वचा से मेरी उम्र का पता ही नहीं

चलता।

चुटकुला # 0761

मैंनेजर (युवक से)- हमें इस पद के लिए किसी जिम्मेदार आदमी की

तलाश है।
युवक (मैंनेजर से)- तब तो मैं इस पद के लिए पूरी तरह फिट हूं।
मैंनेजर (युवक से)- क्यों?
युवक (मैंनेजर से)- क्योंकि पिछले हर आफिस में मुझे ही हर गलती के

लिए जिम्मेदार ठहराया जाता था।

चुटकुला # 0762

सुरेद्र (गोल्डी से): इंसान की नजर ज्यादा तेज है या जानवर की?
गोल्डी (सुरेद्र से): जानवर की नजर।
सुरेन्द्र (गोल्डी से): यह तुम कैसे कह सकती हो?
गोल्डी (सुरेद्र से): क्योंकि जानवर कभी चश्मा नहीं पहनते।

चुटकुला # 0763
दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा

था?
रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे

थे।
दारोगा (रमेश से)- अरे मैं घड़ी का पूछ रहा हूं उसमें कितना बजा था?
रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई।

चुटकुला # 0764

पुजारी (शर्मा जी से)- तुम तो बड़े भक्त लगते हो। भगवान से क्या

मांगते हो?
शर्मा जी (पुजारी से)-मैं त्रिशंकु बनने की कामना करता हूं।
पुजारी (शर्मा जी से)- क्यों?
शर्मा जी (पुजारी से)- मेरी बीवी धरती पर अभी जिंदा है। लेकिन मेरी

सास इस धरती से जा चुकी है। मैं इन दोनो से दूर रहना चाहता हूं।

चुटकुला # 0765
एक बेरोजगार युवक का इंटरव्यू लेते हुए कंपनी के मैंनेजर ने पूछा- क्यों

साइकिल चलाना जानते हो?
युवक (मैंनेजर से)- जी हां।
मैंनेजर (युवक से)- क्या कभी हवाई जहाज चलाने का अनुभव है?
युवक (मैंनेजर से)- बिल्कुल है।
मैंनेजर (युवक से)- तुम्हें कंपनी में सैल्समैंन के पद पर नियुक्त किया

जाएगा, इसलिए यह बताओ कि क्या कभी जरूरत पड़ेगी तो झूठ बोल

सकते हो?
युवक (मैंनेजर से)- मैं इतनी देर से झूठ ही तो बोल रहा हूं।

चुटकुला # 0766

प्रेमिका (प्रेमी से)- तुम इतने घबराए हुए क्यों हो?
प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे एक व्यक्ति की ओर से धमकी भरा पत्र मिला है

कि मैंने उसकी पत्नी से मिलना बंद नहीं किया तो वह मेरा खून कर देगा।
प्रेमिका (प्रेमी से)- तो फिर तुम उसकी पत्नी से मिलना बंद कर दो।
प्रेमी (प्रेमिका से)- पर धमकी भरा खत गुमनाम व्यक्ति ने लिखा है। मैं ये

कैसे जान सकता हूं कि उसकी पत्नी कौन सी है?

चुटकुला # 0767
विनय (राजेश से)- तुम्हारे हाथ इतने काले क्यों हो रहे है?
राजेश (विनय से)- मैं अपनी पत्नी को स्टेशन पर छोड़ने गया था।
विनय (राजेश से)- पर इससे तुम्हारे हाथ काले होने का क्या संबंध है?
राजेश (विनय से)- यार, मैंने गाड़ी के इंजन को शाबाशी दी थी।

(मेजबान से)- मैं कल वापस जा रहा हूं, आपको तो बुरा लग रहा होगा।
मेजबान (मेहमान से)- हां, बुरा तो लग रहा है, मुझे लग रहा था कि आप

आज ही जा रहे है।

चुटकुला # 0768

भिखारी (राहगीर से)-भगवान के लिए अंधे भिखारी को कुछ दे दो बाबा।
राहगीर (भिखारी से)-भीख तो दे दूं, पर कैसे मानूं कि तुम अंधे हो?
भिखारी (राहगीर से)- साहब, क्या सामने वाले लाल मकान के पीछे नीले

मकान की छत पर बैठा सफेद कबूतर आपको दिख रहा है।
राहगीर (भिखारी से)- हां, मुझे तो दिख रहा है।
भिखारी (राहगीर से)- लेकिन वह कबूतर मुझे दिखाई नहीं दे रहा है।

चुटकुला # 0769

अंधेरी रात में सुनसान सड़क पर श्यामू जा रहा था। एकाएक पीछे से एक

अजनबी आया और बोला- क्या आप मुझे एक रुपए का सिक्का देगे?
श्यामू (अजनबी से)- जरूर, लेकिन आप उसका करेगे क्या?
अजनबी (श्यामू से)- दरअसल, मैं और मेरा दोस्त फैसला करेगे कि आपसे

लूटा हुआ माल कौन लेगा।

चुटकुला # 0770

राम (मोहन से)- मैंने बहुत मेहनत और अध्ययन के बाद पता लगा लिया

कि तलाक की वजह आखिर क्या है?
मोहन (राम से)- क्या है, मुझे भी तो बताओ?
राम (मोहन से)- विवाह।

चुटकुला # 0771

यात्री (बस कंडक्टर से)- क्या मैं बस में सिगरेट पी सकता हूं?
बस कंडक्टर (यात्री से)- नहीं, श्रीमान।
यात्री (बस कंडक्टर से)- लेकिन बस में तो सिगरेट के टुकड़े पड़े हुए है।
बस कंडक्टर (यात्री से)- यह उन लोगो ने फेके है, जिन्होने आपकी तरह

मुझसे पूछा नहीं था।

चुटकुला # 0772

एक सरकारी दफ्तर में दो नए कर्मचारी बात कर रहे थे।

पहला (दूसरे से)-अपना फेमिली अलाउंस बढ़वाने के लिए मैंने बच्चो की संख्या तीन लिखवा दी है।

दूसरा (पहले से)- अरे, कम से कम पांच तो लिखवाते। मैंने तो सात लिखवाई है।

पहला (दूसरे से)-भैया तुम्हारी बात और है, तुम तो शादीशुदा हो।

चुटकुला # 0773

थानेदार (सिपाहियों से)- तुम चार थे। फिर भी एक चोर को नहीं पकड़ सके?

सिपाही (थानेदार से)- चोर तो भाग ही गया, पर मैं उसकी उंगलियों के निशान ले आया हूं।

थानेदार (सिपाही से)- कहां हैं?

सिपाही (थानेदार से)- मेरे गाल पर।

चुटकुला # 0774

मोहन (रमेश से)- मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए लाभकारी सिद्ध हुआ।

रमेश (मोहन से)- कैसे?

मोहन (रमेश से)- मेरा पड़ोसी इसी कारण मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने उसे खरीद लिया।

चुटकुला # 0775

मैंनेजर (उम्मीदवार से)- अब तक तुमने कितने जगह काम किया है और कितने-कितने समय तक वहां रहे हो?

उम्मीदवार (मैंनेजर से)- जी, ग्यारह जगह काम किया है और सब जगह छह-छह महीने तक रहा हूं।

मैंनेजर (उम्मीदवार से)- आखिर इसका क्या कारण है कि किसी भी जगह तुम छह महीने से ज्यादा नहीं टिके।

उम्मीदवार (मैंनेजर से)- आप नौकरी पर रखकर देख लीजिए, आपको भी

पता चल जाएगा।

चुटकुला # 0776

मैंनेजर (अपनी खूबसूरत टाइपिस्ट से)- रात सपने में मैंने दुनिया की

सबसे खूबसूरत लड़की से शादी कर ली।
टाइपिस्ट (शर्माते हुए) - तो क्या बॉस, हम दोनों खुश थे।

चुटकुला # 0777

रीता (अनीता से)- जब तुम किसी खूबसूरत लड़की को देखती हो तो

क्या करती हो।
अनीता (रीता से)- देखती रहती हूं और जब थक जाती हूं, तो शीशा पलट

कर रख देती हूं।

चुटकुला # 0778

महिला (ऑटो चालक से)- भैया तेज चलाओ, मेरा चित्रकार निकल जाएगा।
ऑटो चालक (महिला से) - बहन जी, अगर मैंने तेज चलाया तो आपके

चित्र पर हार पड़ जाएगा।

चुटकुला # 0779

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर

है।
संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस मे?
महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड

रेस्ट की सलाह दे देता है।

चुटकुला # 0780

कवि को नए-नए जूते पहने देखकर पड़ोसी ने पूछा-'क्या बात है भाई,

आज तो आपने नया जूता पहना है। लाटरी निकल आई है क्या?'
'ऐसा ही समझ लो भाई, बरसो से कवि सम्मेलनो में जा रहा हूं, लेकिन

आज पहली बार किसी श्रोता ने दोनो पैर के जूतो से मारा है।' कवि ने

खुश होकर कहा।

चुटकुला # 0781
पहली पड़ोसन (दूसरी पड़ोसन से)- कल तुम्हारे कुत्ते ने मेरी सास के पैर

में काट लिया।
दूसरी पड़ोसन (पहली पड़ोसन से)- माफ करना कुत्ता है। उससे गलती हो

गयी, मैं हर्जाना देने के लिए तैयार हूं। बोल क्या दूं?
पहली (दूसरी पड़ोसन से)- हरजाने की बात कौन कर रहा है। मैं तो यह

पूछने आई थी कि उसे आप बेच सके तो कितने में बेचेगी?

चुटकुला # 0782
अदालत में सरकारी वकील ने कहा- मी लॉर्ड, अपराधी पर इल्जाम है कि

उसने अपनी पत्नी को चिड़ियाघर के गहरे तालाब में धक्का दे दिया,

जिसकी वजह से पत्नी को मगरमच्छ खा गया।
जज ने गरज कर कहा- क्या अपराधी यह बात नहीं जानता था कि

चिड़ियाघर में जानवरो को कुछ खिलाना मना है?

चुटकुला # 0783
नेताजी (भिखारी बच्चे से)- तुम यहां क्यों हो । इस समय तो तुम्हें स्कूल

में होना चाहिए।
भिखारी बच्चा (नेताजी से)- वहां भी गया था पर वहां किसी ने भीख नहीं

दी।

चुटकुला # 0784
एक सहेली (नाराज होकर)- जानती हो, किसी ने सच ही कहा है कि जिसे

शक्ल मिलती है उसे अक्ल नहीं मिलती।
दूसरी सहेली (शरारत से)- वाकई तुम बहुत सुंदर हो।

चुटकुला # 0785

लड़की की मां- हमारी बिटिया को नाचना-गाना, घुड़सवारी करना, तैरना

और कार चलाना सब कुछ आता है।
लड़के की मां- पर बहन, हमारे बेटे को सीना-पिरोना, बच्चे पालना, कपड़े

धोना और खाना बनाना बिल्कुल नहीं आता है।

चुटकुला # 0786

महफिल में गायिका आंखे बंद कर गाना गा रही थी और वहीं बैठे दो श्रोता

उसके गायन से बोर होकर आपस में बातचीत करने लगे।
पहला श्रोता (दूसरे से)- भैया जी, गायिका गाते समय आंख क्यों बंद कर

रही है?
दूसरा श्रोता (पहले से)- लगता है, बहुत दयालु स्वभाव की है। श्रोताओ का

दुख देख नहीं पा रही।

चुटकुला # 0787

प्रेमिका (प्रेमी से)- जो लड़कियां आपस में हमेशा बोलती रहती हैं उन्हें कैसे

चुप कराया जा सकता है?
प्रेमी (प्रेमिका से)- बहुत आसान सा तरीका है।
प्रेमिका (प्रेमी से)- वह क्या?
प्रेमी (प्रेमिका से)- उनसे कहो कि सबसे बड़ी उम्र वाली पहले बोले।

चुटकुला # 0788

प्रेमिका (प्रेमी से)- जो लड़कियां आपस में हमेशा बोलती रहती हैं उन्हें कैसे

चुप कराया जा सकता है?
प्रेमी (प्रेमिका से)- बहुत आसान सा तरीका है।
प्रेमिका (प्रेमी से)- वह क्या?
प्रेमी (प्रेमिका से)- उनसे कहो कि सबसे बड़ी उम्र वाली पहले बोले।

चुटकुला # 0789

मुवक्किल (वकील से)- वकील साहब, आपकी फीस बहुत ज्यादा है।
वकील (मुवक्किल से)- यह बात तुम किस आधार पर कह रहे हो?

मुवक्किल (वकील से)- जी, पंडित जी ने मेरी शादी मात्र दो सौ रुपए में

करवायी थी और तलाक के लिए आप दो हजार रुपए मांग रहे है?
वकील (मुवक्किल से मुस्कराते हुए)- सस्ते काम का नतीजा तुम्हारे

सामने है।

चुटकुला # 0790
पिता (अध्यापक से)- मेरा लड़का इतिहास में कैसा है? दरअसल, मैं जब

स्कूल में था, तो इस विषय में बहुत कमजोर था।
अध्यापक (पिता से)- मैं तो यही कहूंगा कि इतिहास खुद को दोहरा रहा

है।

चुटकुला # 0791
अफसर (रामलाल से)- मैंने कहा न, कोई जगह खाली नहीं है। नौकरी के

लिए इतनी अर्जियां आती है कि संभाले नहीं संभलती।
रामलाल - तो साहब! ऐसा करे कि मुझे इन अर्जियो को संभालने की

नौकरी दे दे।

चुटकुला # 0792
पहला जेलर (दूसरे जेलर से)- क्या तुम्हारी पत्नी अभी भी कैदियो के लिए

गाना गाती है।
दूसरा जेलर (पहले जेलर से)- नहीं यार कैदियो ने मना कर दिया।
पहला जेलर (दूसरे जेलर से)- क्यों?
दूसरा जेलर (पहले जेलर से)- उन्होने कहा कि यह हमारी सजा में शामिल

नहीं है।

चुटकुला # 0793
रेशमा (रीता से)- मैंने 'टाइटेनिक' पांच बार देखी थी। तुमने कितनी बार

देखी।
रीता (रेशमा से)- मुझे तो एक ही बार में समझ में आ गई थी।

चुटकुला # 0794

थाने के बाहर सिपाही ऑटोरिक्शा वाले से लड़ रहा था।
इतने में अंदर से इंसपेक्टर आया और चिल्ला कर बोला - यह सब क्या

हो रहा है?
सिपाही ने जवाब दिया - साहब यह गुडागर्दी करता है। मुझसे किराया

मांग रहा है।

चुटकुला # 0795

कर्मचारी (अधिकारी से)- सर मेरी शादी हो गई है, अब तो मेरी सैलरी

बढ़ा दीजिए।
अधिकारी (कर्मचारी से)- देखिए कंपनी के बाहर होने वाले हादसे के

जिम्मेदार हम नहीं है।

चुटकुला # 0796

एक व्यापारी ने एक लड़के को नौकरी पर रखा। लड़का मेहनती तो बहुत

था लेकिन दिन भर फिल्मी धुन में सीटी बजाता रहता था।
एक दिन मालिक ने कहा- अब कोई नई धुन निकालकर सुनाओ।
लड़का तुनक कर बोला- मालिक 300 रुपए महीने में शास्त्रीय संगीत सुनने

को नहीं मिलेगा।

चुटकुला # 0797

एक प्रख्यात राजनीतिज्ञ का निधन विमान दुर्घटना में हुआ। इसके थोड़े

दिनो के पश्चात एक कर्मठ समाजसेवी का निधन राज्य परिवहन निगम की

बस दुर्घटना में हुआ।
जब वे दोनो स्वर्ग में मिले तो राजनीतिज्ञ साहब बोले- अरे आप भी आ

गये। यहां आप जैसे समाजसेवी की सख्त आवश्यकता थी, जो आज पूरी

हुई, लेकिन आपको यहां आने में इतनी देर क्यों हुई?
समाजसेवी मृदुभाव से बोले- हां साहब, आप विमान से आये है और मैं

राज्य परिवहन निगम की बस से आ रहा हूं।

चुटकुला # 0798

प्रोफेसर साहब किसी काम के सिलसिले में शहर से बाहर गए तो उन्हें एक

होटल में रुकना पड़ा। काम निपटाकर जब वे वापसी के लिए रेलवे स्टेशन

जा रहे थे कि अचानक याद आया, छतरी तो वे होटल के कमरे में ही छोड़

आए है। होटल पहुंचने पर पता चला कि अब उसमें एक प्रेमी युगल आकर

ठहर चुका है।
भीतर से प्रेमी का स्वर सुनाई दे रहा था- प्रिय, ये जुल्फे किसके लिए है?
'सिर्फ तुम्हारे लिए। ' प्रेमिका की खनकती आवाज आई।
'ये दो मतवाले नयना किसके लिए है?'
'सिर्फ तुम्हारे लिए। '
'ये गालो की गुलाबी रंगत?'
'तुम्हारे लिए ही। '
प्रोफेसर साहब से अब रहा न गया वे बाहर से ही चिल्लाए 'बेटी, जब

छतरी की बारी आए तो याद रखना वह मेरी है।'

चुटकुला # 0799

एक लड़की ने मनचले युवक को डांटते हुए कहा- अगर तुम्हें जरा भी शर्म

है तो डूब मरो।
उस युवक ने बेशर्मी से हंसते हुए कहा- मुझे अफसोस है कि मैंआपके हुक्म

पर अमल नहीं कर सकता क्योंकि मुझे तैरना आता है।

चुटकुला # 0800

भिखारी (एक साहब से)- साहब आपका पर्स तो नहीं खो गया।
साहब (भिखारी से)- नहीं तो।
भिखारी (साहब से)- तो फिर मुझे एक रुपया दे दीजिए।

चुटकुला # 0801

(एक यात्री ट्रेन से यात्रा कर रहा था, तभी टिकट चेकर आता है...)
टिकट चेकर (यात्री से)- टिकट दिखाओ?
यात्री (टिकट चेकर से)- नहीं है।
टिकट चेकर (यात्री से)- कहां जाना है?

यात्री (टिकट चेकर से)- वही जहां राम पैदा हुए थे।
टिकट चेकर (यात्री से)- अब चलो मेरे साथ।
यात्री (टिकट चेकर)- कहां?
टिकट चेकर (यात्री से)- जहां श्रीकृष्ण पैदा हुए थे।

चुटकुला # 0802

अभिनेता (डायरेक्टर से)- डायरेक्टर साहब, इस फिल्म में मेरा किरदार

एक पागल का है। मुझे इसमें जान डालने के लिए क्या करना चाहिए?
डायरेक्टर (अभिनेता से)- कुछ नहीं, तुम बिल्कुल वैसे ही हो, जैसा तुम्हें

रोल मिला है।

चुटकुला # 0803

एक साहब कपड़े की दुकान पर कपड़ा लेने आए और वह कपड़े की

क्वालिटी तथा उसकी गारंटी के बारे में पूछताछ कर रहे थे। दुकानदार ने

उनसे पूछा भाई साहब आखिर आपको कितना कपड़ा चाहिए।
साहब बोले- मुझे केवल आधा मीटर कपड़ा टोपी बनाने के लिए चाहिए।
दुकानदार ने उनको आधा मीटर कपड़ा दे दिया तो साहब फिर बोले- इस

कपड़े की गारंटी क्या है?
दुकानदार झल्लाकर बोला- आपका सिर फट सकता है पर इस कपड़े की

बनी टोपी नहीं फट सकती।

चुटकुला # 0804

मच्छर का खून करने के इल्जाम में चीटी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस वाले चीटी से पूछते है, तुमने रात को ऐसा क्या किया कि मच्छर

मर गया?
चीटी बड़ी मासूमियत से कहती है, कुछ भी नहीं। मैं तो बस रात को

मोर्टीन जलाकर सोई थी।

चुटकुला # 0805

मुकेश की पत्नी उसकी शराब पीने और जुआ खेलने की आदत से काफी

परेशान थी। एक रोज दोनो बाजार से गुजर रहे थे कि तभी एक भिखारी

उनके पास आया और एक रुपया मांगने लगा।
मुकेश- क्या तुम जुआ खेलते हो, शराब पीते हो?
भिखारी- जी नहीं साहब।
मुकेश (अपनी पत्नी की ओर देखते हुए)- देखा जो लोग सिगरेट शराब नहीं

पीते और जुआ नहीं खेलते हैं उनकी यही हालत होती है।

चुटकुला # 0806
एक भोले भाले ग्रामीण ने गांव के पंच को दावत देनी चाही। वह पंच के

पास पहुंचा और बोला- आपको खाने में क्या पसंद है?
पंच ने कहा- मछली।
लेकिन मेरी बीवी को तो मछली पकाने की विधि नहीं आती। ग्रामीण ने

कहा।
इस पर पंच ने एक कागज पर मछली पकाने की विधि लिख दी। वह

आदमी मछली खरीद कर घर जा रहा था। रास्ते में एक चील मछली को

झपट ले गयी।
इस पर वह बोला- ले जा, ले जा। विधि तो मेरे पास है, पकायेगी कैसे?

साधू- हे भगवान! तू मुझे दर्द दे, दुख दे, सारे संसार का गम दे।
चेला- बाबा, इतनी सारी डिमांड की क्या जरूरत है। इन शॉर्ट एक अदद

बीवी मांग लीजिए।

चुटकुला # 0807
बांकेलाल (प्यारेलाल से)- यार मैं सोचता था कि इस दुनिया में सिर्फ मैं

ही उल्लू हूं।
प्यारेलाल (बांकेलाल से)- क्यों क्या हुआ?
बांकेलाल (प्यारेलाल से)- कल मैंने अपनी पत्नी को कश्मीरी सेब लाने को

कहा था।
प्यारेलाल (बांकेलाल से)- तो क्या हुआ?

बांकेलाल (प्यारेलाल से)- आज कश्मीर से फोन आया कि उसने सेब खरीद

लिए है।

चुटकुला # 0808

जज (फरियादी से)- एक जैसी सैकड़ो भैसो में से तुमने अपनी भैस को

किस तरह पहचान लिया?

फरियादी (जज से)- यह कौन सी बड़ी बात है मालिक! आपकी कचहरी में

सैकड़ो काले कोट पहने वकील है, फिर भी मैं अपने वकील को पहचान

लेता हूं।

चुटकुला # 0809

ज्योतिषी (एक स्त्री से)- तुम अपने पति का भविष्य जानना चाहती हो?

स्त्री (ज्योतिषी से)- नहीं, इनका भविष्य तो मेरे हाथ में है। फिलहाल तो

आप उनका भूतकाल बताइए।

चुटकुला # 0810

एक दुकानदार ने अपने सेल्समैंन को बुलाया और पिछले दिन की बिक्री

देखकर बोला- कल एक ही दिन में सिर दर्द की दो हजार गोलियां कैसे

बिक गई?

सेल्समैंन (दुकानदार से)- जी, कल दुकान के सामने वाले मैंदान में कवि

सम्मेलन का आयोजन था।

चुटकुला # 0811

एक पंडित जी, सेठजी और चोर एक वक्त में चल बसे। भगवान ने तीनो

को फिर से धरती पर भेजने से पहले उनकी इच्छा पूछी।

पडित जी बोले - मुझे तो किसी बड़े से मंदिर में भेज दीजिए।

सेठ जी बोले- मुझे ढेर सारी दौलत देकर बड़े शहर में भेज दीजिए।

चोर ने भगवान जी से धीरे से कहा - आप तो इस सेठ का◌े◌े जहा भी

भेजे, बस....वहां का पता मुझे बता दीजिएगा।

चुटकुला # 0812
थानेदार (थाने में आने वाले व्यक्ति से)- कहिए जनाब आपका क्या खो

गया?
व्यक्ति-पहले याददाश्त खो गई। अब घर नहीं मिल रहा है।

चुटकुला # 0813
राम (श्याम से)- जब पिछले साल हम मुंबई गए थे तब कौन से होटल में

ठहरे थे?
श्याम (राम से)- जरा रुको, चम्मच देखकर बताता हूं।

चुटकुला # 0814
भिखारी (शर्मा जी से) -दो दिन से भूखा हूं साहब कुछ मदद करो।
शर्मा जी (भिखारी से)- तुम भिखारी तो नहीं लगते। ये लो दस का नोट

और बताओ तुम्हारी ये हालत कैसे हुई?
भिखारी (शर्मा जी से)-जी मैं भी आपकी तरह फिजूलखर्च था।

चुटकुला # 0815
नगर परिषद चुनाव में एक उम्मीदवार का चुनाव चिह्न साइकिल था। रात

के समय घरो में वोट मांगते समय एक बुढ़िया को घर के दरवाजे में बैठे

देखकर कहा, 'माता जी साइकिल का ध्यान रखना।
बुढ़िया ने कहा, 'बेटा दरवाजे के अंदर खड़ी कर दो, बाहर से कोई उठा न

ले जाये।

किरायेदार (मकान मालिक से)- इस महीने मैं आपको मकान का किराया

नहीं दूंगा।
मकान मालिक - यही बात तुमने पिछले महीने भी कही थी।
किरायेदार - तो क्या हुआ, मैं तो अपना वचन निभा रहा हूं।

चुटकुला # 0816
न्यायधीश (चोर से)- 'ठीक-ठीक बताओ कि तुमने चोरी की या नहीं?'
चोर (न्यायधीश से)- 'पर सरकार, मैं कैसे बता सकता हूं?'

न्यायधीश (चोर से)- 'क्यों नहीं बता सकते?'
चोर (न्यायधीश से)- 'यह तो मेरा वकील ही बताएगा। इसी काम के लिए

ही तो मैंने फीस भरी है।'

चुटकुला # 0817
यात्री (रेल के गार्ड से)- 'मैं चाय पीना चाहता हूं। कोई ऐसा उपाय बताइए

कि मेरे आने तक गाड़ी न चले।'
गार्ड (मुस्कराकर)- 'बड़ा सरल उपाय है। मुझे भी अपने साथ ले चलिए।'

चुटकुला # 0818

जज (अभियुक्त से)- 'अपने को निर्दोष साबित करने के लिए तुम्हारे पास

अब क्या बचा है?'
अभियुक्त - 'सच है हुजूर, मेरे पास जो था, वह वकील साहब को मैंने फीस

में दे दिया।'

चुटकुला # 0819

मालिक (नए चपरासी से)- तुम्हें मैंनेजर ने काम समझा दिया है न?
चपरासी (मालिक से)- जी हां, उन्होने समझा दिया है कि जब आप दफ्तर

में आएं तब मैं उन्हें जगा दिया करूं।

चुटकुला # 0820
दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे।
पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे

तो उसे क्या करना चाहिए?'
दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की

प्रतीक्षा करनी चाहिए।'

चुटकुला # 0821
एक ग्राहक ने होटल के मैंनेजर से शिकायत की- 'बाथरूम में यह तौलिया

तो बहुत गंदा है आपको इतना गंदा तौलिया यहां नहीं रखना चाहिए था।'

मैंनेजर हैरान होकर बोला- 'कमाल है, अब तक बीसियो आदमी इससे हाथ पोंछ चुके है। किसी ने शिकायत नहीं की। और आप कहते है कि यह तौलिया गंदा है!'

चुटकुला # 0822

भाभी (देवर से)- तुम कुंवारे हो। तुम भला महिलाओ के बारे में क्या जानो।

देवर (भाभी से)- मैं महिलाओ के बारे में सब कुछ जानता हूं। इसीलिए तो अभी तक कुंवारा हूं।

चुटकुला # 0823

मच्छर का खून करने के इल्जाम में चीटी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस वाले चीटी से पूछते है, तुमने रात को ऐसा क्या किया कि मच्छर मर गया?

चीटी बड़ी मासूमियत से कहती है, कुछ भी नहीं। मैं तो बस रात को मोर्टीन जलाकर सोई थी।

चुटकुला # 0824

चोर एक घर का ताला तोड़ रहा था जैसे ही ताला टूटा चोर के पीछे एक आहट हुई। चोर ने जैसे ही मुड़कर देखा घर का मालिक उसके पीछे खड़ा था। चोर घबरा गया।

मकान मालिक उसे तसल्ली देता हुआ बोला, 'मैं तुम्हारा बहुत आभारी हूं क्योंकि इस ताले की चाबी मुझसे कही खो गई थी।

सेठानी ने नौकरानी से परेशान होकर कहा, 'अपनी तनख्वाह से ज्यादा के तो तू बर्तन तोड़ देती है। बता अब मैं क्या करूं?'

नौकरानी ने कहा- 'मेरी तनख्वाह बढ़ा दे मालकिन।'

चुटकुला # 0825

मालिक (नए चपरासी से)- तुम्हें मैंनेजर ने काम समझा दिया है न?
चपरासी (मालिक से)- जी हां, उन्होने समझा दिया है कि जब आप दफ्तर

में आएं तो मैं उन्हें जगा दिया करूं।

चुटकुला # 0826

भाभी (देवर से)- तुम कुंवारे हो। तुम भला महिलाओ के बारे में क्या

जानो।
देवर (भाभी से)- मैं महिलाओ के बारे में सब कुछ जानता हूं। इसीलिए तो

अभी तक कुंवारा हूं।

चुटकुला # 0827
किरायेदार (मकान मालिक से)- इस महीने मैं आपको मकान का किराया

नहीं दूंगा।
मकान मालिक (किरायेदार से)- यही बात तुमने पिछले महीने भी कही

थी।
किरायेदार - तो क्या हुआ, मैं अपना वचन ही तो निभा रहा हूं।

चुटकुला # 0828
अफसर ने रामलाल से कहा, 'मैंने कहा न, कोई जगह खाली नहीं है।

नौकरी के लिए इतनी अर्जियां आती है कि संभाले नहीं संभलती।'
रामलाल, 'तो साहब! ऐसा करे कि मुझे इन अर्जियो को सम्भालने की

नौकरी दे दे।

चुटकुला # 0829
मालिक (नौकर से)- 'इन सारे मच्छरो को मार दो।' फिर थोड़ी देर बाद

बोला, 'तुमने इनको मारा नहीं इनकी भिनभिनाहट सुनकर मेरे कान पक

गए है।'
नौकर (मालिक से)- 'मच्छरो को तो मैंने कभी का मार दिया। ये तो

उनकी विधवाएं है जो उनकी याद में विलाप कर रही है।'

चुटकुला # 0830

एक व्यक्ति अपने घर में चोरी होने की रिपोर्ट लिखवाने थाने पहुंचा, तो

दरोगा बोला- 'कितने बजे थे?'
उस व्यक्ति ने जवाब दिया- 'जी चार लट्ठ मुझ पर बजे थे और पांच मेरे

भाई पर।'
दरोगा ने झल्लाते हुए कहा- 'मैं यह पूछ रहा हूं कि घड़ी में कितने बजे

थे?'
वह व्यक्ति फिर बोला- जी घड़ी तो एक लट्ठ पड़ते ही टूट गई थी।

चुटकुला # 0831
मोहन (रमेश से)- मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए लाभकारी सिद्ध

हुआ।
रमेश (मोहन से)- वह कैसे?
मोहन (रमेश से)- मेरा पड़ोसी इसी कारण मकान आधे दामो पर बेच गया

और मैंने उसे खरीद लिया।

चुटकुला # 0832

एक कैदी (दूसरे कैदी से)- तुमसे कोई मिलने नहीं आता है, क्या तुम्हारा

कोई रिश्तेदार नहीं है।
दूसरा कैदी- है तो बहुत, मगर सारे इसी जेल मे े है।

चुटकुला # 0833

संपादक (उम्मीदवार से)- तो तुमने प्रूफरीडर के पद के लिए अप्लाई किया

है। जानते हो, यह कितनी बड़ी जिम्मेदारी है?
उम्मीदवार (संपादक से)- जी सर, अच्छी तरह जानता हूं। आप जो भी

गलती करेगे, उसका दोष मेरे माथे मढ़ेगे और मैं चुप रहूंगा।

जज (चोर से) - अच्छा बताओ, तुमने चोरी की या नहीं?
चोर (जज से)- पर साहब, मैं कैसे बताऊं? यह तो मेरे वकील ही बताएंगे।

इसी के लिए तो मैंने उन्हें फीस दी है।

चुटकुला # 0834

मशीन पर काम कर रहे एक आदमी की उंगली कट गई तो वह चिल्लाने

लगा। वहां भीड़ इकट्ठी हो गई।
तभी उस फैक्टरी का मालिक वहां आया व पूरा मामला देखकर बोला,

'कमाल है! एक उंगली कट गई तो इतना हंगामा खड़ा कर दिया, जबकि

पिछले महीने ही एक मजदूर की गर्दन मशीन में आ गई थी तो उसने तो

चूं तक नहीं की थी।'

चुटकुला # 0835
मालिक (नौकर से)- देखो मैं बाजार जा रहा हूं तुम दुकान का ध्यान

रखना। अगर कोई व्यक्ति आकर कोई आर्डर दे तो उसे पूरा करना। कुछ

देर के बाद मालिक आया तो उसने नौकर से पूछा, 'कोई आया था?'
नौकर (मालिक से)- जी हां आया था। उसने कहा कि दोनो हाथ ऊपर

उठाकर कोने में खड़े हो जाओ। मैंने आर्डर मान लिया और वह गल्ला

उठाकर चला गया।

चुटकुला # 0836
एक भिखारी ने घर में आवाज लगायी- बाबू जी रोटी मिल जाएगी?
अंदर से आवाज आयी- बीबी घर में नहीं है।
भिखारी - बाबू जी मुझे बीबी नहीं, रोटी चाहिए।

चुटकुला # 0837
महेश (मुकेश से)- मुकेश तुम अपनी कंपनी के एक सफल एजेंट हो।

तुम्हारी सफलता का राज क्या है?
मुकेश (महेश से)- जी, जब भी मैं किसी के दरवाजे पर दस्तक देता हूं तो

अंदर से किसी भी उम्र की महिला निकले मैं उससे यही कहता हूं कि मिस

आपकी मम्मी घर में हैं?

चुटकुला # 0838

राकेश (महेश से)- अखबार में पढ़ा है कि तुम्हारी सेठानी मर गई है।
महेश (राकेश से)- हां भई, मर गई। पिछले पांच वर्ष से मैं बुढ़िया की

बिल्लियो पर प्यार लुटा रहा था ताकि वसीयत लिखते समय उसे मेरा

ध्यान भी रहे।
राकेश (महेश से)- तब तो मालामाल हो गए होगे। क्या मिला तुम्हें?
महेश (राकेश से)- उसकी सारी बिल्लियां।

चुटकुला # 0839
जेबकतरा (अपने दोस्त से)- यार मुझे सर्दी का मौसम बिल्कुल अच्छा नहीं

लगता।
दोस्त (जेबकतरे से)- क्यों?
जेबकतरा (दोस्त से)- क्योंकि सभी लोग अपनी जेबो में हाथ डालकर

चलते है।

चुटकुला # 0840
एक महिला (पड़ोसन से)- अरे बहन जरा जल्दी अपना बेलन तो देना।

'वो' आ गए है।
पड़ोसन (बेलन देते हुए)- अच्छा ले जाओ! लेकिन जल्दी वापस कर देना

क्योंकि चिंटू के पापा के भी आने का वक्त हो गया है।

चुटकुला # 0841

ज्योतिषी (महिला से) - तीन माह बाद आपके पति का साया आपके सिर

से उठ जाएगा।
महिला (ज्योतिषी से)- लेकिन उन्हें मरे हुए चार वर्ष बीत गए है।
ज्योतिषी (महिला से)- तब आप बड़े भाई की छाया से वंचित हो जाएंगी।
महिला (ज्योतिषी से)- लेकिन मैं तो इकलौती संतान हूं।
ज्योतिषी (महिला से)- 'तो फिर आपका छाता जरूर खो जाएगा।'

ज्योतिषी ने खीझकर कहा।

चुटकुला # 0842

मैंनेजर (अपनी खूबसूरत टाइपिस्ट से)- रात सपने में मैंने दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की से शादी कर ली।
इतना सुनते ही टाइपिस्ट ने झेपते हुए पूछा- तो क्या बॉस, हम दोनो खुश थे।

चुटकुला # 0843

दो महिलाएं आपस में बातचीत कर रही थीं।
पहली बोली- मेरे पति दिन भर में बहुत से भूखे लोगो को खाना खिला देते है।
हां बहन, आजकल देवता जैसे लोग मिलते ही कहां है। तू बहुत ही भाग्यवान है, जो तुझे ऐसे पति मिले है। वैसे तेरे पति करते क्या है? दूसरी महिला ने कहते हुए पूछा।
'वे एक होटल में वेटर है।' पहली महिला ने जवाब दिया।

चुटकुला # 0844

संता (बंता से)- बताओ स्वर और व्यंजन में क्या अंतर है?
बंता (संता से)- यही कि स्वर मुंह से बाहर निकलते है और व्यंजन अंदर जाते है।

चुटकुला # 0845

एक बहरा अपने बीमार मित्र को देखने जा रहा था। रास्ते में वह मन ही मन सोचने लगा कि ज्यादा बातें करूंगा तो कुछ का कुछ सुनाई देगा इसलिए कम से कम बोलूंगा। सबसे पहले पूछूंगा कि तबीयत कैसी है? मित्र कहेगा ठीक है। फिर पूछूंगा कि किसकी दवा चल रही है? वह डॉक्टर का नाम बता देगा। सोचते-सोचते बीमार का घर आ गया। मित्र से मिलते ही बहरा बोला, 'कहो कैसी तबीयत है?'
बीमार- 'मर रहा हूं।'
बहरा - अच्छा ही है। भगवान करे ऐसा ही हो। दवा किसकी चल रही है।
बीमार - यमराज की।
बहरा - अच्छा डॉक्टर है, खाने को क्या बताया है?

बीमार - पत्थर।
बहरा - ठीक है, पचने में हल्के होते है।

चुटकुला # 0846

महिला कैशियर- मुझे कुछ दिन की छुट्टी चाहिए, क्योंकि मुझे ऐसा लग

रहा है कि मेरी सुंदरता कुछ कम हो रही है।
बैक मैंनेजर - क्या मतलब?
महिला कैशियर - क्योंकि अब पुरूषो ने मुझसे पैसे गिनकर लेने शुरू कर

दिये है।

चुटकुला # 0847

सोनू (मोनू से)- आदमी के मुकाबले घोड़े ज्यादा समझदार होते है।
मोनू (सोनू से)- वह कैसे?
सोनू (मोनू से)- क्योंकि जब घोड़ो की दौड़ होती है तो हजारो आदमी वहां

उनकी दौड़ देखने पहुंचते है, लेकिन जब आदमियो की दौड़ होती है तो वहां

एक भी घोड़ा नहीं पहुंचता।

चुटकुला # 0848
दूध वाला- बीबी जी, कल से दूध पचास पैसे महंगा हो जायेगा।
महिला - क्यों, दूध के दाम क्यों बढ़ा रहे हो?
दूध वाला - क्योंकि मुझे भी अब पानी का बिल भरना पड़ता है।

चुटकुला # 0849
एक भिखारी को बैक में घुसते देख चौकीदार बोला, 'अरे-अरे बाबा आगे

जाओ यहां कुछ नहीं मिलेगा।'
भिखारी (चौकीदार से)- अरे भैया, मैं यहां कुछ लेने नहीं अपना पैसा जमा

कराने आया हूं।

चुटकुला # 0850

मोहन (बॉस से)- सर! अब तो मेरी सेलरी बढ़ा दीजिए। मेरी शादी हो गई

है।

बॉस (मोहन से)- ऑफिस के बाहर हुई दुर्घटनाओ के लिए हम जिम्मेदार

नहीं है।

चुटकुला # 0851

शर्मा जी अपने पड़ोसी के घर पहुंचे और बोले- देखिए आपके लड़के ने मेरे

कमरे का शीशा ईट मारकर तोड़ दिया।
पड़ोसी (शर्मा जी से)- आप उसकी हरकतो पर ध्यान मत दीजिए वह तो

पागल है।
शर्मा जी (पड़ोसी से) - तो फिर अपने मकान का शीशा क्यों नहीं तोड़ता?
पड़ोसी (शर्मा जी से)- क्योंकि वह इतना पागल भी नहीं है।

चुटकुला # 0852
एक कैदी (दूसरे कैदी से)- तुमसे कोई मिलने क्यों नहीं आता,क्या तुम्हारा

कोई रिश्तेदार नहीं है।
दूसरा कैदी- है तो, बहुत पर सारे इसी जेल में है।
चुटकुला # 0853

मां (बेटे से)- 'तुम्हारा ऑफिस में काम कैसा चल रहा है?'
बेटा (मां से)- 'मेरे नीचे 25 आदमी काम करते है।'
मां - 'तो क्या तू अभी से अफसर हो गया?'
बेटा- मां, 'मैं ऊपर की मंजिल में काम करता हूं।'

चुटकुला # 0854
प्रेमिका (प्रेमी से)- तुम इतने घबराये क्यों हो?
प्रेमी (प्रेमिका से)- मुझे एक व्यक्ति की ओर से धमकी भरा खत मिला है

कि मैंने उसकी पत्नी से मिलना नहीं छोड़ा तो वह मेरा खून कर देगा।
प्रेमिका (प्रेमी से)- तो फिर तुम उसकी पत्नी से मिलना क्यों नहीं छोड़

देते?
प्रेमी (प्रेमिका से)- पर धमकी भरा खत गुमनाम व्यक्ति ने लिखा है। मैं

कैसे जान सकता हूं कि उसकी पत्नी कौन है?

चुटकुला # 0855

मालिक (नौकर से)- 'देखो मैं बाजार जा रहा हूं तुम दुकान का ध्यान रखना। अगर कोई व्यक्ति आकर कोई आर्डर दे तो उसे पूरा करना।' कुछ देर के बाद मालिक आया तो उसने नौकर से पूछा, 'कोईर् आया था?'
नौकर (मालिक से)- 'जी हां आया था। उसने कहा कि दोनो हाथ ऊपर उठाकर कोने में खड़े हो जाओ। मैंने ऑर्डर मान लिया और वह गल्ला उठाकर चला गया।

चुटकुला # 0856

सेठ जी (नौकर से)- 'तुमने आज मुझे नदी में डूबने से बचाया है। यह लो दस रूपए का नोट। भुनाकर पांच रूपए तुम ले लो और पांच मुझे लौटा दो।'
नौकर - सेठ जी, यहां तो कोई दुकान भी नहीं है नोट कहां भुनाया जाए। आप इसे अपने ही पास रख लीजिए। जब दोबारा डूबे तो मुझे दस रूपए का नोट दे दीजिएगा।

चुटकुला # 0857

मोहन (अपने दोस्तो से शेखी बघारते हुए)- मैंने एक ही दिन में शेर की गर्दन तोड़ दी, चीते के दो टुकड़े कर दिये और एक हाथी की टांग तोड़ दी।
दोस्त (हैरानी से)- फिर क्या हुआ?
मोहन - हुआ क्या? दुकानदार ने अपने खिलौनो की तोड़फोड़ के जुर्म में मुझे जेल भिजवा दिया।

चुटकुला # 0858

पत्नी (पति से)- कितनी बार कहा है कि अपने बालों में खिजाब लगाओ, बुड्ढे नजर आते हो।
पति (पत्नी से)- अरे भाग्यवान! अगर मैंने बालों में खिजाब लगा लिया तो लड़कियो से बेधड़क बात नहीं कर पाऊंगा।

चुटकुला # 0859
भिखारी (राहगीर से) - जनाब मैं कोई मामूली भिखारी नहीं हूं। मैंने 'रूपए

कमाने के 100 तरीके' नामक किताब लिखी है।
राहगीर (भिखारी से)- तो फिर तुम भीख क्यों मांगते हो?
भिखारी (राहगीर से)- क्योंकि यह उस किताब में बताया गया सबसे

आसान तरीका है।

चुटकुला # 0860
जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख

दो।
चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर। माल का आधा-आधा

होना चाहिए।

चुटकुला # 0861

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम मुझसे शादी करोगी?
प्रेमिका (प्रेमी से)- नहीं मेरे यहां तो शादी घर वालो से ही होती है- मम्मी

की पापा से, भैया की भाभी से, चाचा की चाची से।

चुटकुला # 0862
मालिक (नौकर से)- 'देखो मैं बाजार जा रहा हूं तुम दुकान का ध्यान

रखना। अगर कोई व्यक्ति आकर कोई आर्डर दे तो उसे पूरा करना।' कुछ

देर के बाद मालिक आया तो उसने नौकर से पूछा, 'कोईर् आया था?'
नौकर (मालिक से)- 'जी हां आया था। उसने कहा कि दोनो हाथ ऊपर

उठाकर कोने में खड़े हो जाओ। मैंने ऑर्डर मान लिया और वह गल्ला

उठाकर चला गया।

चुटकुला # 0863
लड़की देखने गए एक परिवार के सामने लड़की के गुणो की प्रशंसा की जा

रही थी- 'हमारी लड़की की आवाज कोयल जैसी है, उसकी गर्दन मोरनी

जैसी है, चाल हिरणी जैसी है और स्वभाव में गऊ जैसी है।'
इस पर लड़के ने कहा- 'जी इसमें कोई इंसानी गुण भी है क्या?'

चुटकुला # 0864

वकील (गवाह से)- तुम गीता पर हाथ रखकर कहो, जो भी कहोगे सच

कहोगे, इसके सिवा कुछ भी नहीं कहोगे।
गवाह (वकील से)- नहीं वकील साहब, मैं गीता पर हाथ नहीं रखूंगा। मुझे

डर लगता है।
वकील - क्यों भई, गीता पर हाथ रखकर तुम्हें तो कसम खानी ही पड़ेगी।
गवाह - वकील साहब, दो वर्ष पूर्व मैंने पड़ोस में रहने वाली सीता पर हाथ

रखा था तो मुझे तीन साल की जेल की हवा खानी पड़ी थी। अब कही

गीता पर हाथ रखने पर मुझे उम्र कैद न हो जाये।

चुटकुला # 0865

एक पुलिस वाले ने रात के वक्त एक शराब पिए व्यक्ति को रोका और पूछा

कहां जा रहे हो?
व्यक्ति - मैं नशे से होने वाले नुकसान पर एक लेक्चर सुनने जा रहा हूं।
इस वक्त इतनी रात गए किसका लेक्चर है? पुलिस वाले ने पूछा।
व्यक्ति - 'मेरी पत्नी और सास का।'

चुटकुला # 0866
मैंनेजर ने अपने एक कर्मचारी के पिता को बुलाकर कहा- आपका लड़का

ऐसे काम कर रहा है, जैसे दस वर्ष से नौकरी कर रहा हो।
कर्मचारी के पिता ने पूछा- क्या वह इतने कम दिनो में ही अच्छा काम

करना सीख गया है?
'जी नहीं, वह इतना अधिक आलसी हो गया है।' मैंनेजर ने जवाब दिया।

चुटकुला # 0867

आगरा से पागलो को हवाई जहाज में बिठाकर दिल्ली लाया जा रहा था।

पागल जहाज में हुड़दंग मचा रहे थे। उनमें से एक तो पायलट के कैबिन

में घुस गया और बोला, उठो जहाज मैं चलाऊंगा। पायलट ने हट्टे-कट्टे पागल से उलझना ठीक न समझा और उससे कहा, 'अगर तुम शोर मचा रहे इन लोगो को शान्त कर दो तो मैं तुम्हें जहाज चलाने दूंगा।' पागल कैबिन में चला गया और तीन-चार मिनट बाद आकर बोला, 'लो शान्ति हो गई है अब मुझे जहाज चलाने दो।' पायलट ने देखा सचमुच कोई आवाज नहीं आ रही थी। उसने पागल से पूछा, 'यह तुमने कैसे किया?' पागल बोला, 'कुछ खास नहीं। जहाज उड़ रहा था मैंने उसका दरवाजा खोलकर उनसे कहा उतरो हवाई अड्डा आ गया है और वे सब उतर गए।'

चुटकुला # 0868

शराबी (अजय से) - शराब से ज्यादा नुकसान तो पानी ने पहुंचाया है।
अजय (शराबी से)- नहीं भाई, आप गलत कह रहे है।
शराबी (अजय से)- क्यों भाई साहब, क्या पिछले साल बाढ़ से हजारो लोग मरे नहीं थे?

चुटकुला # 0869

बॉस (स्टैनो से)- आज तुम फिर आधे घंटे देर से आयी। क्या तुम्हें मालूम नहीं कि यहां पर काम कितने बजे से शुरू होता है।
स्टैनो (बॉस से)- मालूम नहीं सर दरअसल मैं जब भी यहां आती हूं लोगो को काम करते हुए ही पाती हूं।

चुटकुला # 0870

बेटे को हाथो के बल घर में घुसते देखकर
बाप (बेटे से)- 'बेवकूफ! यह क्या कर रहा है?'
बेटा (बाप से)- आपकी आज्ञा का पालन कर रहा हूंं, पापा। आपने कहा था न, अगर तू फेल हो गया, तो घर में कदम नहीं रखने दूंगा।

चुटकुला # 0871

मालिक (नौकर से)- 'देखो मैं बाजार जा रहा हूं तुम दुकान का ध्यान

रखना। अगर कोई व्यक्ति आकर कोई आर्डर दे तो उसे पूरा करना।' कुछ

देर के बाद मालिक आया तो उसने नौकर से पूछा, 'कोईर् आया था?'
नौकर (मालिक से)- 'जी हां आया था। उसने कहा कि दोनो हाथ ऊपर

उठाकर कोने में खड़े हो जाओ। मैंने ऑर्डर मान लिया और वह गल्ला

उठाकर चला गया।

चुटकुला # 0872

प्रेमी (प्रेमिका से) - तुम कितनी भोली हो क्या तुम मेरी आखाें में मेरे

दिल का हाल नहीं पढ़ सकती?
प्रेमिका (प्रेमी से) - प्रेमिका ने शरारत भरे लहजे में कहा क्या तुम्हें पता

नहीं कि मैं अनपढ़ हूं।

दुकानदार (कारीगर से)- 'क्या राय साहब के घर के दरवाजे की घंटी ठीक

कर आए?'
कारीगर (दुकानदार से)- 'कैसे करता? मैं काफी देर तक घंटी बजाता रहा,

पर किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला।'

चुटकुला # 0873

चित्रकार (ग्राहक से)- 'साहब, मैं बेगम साहिबा की ऐसी तस्वीर बनाऊंगा,

जो बोल उठेगी।'
ग्राहक (चित्रकार से)- 'माफ करो भाई, इसने तो वैसे ही नाक में दम कर

रखा है। अगर इसकी तस्वीर भी बोलने लगेगी, तो जीना मुश्किल हो

जाएगा।'

चुटकुला # 0874

एक औरत (राह चलते एक लड़के को सिगरेट पीते देखकर बोलती है) क्या

तुम्हारे मां बाप को पता है कि तुम सिगरेट पीते हो?
लड़का (औरत से) क्या आपके पति को पता है कि आप सड़क चलते किसी

भी अजनबी से बात करती है?

चुटकुला # 0875

मोहन (बॉस से) - सर मुझे अपनी बीबी के काम में हाथ बंटाना है।

इसलिए मुझे छुट्टी चाहिए।
बॉस (मोहन से) - छुट्टी बिल्कुल नहीं मिलेगी।
मोहन (बॉस से) - धन्यवाद सर, मैं जानता था कि मुसीबत में आप ही

मेरी मदद करेगे।

चुटकुला # 0876

बबलू (मम्मी से) - मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो।
मम्मी (बबलू से) - बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?
बबलू (मम्मी से) - क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान

कैंची की तरह चलती है।

चुटकुला # 0877

जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख

दो।
चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर। माल का आधा-आधा

होना चाहिए।

चुटकुला # 0878

दो दोस्तो में किसी बात पर तू-तू-मैं-मैं हो गई। एक दोस्त दूसरे से बोला-

'मैं अपनी बेइज्जती कराने यहां नहीं आया हूं।'
दूसरे ने कहा- 'तो आमतौर पर आप कहां जाते है?'

चुटकुला # 0879

युवा फिल्म अभिनेता (प्रेमिका से)- आज तक मुझसे शादी के सैकड़ो

निवेदन किए जा चुके है।
प्रेमिका (अभिनेता से)- अच्छा, किस-किस ने निवेदन किया?
अभिनेता (प्रेमिका से) - 'मेरे मम्मी और डैडी ने।' अभिनेता मुस्कराते हुए

बोला।

चुटकुला # 0880

शराबी (अजय से) - शराब से ज्यादा नुकसान तो पानी ने पहुंचाया है।
अजय (शराबी से)- नहीं भाई, आप गलत कह रहे है।
शराबी (अजय से)- क्यों भाई साहब, क्या पिछले साल बाढ़ से हजारो लोग

मरे नहीं थे?

चुटकुला # 0881

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो

गई। बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब

मेरे पिता ने दहेज में दिया है।'
संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए। बीवी की आंख खुल गई। वह

मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर में चोर घुस आए है।'
मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मैं क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही

क्या?'

रेल के डिब्बे में एक सज्जन ने अपने सामने वाले व्यक्ति को चुपचाप बैठे

देखकर बातचीत करने के इरादे से कहा- भाई साहब आपका रूमाल नीचे

गिर गया है।
इस पर उस व्यक्ति ने कहा- मेरा रूमाल गिर गया है, इससे आपको क्या

मतलब? आपका कोट सिगरेट से जल रहा है, पर मैंने तो कुछ नहीं कहा।

चुटकुला # 0882

चार व्यक्तियो को अदालत में पेश किया गया। इल्जाम था कि वे पार्क में

बैठे जुआ खेल रहे थे। मजिस्ट्रेट ने बारी-बारी से उनसे पूछा। पहले ने

कहा, मैं उस दिन यहां था ही नहीं। सबूत के तौर पर अपने ट्रैवल एजेंट से

रेल टिकट की रसीद दे सकता हूं।
दूसरा बोला - 'उस दिन मैं घर पर बुखार में पड़ा था। डॉक्टर का

सर्टीफिकेट पेश कर सकता हूं।‘
तीसरे का जवाब था, ‘मैंने आज तक कभी जुआ नहीं खेला, ताश को हाथ

तक नहीं लगाया।‘
चौथा चुपचाप खड़ा रहा।
उससे पूछा, और तुम भी जुआ नहीं खेल रहे थे?
वह बोला, जी मैं अकेला जुआ कैसे खेल सकता हूं।

चुटकुला # 0883

एक छाताधारी सैनिक से उनके अफसर ने पूछा, ‘तुमने कितनी बार हवाई

जहाज से छलांग लगाई है।‘
‘केवल एक बार।‘ सैनिक ने उत्तर दिया।
‘लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकार्ड में तो पन्द्रह बार लिखा हुआ है।‘
‘शेष चौदह बार तो मुझे धकेला गया था।‘ सैनिक ने कहा।

चुटकुला # 0884

जज (अभियुक्त से)- तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी,

जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई। ऐसा क्यों हुआ?
अभियुक्त (जज से)- दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी।

चुटकुला # 0885

एक ग्राहक होटल के बैरे से- अरेे इस गिलास में पत्ता गिरा है।
बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है साहब, इस शहर में

हमारे होटल की कई शाखाएं है।

चुटकुला # 0886

एक शराबी बार में बैठा जोर-जोर से रो रहा था। पास बैठे रमेश को उस

पर दया आयी। पास आकर उसने सहानुभूति जतायी और शराबी से पूछा-

‘आप क्यों रो रहे है?‘
शराबी बोला ‘कल मुझसे एक बहुत बड़ी गलती हो गयी, मैंने अपनी पत्नी

को शराब की एक बोतल की एवज में बेच डाला।‘

रमेश - 'तो तुम अब अनुभव कर रहे हो कि पत्नी को तुम्हारे पास होना चाहिए?'

शराबी - 'हां, मैं उसकी कमी महसूस कर रहा हूं।'

रमेश - उसे बेचने के बाद तुम्हें पता लगा होगा कि तुम उससे कितना प्यार करते हो?'

शराबी - 'नहीं, नहीं, दरअसल अब मुझे फिर शराब की जरूरत महसूस हो रही है।'

चुटकुला # 0887

सड़क पर दो मजदूर काम कर रहे थे। एक गड्ढा खोदता दूसरा पीछे से भर देता। एक आदमी बहुत देर से देख रहा था, उससे रहा नहीं गया। उसने कहा- 'ये आप लोग क्या कर रहे है?'

गड्ढा खोदने वाला- 'हम लोग सरकारी कर्मचारी है। अपना काम कर रहे है।'

मुसाफिर, 'लेकिन यह कैसा काम है एक गड्ढा करता है दूसरा भर देता है।'

गड्ढा खोदने वाला- 'दरअसल हमारी तीन लोगो की ड्यूटी है। मैं गड्ढा खोदता हूं दूसरा पेड़ लगाता है तीसरा उसे बंद करता है। आज दूसरा यानी पौधे रखने वाला व्यक्ति छुट्टी पर है।'

चुटकुला # 0888

टिकट चैकर (यात्री से)- टिकट दिखाओ।

यात्री (झट जेब से निकाल कर)- यह लीजिए।

टिकट चैकर - यह तो प्लेटफार्म टिकट है।

यात्री- जहां मैं उतरूंगा वहां प्लेटफार्म तो होगा ही।

चुटकुला # 0889

रामनाथ बहुत घबराया हुआ थाने पहुंचा। थानेदार ने जब घबराहट का कारण पूछा तो बोला, 'मेरी पत्नी मायके गई हुई है। मैं आज सुबह जब

सोकर उठा तो देखा मेरे कमरे की अलमारी खुली थी, मेरा कीमती सामान

और रुपए चोरी हो चुके थे। सामान अस्त-व्यस्त था, संदूक टूटे हुए मिले।

मेरे ताे हाथो के तोते ही उड़ गए......।'
थानेदार ने कलम उठाई और तुरंत पूछा, 'कुल कितने तोते थे?'

चुटकुला # 0890
मालिक (नौकर से)- 'देखो मैं बाजार जा रहा हूं तुम दुकान का ध्यान

रखना। अगर कोई व्यक्ति आकर कोई आर्डर दे तो उसे पूरा करना।' कुछ

देर के बाद मालिक आया तो उसने नौकर से पूछा, 'कोईर् आया था?'
नौकर (मालिक से)- 'जी हां आया था। उसने कहा कि दोनो हाथ ऊपर

उठाकर कोने में खड़े हो जाओ। मैंने ऑर्डर मान लिया और वह गल्ला

उठाकर चला गया।

एक आदमी कब्रिस्तान से गुजर रहा था। उसने एक आदमी को कब्र पर

बैठे देखा। उसने कब्र पर बैठे व्यक्ति से पूछा, 'तुम्हें यहां पर डर नहीं

लगता?'
कब्र पर बैठा व्यक्ति बोला, डरने की क्या बात है। अंदर गर्मी लग रही थी

इसलिए बाहर आ गया।

चुटकुला # 0891
दिल्ली के सेठ जी के इकलौते बेटे को बहुत तेज रफ्तार से कार चलाने की

आदत थी। एक बार वह अपने दोस्तो के साथ पिकनिक मनाने आगरा

जाने लगा, तो सेठ जी से बोला- पिताजी, मेरी सलामती के लिए दुआ

कीजिएगा।
'हां बेटा, लेकिन इस बात का ध्यान रखना कि मेरी दुआ की स्पीड 45

किमी. प्रति घंटे से ज्यादा की नहीं है।' सेठ जी बोले।

चुटकुला # 0892

थानेदार (देहाती से) - क्या तुम्हारे गांव में आग लग गई थी?
देहाती (थानेदार से) - जी हां, हजूर सारा गांव जल कर राख हो गया था।
थानेदार (देहाती से) - कुछ बचा भी?
देहाती (थानेदार से) - बस आग बुझाने वाली गाड़ी क्योंकि वह देर से आई

थी।

चुटकुला # 0893

पंकज (मीनू से)- मुझसे शादी करोगी?
मीनू (पंकज)- नहीं! हमारे यहां तो परिवार में ही शादी होती है....मम्मी

की पापा से.....भैया की भाभी से.....मामा की मामी से.......

रमेश (नेता जी से)- अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई

खिला रहे हो?
नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है।

पचास की कक्षा में पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए है।

चुटकुला # 0894
रमा (हेमा से)- मैंने निश्चय कर लिया है कि जब तक मैं पच्चीस वर्ष की

नहीं हो जाती, शादी नहीं करूंगी।
हेमा (रमा से)- और मैंने भी निश्चय कर लिया है कि जब तक मेरी शादी

नहीं हो जाती, मैं पच्चीस वर्ष की ही नहीं होऊंगी।

चुटकुला # 0895
लेखक (मित्र से)- 'दस साल लिखते रहने के बाद मुझे पता चला है कि

मुझमें साहित्य सृजन की प्रतिभा बिल्कुल नहीं है।'
मित्र (लेखक से)- तो फिर तुमने लिखना छोड़ दिया?
लेखक (मित्र से)- 'नहीं तब तक मैं काफी मशहूर हो चुका था।'

चुटकुला # 0896
मालिक गुस्से में नौकर से- 'मैं एक घंटे से घंटी बजा रहा हूं।'

नौकर तुरंत बोला- आप मालिक है। एक घंटे तो क्या आप सारे दिन घंटी

बजा सकते है।

चुटकुला # 0897

एक बॉस दूसरे बॉस से- तुम्हारा कर्मचारी इतना ईमानदार है, लेकिन तुम

हमेशा उसकी बुराई क्यों करते रहते हो?
बॉस - ताकि कोई उसे फुसलाकर न ले जाए।

चुटकुला # 0898
राकेश ने मुकेश से पूछा तुमने वाकई उस लड़की से शादी करने का पक्का

फैसला कर लिया है?
मुकेश - हां यार, अब मजबूरी है।
राकेश - कैसी मजबूरी है?
मुकेश -वह लड़की इतनी मोटी हो गई है कि मंगनी में जो अगूठी मैंने उसे

दी थी, वह उतरती ही नहीं है।

ड्राइंग रूम में सजे शेर को देखकर मेहमान ने मेजबान से पूछा, 'बड़ा

सुन्दर शेर है। इसे कहां से लाये हो?'
मेजबान बोला, 'श्रीलंका से, जब वहां मैं और चाचा शिकार खेलने गए थे।'
मेहमान - 'इसके पेट में क्या भरा है?'
'मेरे चाचा।' मेजबान बोला।

चुटकुला # 0899
एक सेठ जी अपने बेटे को स्कूल में दाखिल कराने गए तो प्रिंसीपल ने

कहा, 'सेठ जी, आपने देर कर दी, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है।'
'आप चिंता मत करे लड़के को दाखिल कर ले, बैठने के लिए कुर्सी मैं घर

से भेज दूंगा।'

चुटकुला # 0900
सेठ (खाने की थाली देखकर)- 'इतनी महंगाई में रोटी पर इतना घी?'
नौकर (सेठ से)- 'मालिक, माफ करे। शायद गलती से मेरी रोटी आपके

पास आ गई।'

चुटकुला # 0901

कंपनी के बॉस ने अपनी सेक्रेटरी को बुलाया।
बॉस - आज शाम को तुम कुछ कर रही हो?
सेक्रेटरी (खुश होते हुए)- जी नहीं।
बॉस - शायद कही किसी के साथ जाना हो?
सेक्रेटरी - जी नहीं, बिल्कुल खाली हूं।
बॉस - तो फिर आज घर जाकर जल्दी सो जाना ताकि सुबह वक्त पर

ऑफिस पहुंच सको।

चुटकुला # 0902

मिसेज वर्मा ने अपने नए नौकर से कहा, 'रामू आज तुमने बहुत कीमती

फूलदान तोड़ दिया। आज के बाद ऐसी गलती की तो मार-मारकर तुम्हारा

सिर गंजा कर दूंगी। समझे?' 'क्या समझे?'
नौकर - 'यही कि मालिक भी किसी ऐसी ही भूल का अंजाम भुगत रहे

है।'

चुटकुला # 0903

गेहूं का क्या भाव है सेठजी? 'ग्राहक ने पूछा।'
सेठ (ग्राहक से)- 'एक सौ चालीस रूपये क्विंटल।'
ग्राहक (सेठ से)- 'लेकिन सामने वाला दुकानदार तो एक सौ पच्चीस रूपये

क्विंटल बेच रहा है।'
सेठ (ग्राहक से) - 'तो जाओ वही से ले लो।'
ग्राहक (सेठ से)- 'लेकिन उसके पास है नहीं।'
सेठ (ग्राहक से)- 'जिस दिन मेरे पास नहीं होता मैं सौ रूपये क्विंटल

बेचता हूं।'

चुटकुला # 0904

एक मित्र (दूसरे मित्र से)- सुना है, तुम दोनो पति-पत्नी में अटूट संबंध है।
दूसरा मित्र- हां भैया, जब हमारा झगड़ा होता है तो पूरा मोहल्ला मिलकर

बड़ी कठिनाई से अलग कर पाता है।

चुटकुला # 0905

भिखारी (राहगीर से) - जनाब मैं कोई मामूली भिखारी नहीं हूं। मैंने 'रूपए

कमाने के 100 तरीके' नामक किताब लिखी है।
राहगीर (भिखारी से)- तो फिर तुम भीख क्यों मांगते हो?
भिखारी (राहगीर से)- क्योंकि यह उस किताब में बताया गया सबसे

आसान तरीका है।

चुटकुला # 0906

चित्रकार (ग्राहक से)- 'साहब, मैं बेगम साहिबा की ऐसी तस्वीर बनाऊंगा,

जो बोल उठेगी।'
ग्राहक (चित्रकार से)- 'माफ करो भाई, इसने तो वैसे ही नाक में दम कर

रखा है। अगर इसकी तस्वीर भी बोलने लगेगी, तो जीना मुश्किल हो

जाएगा।'

चुटकुला # 0907

एएक संगीतकार अपना वायलिन बेचने के लिए एक कबाड़ी की दुकान पर

गया और उससे बोला- मैं इस वायलिन को बेचना चाहता हूं।
कबाड़ी - 50 रूपए में बिकेगा भाईसाहब।
संगीतकार - बस 50 रूपए, तुमने तो हद कर दी। तुमसे अच्छा तो मेरा

पड़ोसी है। वह इसे बजाना बंद करने पर 500 रूपए देने को तैयार है।

मैंनेजर (क्लर्क से)- तुम इस महीने में चार छुट्टियां ले चुके हो, पहली

छुट्टी लेकर तुम अपनी पत्नी को गाड़ी में बिठानेे गए थे।
दूसरी पर अपनी सास के मरने पर गए थे, तीसरी छुट्टी पर तुम्हारी बेटी

का जन्मदिन था और चौथी पर तुम्हारा बेटा बीमार था आज फिर छुट्टी

मांग रहे हो। अब क्या काम है?'
क्लर्क (मैंनेजर से) - 'सर आज मेरी शादी है।'

चुटकुला # 0908

एक मेढक ज्योतिषी के पास गया।
ज्योतिषी बोला- बच्चा! आज तेरी किस्मत में एक लड़की है। वो तेरे बारे में सब कुछ जानना चाहती है।
मेढक ने खुश होकर पूछा- मगर महाराज वो मिलेगी कहां?
गंभीर होकर ज्योतिषी बोला- बायो लैब में।

चुटकुला # 0909

दुकानदार (कारीगर से)- 'क्या राय साहब के घर के दरवाजे की घंटी ठीक कर आए?'
कारीगर (दुकानदार से)- 'कैसे करता? मैं काफी देर तक घंटी बजाता रहा, पर किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला।'

चुटकुला # 0910

होटल में ठहरा हुआ यात्री जल्दी में था। उसे फ्लाइट पकड़नी थी। अपना सामान लेकर वह टैक्सी के पास पहुंच चुका था तभी उसे याद आया कि उसकी खासा महंगी शेविंग किट होटल के कमरे में ही छूट गयी है। उसने बेल बॉय को बुलाया और कहा, 'मैं जल्दी में हूं, तुम मेरे कमरे में जाओ और देख आओ कि कही मेरा शेविंग किट वहां छूट तो नहीं गयी।' बेल बॉय गया और कुछ देर बाद वापस लौटा। यात्री बेसब्री से उसका इंतजार कर रहा था। उसे देखते ही उसने पूछा, 'क्यों भई, देख आए?'
'हां साहब, देख आया आपकी किट कमरे में ही है।'

चुटकुला # 0911

सुधा (साड़ी विक्रेता से)- 'कहिए जनाब धंधा कैसा चल रहा है?'
दुकानदार - 'कल एक साड़ी बिकी थी। आज उससे भी ज्यादा मंदा है।'
सुधा - 'अरे, इससे ज्यादा मंदा और क्या हो सकता है?'
दुकानदार - 'जो महिला कल साड़ी खरीदकर ले गई थी आज वापस कर गई।'

चुटकुला # 0912
एक मूर्ख संग्रहालय देखने गया और वहां रखी एक पुरानी मूर्ति से टकरा

गया। मूर्ति टूट गयी। संग्रहालय के अधिकारी ने जब यह देखा, तो गुस्से

से े बोला, 'हे भगवान, आपने 500 साल पुरानी यह मूर्ति तोड़ दी?'
मूर्ख ने राहत की सांस ली और बोला, 'तो नाराज क्यों होते हो?' मैं तो

इसे नयी मूर्ति समझ बैठा था।

चुटकुला # 0913
मरने के बाद एक इंजीनियर को जब नर्क भेज दिया गया तो उसने वहां

मेहनत करके सड़के, शौचालय, नालियां और एयरकंडीशनर आदि कि

व्यवस्था कर दी। इस पर स्वर्ग के मैंनेजर ने नर्क के मैंनेजर को फोन

किया।
स्वर्ग का मैंनेजर - इस इंजीनियर को बाहर निकालो।
नर्क का मैंनेजर - नहीं।
स्वर्ग का मैंनेजर - जैसा कहता हूं, वही करो। नहीं तो मैं तुम्हें भगवान

की अदालत में घसीटूंगा।
नर्क का मैंनेजर - कोई बात नहीं। देख लूंगा। सारे वकील तो मेरे यहां हैं।

चुटकुला # 0914
एक सुप्रसिद्ध अभिनेत्री जब बूढी हो गई तो वह इमारत की सबसे ऊपर

वाली मंजिल पर फ्लैट लेकर रहने लगी। खास बात यह थी कि इमारत में

लिफ्ट नहीं थी। एक दिन उसका कोई प्रशंसक मंजिलो की सारी सीढ़ियां

चढ़कर हांफता हुआ उसके फ्लैट तक पहुंचा। घंटी की आवाज सुनकर बूढी

अभिनेत्री ने जैसे ही दरवाजा खोला। उस प्रशंसक ने हांफते हुए पूछा-

आपने इतनी ऊंचाई पर फ्लैट क्यों लिया।
'भला क्या करती? इस उम्र में यही एक तरीका रह गया था। दरअसल मैं

चाहती हूं कि जब मेरे प्रशंसक मुझसे मिलने आएं तो उनका दिल मेरे लिए

जोरो से धड़क रहा हो।' बूढ़ी अभिनेत्री ने जवाब दिया।

चुटकुला # 0915

एक आदमी तोता खरीदने के लिए तोते वाले के पास गया और एक तोते

की ओर इशारा करके पूछा, 'यह कितने का है?'
तोते वाले ने कहा, '3 हजार रूपए का।'
आदमी ने पूछा, 'अरे इतना महंगा?'
तोते वाला बोला, 'यह तोता फोन अटैड कर लेता है।'
फिर आदमी ने दूसरे तोते के बारे में पूछा, 'वह कितने का है?'
तोते वाले ने कहा, '5 हजार रूपए का।'
वह आदमी बोला- 'यह इतना महंगा क्यों है?'
तोते वाले ने कहा, 'यह फोन अटैड भी कर लेता है और मैंसेज भी नोट

कर लेता है।'
उस आदमी ने फिर एक तीसरे तोते के बारे में पूछा, 'इसमें क्या खास

बात है?'
तोते वाला बोला, 'यह तो पता नहीं, लेकिन दोनो तोते इस तोते को बॉस

कहकर पुकारते है।'

चुटकुला # 0916

थानेदार (सिपाहियो से)- 'तुम चार थे। फिर भी एक चोर को नहीं पकड़

सके?'
सिपाही (थानेदार से)- 'चोर तो भाग ही गया, पर मैं उसकी उंगलियो के

निशान ले आया हूं।'
थानेदार - 'बताओ, कहां है वे निशान?'
सिपाही - 'मेरे गाल पर।'

चुटकुला # 0917

एक मैंनेजर ने एक उम्मीदवार का इंटरव्यू लेते हुए पूछा- 'अब तक तुमने

कितने जगह काम किया है और कितने-कितने समय तक वहां रहे हो?'
उम्मीदवार - 'जी, ग्यारह जगह काम किया है और सब जगह छह-छह

महीने तक रहा हूं।'
मैंनेजर - 'आखिर इसका क्या कारण है कि किसी भी जगह तुम छह

महीने से ज्यादा नहीं टिके।'
उम्मीदवार - 'आप नौकरी पर रखकर देख लीजिये, आपको भी पता चल

जायेगा।'

चुटकुला # 0918

एक महिला भविष्य का हाल जानने के लिए ज्योतिषी के पास गई।

ज्योतिषी ने दो सवालो के जवाब देने के सौ रूपए मांगे। सौ रूपए देते हुए

महिला ने पूछा- दो सवालो के लिए सौ रूपए कुछ ज्यादा नहीं है?
ज्योतिषी (महिला से)- बिल्कुल ज्यादा है। अब अपना दूसरा प्रश्न पूछिए।

निबंध प्रतियोगिता हो रही थी। निबंध का विषय था- 'यदि मैं कंपनी का

मैंनेजर होता।'
सभी उम्मीदवार लिख रहे थे। लेकिन एक उम्मीदवार ऐसा था, जो हाथ

पर हाथ रखकर बैठा था। निरीक्षक ने देखा तो पास आकर पूछा- क्या

बात है, तुम लिख क्यों नहीं रहे हाेे?
'मैं अपने सेक्रेटरी का इंतजार कर रहा हूं।' उस उम्मीदवार ने जवाब दिया।

चुटकुला # 0919
बॉस (क्लर्क से)- मृत्यु के बाद जीवन में क्या तुम्हारा यकीन है?
क्लर्क (बॉस से)- हां सर, यह मुमकिन है।
बॉस (क्लर्क से)- तभी तुम्हारे मामा जिनकी शवयात्रा में शमिल होने के

लिए कल तुम गए थे, वह तुमसे मिलने यहां ऑफिस में आए थे।

चुटकुला # 0920
मोहन (बॉस से) - सर, मुझे अपनी बीवी का घर के काम में हाथ बंटाना

है। इसलिए मुझे छुट्टी चाहिए।
बॉस (मोहन से)- छुट्टी बिल्कुल नहीं मिलेगी।

मोहन (बॉस से)- थैक्यू सर, मुझे पता था अगर कोई मुझे बचा सकता है,

तो वह केवल आप ही है।

चुटकुला # 0921
जहाज का कप्तान बोला- हमारा जहाज डूबने वाला है, यहां कोई ऐसा है जो

भगवान से प्रार्थना कर सके।
एक महोदय आगे निकलकर जोश से बोले- हां! मुझे प्रार्थना करनी आती

है।
'तब ठीक है तुम प्रार्थना करना शुरू कर दो। हम लोग तैरने का पट्टा

लेकर कूदते है। हमारे पास एक पट्टा कम है', कप्तान बोला।

चुटकुला # 0922
एक पाठक ने किसी पत्रिका में एक प्रश्न पूछा कि पापड़ और झापड़ में क्या

अंतर है?
संपादक ने उत्तर दिया - 'बेकार में दिमाग खपाने से कुछ नहीं होता।

दोनो खाकर देख लीजिए, फर्क अपने आप समझ में आ जाएगा।'

चुटकुला # 0923
मनोज (दुकानदार से)- 'कैसी कुर्सियां बनाते हो? पिछले हफ्ते कुर्सी खरीदी

थी, दो दिन भी नहीं चली।'
दुकानदार (मनोज से)- माफ कीजिएगा साहब, कुर्सी चलने के लिए नहीं

होती, बैठने के लिये होती है।

चुटकुला # 0924
राकेश (मुकेश से)- 'फांसी के फंदे और शादी के फंदे में क्या अन्तर है?'
मुकेश (राकेश से)- 'फांसी के फंदे के बाद तमाम मुसीबते खत्म हो जाती

है और शादी के फंदे के बाद मुसीबतो की शुरूआत होती है।'

घर आए मेहमान ने छोटे बच्चे का आई क्यू टेस्ट करने के उद्देश्य से पूछा,

'बेटे, तुम दाएं हाथ से लिखते हो या बाएं हाथ से?'
' 'जी, मैं तो पेंसिल से लिखता हूं।' बच्चे ने बड़ी मासूमियत से जवाब

दिया।

चुटकुला # 0925
जज (चोर से)- क्या तुम कुछ दिन पहले भी सौ रूपये चुराने के आरोप में

पकड़े गए थे?
चोर (जज से)- साहब, इस महंगाई के जमाने में सौ रूपये कितने दिनों

तक चलते है?

चुटकुला # 0926

प्रेमिका (प्रेमी से)- तुम जल्दी से बताओ कि मुझसे शादी करोगे कि नहीं?
प्रेमी (प्रेमिका से)- मैं इतनी जल्दी कुछ नहीं कह सकता।
प्रेमिका (प्रेमी से)- मुझे अभी जवाब चाहिए, क्योंकि आज ही मुझे औरो से

भी यही सवाल करना है।

चुटकुला # 0927
जज (शराबी से)- 'एक ही बैठक में तुम पूरी दो बोतल शराब पी गए।

ऐसी भी क्या मजबूरी थी?'
शराबी (जज से)- 'मेरे सामने और कोई रास्ता नहीं था। दोनो बोतलो के

ढक्कन गुम हो गए थे।'

चुटकुला # 0928
एक महिला अपना भविष्यफल जानने के लिए ज्योतिषी के पास गई।

ज्योतिषी ने दो सवालो के जवाब देने के सौ रूपए मांगे। सौ रूपए देते हुए

महिला ने पूछा- दो सवालो के लिए सौ रूपए कुछ ज्यादा नहीं है?
ज्योतिषी (महिला से)- बिल्कुल ज्यादा है। अब अपना दूसरा प्रश्न पूछिए।

चुटकुला # 0929

एक समाजसेवी ने एक शरारती युवक को समझाते हुए कहा, 'देखो! यदि तुम प्रत्येक लड़की को अपनी मां समझोगे तो तुम्हारा चरित्र सुधर जायेगा।'
युवक ने एक लंबी सांस भर कर जवाब दिया, 'मेरा चरित्र तो सुधर जायेगा लेकिन मेरे पिताजी का चरित्र?'

चुटकुला # 0930

मालिक (नौकरानी से)- तेरी दो आंखे है, चावल के कंकड़ ठीक से नहीं चुन सकती?
नौकरानी (मालिक से)- आपके भी तो पूरे बत्तीस दांत है, एकाध कंकड़ चबा नहीं सकते।

चुटकुला # 0931

मीना ने अपने बेटे की भूगोल की पुस्तक पढ़ने के बाद रमेश से पूछा - बताइए, सूरज हमेशा पूरब से ही क्यों निकलता है?
रमेश (मीना से)- अरे, यह तो कोई गधा भी बता सकता है।
मीना (रमेश से)- इसलिए तो तुमसे पूछ रही हूं।

चुटकुला # 0932

तलाक के सिलसिले में आये अपने मुवक्किल से वकील ने पूछा, 'क्या आपने सोच समझकर शादी की थी?'
मुवक्किल ने ठंडी सांस भरते हुए कहा, 'अगर सोचा-समझा होता तो मैं शादी ही क्यों करता।'

चुटकुला # 0933

कुत्ते का मालिक (ग्राहक से)- साहब यह कुत्ता लाखों में एक है।
ग्राहक - कौन जाने यह वफादार होगा भी या नहीं?
कुत्ते का मालिक - इसकी वफादारी क्या पूछते है आप, अब तक बीस बार बेच चुका हूं। हर बार वापस आ जाता है।

चुटकुला # 0934

एक बार एक कंजूस सेठ किराये की टैक्सी में बैठा जा रहा था कि

अचानक ही ड्राइवर बोला- साहब मेरी गाड़ी के ब्रेक फेल हो गये है।
इस पर सेठ जल्दी से बोला- अरे ब्रेक फेल हो गये है तो क्या हुआ पहले

जल्दी से टैक्सी का मीटर तो बंद कर।

चुटकुला # 0935

सपना
रोहन अपने मित्र सोहन से, 'मेरा एक ही सपना है कि बड़ा होकर मैं भी अपने पिताजी की तरह वैज्ञानिक बनूं।'
इस पर सोहन ने पूछा, 'तो क्या तुम्हारे पिताजी वैज्ञानिक हैं?'
रोहन ने कहा, 'अरे नहीं यार, वह भी मेरी तरह सपने देखा करते थे।'

****

चुटकुला # 0936

मेरे भाई की शादी है!
एक बार जंगल के राजा शेर की शादी हुई। सब लोग खा पीकर नाच गाने में मस्त थे। बंदर ने देखा एक चूहा भी मस्त होकर नाच रहा है। बंदर ने पूछा कि तुम क्यूं नाच रहे हो। चूहे ने कहा -मेरे छोटे भाई की शादी है।
बंदर -लेकिन शेर कब से तुम्हारा भाई होने लगा।

चूहा - शादी से पहले मैं भी शेर था।
****

चुटकुला # 0937

सूरज पर जाना है
गुल्लू अपने दोस्त से बोला - दुनिया चांद पर जा पहुंची है। अब मैं सूरज पर जाऊंगा।
दोस्त - लेकिन तुम्हें पता है, सूरज के करीब जाने पर ही तुम पिघल जाओगे।
गुल्लू - अरे बेवकूफ मैं रात में जाऊंगा।
****
गैंगस्टर का बेटा
गैंगस्टर ने परीक्षा देकर लौटे बेटे से पूछा : पेपर कैसा रहा?
बेटा : डैडी, उन्होंने मुझसे तीन घंटे तक पूछा लेकिन मैंने उन्हें कुछ भी नहीं बताया।

****

चुटकुला # 0938

दूध में पानी...
प्रेमी : हम दोनों प्यार में ऐसे घुलमिल गए हैं, जैसे दूध में पानी।

प्रेमिका धीरे बोलो, वरना मिलावट कके आरोप में हम गिरफ्तार कर लिए जाएंगे।...

****

चुटकुला # 0939

पिता का नाम

टीचर ने बांकेलाल से उसके पिता का नाम अंग्रेजी में लिखने को कहा।

बांकेलाल ने लिखा - 'ब्युटीफुल रेड मेल अंडरवियर'

टीचर ने डांटते हुए पूछा - यह क्या मजाक है?

बांके ने मासूमियत से कहा - 'सर मेरे पिताजी का नाम सुंदर लाल चड्डा है।'

***_**

चुटकुला # 0940

..ये लो और बात खत्म करो

पुलिस कांस्टेबल ने अपने बेटे से रोबदार आवाज में कहा - परीक्षा में तुम्हारे कम मार्क्स क्यों आए है? मैं तुम्हारा टीवी, इंटरनेट, मोबाइल सब बंद कर दूंगा।

बेटे ने एक पचास रुपए का नोट निकालते हुए कहा - पापा ये रुपए लो और बात यहीं खत्म कर दो।

****

चुटकुला # 0941

कहां गिरे, कहां लगी?

स्कूल में टीचर ने रोहन से पूछा - कल क्यों नहीं आए थे?

रोहन - सर गिर गए, लग गई।

टीचर ने हड़बड़ा कर पूछा - कहां गिरे, कहां लगी?

रोहन - तकिए पर गिरे और आंख लग गई।

==========

चुटकुला # 0942

प्रभु की सेना में

जॉनी चर्च के सामने से गुजर रहा था कि दरवाजे पर खड़े फादर ने उसे बुला लिया। फादर जानी को चर्च के अंदर ले गए और बोले तुम्हें प्रभु की सेना में शामिल होना चाहिए। जॉनी बोला - फॉदर मैं तो पहले से ही प्रभु की सेना में हूं। फादर- परंतु मैंने तुम्हें कभी क्रिसमस और ईस्टर केअलावा नहीं देखा है?

जॉनी(फादर के कान में फुसफुसाते हुए)- मैं प्रभु की सीक्रेट सर्विस में हूं।

====

चुटकुला # 0943

बदलती दुनिया

अध्यापक(रवि से)- तुम्हारी टेस्ट कॉपी देखकर लगता है कि तुम भूगोल पर ध्यान नहीं देते हो। तुम्हारा क्या ख्याल है?

रवि- आप सही कह रहे हैं सर! मेरे पिताजी भी कहते हैं कि दुनिया रोज बदल रही है, इसलिए मैं इसके पूरी तरह से स्थिर होने का इंतजार कर रहा हूं।

==============

चुटकुला # 0944

...ड्राइवर तो मर गया

पप्पू की कलाई घड़ी अचानक बंद हो गई। घड़ी खोलकर उसने देखा तो उसमें मरा हुआ मच्छर निकला। इस पर वह जोर-जोर से रोने लगा। पप्पू की मम्मी बोली- बेटा तुम इतना रो क्यों रहे हो, घड़ी ठीक करवा दूंगी और यह फिर चलने लगेगी।

पप्पू- लेकिन मम्मी! घड़ी कैसे चलेगी? इसका तो ड्राइवर ही मर गया।

====

चुटकुला # 0945

निखार

मीना ने अपनी सहेली रीना से कहा, 'तुम्हारे पति का रंग दिन प्रति दिन निखरता जा रहा है, इसका क्या राज है?, 'रीना ने कहा, पहले मेरे वो कोयले की दुकान पर काम करते थे, लेकिन अब आटे की चक्की चलाते हैं।'

===

चुटकुला # 0946

गाय और ग्वाला

कक्षा में घुसते ही टीचर ने कहा- आज का विषय है गाय। फिर लंबा भाषण देने के बाद टीचर ने पिंटू से पूछा- गाय और ग्वाले में क्या अंतर है?

काफी सोच-समझकर पिंटू बोला- सर! गाय जब भी दूध देती है शुद्ध देती है और ग्वाला जबभी दूध देता है पानी मिलाकर।

====

चुटकुला # 0947

नौकर ने मालिक से कहा

नौकर और शराबी मालिक एक नाव से घर लौट रहे थे तभी नाव में एक छेद हो गया। परेशान नौकर ने मालिक से कहा- मालिक नाव में एक छेद हो गया है। मालिक- परेशान न हो नाव के दूसरे सिरे में भी एक छेद बना दो और एक पर 'अंदर' और दूसरे पर 'बाहर' लिख दो। एक से पानी अंदर आएगा तो दूसरे से बाहर निकल जाएगा।

====

चुटकुला # 0948

जौहरी से पूछा...

एक जौहरी की दुकान से मोहन ने अपनी गर्लफ्रेंड केलिए एक कीमती हार खरीदा। जौहरी ने पूछा क्या इस पर आपकी महबूबा का नाम भी लिखवा दूं। मोहन ने कुछ पल सोचा फिर तुरंत बोला - नहीं। इसकी जरूरत नहीं है। आप इस पर लिखिए 'मेरी प्राणों से प्यारी' । जौहरी ने पूछा नाम लिखने में हर्ज क्या है? मोहन- यदि महबूबा केसाथ अपनी पटरी नहीं बैठी और वो गुस्से में हार को फेंक दे तो उस हार का मैं फिर से उपयोग कर सकूं।

====

चुटकुला # 0949

नेताजी कहिन..

नेताओं से भरी बस एक गांव में एक पेड़ से टकरा गई। टक्कर की आवाज सुनकर पास की झोपड़ी से एक वृद्ध किसान बाहर आया। फिर उसने एक बड़ी कब्र खोदी और सभी को उसमें दफना दिया। कुछ दिन बाद उस शहर के मेयर उधर से गुजर रहे थे तो दुर्घटनाग्रस्त बस को देखा तो वृद्ध किसान से पूछा- क्या सभी लोग मारे गए?
किसान- हां! साब। लेकिन उसमें कुछ कह रहे थे कि वे जिंदा हैं। भला आप ही बताइए कहीं नेता भी सच बोलते हैं।
====
चुटकुला # 0950
ट्रक नम्बर
रोहित और मोहित मिस्र में एक ममी को देख रहे थे।
रोहित ने मोहित से कहा, 'देखो यार ममी पर बहुत ज्यादा पट्टी बंधी हुई है, लगता है यह किसी भीषण हादसे में मरा है।'
इस पर मोहित ने कहा, 'आहो!, 'इसे टक्कर मारने वाले ट्रक का नम्बर भी लिखा है 'बीसी-1740'
====
चुटकुला # 0951
ब्लड ग्रुप
डॉक्टर ने विजय से पूछा, आपका और आपकी बीवी का ब्लड ग्रुप एक ही है?
विजय ने कहा, होगा, जरूर होगा, आखिर वह मेरा 25 साल से खून जो पी रही है।
====
चुटकुला # 0952
रिश्ता मंजूर नहीं
एक हाथी को चींटी से प्यार हो गया। हाथी चींटी के प्यार में लगभग पागल सा हो गया। हाथी के घरवाले चींटी के घर शादी की बात करने गए। लेकिन चींटी के घरवालों ने कहा - हमें रिश्ता मंजूर नहीं। लड़केवालों ने अचंभे में पूछा - जी क्यो?
लड़कीवालों ने जवाब दिया - सब कुछ तो ठीक ठाक है लेकिन लड़के के दांत जरा बाहर हैं।
====
चुटकुला # 0953
तीली नहीं जल रही
एक सरदार अपने बेटे से बोला, बेवकूफ कैसी माचिस लाया है, एक भी तीली नहीं जल रही है।
बेटे ने तपाक से कहा : पिताजी ऐसा कैसे हो सकता है, मैं तो एक-एक तीली चैक करके लाया हूं।
====
चुटकुला # 0954
आज क्या पिया है?
पत्नी अपने पति से, 'जब तुम देसी शराब पीते हो तो मुझे 'पारो' कहते हो', जब इंग्लिश पीते हो तो डार्लिंग कहते हो, आज क्या पिया है जो मुझे चुड़ैल कह रहे हो।' इस पर पति ने कहा, 'आज मैं होश में हूं।'
====

चुटकुला # 0955

चिंग चांग माऊ...

बांकेलाल का एक चाईनीज दोस्त हॉस्पीटल में था। बांके अपने दोस्त को देखने हॉस्पीटल गया। वह अपने चाईनीज दोस्त को बड़ी हमदर्दी के साथ देख रहा था। इतने में उसका दोस्त चिल्लाया- 'चिंग चांग माऊ चू चा' और मर गया। बांके इसका मतलब जानने चीन गया तो अवाक रह गया। इसका मतलब था- कमीने ऑक्सीजन के पाईप से पैर हटा।

====

चुटकुला # 0956

दाल- रोटी का गणित

बांकेलाल एक होटल में खाली कटोरी में रोटी डुबोकर मजे में खा रहा था।

वेटर ने आश्चर्य से पूछा - ये कैसे खा रहे हो।

बांके ने कहा - मैं गणित का टीचर हूं। दाल मैंने सपोज की हुई है।

====

चुटकुला # 0957

बीबी का फोन!

मेवाराम काफी देर से मोबाइल पर बातें कर रहा था। सेवाराम ने चुटकी ली - क्यों भई इतनी देर से किससे बातें कर रहे हो?

मेवाराम - बीबी से।

सेवाराम ने हैरानी से कहा - इतने प्यार से?

मेवाराम - तुम्हारी है।

====

चुटकुला # 0958

आई लव यू

एक लड़के ने लड़की से कहा, 'प्रिये, मैं तुम्हें बहुत ज्यादा प्यार करता हूं। प्लीज मुझे आई लव यू कहो ना।'

इस पर लड़की ने शरमाकर कहा, 'आई लव यू।' 'पता है हमारे प्रिंसिपल साहब भी कहते हैं 'लव द एनिमल्स'।'

==

चुटकुला # 0959

बंजर

कक्षा में शिक्षक ने बच्चों से पूछा, 'बताओ बंजर किसे कहते हैं?'

इस पर रोहन ने उत्तर दिया, सर, 'जिस पर कुछ भी न उग सके '

शिक्षक ने तारीफ करते हुए कहा, 'बहुत खूब।' अच्छा, 'किसी बंजर जगह का उदाहरण दो।'

रोहन ने कहा, 'आपका सिर।'

==

चुटकुला # 0960

बीबी के नाम एक पैगाम...

बांकेलाल ऑफिस से जल्दी घर आ गया। पड़ोसी ने बताया कि पत्नी उसके ही किसी दोस्त के साथ फिल्म देखने गई है।
बांकेलाल ने सिनेमा हॉल पहुंचकर मैनेजर से इंटरवल के दौरान एक घोषणा करवाई - 'मेरी पत्नी जो मेरे दोस्त के साथ फिल्म देखने आई है, जल्द से जल्द घर लौट आए, एक इमरजेंसी है'।
घोषणा के बाद आधा हॉल खाली हो गया।

==

चुटकुला # 0961

अंदर जाने के लिए...

बांकेलाल परीक्षा भवन के गेट के पास खड़े होकर परीक्षा के पर्चे लिख रहा था।
एक आदमी ने आश्चर्य से पूछा - बांके गेट के बाहर खड़े होकर पेपर क्यों लिख रहे हो?
बांके ने तमकते हुए कहा - बेवकूफ, एंट्रेंस टेस्ट दे रहा हूं।

==

चुटकुला # 0962

शादी का प्रस्ताव!

एक बार दुनिया की सबसे खुबसूरत महिला, दुनिया के सबसे बुद्धिमान लेकिन कुरूप पुरूष से मिली। महिला ने पुरूष के सामने शादी का प्रस्ताव रखते हुए कहा - हमारी जो संतान पैदा होगी वह मेरी जैसी सुन्दर और आप जैसी बुद्धिमान होगी।
इस पर कुरूप पुरूष ने तपाक से कहा - अगर उल्टा हो गया तो।

==

चुटकुला # 0963

कल ले लेना!

एक भिखारी ने बांकेलाल के घर का दरवाजा खटखटाया और बोला - साहेब एक रुपया दे दो।
बांकेलाल - कल ले लेना आज छुट्टे नहीं हैं।
भिखारी - इस कल कल के चक्कर में साहेब मार्केट में मेरे लाखों रुपए फंसे हुए हैं।

===

चुटकुला # 0964

बिजली चमकी!

बीबी का अंतिम संस्कार करके बांकेलाल घर वापस लौट ही रहा था कि तभी तेज हवाएं चलने लगी, बिजली चमकी, बादल गरजे और फिर काफी तेज बारिश शुरू हो गई।
बांकेलाल ने आसमान की तरफ देखकर लंबी सांस ली और बोला- लगता है पहुंच गई उपर।

===

चुटकुला # 0965

हम भी डॉन हैं !

बांकेलाल किसी बात को लेकर अपनी बीबी से झगड़ रहा था। बीबी ने झगड़े को टालते हुए कहा - मेरे इरादे बड़े नेक हैं, आप हजारों में एक हैं।

बांके ने तपाक से कहा - दिमाग के हम भी डॉन हैं, बस इतना बता दो कि बाकी के नौ सौ निन्यानवे कौन हैं?

===

चुटकुला # 0966

कहां है मेरा गिफ्ट !

बांकेलाल दुकान में घुसते ही चिल्लाया - मुंशी जी कहां है मेरा गिफ्ट?
दुकानदार - कौन सा गिफ्ट?
बांके - कल जो मैंने मिनरल वाटर की बोतल खरीदी थी उस पर फ्री गिफ्ट था, वो कहां है?
दुकानदार - उस पर कोई गिफ्ट नहीं है।
बांके चिल्लाया : बेवकूफ समझते हो! बोतल पर साफ साफ लिखा था - 100 प्रतिशत बैक्टीरिया फ्री।

===

चुटकुला # 0967

आई आई पंजाब मेल....

बांकेलाल और उसकी पत्नी रेलवे स्टेशन पर काफी देर से गाड़ी का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही पंजाब मेल स्टेशन पर आकर लगी, बांकेलाल फुर्ती से ट्रेन में चढ़ गया और तुरंत पत्नी को भी ट्रेन में चढ़ने को कहा। लेकिन पत्नी ने चढ़ने से साफ मना कर दिया। बांके हैरान था, इतने में ट्रेन चल पड़ी तो उनकी बीबी ने जोर से चिल्लाकर कहा - चिंता मत करना प्रिय जैसे ही पंजाब फ ीमेल आएगी मैं उसमें चढ़ कर आ जाऊंगी।

==

चुटकुला # 0968

इससे तो भूत ही भले...

सुबह सुबह परेशान और बेहाल बांकेलाल अपने दोस्त तोताराम के घर जा पहुंचा। तोताराम ने बांकेलाल से उसकी परेशानी का कारण पूछा।
बांकेलाल : क्या बताऊं दोस्त, आजकल रातों को मुझे भूत सताने लगे हैं और इसके चलते मैं कई रातों से सो नहीं पाया हूं।
तोताराम : बस इतनी सी बात, तुम मेरी तस्वीर ले जाओ और अपने कमरे में लगा दो, भूत तुम्हारे पास नहीं फटकेंगे।
बांकेलाल : रहने दो भाई, इससे तो भूत ही भले।

===

चुटकुला # 0969

क्या सही निशाना लगाया

एक आदमी टेलीस्कोप से आसमान देख रहा था।
बांकेलाल ने उसको बड़ी सावधानी से देखा। आगे से देखा, पीछे से देखा और फिर आसमान की ओर देखा।

तभी अचानक एक तारा टूटा, तो बांकेलाल जोर से चिल्लाया - क्या सही निशाना लगाया बॉस।
===
चुटकुला # 0970
डरने की क्या बात!
रात को कब्रिस्तान में एक आदमी कब्र के ऊपर बैठा हुआ था। इतने में एक मुसाफिर उधर से गुजरा और पूछा : इतनी रात को कब्रिस्तान में बैठे हो, तुम्हें डर नहीं लगता?
आदमी बोला, इसमें डरने की क्या बात है। कब्र के अंदर गरमी हो रही थी इसलिए थोड़ी देर के लिए बाहर आ गया।

===
चुटकुला # 0971
शुभचिंतक
अचानक पति महोदय ने पत्नी को बताया, 'मैंने आज रात को एक दोस्त को खाने पर बुलाया है।'
पत्नी गुस्से से तमतमाई, 'तुम्हें हो क्या गया है, घर कैसे फैला हुआ है, मैं शॉपिंग के लिए भी नहीं गई, बर्तन भी गंदे पड़े हैं और खाना भी आज अच्छा नहीं बनने वाला।'
पति ने कहा, 'मुझे पता है।'
'फिर तुमने अपने दोस्त को क्यों बुलाया?'
पति का जवाब था, 'क्योंकि वह बेवकूफ शादी करना चाहता है।'
===
चुटकुला # 0972
क्योंकि सास भी कभी...
नौकरानी ने सुशीला से कहा, मेमसाब गजब हो गया। पड़ोस की तीन औरतें बाहर आपकी सास को पीट रहीं हैं। सुशीला नौकरानी के साथ बालकनी में आई और चुपचाप तमाशा देखने लगी। नौकरानी ने पूछा, आप मदद करने नहीं जाएंगी?
सुशीला: नहीं ! तीन ही काफी हैं।
===
चुटकुला # 0973
खुल नहीं रही है ...
ट्रेन में ऊपर की बर्थ पर बैठे एक बूढे बाबा बार बार बाथरूम जा रहे थे।
नीचे की बर्थ पर बैठी महिला ने परेशान होकर पूछा - आपको चैन नहीं है।
बूढे ने बड़ी बैचेनी से कहा - चेन तो है लेकिन खुल नहीं रही है।
====
चुटकुला # 0974
छाता भूल गया...
पति पत्नी से, अजी, आज तो मैं छाता ले जाना ही भूल गया
पत्नी : पर आपको ये बात पता कब चली।
पति : मुझे पता तब चला, जब बारिश खत्म हुई तो मैंने छाता बंद करने के लिए अपना हाथ ऊपर उठाया।

====

चुटकुला # 0975

हथकड़ी क्यों?

तीन लड़के मरने के बाद यमलोक पहुंचे जहां उनके कर्मो के आधार पर फल बांटे जा रहे थे। यमदूत पहले लड़के को यमराज के सामने लाए। उन्होंने पूछा, इसका कसूर क्या है। यमदूत ने कहा, इसने अपने जीवनकाल में एक चींटी की हत्या की है। यमराज ने एक बदसूरत लड़की को बुलवाया और कहा इसे इस लड़के के साथ हथकड़ी से बांधकर छोड़ दो। फिर दूसरे लड़के को पेश किया गया। यमराज ने पूछा, इसका कसूर? यमदूत ने बताया, इसने भी एक चींटी को मारा है। यमराज ने फिर एक बदसूरत लड़की को बुलवाया और कहा, इन दोनों को भी हथकड़ी से बांधकर छोड़ दो।

उसके बाद तीसरे लड़के का नंबर आया। यमदूतों ने बताया कि इसने अपने जीवन में कोई गुनाह नहीं किया है। फिर यमराज ने एक बेहद खूबसूरत लड़की को बुलवाया और कहा, इसे इस लड़की के साथ हथकड़ी से बांधकर छोड़ दो। लड़के ने आश्चर्य जताते हुए पूछा, जब मैने कोई गुनाह नहीं किया तो यह हथकड़ी क्यों? यमराज ने कहा, इस लड़की ने अपने जीवन में एक चींटी को मारा था।

===

चुटकुला # 0976

चांद दूर है या आस्ट्रेलिया?

भूगोल की क्लास में टीचर ने अंकुर से पूछा : बताओ चंद्रमा दूर है या आस्ट्रेलिया?

अंकुर: मैम ! आस्ट्रेलिया ज्यादा दूर है

टीचर (चौंकते हुए): वो कैसे?

अंकुर : क्योंकि चंद्रमा रात को दिखाई देता है पर आस्ट्रेलिया कहीं नहीं दिखता।

===

चुटकुला # 0977

दांत उखड़वाना है...

पति-पत्नी डेंटिस्ट के पास पहुंचे। पत्नी ने कहा, डॉक्टर साहब दांत निकलवाना हैं। जरा जल्दी में हूं। इसलिए बिना किसी पेन किलर का प्रयोग किए दांत को जल्द से जल्द उखाड़ डालिए।

डॉक्टर : अरे वाह ! आप तो बहुत बहादुर महिला हैं, दिखाइये तो जरा, कौन सा दांत निकलवाना है।

पत्नी ने पास बैठे पति से कहा : ऐ जी जरा मुंह खोलो और डॉक्टर साहब को दांत दिखाओ।

==

चुटकुला # 0978

कबूतर जा..जा..जा

एक प्रेमी, कबूतर के पैर में संदेश बांधकर अपनी प्रेमिका के पास भेजा करता था। एक दिन उसने बिना संदेश के ही कबूतर भेज दिया। मिलने पर प्रेमिका ने पूछा, तुमने कोई संदेश क्यों नहीं भेजा? प्रेमी ने जवाब दिया-मैने मिस कॉल की थी

==

चुटकुला # 0979

क्या बजा होगा...

अमेरिका के गांव में लोग कुछ इस तरह बात करते हैं। अरे रात के दस बज गए, पता नहीं मेरा बेटा कहां होगा।
इंगलैंड में कुछ ऐसा कहते हैं। अरे रात के दस बज गए पता नहीं मेरा पति कहां होगा।
पेरिस में कुछ यूं कहते हैं। अरे रात के दस बज गए, पता नहीं मेरी पत्नी कहां होंगी।
और हिंदुस्तान में कुछ इस तरह कहते हैं। अरे इतनी रात हो गई, पता नहीं क्या बजा होगा।
===
चुटकुला # 0980

गंजापन

रमेश ने मम्मी से कहा, 'पापा तो बिल्कुल गंजे हैं।' इस पर मम्मी ने कहा, नहीं बेटा, पापा को ऐसा नहीं कहते। बेटा क्या तुम जानते हो, जिसके सिर पर बाल नहीं होते, वह बहुत ही तेज और बुद्धिमान इंसान होता है। रमेश ने कहा, अब मैं समझा कि पापा आपको बुद्धू क्यों कहते हैं।
===
चुटकुला # 0981

कहीं एक खो गया तो...

तेजा सिंह ट्रेन में दो टिकट लेकर चल रहा था। टीटीई के मांगने पर उसने दोनों दिखाए।
टीटीई : जब तुम अकेले हो तो दो टिकट क्यों?
तेजा : कहीं एक खो गया तो...!
टीटीई : और अगर दोनों खो गए तो?
तेजा : तब पास दिखा दूंगा?
===
चुटकुला # 0982

हिदायत

मां ने रोहन को बाजार भेजा और हिदायत देते हुए कहा, बेटा, 'जरा ध्यान से सामान खरीदना, कहीं दुकानदार तुम्हारी आंखों में धूल न झोंक दे?' इस पर रोहन ने कहा, 'मां तुम चिंता मत करो, दुकान पर चढ़ने से पहले ही चश्मा लगा लूंगा।'
===
चुटकुला # 0983

नकल

परीक्षा देकर निकले रोहन ने सोहन से पूछा, कैसा रहा तुम्हारा पेपर?
सोहन: मैने तो कुछ लिखा ही नहीं। सादी कॉपी जमा कर दी। तुम्हारा कैसा रहा?
रोहन : मैने भी बिना कुछ लिखे कॉपी जमा कर दी।
सोहन : यार फिर तो एक्जामिनर सोचेगा, हमने नकल की है।
===
चुटकुला # 0984

गिफ्ट

गुस्से से तमतमाई पत्नी ने पति से पूछा, 'शादी से पहले तुम मुझे हमेशा कुछ न कुछ गिफ्ट लाकर दिया करते थे, लेकिन अब क्यों नहीं देते?' इस पर पति ने कहा, 'अरे

भागवान तुमने कभी सुना है कि मछली पकड़ने के बाद भी किसी मछुआरे ने उसे चारा खिलाया हो।'
===
चुटकुला # 0985
तकलीफ
रोगी : डॉक्टर साहब, आपने सिर, बदन और जोड़ों में होने वाला दर्द बिलकुल ठीक कर दिया। अब एक तकलीफ रह गई है कि मुझे पसीना नहीं आता।
डॉक्टर : चिंता मत करें, मेरा बिल देखकर आपकी यह तकलीफ भी दूर हो जाएगी।
====
चुटकुला # 0986
घड़ी
नाराज ग्राहक ने दुकानदार से कहा, 'ये लो अपनी घड़ी, जब से ले कर गया हूं, तभी से बंद पड़ी है।'
इस पर दुकानदार ने कहा, 'साहब, यह तो मैंने घड़ी ले जाते समय ही कहा था कि यह एक सैकंड भी इधर-उधर नहीं खिसकेगी। '
===
चुटकुला # 0987
खर्च
मोनिका ने अपनी सहेली सीमा से कहा, 'मैं अमेरिका जाने के बारे में सोच रही हूं। क्या तुम्हें मालूम है कि इसमें कितना खर्च आएगा?'
सीमा ने कहा, 'कुछ भी नहीं। 'मोनिका ने पूछा, 'क्यों?'
सीमा ने कहा, 'अरी पगली सोचने का पैसा नहीं लगता।'
===
चुटकुला # 0988
मेहनत
क्लास में टीचर ने एक छात्रा को नकल करते हुए पकड़ा और उससे कहा, 'तुमने जितनी मेहनत इन नकल की पर्चियों को बनाने में की है, अगर उतनी पढ़ाई करने में की होती, तो अवश्य पास हो जाती।
इस पर छात्रा ने कहा, जी, 'मैं मेहनत से जी नहीं चुराती।'
=====
चुटकुला # 0989
बोलती बंद
पार्टी में रेश्मा ने अपनी सहेली मीना से कहा, देखो, 'वह नौजवान कितना बोलता है। लगातार बोलता ही जा रहा है।' इस पर मीना ने कहा, 'एक सप्ताह बाद उसकी बोलती बंद हो जाएगी।'
रेश्मा ने पूछा, 'वो कैसे?
मीना ने कहा, 'अगले हफ्ते मैं उससे शादी जो करने जा रही हूं।'
====
चुटकुला # 0990
कितनी मुर्गियां हैं थैले में?

भेजा सिंह ने तेजा सिंह से पूछा, इस थैले में क्या लिए जा रहे हो?
तेजा ने कहा, मुर्गियां हैं
भेजा: अच्छा! अगर मैं बता दूं कि इस थैले में कितनी मुर्गियां हैं तो मुझे कितनी दे दोगे?
तेजा: दोनों दे दूंगा
भेजा ने जवाब दिया : पांच मुर्गियां हैं?
===
चुटकुला # 0991

चाय पत्ती कहां से आती है?

टीचर ने क्लास में सबसे पीछे बैठे एक छात्र को खड़ा किया और पूछा, असम किस लिए प्रसिद्ध है?
छात्र: सर मुझे नहीं पता।
टीचर: अच्छा मैं तुन्हें एक हिंट देता हूं। बताओ, तुम्हारे घर चाय पत्ती कहां से आती है?
छात्र ने हिचकिचाते हुए कुछ कहना चाहा लेकिन चुप हो गया

टीचर: हां हां बोलो! मुझे पता है तुम बता दोगे।
छात्र: पड़ोस वाले अंकल के यहां से

==
चुटकुला # 0992

जान

एक साहब छुट्टी के दिन चारपाई पर लेटकर किताब पढ़ रहे थे। तभी उनकी बीवी भी कुर्सी लेकर उनके पास बैठ गई। बीवी को मियां पर प्यार आया और उन्होंने अपना एक पैर मियां के ऊपर रख दिया। अब मियां का सांस लेना दुश्वार हो गया। उन्होंने बड़े ही प्यार से बीवी से पूछा।
जरा बताओ तो जब किसी की जान निकल रही हो। तुम्हारा क्या ख्याल है कि उसे धीरे धीरे मरना चाहिए या उसकी जान एकदम निकल जाए।
पत्नी ने कुछ सोच कर कहा, मेरे ख्याल से जान तो एकदम से निकले तो ही अच्छा।

==
चुटकुला # 0993

टेंपोरेरी और परमानेंट

दो दोस्त बैठकर शराब पी रहे थे। एक दोस्त ने जब ज्यादा शराब पी ली तो दूसरे ने कहा कि यार जब तुम ज्यादा शराब पी लेते हो तो अपनी सुध-बुध खो बैठते हो। ज्यादा पीने पर तुन्हें परमानेंट और टेंपोरेरी तक का ख्याल नहीं रहता।
इस पर दूसरे ने जवाब दिया। तुम्हारा यह ख्याल बिलकुल गलत है दोस्त। अब सुनो मेरा नशा टेंपोरेरी है और तुम्हारी बेवकूफी परमानेंट।
==
चुटकुला # 0994

एक सवाल

गणित के शिक्षक ने बच्चों से कहा, 'कल मैं तुम सभी को एक सवाल दूंगा। सब के सब तैयारी करके आना।
दूसरे दिन शिक्षक ने पूछा, 'बताओ तुम्हारे सिर पर कितने बाल हैं?
एक छात्र ने जवाब दिया, 'छह करोड़, चालीस लाख, पांच हजार, सात सौ पचास, सर।'
शिक्षक ने कहा, 'यह तुमने कैसे गिने?'
छात्र ने कहा, 'यह तो दूसरा सवाल हो गया सर, आपने तो एक ही सवाल की तैयारी करके आने को कहा था।'

==

चुटकुला # 0995

एक सवाल

गणित के शिक्षक ने बच्चों से कहा, 'कल मैं तुम सभी को एक सवाल दूंगा। सब के सब तैयारी करके आना।
दूसरे दिन शिक्षक ने पूछा, 'बताओ तुम्हारे सिर पर कितने बाल हैं?
एक छात्र ने जवाब दिया, 'छह करोड़, चालीस लाख, पांच हजार, सात सौ पचास, सर।'
शिक्षक ने कहा, 'यह तुमने कैसे गिने?'
छात्र ने कहा, 'यह तो दूसरा सवाल हो गया सर, आपने तो एक ही सवाल की तैयारी करके आने को कहा था।'

==

चुटकुला # 0996

एक एक कर खड़ें हो...

एक मोटा आदमी शहर घूमने गया। वहां प्लेटफार्म पर रखी वजन करने वाली मशीन पर लिखा था-मैं आपका वजन कर सकती हूं। कृपया एक रुपए का सिक्का डालिए। मोटा आदमी मशीन पर चढ़ गया और सिक्का डाला। फौरन मशीन से एक कार्ड निकला।
जिस पर लिखा था- सावधान ! कृपया एक एक करके खड़े हो, एक साथ नहीं।

==

चुटकुला # 0997

किस्मत देखिए...

पार्क में तीन बुजुर्ग बैठकर अपने अपने बेटों की तारीफ कर रहे थे।
पहला बुजुर्ग : मेरा बेटा बड़ा ही मेहनती है। उसने अपने कैरियर की शुरूआत एक कार कंपनी में कार धोने के काम से की। किस्मत देखिए कि आज वो उसी कंपनी का मालिक है और अभी हाल ही में उसने अपने एक दोस्त को चार कारें तोहफे में दी हैं।
दूसरा बुजुर्ग बोला -अजी मेरा बेटा तो और ज्यादा मेहनती है। उसने एक शेयर ब्रोकर की कंपनी में खाना परोसने के काम से कैरियर शुरू किया और किस्मत देखिए अब वो उसी कंपनी का मालिक है। हाल ही में उसने अपने एक दोस्त को एक करोड़ रुपए के शेयर उपहार में दिए हैं।
तीसरा बुजुर्ग काफी देर से सुन रहा था। वह बोला - अजी मेरा बेटा तो कतई मेहनती नहीं, उसने अपनी जिंदगी के बेहतरीन साल दोस्तों के साथ गुजार दिए। लेकिन किस्मत देखिए, अभी हाल ही में उसके एक दोस्त ने उसे चार कारें तोहफे में दी और एक दोस्त ने एक करोड़ के शेयर दे दिए।

==

चुटकुला # 0998

आईना

मुकेश ने अपने दोस्त रवि से कहा, 'यार, तुम्हारी पत्नी को मैं हमेशा रसोईघर में देखता हूं। लगता है, उन्हें तरह-तरह के व्यंजन पकाने का शौक है।

रवि : 'नहीं यार, दरअसल हमारे घर में एक ही आईना है और वह किचन में ही लगा हुआ है।'

==

चुटकुला # 0999

पानी का रासायनिक सूत्र

टीचर ने गोलू से पूछा, पानी का रासायनिक सूत्र क्या होता है?

गोलू : एच, आई, जे, के, एल, एम, एन, ओ

टीचर: ये क्या है?

गोलू: सर आपने ही तो बताया था कि पानी का रासायनिक सूत्र 'एचटूओ' होता है।

== चुटकुला # 1000

झूठ

क्लास में दो छात्र आपस में झगड़ रहे थे तो उनके अध्यापक ने कारण पूछा।

एक छात्र : हमें सड़क पर सौ रुपए का नोट मिला। तब हमने तय किया कि जो बड़ा झूठ बोलेगा, उसे ही नोट मिलेगा।

अध्यापक : तुम दोनों को शर्म आनी चाहिए। जब मैं तुम्हारी उम्र का था तो मुझे झूठ का मतलब भी नहीं पता था।

इस पर दूसरे छात्र ने चुपचाप सौ का नोट अध्यापक के हाथ पर रख दिया।

==

चुटकुला # 1001

बाप-बेटे हमउम्र!

शिक्षक ने छात्र से पूछा- तुम्हारे पिताजी की उम्र कितनी है?

छात्र ने कहा- जितनी मेरी उम्र है।

शिक्षक ने आश्चर्य जताते हुए कहा, ये कैसे हो सकता है?

छात्र: सर, जिस दिन मैं पैदा हुआ था, उसी दिन वे पिता बने थे।

==

चुटकुला # 1002

धन प्राप्ति

एक आदमी ने अपना हाथ ज्योतिषी को दिखाया। ज्योतिषी ने कहा, 'आज तुम्हारी पत्नी को धन की अवश्य प्राप्ति होगी।' इस पर आदमी ने रोनी सी सूरत बनाते हुए कहा, 'आप सच कह रहे हैं महाराज, आज मैं अपना बटुआ घर पर ही भूल आया हूं।'

==

चुटकुला # 01003

डर

रमेश अपनी मम्मी से : मम्मी आज मेरा दोस्त विजय घर आ रहा है। अपने घर के चम्मच, खिलौने और गुलदस्ते सब कुछ अलमारी में छिपा दो।
मम्मी : वो किस लिए रमेश बेटा? क्या तुम्हारा दोस्त चोर है?
रमेश : नहीं मम्मी, मुझे डर है कि कहीं वो अपनी चीजों को पहचान न ले।

==
चुटकुला # 01004

फैसला

एक इमरजेंसी के दौरान हेलीकॉप्टर की रस्सी से एक लड़की और दस लोग लटक रहे थे। हेलीकॉप्टर चालक ने कहा कि रस्सी 11 लोगों को बोझ नहीं संभाल सकती, अतः एक व्यक्ति को कूदना होगा। अब सवाल उठा कि कौन कूदे। आखिरकार लड़की फैसला किया कि वह कूद जाएगी। लड़की ने यह कहते हुए अपना मार्मिक भाषण समाप्त किया कि वह दूसरों की जान बचाने के लिए अपनी जान को संकट में डाल रही है। ज्योंहि उसका भाषण समाप्त हुआ, अन्य सभी ताली बजाने लगे।
==
चुटकुला # 01005

ब्लड ग्रुप

बीमार पत्नी को पति ने अस्पताल में भरती कराया। डॉक्टर ने पति से पूछा, 'क्या आपका और आपकी पत्नी का ब्लड ग्रुप एक ही है। '
पति ने कहा, 'होगा, जरूर होगा! आखिरकार 25 साल से मेरा खून जो पी रही है। '

==
चुटकुला # 01006

इमरजेंसी

ऑफिस के 25वीं फ्लोर पर खड़े बॉस ने पहले फ्लोर पर बैठे अपने क्लर्क को एक फाइल ऊपर लाने को कहा। साथ ही यह भी कहा कि चूंकि इमरजेंसी है अतः फाइल जल्दी लाए।
करीब आधा घंटा बाद क्लर्क हाथ में फाइल लिए पसीने से तरबतर हांफता हुआ ऊपर पहुंचा।
बॉस : बेवकूफ इतनी देर कहां लगाई।
क्लर्क : जी मैं तो लिफ्ट से ही आना चाहता था लेकिन लिफ्ट के गेट पर लिखा था- इमरजेंसी के समय सीढ़ियों का इस्तेमाल करें।
==
चुटकुला # 01007

अमिताभ की हालत क्यों बिगड़ी?

रात को अमिताभ के पेट में दर्द उठा। किसी ने 'हिमानी पेन रीलीफ' लगाने की सलाह दी । अमिताभ ने कहा इससे काम नहीं चलेगा क्योंकि 'दर्द में कुछ खास है'। लगता है ठंड लग गई है कहीं से 'बोरो प्लस' ले आओ। बोरो प्लस का पूरा ट्यूब खत्म हो गया लेकिन हालत जस की तस। किसी ने कहा, लगता है अमित जी डाबर च्वयनप्राश नहीं खाते। दर्द से कराहते अमिताभ ने कहा, अब मैं नहीं बचूंगा। हितैषियों ने कहा, बचेंगे क्यों नहीं बच्चन जी, ये लीजिए

दो बूंद जिंदगी की। अमिताभ ने राहत की सांस ली और कहा, ये प्यास है बड़ी। फिर क्या था पेप्सी की दो चार बोतलें गटक ली।
==
चुटकुला # 01008

शेर को भूख नहीं

खरगोश और शेर रेस्त्रां में पहुंचे और एक ही मेज पर बैठे।
खरगोश ने वेटर को बुलाकर कहा-कुछ गाजरें मेरे लिए ले आओ।
वेटर ने कहा यस सर, और शेर के लिए ?
खरगोश ने कहा : शेर को भूख नहीं है।
वेटर ने कहा, ऐसा क्यों।
खरगोश- तुम्हें क्या लगता है कि यदि उसे भूख लगी होती तो क्या मैं उसके साथ यहां बैठा होता।
==
चुटकुला # 01009

तनाव से मुक्ति

अपने बच्चों की शरारतों से परेशान मां को मनोवैज्ञानिक ने सुझाव दिया, 'आप नियमित तौर पर तनाव से मुक्त करने वाली गोलियां लीजिए और बच्चे से ध्यान हटाइए'
अगली बार जब वह डॉक्टर के पास वे आईं तो डॉक्टर ने पूछा, 'अब आप शांत हैं?'
'जी हां डॉक्टर साहब।'
'आपका बेटा कैसा है, शरारतें तो नहीं करता?'
'अजी छोड़िए, परवाह कौन करता है।'
==
चुटकुला # 01010

केवल एक बार

पैराशूट पहने एक सैनिक से उसके ऑफिसर ने पूछा कि तुमने कितनी बार हवाई जहाज से छलांग लगाई है?
सैनिक : केवल एक बार।
ऑफिसर : लेकिन सर्विस रिकार्ड के मुताबिक तुमने तो 10 बार छलांग लगाई है।
सैनिक : बाकी 9 बार तो मुझे धकेला गया था।
==
चुटकुला # 01011

सफलता का राज

सेल्समैन रामेश ने अपने साथी विनय से पूछा, - यार तुम कंपनी के एक सफल सेल्समैन हो। तुम्हारी इस सफलता का क्या राज है? विनय ने कहा, जब कभी मैं किसी का दरवाजा खटखटाता हूं और अंदर से किसी भी उम्र की महिला निकले उससे मैं यही कहता हूं कि मिस क्या आपकी मम्मी घर में है?
==
चुटकुला # 01012

मंत्री की पत्नी

जैसे ही विधायक को यह पता चला कि वह मंत्री बनने जा रहा है, उसने तुरंत अपने घर फोन किया और पत्नी से बोला - क्या तुम एक मंत्री की पत्नी कहलवाना पसंद करोगी?
पत्नी ने चहककर कहा - हां-हां, मैं आप से शादी करने को बिल्कुल तैयार हूं, मगर यह तो बताइए कि आप कौन साहब बोल रहे हैं।

==
चुटकुला # 01013

आबादी पर रोक

जनसंख्या दिवस पर टीचर ने क्लास में कहा, देश की बढ़ती आबादी का अंदाजा तुम इस बात से लगा सकते हो कि यहां हर दस सेकेंड में एक महिला बच्चे को जन्म देती है।
एक छात्र खड़ा हुआ और बोला, मैम! उस महिला को तो जेल में डाल देना चाहिए।

==
चुटकुला # 01014

गाड़ी प्लेटफार्म पर आ रही है

स्टेशन पर गाड़ी के आने की जैसे ही घोषणा हुई बांकेलाल पटरी पर कूद गया। उसकी पत्नी ने कहा- पागल हो गए हो क्या? गाड़ी आ रही है मर जाओगे।
बांकेलाल- पागल मैं नहीं तुम हो, सुना नहीं गाड़ी प्लेटफार्म नंबर 10 पर आ रही है।

==
चुटकुला # 01015

इवनिंग वॉक

केंद्रीय सचिवालय में दो कलर्क तेजा सिंह और भेजा सिंह आपस में बात कर रहे थे। तेजा सिंह- तुम्हें पता है मनमोहन सिंह हर शाम को ही सैर पर क्यों निकलते हैं। भेजा सिंह- क्योंकि वें पीएम हैं, एएम नहीं

==
चुटकुला # 01016

मशक्कत

मीनाबाई ने अपनी सहेली लता दीक्षित से पूछा, 'पत्नी अक्सर यही कामना क्यों करती हैं कि सात जन्मों तक उसे वहीं पति मिले।'
लता दीक्षित ने कहा, 'जिससे उस पति को सुधारने में ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े।'

==

चुटकुला # 01017

मुझे लेने कब आओगे

पत्नी ने मायके से पति को पत्र भेजा : मुझे यहां आए एक महीना हो गया। आपकी याद में सूखकर आधी हो गई हूं। आप मुझे लेने कब आएंगे?
पति ने जवाब भेजा : अभी एक महीना और रु क जाओ।
==
चुटकुला # 01018

नहीं बता पाए ना...

एटीएम मशीन से पैसा निकालने के लिए सोहन लाल और बांकेलाल लाइन में लगे थे। सोहन लाल बांके लाल के पीछे खड़ा था। बांके लाल ने जैसे ही पैसे निकाले सोहन लाल ने चहकते हुए कहा - मैंने तुम्हारा पिन कोड देख लिया, इसमें चार स्टार है।
बांके लाल तपाक से बोला - चार स्टार नहीं बल्कि 8545 है।

==

चुटकुला # 01019

वह डाल-डाल मैं पात-पात

एक बार एक लड़की अपने बॉयफ्रेंड को लेकर घर आई और अपने पिता से कहा कि वह उससे शादी करना चाहती है। पिता ने उस लड़के से थोड़ी देर बात की फिर बेटी को अकेले में ले जाकर कहा, तुम उससे शादी नहीं कर सकती। वह तुम्हारा सौतेला भाई है।
लड़की कुछ दिनों बाद एक दूसरे लड़के को लेकर आई। पिता ने उसका परिचय जानने के बाद लड़की से कहा, तुम इससे भी शादी नहीं कर सकती क्योंकि यह भी तुम्हारा सौतेला भाई लगता है। उसके बाद लड़की कुछ और लड़कों को लेकर आई और पिता ने सभी को सौतेला भाई करार देकर ठुकरा दिया। गुस्से से तमतमाई लड़की अपनी मां के पास पहुंची और बोली, मां ! तुम जिंदगी भर हाथ पर हाथ धरे बैठी रही और पिताजी पूरे शहर में गुलछर्रे उड़ाते रहे। मां ने पूरी बात सुनी और प्यार से कहा, तू चिंता मत कर। इनमें से जिस लड़के से चाहे शादी कर सकती है। ये तेरे असली पिता नहीं हैं?

==

चुटकुला # 01020

क्योंकि...तैरना नहीं आता

पागलखाने के तीन पागलों का मनोचिकित्सक द्वारा टेस्ट लिया ला रहा था। इस टेस्ट में पास होने के बाद उन्हें घर भेजा जाना तय था और फेल होने पर उन्हें अगले पांच साल तक और पागलखाने में ही रखा जाना था।
डॉक्टर उन्हें एक सूखे स्विमिंग पुल पर ले गया। पहले से कहा, 'चलो कूदो।' वह कूद पड़ा और उसके दोनों हाथ टूट गए। फिर दूसरा भी कूदा और उसने दोनों टांगे तुड़वा लीं।
जब डॉक्टर ने तीसरे पेशेंट से कूदने को कहा तो उसने कूदने से इनकार कर दिया। डॉक्टर ने उसे मुबारकबाद दी और कहा कि तुम बिल्कुल ठीक हो और घर जा सकते हो। अब यह बताओ कि तुमने कूदने से मना क्यों कर दिया? तो उसका जवाब था, 'मुझे तैरना नहीं आता।'

==

चुटकुला # 01021

तलाक

एक दम्पति ने रोज-रोज के झगड़ों से तंग आकर कोर्ट में तलाक के लिए याचिका दायर की। न्यायाधीश ने पूछा : आप अपने तीन बच्चों का बंटवारा किस प्रकार करोगे? पति ने कुछ देर

सोचने के बाद कहा : ठीक है जज साहब, बच्चों के समान बंटवारे के लिए हम अगले साल तलाक लेंगे।

==

चुटकुला # 01022

टिकट

टीटी ट्रेन में यात्री से : अपना टिकट दिखाओ।
यात्रीः ये लीजिए मेरा टिकट।
टीटी : यह तो लिफाफे पर चिपकाने वाला टिकट है।
यात्रीः तो क्या हुआ, जब इस टिकट से लिफाफा देशभर में सफर कर सकता है तो मैं क्यों नहीं।

==

चुटकुला # 01023

तुम क्या करोगे?

मोहन ने विवेक से पूछा, 'यार उस स्थिति में तुम क्या करोगे, जब तुम्हारे घर के पिछले दरवाजे पर कुत्ता भौंक रहा हो और मुख्य दरवाजे पर तुम्हारी पत्नी चिल्ला रही हो।' विवेक ने कहा, 'ऐसी स्थिति में मैं कुत्ते को घर में घुसने दूंगा, कम से कम वह अंदर आने पर चुप तो हो जाएगा।'

==

चुटकुला # 01024

मृत सागर

कक्षा में टीचर ने बच्चों को कुछ प्रश्नों के जवाब याद करने को दिए। अगले दिन टीचर ने एक बच्चे से पूछा,
'अच्छा रोहन मृत सागर के बारे में तुम क्या जानते हो? इस पर रोहन ने कहा, 'मृत सागर', 'सर मैं तो यह भी नहीं जानता कि वह बीमार भी था।'

==

चुटकुला # 01025

कचरे का डिब्बा

सवारी भरने के चक्कर में बस काफी देर तक स्टैंड पर रोके रखने पर एक परेशान यात्री ने कंडक्टर से पूछा, अरे भई यह कचरे का डिब्बा कब चलेगा। इस पर कंडक्टर ने कहा, इसकी रवानगी तभी होगी जब इसमें 'कचरा' भर जाएगा।

==

चुटकुला # 01026

अकाल क्यों पड़ा...

मोटू और पतलू दोस्त थे। एक दिन दोनों में बहस होने लगी-
मोटू ने कहा - अरे पतलू , तुझे देखकर लोग कहेंगे कि आजकल शहर में अकाल पड़ा है।
पतलू तपाक से बोला - हां, लेकिन तुम्हें देखकर पता चल जाएगा कि अकाल क्यों पड़ा है।
==

चुटकुला # 01027

हंसीं लम्हा

शादी की 25वीं साल गिरह के मौके पर पत्नी ने पति से कहा, 'सुनो जी, क्या तुम्हें याद है जिस दिन तुमने मुझसे शादी का प्रस्ताव रखा था, खुशी के मारे मैं एक घंटे तक कुछ बोल नहीं पाई। इस पर पति ने ठंडी आह भरते हुए कहा, हां मुझे याद है, वो एक घंटा ही मेरी जिंदगी का सबसे हंसीं लम्हा था।

चुटकुला # 01028

फोटो लौटा देना

एक दिन रोहन की गर्लफ्रेंड ने उसे पत्र लिखा और अपनी फ्रेंडशिप तोड़ते हुए अपनी फोटो लौटाने को कहा। इस पर रोहन ने उसे बहुत सारी लड़कियों की फोटो के साथ खत भेजा। जिसमें उसने लिखा कि मुझे तुम्हारी शक्ल अब याद नहीं। तुम अपनी फोटो निकाल लेना और बाकी फोटो मुझे लौटा देना।

==

==
चुटकुला # 01029

तीसरा बच्चा

एक दंपति के तीन बच्चे थे। उनमें से दो गोरे-चिट्टे और तेज थे लेकिन तीसरा बालक बेहद बदसूरत और भौंदू था। एक दिन सशंकित पति ने पत्नी से पूछा, सच-सच बताओ, क्या यह तीसरा बच्चा वाकई मेरा है?
इस पर पत्नी ने तपाक से कहा, हां केवल तीसरा बच्चा ही तुम्हारा है।
==
चुटकुला # 01030

मालिक ने नौकर को चेक देते हुए कहा - हम तुम्हारी ईमानदारी और मेहनत से बड़े प्रसन्न हुए। ये लो हजार रुपये का चेक, इसे हम अपनी ओर से भेंट करते हैं। यदि इसी प्रकार मेहनत से काम करते रहे तो अगले साल इस पर हस्ताक्षर भी कर देंगे।

==
चुटकुला # 01031

लड़की का पिता - मेरी लड़की आपके घर को स्वर्ग बना देगी। लड़के का पिता - जी धन्यवाद! हम अभी और कुछ साल जीना चाहते हैं।

==

चुटकुला # 01032

निशा - क्या तुम्हारा कोई ब्वाय फ्रेंड है? रश्मि - था मगर... निशा - मगर क्या हुआ? क्या मर गया? रश्मि - नहीं उसने शादी कर ली। निशा - किसके साथ। रश्मि - मुझसे।

==

चुटकुला # 01033

एक आदमी सड़क पर मस्ती से चला जा रहा था। इतने में ऊपर के एक मकान से जोर-जोर से चीख पुकार सुनाई पड़ी तो वह भी देखने पहुंच गया। पता चला कि एक बच्चे ने अठन्नी निगल ली है। उसने आव देखा न ताव बच्चे को उल्टा लटकाया और पीठ पर जोर-जोर से धौल जमाए तो अठन्नी बाहर आ गई। सब खुश हो गए और उससे पूछा - क्या आप डॉक्टर हैं? उसने जवाब दिया - जी नहीं, मैं आय कर अधिकारी हूं।

==

चुटकुला # 01034

कौन सी ताल जानते हो संगीत के गुरु के पास एक यूनियन लीडर का लड़का संगीत की शिक्षा लेने पहुंचा। गुरु जी ने उससे पूछा, 'बेटा, अभी तुम किस ताल के बारे में सबसे अधिक जानते हो।' 'जी, हड़ताल के बारे में।' लड़के ने जवाब दिया। - दीपक पांडे, पंत नगर

==

चुटकुला # 01035

गांव में रहने वाला पप्पू चिट्ठी डालने के लिए शहर जा रहा था। रास्ते में उसका दोस्त मिला तो पता चला कि वह भी शहर जा रहा है। पप्पू बोला - अरे यार! जब तुम शहर जा रहे हो तो फिर मुझे परेशान होने की क्या जरूरत है। मेरा भी छोटा-सा काम है, तुम ही करते आना। वहीं किसी डाकघर में मेरी चिट्ठी डाल देना। साल भर बाद जब दोस्त वापस आया तो पप्पू ने पूछा - मेरी चिट्ठी तो डाल दी थी न। इस पर दोस्त चिढ़ कर बोला - अगर तुम्हें इतनी ही जल्दी है तो यह लो अपनी चिट्ठी। खुद ही डाल देना।

==

चुटकुला # 01036

एक पते पर भेजा गया लिफाफा भेजने वाले के पास वापस लौट आया। उस पर डाकिये ने लिखा था, 'यह आदमी मर चुका है।' गलती से फिर वही पत्र डाक में डाल दिया गया। कुछ दिन पश्चात वह फिर वापस आ गया। इस बार उस पर यह भी लिखा था, 'यह आदमी अभी तक मृत है।'

==

चुटकुला # 01037

जज - इससे पहले कि फैसला सुनाया जाए, क्या तुम अदालत के सामने कुछ पेश करना चाहते हो। अभियुक्त- नहीं जज साहब, मेरा आखिरी रूपया भी आज सुबह वकील साहब ने ले लिया है।

==

चुटकुला # 01038

शंकर - यार, डॉक्टर ने मुझे आंखों की रोशनी के लिए हरे-भरे पेड़ देखने को कहा है। लेकिन, हमारी कालोनी में तो दूर-दूर तक हरियाली नहीं है। महेश - इसमें चिंता की क्या बात

है। तुम अपनी पत्नी को दो-चार हरी साड़ियां लाकर दे दो। शंकर - लेकिन यार डॉक्टर ने मुझे हरे भरे पेड़ देखने को कहा है, पहाड़ नहीं।

==

चुटकुला # 01039

किराएदार (मकान मालिक से)-ये कैसा मकान है कि पूरे दिन यहां चूहे दौड़ लगाते रहते हैं। मकान मालिक-तो इतने कम किराए में क्या आप यहां घोड़ों की रेस देखना चाहते हैं।

==

गधा

चुटकुला # 01040

किसी दीवार पर लिखा था-पढ़ने वाला गधा। इसे पढ़कर वहां से गुजर रहा एक लड़का सोच में पड़ गया। थोड़ी देर तक सोचने के बाद वह आगे बढ़ा और उसने पहले शब्द को बदल दिया और अब वह वाक्य हो गया-लिखने वाला गधा।

==

चुटकुला # 01041

श्रम

देवरानी ने जेठानी से पूछा-ये पत्नियां अगले जन्म में भी वर्तमान पति को ही पाने की कामना क्यों करती हैं? जेठानी-ताकि अगले जन्म में पति सुधारने के कठोर श्रम से बच जाएं।

== चुटकुला # 01042

भीख

नेताजी ने एक बच्चे को चौराहे पर भीख मांगते देखा। वह उसके पास गए और उसे समझाते हुए बोले-बेटे इस समय तो तुम्हें स्कूल में होना चाहिए। जी साहब, मैं वहां भी गया था पर वहां 10 पैसे की भी भीख नहीं मिली-बच्चे ने कहा।

==

चुटकुला # 01043

खतरनाक पागल

कैंब्रिज यूनीवर्सिटी का एक छात्र पागलों पर एक शोध के सिलसिले में एक मानसिक अस्पताल में पहुंचा। वहां के एक डॉक्टर से उसने रोगियों की कहानी पूछना शुरू की। शोधकर्त्ता को एक वार्ड में ले जाकर डॉक्टर ने एक मरीज की ओर इशारा करते हुए बताया कि इस युवक की कहानी बहुत करूण है। इसका नाम है सोनू और यह सोनिया से प्यार करता था सोनिया ने इसे धोखा देकर किसी दूसरे के साथ शादी कर ली। बेचारा इसी गम में पागल हो गया। शोधकर्त्ता की आंखों में साहनुभूति के आंसू बह निकले और दोनों दूसरे वार्ड की ओर बढ़ गए। एक कमरे के बाहर लिखा था-सावधान, इसे न छेड़िए, यह बहुत ही खतरनाक पागल है। डॉक्टर ने उसकी ओर इशारा करते हुए बताया-यह इस अस्पताल का सबसे खतरनाक पागल है। इसी ने सोनिया से शादी की थी।

==

चुटकुला # 01044

वर्णमाला

टीचर (एक छोटे बच्चे से)-अपनी सीट पर खड़े होकर अंगरेजी की वर्णमाला सुनाओ। बच्चे ने खड़े होकर बड़ी मासूमियत से पूछा-बड़ी वाली सुनाऊं या छोटी वाली।

==

चुटकुला # 01045

भीख

नेताजी ने एक बच्चे को चौराहे पर भीख मांगते देखा। वह उसके पास गए और उसे समझाते हुए बोले-बेटे इस समय तो तुम्हें स्कूल में होना चाहिए। जी साहब, मैं वहां भी गया था पर वहां 10 पैसे की भी भीख नहीं मिली-बच्चे ने कहा।

==

==

चुटकुला # 01046

गिनती

एक हवाई जहाज में यात्रा करने के लिए एक हकला चढ़ा। जैसे ही हवाई जहाज आसमान में पहुंचा, एक जोर का धमाका हुआ। चारों तरफ हड़कंप मच गया। घबराए हुए कैप्टन ने कॉकपिट से बाहर आकर लोगों को संबोधित किया। कैप्टन- हवाई जहाज में आग लग गई है। सभी यात्रियों को पैराशूट दिए जाएंगे। इन्हें बांधकर हवाई जहाज से बाहर कूद जाएं। कूदने के बाद एक से दस तक गिने और पैराशूट की डोरी खींच दें। हकला आदमी कुछ समझ नहीं पाया। उसने दोबारा पूछने के लिए जैसे ही कैप्टन को टोका, कैप्टन ने हाथ जोड़कर उससे कहा- आप सिर्फ तीन तक गिनें।

==

चुटकुला # 01047

गधे की कमी

एक परेशान आदमी बस में चढ़ा। बस में भरी भीड़ देखकर उसने कहा, 'बस को क्या चिड़ियाघर बना रखा है।' इस पर एक आदमी तपाक से बोला, 'बस एक गधे की कमी थी, जो आप के आने से पूरी हो गई।'

==

==

चुटकुला # 01048

दावत

एक पंडाल में भोज चल रहा था। दो सज्जन कुछ देर से पहुंचे। पहले ने दूसरे से पूछा, 'आप किसकी तरफ से आए हैं?' 'जी मैं लड़केवालों की तरफ से आया हूं। मैं लड़के का मामा हूं और आप?' दूसरे सज्जन ने पहले से पूछा। सुनकर पहले सज्जन ने जवाब दिया, 'जी मैं लड़की का चाचा हूं। आप और हम तो रिश्तेदार हुए...।' उन दोनों की बात सुनकर एक तीसरे सज्जन बोले, 'अच्छा आप लड़केके मामा हैं और आप लड़की के चाचा...शर्म नहीं आती दूसरों की दावत में खाना खाते।' तीसरे सज्जन ने धीमे से उन्हें फटकारा, 'यह किसी विवाह की पार्टी नहीं, तेरहवीं है। किसी दावत में जाना हो, तो पूरी जानकारी के साथ जाओ, जैसे मैं जाता हूं।'

==

चुटकुला # 01049

जुर्माना

एक साइकिल सवार को ट्रक ड्राइवर द्वारा टक्कर मार दिए जाने के मुकदमे की तारीख थी। जज (ट्रक ड्राइवर पर जुर्माना लगाने के बाद साइकिल सवार से)- आप इस हादसे से किस प्रकार बच गए। साइकिल सवार- महाशय, मेरा भगवान मेरे साथ था। जज- साइकिल पर डबल सवारी करना कानूनन जुर्म है, इसलिए आपको भी जुर्माना भरना पड़ेगा।

==
==
चुटकुला # 01050

विज्ञापन

दो दोस्त आपस में बातें कर रहे थे। अलीम- आज सड़क पर इतने कागज क्यों बिखरे पड़े हैं? खलील- यह सरकारी विज्ञापन है जिनमें जनता से अपील की गई है कि सड़क पर रद्दी नहीं फेंकनी चाहिए।

==
चुटकुला # 01051

याददाश्त

महिला (तलाक के मुकदमे में जज से)- मेरा पति बिल्कुल लापरवाह है। केवल इसे घोड़ों की रेस का ध्यान रहता है। और तो और इसे शादी की तारीख तक याद नहीं है। पति चीखा- सब झूठ है हुजूर, मुझे अच्छी तरह याद है कि शादी के दिन बारह नंबर का घोड़ा दौड़ जीता था।

==

चुटकुला # 01052

भुलक्कड़

एक भुलक्कड़ शिक्षक महोदय अपनी घड़ी सदा बायीं जेब में रखा करते थे। एक बार भूल से दायीं जेब में घड़ी रख ली और समय देखने के लिए बायीं जेब में हाथ डाला तो घड़ी गायब। उन्होंने एक विद्यार्थी को घड़ी लाने के लिए घर भेजा। फिर दायीं जेब में हाथ डालकर घड़ी निकाली और कहने लगे- अभी 10.15 हुए हैं,10.25 तक जरूर आ जाना।

==

चुटकुला # 01053

ब्रांडी

सड़क पर एक व्यक्ति बेहोश होकर गिर गया, उसे देखने के लिए काफी भीड़ लग गई। भीड़ से आवाज आई, अरे इसके मुंह में थोड़ी सी ब्रांडी डाल दो। लेकिन भीड़ में आवाज दब गई। बेहोश व्यक्ति (काफी देर इंतजार करने के बाद)- अरे, कोई उसकी बात भी सुनो जो ब्रांडी पिलाने के लिए कह रहा है।

==

चुटकुला # 01054

लड़ाई

एक महिला (बच्चों को लड़ते देखकर)- अरे, तुम लोग फिर लड़ने लगे? रोहित- नहीं मम्मी, यह तो वही पहले वाली लड़ाई है।

==

चुटकुला # 01055

केवल मां बाप

मकान मालिक ने 'मकान खाली है' का बोर्ड लगा रखा था। साथ ही यह भी लिखा था कि यह मकान उन लोगों को दिया जाएगा जिनके बाल बच्चे न हों। एक बच्चा मकान मालिक के पास आया और बोला- यह मकान मुझे दे दीजिए, मेरे केवल मां बाप हैं।

==

चुटकुला # 01056

छुट्टी

कवि सम्मेलन में एक कवि अपना गीत पढ़ रहे थे। श्रोताओं ने उनसे रात भर कविता पढ़ने का अनुरोध किया। कवि (श्रोताओं से)- क्या आपको यह कविता इतनी पसंद आई? श्रोता- नहीं, आज हमारे मुहल्ले का चौकीदार छुट्टी पर गया है।

==

चुटकुला # 01057

डॉक्टर- हमारे सुझाव के अनुसार ही चल रहे हो न? शराबी- हां महाशय, आजकल केवल चार पैग पी रहा हूं। डॉक्टर- लेकिन मैंने तो तुम्हें मात्र दो पैग लेने के लिए ही कहा था। शराबी- आपसे पहले भी मैं एक डॉक्टर से मिला था। उन्होंने भी दो पैग पीने की सलाह दी थी।

==

चुटकुला # 01058

मौका

महिला- डॉक्टर साहब, मेरे पति रात को सोते हुए बहुत बड़बड़ाते हैं। क्या उनकी यह आदत छूट सकती है? डॉक्टर- हां, बशर्ते कि आप उन्हें दिन में बोलने का मौका दिया करें।

==

चुटकुला # 01059

लक्षण

एक व्यक्ति (पागलों के डॉक्टर से)- महाशय, मेरी पत्नी पागल हो गई है। डॉक्टर- अपनी पत्नी के पागलपन के दो-चार लक्षण बताएं? व्यक्ति- आज शाम जब मैं ऑफिस से घर पहुंचा तो

उसने मुसकरा कर मेरा स्वागत किया। बड़े प्यार से चाय की प्याली पेश की, जबकि आज पहली तारीख भी नहीं है।

==

चुटकुला # 01060

अकेले में

जज- अच्छा, तो इस व्यक्ति ने तुम्हे कौन-कौन सी गालियां दी? युवक- महाशय, वह सब गालियां शरीफों के सामने देने वाली नहीं है। वकील- हम सब यहां से चले जाते हैं तुम जज साहब को अकेले में सुना दो।

==

चुटकुला # 01061

बुरा काम

राहगीर (भिखारी को समझाते हुए)- तुम भीख क्यों मांगते हो? यह बहुत बुरा काम है। भिखारी- क्या आपने कभी भीख मांगी है? राहगीर- नहीं। भिखारी- फिर आपको कैसे मालूम हुआ कि यह काम बुरा है?

==

चुटकुला # 01062

काटा नहीं, चखा

एक बड़ा-सा कुत्ता एक छोटे से बच्चे का मुंह और हाथ चाटने लगा। बच्चा डर के मारे चीख उठा। बच्चे की चीख सुनकर उसकी मां निकली और बोली- क्या हुआ, कुत्ते ने काटा तो नहीं? बच्चे ने भोलेपन से जवाब दिया- नहीं अभी तो चख रहा था।

==

चुटकुला # 01063

उम्र का तकाजा

मरीज- डॉक्टर साहब, मेरी दाईं टांग में बहुत दर्द रहता है। डॉक्टर- यह तो उम्र का तकाजा है। मरीज- पर डॉक्टर साहब, उम्र तो मेरी बाईं टांग की भी उतनी ही है, फिर दाईं टांग में ही तकलीफ क्यों?

==

चुटकुला # 01064

नुकसानदेह

अध्यापक- रमेश, तुम बताओ, चाय नुकसानदेह है या फायदेमंद? रमेश- जी, नुकसानदेह। अध्यापक- राजू, तुम बताओ। राजू- फायदेमंद। अध्यापक- अनिल, तुम बताओ। अनिल- जी, अगर चाय पिलानी पड़े तो नुकसानदेह और अगर मुफ्त में पीने को मिले तो फायदेमंद।

==

चुटकुला # 01065

मजबूत दिल

एक आदमी पायलट की नौकरी के लिए इंटरव्यू देने गया। वहां उससे पूछा गया, 'आपका दिल तो कमजोर नहीं है?' उसने जवाब दिया, 'बिलकुल नहीं सर। मुझे एक साल में ही तीन-तीन दिल के दौरे पड़े मगर फिर भी मैं बच गया। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि मेरा दिल कितना मजबूत है।' इंटरव्यू लेने वाले ने पूछा, 'ये दौरे आपको कब-कब पड़े?' उसने जवाब दिया, 'श्रीदेवी, जूही चावला और माधुरी दीक्षित की शादी के बाद।'

==

चुटकुला # 01066

खुशियों के दिन

एक दोस्त (दूसरे दोस्त से)- मसूरी की बदौलत ही मुझे चंद दिन खुशियों के नसीब हो पाए। दूसरा दोस्त- लेकिन जहां तक मुझे याद है तुम तो कभी मसूरी गए ही नहीं। पहला दोस्त- हां, लेकिन मेरी पत्नी पिछले हफ्ते गई थी न।

==

चुटकुला # 01067

नौकरी का कारण

मैनेजर (लड़की से इंटरव्यू लेते हुए)- आप हमारी फर्म में नौकरी क्यों करना चाहती हैं? लड़की- जी, बात यह है कि घर में बच्चों के शोर की वजह से मैं सो नहीं पाती।

==

चुटकुला # 01068

बीमारी

डॉक्टर ने मरीज की जांच करने के बाद कहा, 'यह कोई बहुत पुरानी बीमारी है जो धीरे-धीरे आपके शरीर को घुन की तरह खा रही है।' मरीज बोला, 'भगवान के लिए धीरे बोलिए डॉक्टर साहब! वह बीमारी बाहर ही बैठी है।'

==

चुटकुला # 01069

गारंटी

डॉक्टर के खराब पड़े टीवी को ठीक करने के बाद मैकेनिक ने उनसे सौ रुपये मांगे, तो डॉक्टर साहब भड़क उठे। बोले- सौ रुपये किस बात के? मैकेनिक- किस बात के? अरे, टीवी रिपेयरिंग के! डॉक्टर- लेकिन, मैं तो अपने क्लीनिक में दवा और फीस मिलाकर सिर्फ पचास रुपये ही लेता हूं और आप जरा सी मरम्मत के लिए सौ रुपये मांग रहे हैं। मैकेनिक- मगर डॉक्टर साहब, मैं मरम्मत के साथ-साथ गारंटी भी देता हूं।

==

चुटकुला # 01070

जानकारी

बेहोश पड़े एक मरीज को देखकर डॉक्टर ने कहा, 'यह तो मर गया है।'' इसी बीच मरीज होश में आ गया और बोला, 'लेकिन अभी तो मैं जिंदा हूं।' यह सुनकर नर्स ने मरीज को फटकारा, 'चुप रहो, डॉक्टर साहब ज्यादा जानते हैं या तुम?'